70 वीं वार्षिक रिपोर्ट

70th Annual Report

2023-24



INDIA TEA
World's Gold Standard

केवल कार्यालयीन प्रयोग हेतु

टी बोर्ड भारत

वर्ष 2023-24 हेतु

वार्षिक रिपोर्ट

₹

14, बी.टी.एम. सरणी

कोलकाता-700 001

विषय-सूची

बोर्ड की 70वीं वार्षिक रिपोर्ट: 2023-2024

अध्याय सं	विषय	पृष्ठ सं
अध्याय-1	संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य	1-8
अध्याय-2	वैश्विक परिदृश्य में भारतीय चाय	9-12
अध्याय-3	वित्त	13-16
अध्याय-4	चाय विकास	17-50
अध्याय-5	चाय अनुसंधान	51-73
अध्याय-6	चाय संवर्धन	74-119
अध्याय-7	अनुज्ञापन	120-127
अध्याय-8	सांख्यिकी	128-131
अध्याय-9	मानव संसाधन विकास	132-137
अध्याय-10	हिन्दी कक्ष	138-140
अध्याय-11	सतर्कता प्रकोष्ठ एवं सूचना का अधिकार	141-142
अध्याय-12	विधि प्रकोष्ठ	143
अध्याय-13	आईटी कक्ष	144

अध्याय- 1

स्थापना

संगठनात्मक ढांचा एवं कार्य

बोर्ड का गठन

चाय अधिनियम 1953 के अनुच्छेद 4 के प्रावधानों के अनुरुप टी बोर्ड की स्थापना 1 अप्रैल 1954 में की गई थी । टी बोर्ड को भारत में चाय उद्योग के समग्र विकास का कार्य प्रभारित किया गया है और यह केन्द्र सरकार, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य कर रहा है।

बोर्ड का संगठन:

बोर्ड में एक अध्यक्ष और 31 सदस्य होते हैं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है, जो चाय उद्योग के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। बोर्ड का हर तीन वर्ष में पुनर्गठन किया जाता है। मौजूदा बोर्ड को 16 अगस्त 2022 एवं 26 दिसंबर, 2022 की राजपत्र अधिसूचनाओं के माध्यम से तीन वर्ष की अवधि के लिए पुनर्गठित किया गया था।

टी बोर्ड का कार्यः

चाय अधिनियम की धारा 10 के तहत वर्णित टी बोर्ड के कार्य व्यापक है एवं संक्षिप्त रुप से इस प्रकार प्रस्तुत है :

1. चाय बागानों के उत्पादन एवं उत्पादकता को बढ़ाना;
2. चाय की गुणवत्ता में सुधार;
3. लघु चाय कृषकों में सहकारिता प्रयासों का संवर्धन;
4. चाय अनुसंधान एवं विकास को समर्थन;
5. निर्यात एवं घरेलू खपत में वृद्धि हेतु संवर्धन अभियान का निष्पादन;
6. विनियामक कार्य-चाय बागानों, फैक्ट्रियों, प्राथमिक क्रेताओं का पंजीकरण एवं चाय ब्रोकरों, नीलामी संगठनों, निर्यातकों तथा चाय अपशिष्ट डीलरों हेतु अनुज्ञापन जारी करना;
7. स्वास्थ्य, आरोग्य शास्त्र, प्रशिक्षण एवं शिक्षा के क्षेत्र में रोपण कर्मियों एवं उनकी संतानों हेतु कल्याणकारी उपाय;
8. चाय आंकड़ों का संग्रहण एवं वितरण; तथा
9. केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी ऐसी अन्य गतिविधियाँ

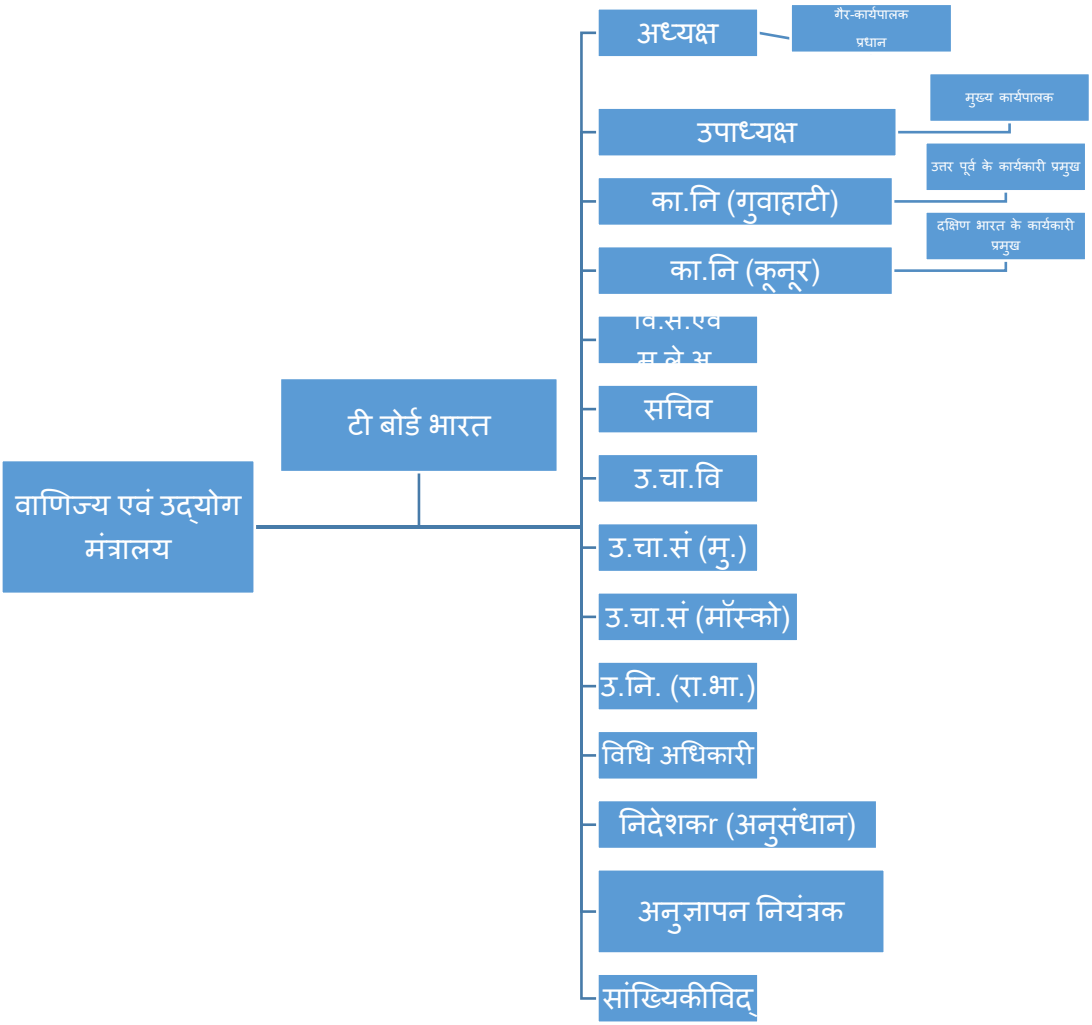
निधि का स्रोत :

उपर्युक्त कार्य हेतु निधि केन्द्र सरकार द्वारा पूंजी तथा राजस्व शीर्ष के अंतर्गत बोर्ड को प्रदान की जाती है।

राजस्व निधि का प्रयोग विशेषरुप से प्रशासन व स्थापना प्रभार के लिए किया जाता है जिसमें चाय पर उपकर मुख्य स्रोत है । पूंजीगत निधियों का प्रयोग बोर्ड के विविध विकासात्मक, संवर्धनात्मक एवं कल्याण योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु पूंजी निधियों का प्रयोग किया जाता है । चाय अधिनियम, 1953 की धारा 25(1) के अंतर्गत भारत में उत्पादित सभी चायों पर 50 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से चाय उपकर लगाया जाता था, केवल दार्जिलिंग चाय के जिस पर केवल 20 पैसे प्रति किलोग्राम की दर से उपकर लगाया जाता है। यद्दपि जीएसटी कार्यान्वयन के बाद, तैयार चाय के उत्पादन पर लागू उपकर को जीएसटी में समाविष्ट किया गया है एवं धारा 3 के खंड (सी), धारा 25 एवं 26 तथा धारा 27 की उपधारा (1) के खंड (ए) भारत के राजपत्र की धारा 1 भाग II में प्रकाशित कर नियम (संशोधन) अधिनियम, 2017 (2017 के सं. 18) के तहत निरस्त किया गया है ।

प्रशासनिक ढांचाः

चाय नियम, 1954 के नियम 3 के अनुसार बोर्ड का मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल में स्थित है । अध्यक्ष गैर-कार्यपालक प्रधान है एवं उपाध्यक्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारी है । गुवाहाटी (असम) तथा कुनूर (तमिलनाडु) में स्थित बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय में दो कार्यपालक निदेशक तैनात हैं भारत में बोर्ड के तैंतीस (33) कार्यालय हैं जिसमें मुख्यालय/क्षेत्रीय/आंचालिक/उप-क्षेत्रीय कार्यालय शामिल है तथा विदेश में अर्थात् मॉस्को में एक (01) कार्यालय है ।



टी बोर्ड का प्रशासनिक ढ़ांचा

स्थापना विभाग की भूमिका नीति बनाना तथा चाय नियमों के प्रावधानों तथा भारत सरकार के वाणिज्य विभाग व कार्मिक व प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी उप-नियमों, नियमों, आदेशों तथा परिपत्रों का अनुपालन सुनिश्चित करना है। सचिव इस विभाग के प्रधान हैं जिसे सहायक सचिव द्वारा सहायता दी जाती है। यह बोर्ड के कर्मचारियों व अधिकारियों से संबंधित मामलों, सेवा सम्बंधी मामलों, कार्यालयों की स्थापना, जनशक्ति पदों आदि से संबंधित सभी मामलों पर कार्य करता है। सचिवालय अनुभाग और भंडार सचिवालय से संबंधित सभी मामलों का रखरखाव करता है, जैसे सभी वीआईपी संदर्भों से निपटना, बोर्ड की बैठकों का आयोजन करना आदि, जबकि भंडार अनुभाग बोर्ड की सूची का रिकॉर्ड रखता है।

वर्ष 2023 से 2024 तक बोर्ड की बैठक (मार्च,2024 तक)

रिपोर्टाधीन (अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक) के दौरान बोर्ड की बैठक का आयोजन किया गया जिसका विवरण निम्नवत है

बोर्ड के बैठक की संख्या	स्थान	दिनांक
249वीं	**गुवाहाटी**	**17 नवम्बर, 2023**

टी बोर्ड की जन-शक्ति

31.03.2024 तक बोर्ड की कुल जनशक्ति 330 थी (इसमें टी बोर्ड से अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर आठ अधिकारी शामिल है)। भारत में बोर्ड के कार्यालयों में विभिन्न श्रेणियों के तहत अधिकारियों व कर्मचारियों की वर्तमान क्षमता का विवरण तालिका-1 में दिया गया है।

तालिका-1

भारत में बोर्ड की समूहवार जनशक्ति 31.03.2024 तक

क्षेत्र	समुह ए	समुह बी	समुह सी	कुल
मुख्यालय	12	21	72	105
आंचलिक/क्षेत्रीय/उप क्षेत्रीय कार्यालय	38	68	111	217
टी बोर्ड में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी	3*	-	-	3
टी बोर्ड अधिकारी/ अन्य संगठन में प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी	2	2	1	5
कुल	**55**	**91**	**184**	**330**

* 03 **टी बोर्ड में कई अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर हैं, जैसे उपाध्यक्ष, कार्यकारी निदेशक, गुवाहाटी और कार्यकारी निदेशक, कुन्नूर।**

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एवं अन्य पिछड़े वर्ग 31.03.2024 तक का विवरण

	अनु जा	अनु जनजा	अ.पि.व	कुल
ग्रुप ए	9	3	17	29
ग्रुप बी	13	4	28	45
ग्रुप सी	33	13	21	67
कुल	**55**	**20**	**66**	**141**

बोर्ड के कर्मचारियों का आयु-वार विवरण (प्रतिनियुक्ति पर अधिकारियों को छोड़कर) **31.03.202**4 तक

आयु वर्ग	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	**कुल**
18-30	0	0	01	01
31-40	16	32	30	78
41-50	15	42	57	114
51-60	21	17	96	134
कुल	**52**	**91**	**184**	**327**

* 03 **टी बोर्ड में कई अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर हैं, जैसे उपाध्यक्ष, कार्यकारी निदेशक, गुवाहाटी और कार्यकारी निदेशक, कुन्नूर।**

अगले पाँच वित्तीय वर्षों में टी बोर्ड की सेवानिवृत्ति तालिका

वर्ष	ग्रुप ए	ग्रुप बी	ग्रुप सी	**कुल**
2024-2025	3	3	14	20
2025-2026	0	3	14	17
2026-2027	2	2	11	15
2027-2028	5	5	9	19
2028-2029	4	0	13	17
कुल	**14**	**13**	**61**	**88**

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बोर्ड की जन-शक्ति में बदलावः

पदोन्नतिः

प्रशासनिक व्यय में कटौती के साथ-साथ मितव्ययता उपायों के एक भाग के रूप में, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के बागान प्रभाग ने पत्र संख्या 5/1004/2015-प्लांट (समन्वय) दिनांक 22.02.2017 के माध्यम से टी बोर्ड को सलाह दी है कि वह विभाग की पूर्व स्वीकृति के बिना कोई नई भर्ती और पदोन्नति न करे। हालांकि, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के पूर्व अनुमोदन से, टी बोर्ड ने दिसंबर, 2023 के महीने के दौरान चाय विकास के उप निदेशक के दो पदों, चाय विकास के सहायक निदेशक के दो पदों और निदेशक (आर) के पद को पदोन्नति पर भरा है।

अतिरिक्त दायित्वः

- डॉ. ऋषिकेश राय,उपनिदेशक (हिन्दी) ने सचिव (प्र), टी बोर्ड का अतिरिक्त दायित्व , 22.12.2018 से ग्रहण किया एवं उपर्युक्त प्रभार 2023-2024 के दैरान जारी रखा।
- श्री ए.जे. राव, सहायक सांख्यिकी अधिकारी ने 14.08.2019 से सांख्यिकीविद् (प्रभारी), टी बोर्ड का अतिरिक्त कार्यभार संभाला तथा 2023-2024 तक उक्त प्रभार संभालते रहेंगे।
- अनुज्ञापन नियंत्रक श्रीमती रजनीगंधा सील नस्कर को 19.07.2021 से सतर्कता अधिकारी के पद पर नामित किया गया है तथा वे 2023-2024 तक उक्त पद पर बनी रहेंगी।
- सुश्री अरुणिता फूकन यादव आईआरएस (सीएंडसीई:2011) कार्यकारी निदेशक, गुवाहाटी ने 11.02.2022 से निदेशक चाय संवर्धन (प्रभारी), टी बोर्ड, कोलकाता का अतिरिक्त प्रभार संभाला और 2023-2024 के दौरान उक्त प्रभार संभालती रहेंगी।
- डॉ. महिपाल सिंह, परियोजना निदेशक ने 07.09.2022 से 24.01.2024 तक निदेशक (अनुसंधान) का अतिरिक्त कार्यभार संभाला।
- श्रीमती रजनीगंधा सील नस्कर, अनुज्ञापन नियंत्रक को 05.01.2023 से अपने स्वयं के कर्तव्यों के अलावा, टी बोर्ड के मुख्यालय, कोलकाता के संबंध में लोक शिकायत और आरटीआई से संबंधित सभी मामलों से निपटने के लिए जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) के साथ-साथ नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।
- श्री आशीष देब, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, ने 06.01.2023 से सहायक सचिव (प्रभारी) और संपदा अधिकारी (प्रभारी), टी बोर्ड का अतिरिक्त कार्यभार संभाला तथा 2023-2024 तक उक्त प्रभार संभालते रहेंगे।
- श्रीमती रजनीगंधा सील नस्कर, अनुज्ञापन नियंत्रक, ने 07.07.2023 से टी बोर्ड के वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (एफए और सीएओ) का अतिरिक्त दायित्व संभाला तथा 2023-2024 के दौरान उक्त प्रभार संभालती रहेंगी।
- श्री कमल चौधरी बैश्य, उप निदेशक चाय विकास, ने 14.08.2023 से 16.01.2024 तक टी बोर्ड, गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार संभाला। उन्होंने 05.02.2024 से 2023-2024 तक पुनः उक्त कार्यभार संभालना जारी रखा।
- श्री अमरदीप सिंह भाटिया, आईएएस (एनएल-93), अतिरिक्त सचिव, वाणिज्य विभाग, भारत सरकार, ने 12.10.2023 (एएन) से छह महीने की अवधि के लिए टी बोर्ड के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार संभाला।

त्यागपत्र एवं पदमुक्तिः

- श्री अनूप कुमार मुखर्जी, आईओएफएस (2006) ने 06.07.2023 से वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, टी बोर्ड, कोलकाता का कार्यभार छोड़ दिया।

पदोन्नति:

- टी बोर्ड ने दिसंबर,2023 के दौरान चाय विकास उपनिदेशक के दो पद, सहायक निदेशक चाय विकास के दो पद और निदेशक (आर) के पद को पदोन्नति पर भरा है।

सेवानिवृत्ति:

- वर्ष 2023-2024 के दौरान बोर्ड की सेवाओं से विभिन्न संवर्गों के उन्नीस (19) अधिकारियों को सेवानिवृत्त किया गया।

टी बोर्ड का स्थापना दिवस:

- **01.04.2023** को टी बोर्ड का **70**वां स्थापना दिवस मनाया गया।

दिवंगतः

- रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान दो (02) अधिकारियों की मृत्यु हो गई।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

- रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न संवर्गों के तीन (03) अधिकारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली।

एमएसीपी लाभ

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान, एमएसीपी योजना के अंतर्गत लाभ चाय बोर्ड के विभिन्न संवर्गों के कुल 104 (एक सौ चार) अधिकारियों को निम्नानुसार प्रदान किया गया है:

ग्रुप-ए	22
ग्रुप-बी	42
ग्रुप-सी	40
कुल	**104**

महत्वपूर्ण घटनाएँ

- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग द्वारा नामित समिति ने 11.10.2023 को टी बोर्ड में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा की।
- टी बोर्ड की अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी संसदीय समिति ने 07.11.2023 को दार्जिलिंग का अध्ययन दौरा किया।
- टी बोर्ड ने वर्ष 2023-24 के दौरान बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों में स्वच्छता अभियान चलाया है।

चिकित्सा निति

टी बोर्ड ने अपने कर्मचारियों और उनके वैध आश्रितों, जिनमें पेंशनभोगी और उनके आश्रित भी शामिल हैं, को उनके स्तर से नकद भुगतान के बदले ऋण सुविधाओं पर इनडोर चिकित्सा उपचार के लिए तीन वर्ष की अवधि के लिए पूरे भारत में सीजीएचएस दरों के अंतर्गत विभिन्न अस्पतालों के साथ समझौता किया है।

अनुलग्नक-I

भारत तथा विदेशों में स्थित टी बोर्ड कार्यालयों का पता

पश्चिम बंगाल व बिहार

टी बोर्ड भारत 14, बी.टी.एम सरणी, कोलकाता - 700001, दूरभाष : 033-22351331/फ़ैक्स : 033-2221-5715 ईमेल : secytboard@gmail.com वेबसाइट : www.teaboard.gov.in	
दार्जिलिंग टी रिसर्च एंड डेव्लपमेंट सेंटर (डीटीआर एंड डीसी) **आचार्य भानुपथ**, **कार्सियांग-**734203, **दार्जिलिंग** **फैक्सः** 0354-2330218 **दूरभाषः** 0354-2330287 **ईमेलः** dtrdcteaboard@gmail.com	टी बोर्ड भारत क्षेत्रीय कार्यालय, ईस्लामपुर, पावर हाउस पाड़ा, मुख्य बस टरमीनस के विपरीत, पोस्ट ईस्लामपुर, जिला-उत्तर दिनाजपुर पश्चिम बंगाल-**733202** ईमेल: teaboardislampur@gmail.com
टी बोर्ड भारत, **क्षेत्रीय कार्यालय**, **राहत बाड़ी**, **बाबुपाड़ा**, **वार्ड सं.***7*, **पो. व जिलाः जलपाईगुड़ी-**735101 **पश्चिम बंगाल** **दूरभाष/ फैक्सः** 03561-225146 **ईमेलः** teaboardjalpaiguri@gmail.com	टी बोर्ड,भारत आंचलिक कार्यालय “क्वालिटी कंट्रोल लैबोरेटरी बिल्डींग (3तल)”, टी पार्क, भोला मोड़(न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन के पीछे) पो-साहुदांगी हाट, सिलीगुड़ी-735135, पश्चिम बंगाल ईमेल : siliguriteaboard@gmail.com
टी बोर्ड भारत, **उप आंचलिक कार्यालय**, **सुरेश प्रसाद सिंह के परिसर में**, **नगर पंचायत ठाकुरगंज**, **फाराबाड़ी**, **वार्ड सं.-***2*, **पोस्ट.+ पु.था.-ठाकुरगंज** **जिला– किशनगंज**, **राज्य-बिहार**, **पिन** - 855116 **ईमेलः** *teaboardsrothakurganj@gmail.com*	टी बोर्ड भारत, अनुसंधान निदेशालय एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला टी पार्क, भोला मोड़, (न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पीछे),पोस्ट साहुदांगी हाट, सिलिगुड़ी - 735 135, पश्चिम बंगाल. इमेल आईडी: resdirteaboardqcl@gmail.com, qcl.tbi@gmail.com
टी बोर्ड भारत, उप-क्षेत्रीय कार्यालय,कार्सियांग दार्जिलिंग चाय अनुसंधान व विकास केन्द्र कैम्पस, आचार्य भानु पथ, पो-कार्सियांग, पिन-734203, जिला-दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल ई-मेलःphuriagri@gmail.com	

तमिलनाडु

कार्यपालक निदेशक टी बोर्ड भारत, आंचलिक कार्यालय, “शेलवूड”, क्लब रोड,कून्नूर नीलगिरि, तमिलनाडु-643101 ईमेल :teaboardcoonoor@gmail.com दूरभाष : 0423-2221464/2230316	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय 11/301G2,ऐश्वर्य बिल्डिंग, टी.के.पेट, कालीकट रोड, गुडालूर पोस्ट, जिला- द निलगिरिज़, तमिलनाडु-643212 दूरभाष-04262-296316 ईमेल : teaboardgudalur@gmail.com
टी रुम, टी बोर्ड चेन्नई सचिवालय, दुकान सं. 3, 4 सेन्ट. जॉर्ज, चेन्नई-600009 दूरभाष-044-24342754/044-24341650 ई मेलः teaboardchennai@sancharnet.in	

केरल

टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, 511/1, कल्लोलिकल बिल्डिंग, पीयरमेड पोस्ट इदुक्की जिला, केरल - 685 531, दूरभाष : 04869 - 222628 ईमेल : teaboardpeermade@gmail.com	

आंध्रप्रदेश

टी नूक, सी.आर.ओ. (जी) कार्यालय (रेलवे आरक्षण काउंटर के विपरित) तिरुमाला-517504, आंध्रप्रदेश

असम, त्रिपूरा, अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम एवं मेघालय

कार्यपालक निदेशक **टी बोर्ड उत्तर पश्चिम आंचलिक कार्यालय** **हाउसफेड कॉम्पलेक्स**, **5वां व 6 वां तल, सेंट्रल ब्लॉक** **बेलतला बशिष्ठ रोड**, **दिसपुर, गुवाहाटी** -781006, **दूरभाष :** 0361-2228944 / 2228945 **ईमेल :** teaboardguwahati@hotmail.com teaboard.guwahati@gov.in	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, आईटीआई रोड, पोस्ट-. इंद्रनगर, वाया-कुंजबन, अगरतला, त्रिपुरा-799006 दूरभाषः0381-2354639/फैक्सः0381-2354182 ईमेल: teaboard.agartala@gmail.com
टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, जीग-जैग रोड, चौकीदींघी, शांतिनिकेतन अपार्टमेंट के विपरित, पोस्ट- डिब्रूगढ़-786001 दूरभाष :0373-2324982 ईमेल: teaboard.stgdd@gmail.com teaboarddibrugarh@gmail.com	टी बोर्ड भारत, आंचलिक कार्यालय, (2रा तल, एसबीआई कॉलेज रोड शाखा), विवेकानंद रोड, सिल्चर-788 007, असम दूरभाषः 03842-232518 ई-मेल: teaboardrosilchar@gmail.com
टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, प्राइवेट रेसीडेंस, 2 तल, किंगकप स्कूल के निकट, वी.आई.पी. रोड, पोस्ट-इटानगर अरुणाचल प्रदेश - 791111 ईमेल आईडी: teaboarditanagar@gmail.com	टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, टी रिसर्च एसोशिएशन कॉम्प्लेक्स , सिन्नामारा, जोरहाट - 785008, असम दूरभाष : 0376-2960324 ई-मेल: teaboardjorhat@gmail.com
टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, चुनाव कार्यालय के विपरीत, गणेश घाट, जिला – सोनीतपुर, तेजपुर-784001, असम दूरभाष: 03712-233664 ई-मेल: tezpurteaboard@gmail.com	टी बोर्ड, उप-क्षेत्रीय कार्यालय, एल.के. बरुआ रोड, अमोलापट्टी, जिला: शिवसागर, असम, पिन: 785640 ई-मेल: teaboard.sivsagar@gmail.com
टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, ''पुण्यालय'' मारवाड़ी पट्टी, वार्ड नंबर -1 पोस्ट व जिला – गोलाघाट (असम) पिन -78562, असम ईमेल: teaboardgolaghat@gmail.com	टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, तिनसुकिया विकास प्राधिकरण क्लचरल सेंटर के पास, जिबाकांता बोरकाकाटी रोड, बोरदोलोई नगर, तिनसुकिया - 786125, असम टेलीफोन:03742950019 ई-मेल: tinsukiateaboard2019@gmail.com
टी बोर्ड, उप-क्षेत्रीय कार्यालय, फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के सामने, पोस्ट & जिला: बिस्वनाथ चारियाली असम,	टी बोर्ड, उप-क्षेत्रीय कार्यालय, उडालगुरी, वार्ड सं-4. एच.एस स्कूल के करीब पोस्ट व जिला: उदालगुड़ी, पिन: 784509,असम

टी बोर्ड, उप क्षेत्रीय कार्यालय, नाकारी सुंदर नगर, वार्ड सं.2 पोस्ट- लखीमपूर जिला: लखीमपूर, असम-787001	टी बोर्ड, उप क्षेत्रीय कार्यालय, 14 नंबर लाइन, राजगढ़ टी एस्टेट, इंडियन बैंक के सामने, राजगढ़, बोरबम शाखा, पी.ओ. राजगढ़, डिब्रूगढ़, असम, पिन: 786611 ई-मेल:teaboardsrorajgarh@gmail.com
टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, जेमाबाव्क, आइज़ोल, मिज़ोरम, पिन-796017 ईमेल:teaboard.aizawlmz@gmail.com	टी बोर्ड उप- क्षेत्रीय कार्यालय, बोराही अली, उत्तर बोराही नामघर के पास, लेन पुबेरुन पथ द्वारा, पी.ओ.: सोनारी, जिला: चराईडिओ पिन: 785690, असम ई-मेल: teaboard.sonari@gmail.com

दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड व महाराष्ट्र

उ.प.भा. हेतु विशेषाधिकारी टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय 13/2 जाम नगर हाउस, शाहजहाँ रोड , नई दिल्ली -110011, टेली फ़ैक्स: 011-23074179, मोबाईल : 09818007168 ईमेल:nasstats@gmail.com, daktboard@gmail.com	टी बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, कालु दी हट्टी, पालमपुर, कांगड़ा, हि.प्र. दूरभाष : 01894-238171/फैक्स: 01894238178 ई-मेल: teaboardpalampur2022@gmail.com
टी बोर्ड उप क्षेत्रीय कार्यालय, लिंक रोड ,थापलिया, अल्मोड़ा, जिलाः- अल्मोड़ा, उत्तराखंड, पिन-263601 ई:मेल-teaboardalmora@gmail.com	टी बोर्ड रेशम भवन, 78, वीर नरीमन रोड, मुंबई - 400002, टेलीफोन : 022-22041699/फैक्सः022-22041699 जी.एच (टेली) 23675401 ईमेल : mumteaboard@gmail.com

रुस

टी बोर्ड ऑफ इंडिया , 4, वोरोंत्स्वो पोलये भारतीय दूतावास,मॉस्को रशियन फ़ैडरेशन, दूरभाष/ फ़ैक्स: +7 (495)916 3724, +7-495 783 7535 एक्स: 293 + 7(495)917 1657 आवास : +7(495)952 0524 मो. : +0079653862273 ईमेल : teaboard@indianembassy.ru dtp@indianembassy.ru

अध्याय-2

वैश्विक एवं भारतीय चाय परिदृश्य का व्यापक अवलोकन:

वैश्विक चाय परिदृश्य

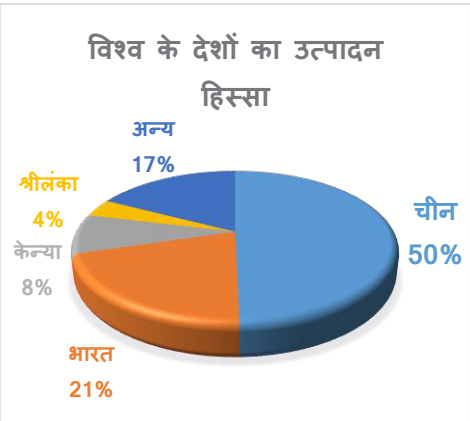
उत्तरी अमेरिका को छोड़कर सभी महाद्वीपों में फैले 36 से अधिक देश, जॉर्जिया एवं अर्जेंटीना के बीच विभिन्न प्रकार की कृषि-जलवायु परिस्थितियों के साथ चाय उपजाते हैं। 2023 के दौरान वैश्विक चाय उत्पादन एवं स्पष्ट खपत क्रमश: 6726.86 मिलियन किलोग्राम और लगभग 6212 मिलियन किलोग्राम थी। 2023 के दौरान उत्पादक देशों से कुल निर्यात बढ़कर 1847.51 मिलियन किलोग्राम हो गया। प्रमुख चाय उत्पादक और निर्यातक देश चीन, भारत, केन्या एवं श्रीलंका हैं और वे क्रमश: विश्व उत्पादन और निर्यात का 83% और 74% हिस्सा हैं। (तालिका-1)

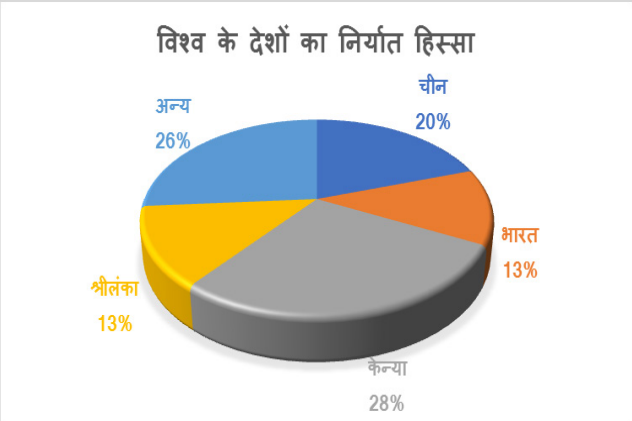
तालिका-1

2023 के दौरान प्रमुख उत्पादक एवं निर्यातक देशों का उत्पादन एवं निर्यात हिस्सा

देश	उत्पादन		निर्यात	
	मिलियन कि.ग्राम	वैश्विक हिस्सा (%)	मिलियन कि.ग्राम	वैश्विक हिस्सा (%)
चीन	3339.48	49.64	367.54	19.90
भारत	1393.66	20.72	231.69	12.54
केन्या	570.26	8.48	522.92	28.30
श्रीलंका	256.04	3.81	241.91	13.09
अन्य	1167.42	17.35	483.45	26.17
विश्व कुल	6726.86	100.00	1847.51	100.00

(स्रोत:- आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2024), भारत को छोड़कर



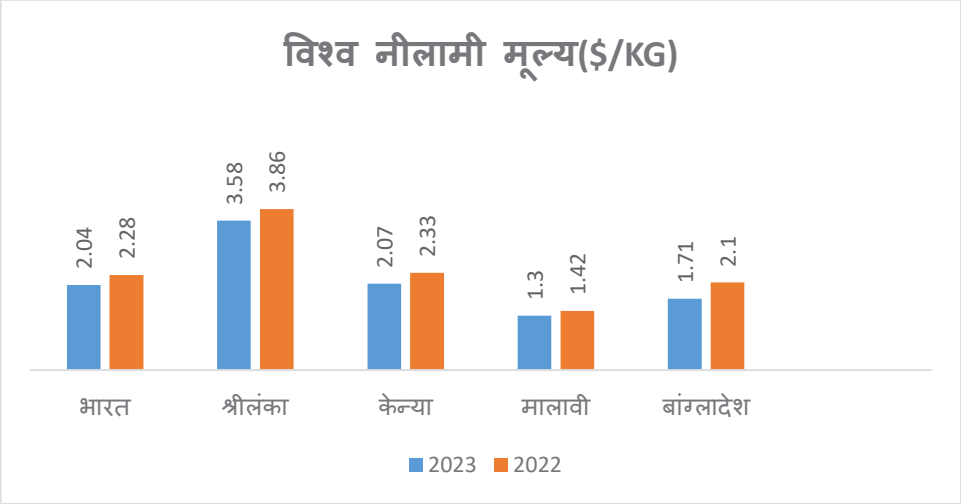


2023 के दौरान सभी प्रमुख उत्पादक देशों में विश्व नीलामी की कीमतों में कमी आई

तालिका-2: चाय का विश्व नीलामी मूल्य (अमेरिकी $//कि.ग्राम में)

देश	2023	2022	>/< 2022 से अधिक
भारत	2.04	2.28	-0.24
श्रीलंका	3.58	3.86	-0.28
केन्या	2.07	2.33	-0.26
मलावी	1.30	1.42	-0.12
बांग्लादेश	1.71	2.10	-0.39

(स्रोत:- आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2024)



वर्ष 2023 के दौरान वैश्विक खपत 6212 मिलियन किलोग्राम थी और भारत की जनसंख्या के कारण वैश्विक खपत में 19% की हिस्सेदारी है, भले ही प्रति व्यक्ति खपत कम है। कुल उत्पादन का लगभग 81% देश के भीतर ही खपत हो जाता है। यह विशिष्ट स्थिति अन्य उत्पादक देशों, विशेष रूप से केन्या एवं श्रीलंका के विपरीत है, जिनकी घरेलू मांग बहुत कम है और इसलिए वे अपने अधिकांश उत्पादन का निर्यात करने में सक्षम हैं।

2023 में वैश्विक चाय की स्थिति

उत्पादन:

विश्व के सभी प्रमुख देशों में उत्पादन में वृद्धि के कारण वर्ष 2023 के दौरान कुल वैश्विक चाय उत्पादन वर्ष 2022 की तुलना में 440.63 मिलियन किलोग्राम वृद्धि हुई।

तालिका-3: प्रमुख चाय उत्पादक देशों में चाय उत्पादन (मिलियन कि.ग्राम)

देश	2023	2022	>/< 2022 से अधिक
भारत	1393.66	1366.36	27.30
श्रीलंका	256.04	251.50	4.54
केन्या	570.26	535.04	35.22
चीन	3339.48	3181.04	158.44
अन्य	1167.42	952.29	215.13
कुल विश्व उत्पादन	6726.86	6286.23	440.63

(स्रोत:- आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2024)

निर्यात:

2023 में कुल वैश्विक चाय निर्यात 2022 की तुलना में 36.87 मिलियन किलोग्राम बढ़ा (तालिका-4) । जबकि चीन एवं श्रीलंका के चाय निर्यात में कमी आई, भारत ने अपनी स्थिति बनाए रखी।

तालिका-4: प्रमुख उत्पादक देशों का निर्यात (मिलियन कि.ग्राम)

देश	2023	2022	>/< 2022 से अधिक
केन्या *	522.92	450.33	72.59
चीन	367.54	375.25	-7.71
श्रीलंका	241.91	247.10	-5.19
भारत	231.69	231.08	0.61
अन्य	483.45	506.88	-23.43
कुल विश्व निर्यात	**1847.51**	**1810.64**	**36.87**

(स्रोत:- आईटीसी वार्षिक सांख्यिकी बुलेटिन 2024, भारत को छोड़कर)

* केन्या के निर्यात में पड़ोसी अफ्रीकी देशों के उत्पाद शामिल हैं

भारतीय चाय परिदृश्य

भारत में चाय की खेती 15 राज्यों में की जाती है, जिनमें असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल प्रमुख चाय उत्पादक राज्य हैं। कुल उत्पादन में इनकी हिस्सेदारी 97% है। अन्य पारंपरिक राज्य जहाँ चाय उगाई जाती है, वे हैं त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार और कर्नाटक। भारत के चाय मानचित्र में शामिल होने वाले गैर-पारंपरिक राज्यों में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड एवं सिक्किम शामिल हैं।

विश्व की बेहतरीन चाय जैसे दार्जिलिंग, असम, सिक्किम, नीलगिरी एवं कांगड़ा अपने उत्कृष्ट स्वाद, सामर्थ्य एवं चमक के लिए मशहूर हैं, भारत में ही उत्पादित होती हैं। विविध कृषि जलवायु परिस्थितियों के साथ, भारत उपभोक्ताओं के अलग-अलग स्वाद और पसंद के हिसाब से चाय का मिश्रण उत्पादित करता है। प्रत्येक क्षेत्र की विशेषताएँ अलग-अलग हैं, जो उन्हें कई अलग-अलग तरीकों से एक-दूसरे से अलग करती हैं।

उत्पादन:

2023-24 के दौरान भारत में चाय का उत्पादन 1382.03 मिलियन किलोग्राम था, जो 2022-23 की तुलना में 7.06 मिलियन किलोग्राम अधिक है

निर्यात:

वर्ष 2023-24 के दौरान चाय निर्यात मात्रा में 250.73 मिलियन किलोग्राम था, जिसका मूल्य 6476.38 करोड़ रुपये था। यह मात्रा में 22-23 मिलियन किलोग्राम और मूल्य में 90.57 करोड़ रुपये अधिक था, लेकिन इकाई मूल्य प्राप्ति में 21.29 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई।

प्राथमिक विपणन:

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान देश में उत्पादित कुल चाय का लगभग 42% सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से तथा शेष अन्य तरीकों से विक्रय किया गया।

घरेलू प्रतिधारण:

वर्ष 2023-24 में चाय का स्पष्ट घरेलू प्रतिधारण लगभग 1154 मिलियन किलोग्राम था, जबकि 2022-23 में यह 1176 मिलियन किलोग्राम था।

अध्याय - 3

वित्त

परिचय

टी बोर्ड को भारत सरकार द्वारा अनुदान सहायता के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। टी बोर्ड लाइसेंसों पर शुल्क, ऋण और अग्रिम पर ब्याज तथा तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, आवेदन पत्रों और अन्य प्रकाशनों की बिक्री आदि जैसी विविध प्राप्तियों के माध्यम से आंतरिक अतिरिक्त बजटीय संसाधन (आईईबीआर) से अल्प राशि उत्पन्न करता है।

टी बोर्ड को उपलब्ध सभी धनराशियां वार्षिक केन्द्रीय बजट के माध्यम से प्राप्त होती हैं। टी बोर्ड द्वारा ऐसी निधियों का उपयोग चाय अधिनियम की धारा 10 के अनुसार किया जाता है, जो सरकार की वित्तीय शक्तियों के अधीन है।

उपकर आय

वर्ष 2023-24 के दौरान चाय अधिनियम, 1953 की धारा 26 के अंतर्गत उपकर की आय के लिए सरकार द्वारा टी बोर्ड को स्थापना योगदान के रूप में 7491.00 लाख रुपये (प्रारंभिक शेष को छोड़कर) जारी किए गए। इसमें अथ शेष एवं अंत शेष क्रमश: 15.05 लाख रुपये और 44.51 लाख रुपये थे।

अनुसंधान एवं विकास अनुदान

वर्ष 2023-24 के दौरान अनुसंधान एवं विकास अनुदान के लिए सरकार से 1229.00 लाख रुपये की धनराशि प्राप्त हुई। इसमें अंत शेष 0.52 लाख रुपये तथा 59.16 लाख रुपये की अन्य प्राप्तियां थीं।

अनुसंधान(एएसआईडीई)

अथ शेष एवं अंत शेष 42.15 लाख एवं 41.01 लाख रुपए था एवं अन्य प्राप्तियाँ 3.16 लाख रुपए थी।

सहायिकी

वर्ष के दौरान सरकार से सब्सिडी के रूप में 3696.35 लाख रुपये प्राप्त हुए। इसमें प्रारम्भिक शेष (चालू वर्ष के सरकारी कोष के साथ समायोजन के बाद) और अन्तिम शेष 5.05 लाख रुपये और 405.87 लाख रुपये तथा अन्य प्राप्तियां 1187.62 लाख रुपये थीं।

विशेष प्रयोजन चाय निधि - पूंजी

वर्ष के दौरान, एसपीटीएफ पूंजी अंशदान के लिए सरकार से कोई राशि प्राप्त नहीं हुई।

स्थापना प्राप्तियां एवं भुगतान

ए. प्राप्तियां

वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत प्राप्तियां निम्नानुसार हैं: (रु. लाख में)

चाय अधिनियम की धारा 26 के अंतर्गत प्राप्त धनराशि	7491.00
लाइसेंस/टीएमसीओ 2003 के लिए आवेदन शुल्क सहित वसूले गए शुल्क	347.25
विविध प्राप्तियां जिनमें तरल चाय की बिक्री, हरी पत्तियों की बिक्री, प्रकाशनों की बिक्री, सावधि जमा पर ब्याज आदि शामिल हैं।	318.80
अग्रिम पर ब्याज	1.98
डीसीटीएम, असम, डुआर्स और नीलगिरि ट्रेडमार्क और लोगो प्रशासन के कारण प्राप्त पंजीकरण शुल्क	14.44
अन्य प्राप्तियां	0.00
कुल	**8173.47**

बी. भुगतान

वर्ष 2023-24 के दौरान स्थापना भुगतान निम्नानुसार था: (रु. लाख में)

पुस्तकालय सहित प्रशासन	2930.02
भारत में चाय संवर्धन	511.44
भारत के बाहर चाय संवर्धन	0.00
ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण सहित पेंशन	3377.32
अन्य स्थापना व्यय	198.20
नई पेंशन योजना में नियोक्ता का योगदान और विदेश सेवा योगदान	236.82
अन्य प्रशासन व्यय	679.08
खरीदी गई अचल संपत्तियां	30.99
अन्य भुगतान(संतुलन अंतर सहित.)	209.60
कुल	**8173.47**

योजना गतिविधियां प्राप्तियां एवं भुगतान

सी.प्राप्तियां

वर्ष 2023-24 के दौरान विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत प्राप्तियां निम्नानुसार हैं: (रु. लाख में)

चाय रोपण विकास सहायिकी योजना	1653.85
अनुसूचित जाति उप योजना	542.10
नीति मंच के लिए क्षेत्र विशेष योजना	512.53
मानव संसाधन विकास योजना	333.62
बाज़ार संवर्धन योजना	284.70
चाय विमियम हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम	50.00
अनुसंधान एवं विकास योजना	1229.00
जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	319.55
अन्य भुगतान(संतुलन अंतर सहित.)	849.75
कुल	**5775.10**

डी. भुगतान – अनुसंधान एवं विकास अनुदान

(रु. लाख में)

टीआरएउपासी को सहायता अनुदान/	856.94
टीआरए उपासी के अलावा वित्तीय सहायता/	0.00
डीटीआर एवं डीसी का उन्नयन	86.65
कार्यशालासंगोष्ठी आदि/	0.00
क्यूसीएल सिलीगुड़ी व्यय	81.52
परिसंपत्तियों की खरीद	5.67
अन्य भुगतान	256.86
कुल	**1287.64**

ई. भुगतान (एफडी सहित) - सब्सिडी

रोपण सहायिकी योजना	1653.85
गुणवत्ता उन्नयन एवं उत्पाद विविधीकरण योजना	0.00
मानव संसाधन विकास योजना	333.62
अर्थोडॉक्स चाय उत्पादन सहायिकी योजना	0.00
मानव संसाधन योजना	284.09
अनुसूचित जाति उप योजना	542.10
चाय विनियम हेतु राष्ट्रीय योजना	837.42
जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	319.55
निति फोरम हेतु क्षेत्र विशिष्ट योजना	512.53
कुल	**4483.16**

एफ. भुगतान–अनुसंधान योजना (एएसआईडीई)

(रु.लाख में)

व्यय	4.30
कुल	**4.30**

जी.भुगतान – ऋण योजना व टी सेंटर

(रु.लाख में)

ऋण योजना हेतु परिक्रामी कार्पस निधि	0.86
एसपीटीएफ	52.73
टी सेंटर	2.81
कुल	**56.40**

वर्ष 2023-24 के दौरान योजना गतिविधियों पर कुल भुगतान

= (डी +ई + एफ) = रु. **5775.10** लाख

अध्याय-4

चाय विकास

परिचय:

चाय अधिनियम के अंतर्गत टी बोर्ड का एक महत्वपूर्ण कार्य चाय उत्पादन एवं बागानों की उत्पादकता बढ़ाने, निर्मित चाय की गुणवत्ता में सुधार, चाय प्रसंस्करण, पैकेजिंग एवं मूल्य संवर्धन सुविधाओं के आधुनिकीकरण, उत्पाद मिश्रण और लघु चाय उत्पादकों के बीच सहकारी प्रयासों को प्रोत्साहित करने तथा चाय बागान श्रमिकों के लिए कल्याणकारी उपायों के उद्देश्य से विकास योजनाओं का निर्माण और कार्यान्वयन करना है, जो बागान श्रम अधिनियम के प्रावधानों के पूरक हैं।

उपरोक्त गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता अनुमोदित योजनाओं के माध्यम से प्रदान की जाती है।

विकास समिति:

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष के दौरान विकास समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल होते हैं:

1. उपाध्यक्ष, टी बोर्ड, समिति के पदेन अध्यक्ष
2. सचिव, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, त्रिपुरा सरकार
3. सीईओ, इंडकोसर्व, तमिलनाडु
4. श्री मृगेन्द्र जालान
5. श्री राजेश चंद्र बी
6. श्री राजीब के.गोहेन
7. श्री सुशील के.बरलिया

बोर्ड/विकास समिति की बैठकें:

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष के दौरान बोर्ड/विकास समिति की 249वीं बैठक 17 नवंबर 2023 को गुवाहाटी में हुई। बैठक का आयोजन हाइब्रिड मोड के माध्यम से किया गया।
विकास समति की बैठक 31.12.2023 को मुख्यालय कोलकाता में भी आयोजित की गई।

1. 15वें वित्त आयोग की शेष अवधि 2023-24 से 2025-26 के लिए चाय विकास एवं संवर्धन योजना

15वें वित्त आयोग की अवधि (2021-22से 2025-26) हेतु "चाय विकास एवं संवर्धन योजना" के लिए ईफसी को सरकार द्वारा दिनांक 16.07.2021 को फा.सं. के-57013(1)/2921-रोपण (ए) के माध्यम से दिनांक 03.06.2021 को आयोजित ईएफसी बैठक के अनुसार 967.78 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया था। इस योजना का उद्देश्य लघु चाय उत्पादकों पर विशेष जोर देते हुए चाय उद्योग का समग्र विकास करना है।

तद्पश्चात्, व्यय विभाग (डीओई) ने दिनांक 01.02.2022 के कार्यालय ज्ञापन के माध्यम से योजना के कार्यान्वयन को 30.09.2022 तक प्रतिबंधित कर दिया और 'शून्य आधारित बजट' समीक्षा के आधार पर नए सिरे से मूल्यांकन करने को कहा।

नीति आयोग के अंतर्गत डीएमईओ ने "टी बोर्ड भारत एवं उसकी योजनाओं का मूल्यांकन" रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बोर्ड ने चाय विकास एवं संवर्धन योजना के लिए एक नया ईएफसी प्रस्तुत किया, जिसे सरकार द्वारा पंद्रहवें वित्त आयोग चक्र (2023-24 से 2025-26) की शेष अवधि के लिए फा. सं. के- 57013(11)/1/2021-रोपण (ए), दिनांक 22.02.2024 के अनुसार, 664.09 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अनुमोदित किया गया है।

योजना के लिए घटक-वार, वर्ष-वार वित्तीय परिव्यय निम्नानुसार है:

तालिका:1- 15वें वित्त आयोग की शेष अवधि 2023-24 से 2025-26 के लिए चाय विकास एवं संवर्धन योजना का घटकवार, वर्षवार वित्तीय परिव्यय

क्र. सं.	**घटकें**	**2023-24**	**2024-25**	**2025-26**	**कुल** (रु. करोड़ में)
1	घटक-1: रोपण विकास एवं गुणवत्ता उन्नयन	29.18	82.08	91.19	**202.45**
2	घटक-2: चाय संवर्धन एवं बाज़ार समर्थन	6.92	51.80	55.80	**114.52**
3	घटक-3: तकनीकी हस्तक्षेप	0.55	7.00	7.00	**14.55**
4	घटक-4: अनुसंधान एवं विकास	13.19	13.98	14.59	**41.76**
	मुख्य घटक	49.84	154.86	168.58	**373.28**
5	घटक-5: कल्याण एवं क्षमता उपाय	3.95	5.65	5.69	**15.29**
6	घटक-6: तृतीय पक्ष मूल्यांकन	0.00	0.00	1.00	**1.00**
7	नीलामी सहित विनियामक कार्य	0.38	0.00	0.00	**0.38**
8	घटक-7: स्थापना व्यय	80.95	93.91	99.28	**274.14**
	गैर-मुख्य घटक	85.28	99.56	105.97	**290.81**
	कुल	**135.12**	**254.42**	**274.55**	**664.09**

इस योजना के प्रमुख उद्देश्य हैं:

1. अल्पावधि एवं दीर्घावधि में विशेष रूप से ऑर्थोडॉक्स चाय एवं ग्रीन टी का उत्पादन बढ़ाना, तथा 50 वर्ष से अधिक पुरानी और जीर्ण चाय की झाड़ियों को पुनः रोपने के लिए सहायता प्रदान करके दीर्घावधि में समग्र उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना।
2. लघु चाय उत्पादकों को स्वयं सहायता समूह एवं किसान उत्पादक संगठनों के रूप में संगठित करना तथा उनके द्वारा उत्पादित चाय का अधिक मूल्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहनों के माध्यम से उन्हें एकीकृत करना।
3. मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता में सुधार और ब्रांड संवर्धन के माध्यम से भारत से स्थिर चाय निर्यात को वर्ष 2025-26 तक 289 मिलियन किलोग्राम एवं वर्ष 2030 तक 340 मिलियन किलोग्राम तक बढ़ाना।
4. टी बोर्ड द्वारा डिजिटल, तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से अपने हितधारकों को बेहतर विस्तार सेवाएं, सूचना प्रसार, सेवा वितरण।
5. चाय अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से अनुसंधान एवं विकास, बीमारी एवं कीटों का प्रभावी प्रबंधन, चाय में न्यूनतम अवशेष स्तरों पर बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करना और नए मिश्रणों/मूल्यवर्धित चाय उत्पादों का विकास करना, उभरते बाजारों की जरूरतों को पूरा करना और निर्यात को बढ़ाना और विविधता लाना।
6. टी बोर्ड के अधिदेश के अनुरूप चाय बागान श्रमिकों एवं लघु चाय उत्पादकों के कल्याण तथा क्षमता निर्माण के लिए प्रावधान करना।

समीक्षाधीन वर्ष के लिए, नव अनुमोदित योजना की गतिविधियों को मौजूदा तौर-तरीकों के साथ 31.03.2024 तक जारी रखा गया।

2. वित्त वर्ष 2024-25 से 2025-26 की अवधि के लिए प्रधानमंत्री चाय श्रमिक प्रोत्साहन योजना (पीएमसीएसपीवाई)

माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री ने वर्ष 2021-22 के अपने बजट भाषण में असम एवं पश्चिम बंगाल में चाय बागान श्रमिकों, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण और विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपये की राशि की घोषणा की। तदनुसार,प्रधानमंत्री चाय श्रमिक प्रोत्साहन योजना (पीएमसीएसपीवाई) को सहायता प्रदान करने, बुनियादी ढांचे एवं परिसंपत्तियों के विकास पर ध्यान केंद्रित करके तैयार किया गया है, जो चाय बागान श्रमिकों और उनके आश्रितों को विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में मदद करेगी।

सरकार द्वारा इस योजना को स्वीकृति फा. सं. के- 57013(13)/1/2021-रोपण ए, दिनांक 15.03.2024 के माध्यम से दी गई। पीएमसीएसपीवाई को पंद्रहवें वित्त आयोग चक्र (2024-25 से 2025-26) की शेष अवधि के दौरान लागू किया जाना है।

योजना का घटक-वार, वर्ष-वार वित्तीय परिव्यय निम्नानुसार है:

तालिका: 2- वित्त वर्ष 2024-25 से 2025-26 की अवधि के लिए प्रधानमंत्री चाय श्रमिक प्रोत्साहन योजना (पीएमसीएसपीवाई) का घटकवार, वर्षवार वित्तीय परिव्यय

क्र. सं.	**घटक**	**असम**		**पश्चिम बंगाल**		कुल (रु. करोड़ में)
		24-25	**25-26**	**24-25**	**25-26**	
1	चाय श्रमिक शिक्षा योजना	197.00	196.00	89.00	88.00	**570.00**
2	चाय श्रमिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजना	81.00	81.00	36.00	36.00	**234.00**
3	चाय श्रमिक आश्रय योजना	65.00	64.00	32.00	31.00	**192.00**
4	कार्यान्वयन मंत्रालयों के साथ समन्वय, मूल्यांकन एवं संचार के लिए टी बोर्ड पीएमयू	0.85	0.85	0.65	0.65	**3.00**
	कुल	**343.85**	**341.85**	**157.65**	**155.65**	**999.00**

3. वर्ष 2023-24 के लिए प्राप्ति एवं व्यय

वर्ष 2022-23 के लिए विकास निदेशालय के अंतर्गत घटकों के प्रति प्राप्तियां और भुगतान निम्नानुसार हैं:

तालिका: 3- 2023-24 के दौरान चाय विकास एवं संवर्धन योजना के एससीएसपी और टीएएसपी सहित विकास घटक के अंतर्गत प्राप्त एवं वितरित निधि

2023-24 के दौरान चाय विकास एवं संवर्धन योजना के एससीएसपी और टीएएसपी घटकों सहित विकास घटकों के अंतर्गत प्राप्त एवं वितरित निधि			
(रु. करोड़ में)			
क्र. सं.	**योजनाएं/घटक**	**प्राप्ति**	**व्यय**
1	लघु चाय उत्पादकों के लिए रोपण विकास	16.54	16.54
2	उत्तर पूर्व के लिए नीति फोरम की कार्य योजना	5.13	5.13
3	श्रमिकों का कल्याण	3.34	3.34
4	अनुसूचित जाति उपयोजना	5.43	5.42
5	जनजातीय क्षेत्र उपयोजना	3.20	3.20
	कुल	**33.63**	**33.62**

4. भारत में विकास कार्यालयों की उपस्थिति

पूरे पूर्वोत्तर राज्यों के लिए गुवाहाटी (असम) और पूरे दक्षिण भारत के लिए कुन्नूर (तमिलनाडु) में स्थित दो क्षेत्रीय कार्यालयों के अलावा, जमीनी स्तर पर उद्योग हितधारकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 14 क्षेत्रीय कार्यालय और 10 उप-क्षेत्रीय कार्यालय हैं। इनके स्थान इस प्रकार हैं:

तालिका: 4- विकास निदेशालय के अंतर्गत क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय कार्यालयों का स्थान-

राज्य	**क्षेत्रीय कार्यालय (क्षे.का.)**	**उप क्षेत्रीय कार्यालय (उ.क्षे.का.)**
अरुणाचल प्रदेश	1. ईटानगर	
असम	2. जोरहाट	1. शिवसागर
	3. सिलचर	2. विश्वनाथ चारियाली
	4. डिब्रूगढ़	3. राजगढ़
	5. गोलाघाट	4. लखीमपुर
	6. तेजपुर	5. सोनारी
	7. तिनसुकिया	6. उदलगुड़ी
मिजोरम		7. अफजल
त्रिपुरा	8. अगरतला	
बिहार		8. ठाकुरगंज
हिमाचल प्रदेश	**9.** पालमपुर	
उत्तराखंड		**9.** अलमोरा
पश्चिम बंगाल	**10.** सिलीगुड़ी	**10.** कर्सियांग, दार्जिलिंग
	11. जलपाईगुड़ी	
	12. इस्लामपुर	
केरल	13. पीरमाडे, इडुक्की	
तमिलनाडु	14. गुडालुर/नीलगिरि	

5. लघु उत्पादकों की गणना एवं क्यूआर कोड सहित पहचान पत्र जारी करना:

लघु चाय उत्पादकों की गणना एक सतत प्रक्रिया है और 31.03.2024 तक गणना किए गए लघु चाय उत्पादकों की कुल संख्या इस प्रकार है:

तालिका: 5. 31.03.2024 तक जारी किए गए क्यूआर कोड आधारित कार्ड की स्थिति

क्र.सं.	राज्य	चिन्हित उत्पादकों की सं.*	क्षेत्र (हेक्टेयर)*	जारी किए गए क्यूआर कोड आधारित कार्डों की सं.
1.	अरुणाचल प्रदेश	3526	7852.00	--
2.	असम	133626	125884.71	97402
3.	बिहार	2930	2569.74	2237
4.	हिमाचल प्रदेश	1526	710.00	829
5.	मणिपुर	473	347.24	--
6.	मेघालय	734	936.00	416
7.	मिजोरम	450	248.00	250
8.	नगालैंड	2924	5879.56	2928
9.	सिक्किम	35	14.00	--
10.	त्रिपुरा	2875	1423.00	866

11.	उत्तराखंड	1493	679.00	397
12.	पश्चिम बंगाल	39640	25278.20	33451
	कुल उत्तर भारत	**190232**	**171821.45**	**138776**
13.	कर्नाटक**	--	--	--
14.	केरल	8077	5373.22	3704
15.	तमिलनाडु	49578	35950.13	25732
	कुल दक्षिण भारत	**57655**	**41323.35**	**29436**
	कुल अखिल भारत	**247887**	**213144.80**	**168212**

*अनंतिम, संशोधन के अधीन।

** कर्नाटक राज्य में कोई लघु चाय उत्पादक नहीं है।

लघु चाय उत्पादकों (एसटीजी) की गणना एक सतत प्रक्रिया है। पहले के अवसरों पर, एसटीजी संख्या एवं चाय क्षेत्र मूल्यांकन पर आधारित थे। टी बोर्ड ने लघु चाय उत्पादकों को पंजीकृत करना एवं क्यूआर कोड आधारित कार्ड जारी करना शुरू किया, जिसमें एसटीजी का विवरण दर्ज होता है, जैसे कि एसटीजी का नाम, भूमि स्वामित्व, जिला और राज्य आदि, जो बोर्ड को एसटीजी पर डेटा प्रदान करने और विभिन्न योजनाओं आदि की तैयारी करने में मदद करता है।

6. जिला हरित पत्ती मूल्य निगरानी समितियों के माध्यम से हरित पत्ती मूल्य की निगरानी:

हरी पत्तियों की कीमत की निगरानी के लिए विभिन्न चाय उत्पादक जिलों में जिला स्तरीय मूल्य निगरानी समिति की बैठकें आयोजित की गईं।

चाय उत्पादक जिलों के जिला मजिस्ट्रेट तथा छोटे उत्पादकों, चाय पत्ती फैक्ट्रियों और संपदा फैक्ट्रियों के प्रतिनिधियों वाली समितियां लघु उत्पादकों से संबंधित मुद्दों पर मतभेदों को दूर करने के लिए नियमित बैठकें करती थीं।

समिति के संयोजक होने के नाते बोर्ड के अधिकारियों ने ऐसी बैठकों के आयोजन में सहायता की।

7. लघु चाय उत्पादकों पर ध्यान केंद्रित करें

लघु चाय उत्पादक वर्तमान में देश के समग्र चाय उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। हालांकि, बागानों की बिखरी प्रकृति के कारण वे असंगठित हैं। बोर्ड लघु चाय उत्पादकों को स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) एवं किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाने के लिए प्रेरित कर रहा है ताकि उन्हें मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने में मदद मिल सके। बोर्ड लघु उत्पादकों को अच्छी कृषि पद्धतियों (जीएपी), अच्छी विनिर्माण पद्धतियों (जीएमपी), जैविक चाय के उत्पादन एवं पौध संरक्षण संहिता (पीपीसी) के प्रोटोकॉल का पालन करने का प्रशिक्षण भी दे रहा है। उन्हें बाजार की स्थिति के बारे में अद्यतन करने के लिए नियमित अंतराल पर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

बोर्ड लघु उत्पादकों की निर्यात क्षमता के निर्माण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि उन्हें भी अपनी उपज का अधिमूल्य मिल सके।

यह ध्यान देने योग्य है कि लघु उत्पादकों ने पिछले कुछ वर्षों में छोटी और बड़ी चाय फैक्ट्रियां स्थापित करके मूल्य श्रृंखला में ऊपर स्थान प्राप्त किया है:

तालिका: 6- 2023-24 के दौरान लघु चाय उत्पादकों द्वारा स्थापित मिनी चाय फैक्ट्रियां

क्र.सं.	राज्य/वर्ष	2023-24
1.	असम	7
2.	बिहार	--
3.	हिमाचल प्रदेश	--
4.	केरल	--
5.	मेघालय	1
6.	नगालैंड	--
7.	तमिलनाडु	2
8.	उत्तराखंड	--
9.	पश्चिम बंगाल	2
	कुल	**12**

तालिका: 7- 2023-24 के दौरान लघु चाय उत्पादकों द्वारा स्थापित की जाने वाली बड़ी चाय फैक्ट्रियाँ

क्र.सं.	राज्य	स्थापना का वर्ष	फैक्ट्री का नाम	स्वामित्व का स्वरूप	स्थापित क्षमता (मी.किग्रा)
1	असम	2023	खावरंग वैली चाय उत्पादक कंपनी लिमिटेड	किसान उत्पादक कंपनी	0.4
2	अरुणाचल प्रदेश	2023	लोहित एलेय एग्रो हॉर्टी इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड (मन्ना टी फैक्ट्री)	समाज	1.0

8. चाय के शीर्ष उत्पादक और प्राप्त कीमतें

क. 2023-24 के दौरान चाय उत्पादन के मामले में शीर्ष 5 संपदा फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं-

तालिका: 8

क्र.सं.	फैक्ट्री का नाम	राज्य
1	वेन्निअर टी फैक्ट्री	तमिलनाडु
2	मदुपट्टी	केरल
3	काकाइजन	असम
4	पवई टी फैक्ट्री	असम
5	चोकानंद टी फैक्ट्री	केरल

(स्रोत- फॉर्म ई उत्पादन विवरणियां)

ख. 2023-24 के दौरान चाय उत्पादन के मामले में शीर्ष 5 पत्ती क्रय चाय फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं-

तालिका: 9

क्र.सं.	फैक्ट्री का नाम	राज्य
1	सोनदीप टी फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
2	डालमिया टी बागान और उद्योग	पश्चिम बंगाल
3	माउंटव्यू टी फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
4	बड्स टी फैक्ट्री	पश्चिम बंगाल
5	रॉय बारी टी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड	पश्चिम बंगाल

(स्रोत- फॉर्म ई उत्पादन विवरणियां)

ग. 2023-24 के दौरान सीटीसी एवं ऑर्थोडॉक्स चाय के लिए नीलामी में सबसे अधिक कीमत पाने वाली शीर्ष 5 संपदा चाय फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं

तालिका: 10

क्र.सं.	सीटीसी चाय		क्र.सं.	ऑर्थोडॉक्स चाय	
	फैक्ट्री का नाम	राज्य		फैक्ट्री का नाम	राज्य
1.	हलमारी टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	1.	महाबीरबारी टी एस्टेट फैक्ट्री	असम
2.	सोताई टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	2.	बोरोकाई टी एस्टेट फैक्ट्री	असम
3.	गटुंगा टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	3.	बोराही टी बागान फैक्ट्री	असम
4.	बनमाली टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	4.	ससेक्स टी एस्टेट फैक्ट्री	तमिलनाडु
5.	डूमुर डुलुंग टी एस्टेट फैक्ट्री	असम	5.	नाहरहाबी टी एस्टेट फैक्ट्री	असम

(स्रोत: एनएसई.आईटी)

घ. 2023-24 के दौरान दार्जिलिंग चाय की नीलामी में सबसे अधिक कीमत पाने वाली शीर्ष 5 संपदा फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं

तालिका: 11

क्र.सं.	दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल)
	फैक्ट्री का नाम
1.	जंगपाना टी एस्टेट फैक्ट्री
2.	गुमटी टी एस्टेट फैक्ट्री
3.	थर्बो टी एस्टेट फैक्ट्री
4.	स्प्रिंगसाइड टी एस्टेट फैक्ट्री
5.	सिंगेल टी एस्टेट फैक्ट्री

(स्रोतएनएसई.आईटी)

ड. 2023-24 के दौरान सीटीसी एवं ऑर्थोडॉक्स चाय के लिए नीलामी में सबसे अधिक कीमत पाने वाली शीर्ष 5 पत्ती क्रय चाय फैक्ट्रियां इस प्रकार हैं

तालिका: 12

क्र.सं.	सीटीसी चाय		क्र.सं.	ऑर्थोडॉक्स चाय	
	फैक्ट्री का नाम	राज्य		फैक्ट्री का नाम	राज्य
1.	रियल असम टी इंडस्ट्रीज	असम	1.	जयपुर टी फैक्ट्री	असम
2.	ry लांगटो टी इंडस्ट्रीज	असम	2.	राजाजुली टी फैक्ट्री	असम
3.	महालक्ष्मी टी इंडस्ट्रीज	असम	3.	बोहनीमन टी फैक्ट्री	असम
4.	पापुम पार टी फैक्ट्री	अरुणाचल प्रदेश	4.	अवता पेय	तमिलनाडु
5.	बिष्णुप्रिया टी इंडस्ट्रीज	असम	5.	अग्निगढ़ बायो प्लांटेशन	असम

(स्रोतएनएसई.आईटी)

9. फैक्ट्री बंद:

अव-मानक चाय के उत्पादन पर अंकुश लगाने एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उत्तर भारत में शीतकालीन निष्क्रियता अवधि (दिसंबर, 2023 से जनवरी, 2024) के दौरान चाय निर्माण इकाइयां बंद रहेंगी।

10. बंद चाय संपदा:

क. सामान्य

देश में 1567 बड़े चाय बागान हैं, जिनमें से 21 वर्तमान में बंद बताए जा रहे हैं। चाय बागानों में कार्य करने वाले श्रमिकों को मुख्य रूप से बागान श्रम अधिनियम, 1951 के प्रावधानों द्वारा संरक्षित किया जाता है, जिसके प्रावधानों को संबंधित राज्य सरकारों द्वारा लागू किया जाता है।

ख. बंद होने/तनाव के कारण

चाय अधिनियम के अनुसार बंद/संकटग्रस्त चाय बागानों के लिए कोई विशिष्ट परिभाषा नहीं है। संबंधित राज्य सरकार से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर टी बोर्ड द्वारा बागानों को बंद/संकटग्रस्त माना जाता है। इसके मुख्य कारण संपदा की खराब उपज, चाय क्षेत्र में वृद्ध झाड़ी प्रोफ़ाइल और उच्च रिक्ति प्रतिशत, वर्षों से पुरानी चाय की झाड़ियों को नगण्य या शून्य उखाड़ाव/पुनःरोपण, खराब बागान प्रबंधन पद्धतियाँ, घटती गुणवत्ता एवं मूल्य प्राप्ति, औद्योगिक संबंधों में बेचैनी, विकास के दृष्टिकोण की समग्र कमी, अत्यधिक ऋण-उन्मुख वित्तपोषण रणनीति, स्वामित्व विवाद आदि हो सकते हैं।

देश में बंद हुए चाय बागानों का विवरण इस प्रकार है-

तालिका:13- देश में बंद हुए चाय बागान-

क्र.सं.	चाय संपदा का नाम (टी.ई.)	चाय के अंतर्गत क्षेत्रफल (हे.में)	राज्य	बंद होने की तिथि	श्रमिकों की सं.		वर्तमान स्थिति
					स्थाई	अस्थाई	
1	पानीघाटा	460.15	पश्चिम बंगाल	10.10.2015	787	--	श्रमिकों को देय राशि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक अशांति।
2	लंकापारा	758.45		-	1705	816	चाय अधिनियम की धारा 16 (ई) के तहत बागान को अधिसूचित किया गया था। कोलकाता के माननीय उच्च न्यायालय ने 20 सितंबर, 1016 के आदेश के तहत डंकन को लंकापारा सहित सात अधिसूचित बागानों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने का निदेश दिया था। हालांकि डंकन इंडस्ट्रीज लिमिटेड बागान को फिर से खोलने में विफल रहा। इस बीच, एनसीएलटी, कोलकाता बेंच के निदेशानुसार डंकन इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सभी संपत्तियां/बागान दिवालियापन समाधान पेशेवर (आईआरपी) के कब्जे में आ गए। आईआरपी समाधान योजना को अंतिम रूप देने के अंतिम चरण में है।
3	डूटेरिया	444.92		10.01.2018	1248	4	श्रमिकों को देय राशि का भुगतान न किए जाने तथा कुप्रबंधन के कारण श्रमिक अशांति।
4	रायपुर	239.83		12.09.2016	617	--	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
5	रुंगमूक/सेडर्स	460.71		24.04.2023	1463	--	श्रमिकों को देय राशि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक अशांति।
6	रायमतांग	540.12		11.10.2023	1258	--	प्रबंधन द्वारा कार्य स्थगन की सूचना

7	डाल्मोर	555.92		15.10.2023	1194	100	प्रबंधन द्वारा कार्य स्थगन की सूचना
8	दलसिंगपारा	873.23		15.10.2023	1741	--	प्रबंधन द्वारा कार्य स्थगन की सूचना
9	कलचीनी	768.14		01.11.2023	1991	--	प्रबंधन द्वारा कार्य स्थगन की सूचना
10	रामझोरा	452.75		01.11.2023	949	--	प्रबंधन द्वारा कार्य स्थगन की सूचना
11	Bबामनडांगा तोंडू	481.42		08.12.2023	1155	--	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
12	ढेकलापारा	197.37		04.12.2023	602	--	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
13	सामसिंग	584.72		16.10.2023	945	47	प्रबंधन द्वारा कार्य स्थगन की सूचना
14	सोनाली टी.ई.	206.20		30.12.2023	407	--	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
15	अम्बूटिया टी ई	348.46		10.10.2023	826	205	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
16	चौंगटौंग टी ई	379.04		28.09.2023	980	12	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
17	नागरी टी ई	321.64		28.09.2023	813	--	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
18	मूनडाकोटी टी ई	298.78		24.09.2023	861	--	प्रबंधन द्वारा त्याग दिया गया
19	पीरमेड और लोनट्री टी.ई	679.79	केरल	01.04.2016	220	--	श्रमिक बकाया आदि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक अशांति। केरल सरकार संपदा को पुनः खोलने की प्रक्रिया में है।
20	कोट्टामाला और बोनामी टी.ई.	677.51		23.12.2013/ 11.10.2014	375	--	श्रम बकाया आदि का भुगतान न होने के कारण श्रमिक अशांति।
21	बोनकोर्ड टी.ई.	378.00		05.03.2015	220	--	संपदा प्रबंधन ने वित्तीय संकट के कारण संपदा को छोड़ दिया है।
	कुल	**10107.15**			**20357**	**1184**	

11. चाय बागान श्रमिकों की मजदूरी

असम एवं पश्चिम बंगाल में चाय बागानों में कार्य करने वाले श्रमिकों एवं कर्मचारियों के लिए वेतन प्रबंधन एवं श्रमिक संघों के बीच बातचीत की प्रक्रिया के माध्यम से तय किया जाता है। पश्चिम बंगाल के लिए वेतन वार्ता श्रम आयुक्त की उपस्थिति में आयोजित की जाती है।

असम के मामले में बातचीत द्विपक्षीय स्तर पर पूरी की जाती है और उसके बाद समझौते को राज्य सरकार के पास भेजा जाता है। राज्य सरकार द्वारा इसकी जांच की जाती है और बागान श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के तहत इसे अधिसूचित किया जाता है।

केरल के मामले में, मजदूरी का निर्धारण संपदा प्रबंधन, ट्रेड यूनियनों एवं राज्य सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से किया जाता है। इसके बाद इसे अधिसूचित भी किया जाता है। तमिलनाडु के मामले में, मजदूरी चाय उत्पादक संघों, ट्रेड यूनियनों एवं संपदा प्रबंधन के बीच सामूहिक सौदेबाजी के माध्यम से तय की जाती है और कर्नाटक के मामले में मजदूरी निर्धारण राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाता है।

तालिका: 14- चाय रोपण में वर्तमान राज्यवार मजदूरी-

क्र.सं.	राज्य का नाम	रोपण जिला	प्रभावी तिथि/अवधि	दैनिक मजदूरी (रु.)
1	असम	क) ब्रह्मपुत्र घाटी	01-10-2023	250.00
		ख) बराक घाटी		228.00
2	पश्चिम बंगाल	क) दोआर्स	01-06-2023	250.00
		ख) तराई		
		ग) दार्जिलिंग		
3	त्रिपुरा		01-01-2022	176.00
4	तमिलनाडु	क) अन्नामलाई ख) नीलगिरी और ग) नीलगिरि-वायनाड	01-09-2021	454,03
5	केरल	क) इडुक्की, ख) वायनाड	01-01-2023	482.49
6	कर्नाटक		01-08-2023	425.00
7	हिमाचल प्रदेश		01-04-2023	375.00
8	उत्तराखंड		01-08-2022	347.00
9	सिक्किम		01-07-2022	500.00
10	बिहार		जुलाई 2023	190.00

तालिका 15. 1 चाय विकास एवं संवर्धन योजना के तहत 2023-24 के दौरान क्षेत्रवार निधि उपयोग एवं उपलब्धियां: विकास गतिविधियां

		उत्तर पूर्व			बिहार सहित उत्तर बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड			कुल		
मुख्य शीर्ष	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	प्रयुक्त निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.
पीडीएस-एसटीजी	यंत्रीकरण	95.04	132	445	179.54	235	1325	1.84	36	39	0.65	8	9	277.08	411	1818
	स्वयं सहायता समूहों को सहायता	306.70	2276	77	---	---	---	87.18	381	17	---	---	---	393.89	2657	94
	एफपीओ को सहायता	737.53	1862	51	235.46	2681	31	636.31	4296	58	10.94	49	2	1620.24	8888	142
	वार्षिक पुरस्कार	2.30	4	4	---	---	---	---	---	---	---	---	---	2.30	4	4
	मिनी फैक्ट्री हूतु सहायता	71.10	6	6	---	---	---	---	---	---	---	---	---	71.10	6	6
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	1.10	110	5	10.18	1880	85	4.50	808	20	4.78	764	21	20.57	3562	131
	मृदा परीक्षण	2.30	922	922	---	---	---	---	---	---	---	---	---	2.30	922	922
	क्षेत्रीय कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	64.57	---	---	10.63	---	---	3.24	---	---	1.03	---	---	79.46	---	---
	अन्य प्रशासनिक व्यय/बैंक शुल्क	0.97	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.97	---	---
	उप योग- पीडीएस एसटीजी	**1281.62**	**5312**	---	**435.91**	**4796**	---	**733.07**	**5521**	---	**17.40**	**821**	---	**2468.00**	**16450**	---

	गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करना तथा चाय के नमूने लेना एवं परीक्षण करना	24.13	169	212.00	---	---	---	---	---	---	---	---	---	24.13	169	212
	जैविक प्रमाणीकरण	0.62	5	11.09	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.62	5	11.09
नीति फोरम	जैविक रूपांतरण	15.31	9	27.34	---	---	---	---	---	---	---	---	---	15.31	9	27.34
	निर्यातकों हेतु प्रोत्साहन(मि.कि.ग्रा.)	126.67	16	6.31	---	---	---	---	---	---	---	---	---	126.67	16	6.31
	पूर्वोत्तर में उत्पादित चाय का ब्रांड निर्माण	345.83	--	76.00	---	---	---	---	---	---	---	---	---	345.83	---	76
	उप योग एनएफ-एनई	**512.55**	**199**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**512.55**	**199**	**---**
	शैक्षिक छात्रवृत्ति	136.98	1381	1381	37.78	225	225	92.88	516	516	8.16	42	42	275.81	2164	2164
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	39.14	488	488	7.68	96	96	0.56	7	7	0.16	2	2	47.54	593	593
श्रमिकों का कल्याण	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	24.50	245	245	8.80	88	88	4.50	45	45	0.30	3	3	38.10	381	381
	चाय उद्योग पर अध्ययन	--	---	---	19.84	---	---	---	---	---	---	---	---	19.84	---	---
	उप कुल श्रमिकों का कल्याण	**200.62**	**2114**	---	**74.10**	**409**	---	**97.94**	**568**	---	**8.62**	**47**	---	**381.29**	**3138**	---
	कुल योग	**1994.79**	**7625**	---	**510.01**	**5205**	---	**831.02**	**6089**	---	**26.02**	**868**	---	**3361.85**	**19787**	---

तालिका 15.2.चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एससीएसपी और टीएएसपी सहित पूर्वोत्तर राज्यों (एनईआर) के लिए भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि

ओएनईआर राज्यवार		असम		त्रिपुरा		अरुणाचल प्रदेश		नगालैंड		मिजोरम		कुल एनईआर	
घटक	**प्रमुख गतिविधि**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.
पीडीएस- एसटीजी	यंत्रीकरण	94.331	128	0.71	4	---	---	---	---	---	---	95.0409	132
	स्वयं सहायता समूहों को सहायता	299.17	2246	---	---	---	---	7.539	30	---	---	306.705	2276
	एफपीओ को सहायता	541.21	1575	1.29	21	---	---	195	266	---	---	737.531	1862
	वार्षिक पुरस्कार	2.3	4	---	---	---	---	---	---	---	---	2.3	4
	मिनी फैक्ट्री हूतु सहायता	71.104	6	---	---	---	---	---	---	---	---	71.1038	6
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	1.1013	110	---	---	---	---	---	---	---	---	1.1013	110
	मृदा परीक्षण	2.2958	922	---	---	---	---	---	---	---	---	2.29575	922
	क्षेत्रीय कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	62.27	---	0.97	---	---	---	---	---	1.33	---	64.57	0
	अन्य प्रशासनिक व्यय/बैंक शुल्क	0.97	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.97	0
	योग- पीडीएस एसटीजी	**1074.7**	**4991**	**2.97**	**25**	---	---	**202.6**	**296**	**1.33**	**0**	**1281.62**	**5312**
उत्तर पूर्व हेतु नीति फोरम	गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करना तथा चाय के नमूने लेना एवं परीक्षण करना	23.277	161	0.85	8	---	---	---	---	---	---	24.1266	169
	जैविक प्रमाणीकरण	0.6218	5	---	---	---	---	---	---	---	---	0.62178	5
	जैविक रूपांतरण	2.35	2	---	---	---	---	12.96	7	---	---	15.305	9
	निर्यातकों हेतु प्रोत्साहन (मि.कि.ग्रा.)	126.67	16	---	---	---	---	---	---	---	---	126.674	16
	पूर्वोत्तर में उत्पादित चाय का ब्रांड निर्माण	322.61	---	17.25	---	0.354	---	5.61	---	---	---	345.827	0
	उप योग एनएफ- एनई	**475.53**	**184**	**18.1**	**8**	**0.354**	---	**18.57**	**7**	---	---	**512.554**	**199**
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति	133.21	1349	2.604	21	---	---	1.167	11	---	---	136.977	1381
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	38.984	486	0.16	2	---	---	---	---	---	---	39.144	488
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	24.4	244	0.1	1	---	---	---	---	---	---	24.5	245
	उप कुल श्रमिकों का कल्याण	**196.59**	**2079**	**2.864**	**24**	---	---	**1.167**	**11**	---	---	**200.621**	**2114**
	कुल योग	**1746.9**	**7254**	**23.94**	**57**	**0.354**	---	**222.3**	**314**	**1.33**	---	**1994.79**	**7625**

तालिका 15.3. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एससीएसपी एवं टीएएसपी सहित पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा अन्य (ओएनईआर) के लिए भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि

ओएनईआर राज्यवार		पश्चिम बंगाल		बिहार		तमिलनाडु		केरल		हिमाचल		उत्तराखंड		कुल ओएनईआर	
घटक	**प्रमुख गतिविधि**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख))**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.
पीडीएस-एसटीजी	यंत्रीकरण	179.54	235	---	---	1.584	33	0.256	3	0.65	8	---	---	182.04	279
	स्वयं सहाता समूहों को सहायता	---	---	---	---	66.23	258	20.95	123	---	---	---	---	87.18	381
	एफपीओ को सहायता	235.46	2681	---	---	421.2	3555	215.2	741	10.94	49	---	---	882.71	7026
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	9.38	1720	0.8	160	3.5	632	1	176	3.93	669	0.853	95	19.46	3452
	अधिकारियों के कौशल का उन्नयन	0.10	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.10	---
	कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण	9.32	---	1.30	---	3.24	---	---	---	0.018	---	1.007	---	14.893	---
	उप योग - पीडीएस एसटीजी	**433.81**	**4636**	**2.10**	**160**	**495.7**	**4478**	**237.4**	**1043**	**15.54**	**726**	**1.86**	**95**	**1186.4**	**11138**
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति	36.422	218	1.36	7	92.16	512	0.727	4	7.76	40	0.4	2	138.83	783
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	7.68	96	---	---	0.32	4	0.24	3	0.08	1	0.08	1	8.4	105
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	8.5	85	0.3	3	3.8	38	0.7	7	0.3	3	---	---	13.6	136
	चाय उद्योग पर अध्ययन	19.84	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	19.84	---
	उप कुल श्रमिकों का कल्याण	**72.442**	**399**	**1.66**	**10**	**96.28**	**554**	**1.667**	**14**	**8.14**	**44**	**0.48**	**3**	**180.67**	**1024**
	कुल योग	**506.25**	**5035**	**3.76**	**170**	**592**	**5032**	**239**	**1057**	**23.68**	**770**	**2.34**	**98**	**1367.10**	**12162**

तालिका 15.4. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए क्षेत्रवार लघु चाय उत्पादकों के लिए भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि

		उत्तर पूर्व			बिहार सहित उत्तर बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड			कुल		
मुख्य शीर्ष	**प्रमुख गतिविधि/ उप घटक**	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.	**प्रयुक्त** निधि (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	क्षेत्र (हेक्टे)/मिलियन कि.ग्रा./आयोजनों/समूहों/उपकरणों की सं.
पीडीएस-एसटीजी	यंत्रीकरण	95.04	132	445	179.54	235	1325	1.84	36	39	0.65	8	9	277.08	411	1818
	स्वयं सहाता समूहों को सहायता	306.70	2276	77	---	---	---	87.18	381	17	---	---	---	393.89	2657	94
	एफपीओ को सहायता	737.53	1862	51	235.46	2681	31	636.31	4296	58	10.94	49	2	1620.24	8888	142
	वार्षिक पुरस्कार	2.30	4	4	---	---	---	---	---	---	---	---	---	2.30	4	4
	मिनी फैक्ट्री हूतु सहायता	71.10	6	6	---	---	---	---	---	---	---	---	---	71.10	6	6
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	1.10	110	5	10.18	1880	85	4.50	808	20	4.78	764	21.00	20.57	3562	131
	मृदा परीक्षण	2.30	922	922	---	---	---	---	---	---	---	---	---	2.30	922	922
	उप योग - पीडीएस एसटीजी	**1216.08**	**5312**	---	**425.18**	**4796**	---	**729.83**	**5521**	---	**16.38**	**821**	---	**2387.47**	**16450**	---

नीति फोरम	गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करना तथा चाय के नमूने लेना एवं परीक्षण करना	24.13	169	212.00	---	---	---	---	---	---	---	---	---	24.13	169	212
	जैविक प्रमाणीकरण	0.62	5	11.09	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.62	5	11.09
	जैविक रूपांतरण	15.31	9	27.34	---	---	---	---	---	---	---	---	---	15.31	9	27.34
	उप योग एनएफ-एनई	**40.05**	**183**	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	**40.05**	**183**	---
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति	136.98	1381	1381	37.78	225	225	92.88	516	516	8.16	42	42	275.81	2164	2164
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	39.14	488	488	7.68	96	96	0.56	7	7	0.16	2	2	47.54	593	593
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	24.50	245	245	8.80	88	88	4.50	45	45	0.30	3	3	38.10	381	381
	उप कुल श्रमिकों का कल्याण	**200.62**	**2114**	---	**54.26**	**409**	---	**97.94**	**568**	---	**8.62**	**47**	---	**361.45**	**3138**	---
	कुल योग	**1456.75**	**7609**	---	**479.45**	**5205**	---	**827.78**	**6089**	---	**25.00**	**868**	---	**2788.97**	**19771**	---

तालिका 15.5. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए उत्तर पूर्व **(एनईआर) में राज्यवार लघु चाय उत्पादकों के लिए भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि**

एनईआर राज्यवार		असम		त्रिपुरा		नगालैंड		कुल एनईआर	
घटक	**प्रमुख गतिविधि**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख))**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख))**	लाभार्थियों की सं.
पीडीएस-एसटीजी	यंत्रीकरण	94.33	128	0.71	4	---	---	95.04	132
	स्वयं सहाता समूहों को सहायता	299.17	2246	0.00	0	7.54	30	306.70	2276
	एफपीओ को सहायता	541.21	1575	1.29	21	195.03	266	737.53	1862
	वार्षिक पुरस्कार	2.30	4	---	---	---	---	2.30	4
	मिनी फैक्ट्री हूतु सहायता	71.10	6	---	---	---	---	71.10	6
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	1.10	110	---	---	---	---	1.10	110
	मृदा परीक्षण	2.30	922	---	---	---	---	2.30	922
	उप योग - पीडीएस एसटीजी	**1011.51**	**4991**	**2.00**	**25**	**202.57**	**296**	**1216.08**	**5312**
उत्तर पूर्व हेतु नीति फोरम	गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करना तथा चाय के नमूने लेना एवं परीक्षण करना	23.28	161	0.85	8	0.00	0	**24.13**	**169**
	जैविक प्रमाणीकरण	0.62	5	---	---	0.00	0	0.62	5
	जैविक रूपांतरण	2.35	2	---	---	12.96	7	15.31	9
	उप योग एनएफ- एनई	**26.25**	**168**	**0.85**	**8**	**12.96**	**7**	**40.05**	**183**
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति	133.21	1349	2.60	21	1.17	11	136.98	1381
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	38.98	486	0.16	2	---	---	39.14	488
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	24.40	244	0.10	1	---	---	24.50	245
	उप कुल श्रमिकों का कल्याण	**196.59**	**2079**	**2.86**	**24**	**1.17**	**11**	**200.62**	**2114**
	कुल योग	**1234.35**	**7238**	**5.71**	**57**	**216.69**	**314**	**1456.75**	**7609**

तालिका 15.6. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लघु चाय उत्पादकों के लिए भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि, उत्तर पूर्व **के अलावा राज्यवार (ओएनईआर)**

ओएनईआर राज्यवार		**पश्चिम बंगाल**		**बिहार**		**तमिलनाडु**		**केरल**		**हिमाचल**		**उत्तराखंड**		**कुल ओएनईआर**	
घटक	**प्रमुख गतिविधि**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.
पीडीएस-एसटीजी	यंत्रीकरण	179.54	235	---	---	1.58	33	0.26	3	0.65	8	---	---	182.04	279
	स्वयं सहाता समूहों को सहायता	---	---	---	---	66.23	258	20.95	123	---	---	---	---	87.18	381
	एफपीओ को सहायता	235.46	2681	---	---	421.15	3555	215.16	741	10.94	49	---	---	882.71	7026
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	9.38	1720	0.80	160	3.50	632	1.00	176	3.93	669	0.85	95	19.46	3452
	उप योग - पीडीएस एसटीजी	**424.38**	**4636**	**0.80**	**160**	**492.47**	**4478**	**237.37**	**1043**	**15.52**	**726**	**0.85**	**95**	**1171.39**	**11138**
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति	36.42	218	1.36	7	92.16	512	0.73	4	7.76	40	0.40	2	138.83	783
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	7.68	96	---	---	0.32	4	0.24	3	0.08	1	0.08	1	8.40	105
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	8.50	85	0.30	3	3.80	38	0.70	7	0.30	3	---	---	13.60	136
	उप कुल श्रमिकों का कल्याण	**52.60**	**399**	**1.66**	**10**	**96.28**	**554**	**1.67**	**14**	**8.14**	**44**	**0.48**	**3**	**160.83**	**1024**
	कुल योग	**476.99**	**5035**	**2.46**	**170**	**588.74**	**5032**	**239.03**	**1057**	**23.67**	**770**	**1.33**	**98**	**1332.22**	**12162**

तालिका 15.7. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए छोटे चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए श्रमिकों के कल्याण के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि											
		उत्तर पूर्व		बिहार सहित पश्चिम बंगाल		दक्षिण भारत		हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड		कुल (अखिल भारत)	
मुख्य शीर्ष	प्रमुख गतिविधि/ उप घटक	वित्तीय (रु. लाख)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख))	लाभार्थियों की सं.
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति	136.98	1381	37.78	225	92.88	516	8.16	42	275.81	2164
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	39.14	488	7.68	96	0.56	7	0.16	2	47.54	593
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	24.50	245	8.80	88	4.50	45	0.30	3	38.10	381
	चाय उद्योग पर अध्ययन			19.84	0					19.84	0
	कुल योग	**200.62**	**2114**	**74.10**	**409**	**97.94**	**568**	**8.62**	**47**	**381.29**	**3138**

तालिका 15.8. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के अंतर्गत राज्यवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियां

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए श्रमिकों के कल्याण हेतु राज्यवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि											
	असम	त्रिपुरा	नगालैंड	मेघालय	**पश्चिम बंगाल**	बिहार	तमिलनाडु	केरल	हिमाचल प्रदेश	उत्तराखंड	कुल
वित्तीय (रु. लाख)	196.59	2.86	1.17	0.00	72.44	1.66	96.28	1.67	8.14	0.48	**381.29**
लाभार्थियों की सं.	2079	24	11	0	399	10	554	14	44	3	**3138**

तालिका 15.9. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) के अंतर्गत क्षेत्रवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि

		उत्तर पूर्व			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड			कुल		
मुख्य शीर्ष	**प्रमुख गतिविधि/ उप घटक**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों की सं./उपकरणों/एसटीजी की सं.**	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों की सं./उपकरणों/एसटीजी की सं.**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों की सं./उपकरणों/एसटीजी की सं.**	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों की सं./उपकरणों/एसटीजी की सं.**	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों की सं./उपकरणों/एसटीजी की सं.**
पीडीएस-एसटीजी	यंत्रीकरण	41.73	54	195	121.8	156	927	---	---	---	---	---	---	163.62	210	1122
	स्वयं सहाता समूहों को सहायता	12.97	42	2	---	---	---	52.25	148	4	---	---	---	65.21	190	6
	एफपीओ को सहायता	14.66	35	1	62.42	909	8	212.76	436	3	---	---	---	289.84	1380	12
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	0.20	20	1	1.78	200	4	0.28	60	1	3.38	559	14	5.64	839	20
	मृदा परीक्षण	0.15	58	58							---	---	---	0.15	58	58
	कुल योग	**69.71**	**209**	**257**	**186.09**	**1265**	**939**	**265.29**	**644**	**8.00**	**3.38**	**559**	**14.00**	**524.47**	**2677**	**1218**
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति	1.99	20	---	8.15	46	---	0.20	2	---	0.72	4	---	11.06	72	0.00
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	1.06	12	---	1.20	15	---	---	---	---	---	---	---	2.26	27	0.00
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	0.50	5	---	3.70	37	---	0.10	1	---	---	---	---	4.30	43	0.00
	उप योग	**3.56**	**37**	**---**	**13.05**	**98**	**---**	**0.30**	**3**	**---**	**0.72**	**4**	**---**	**17.62**	**142**	**0.00**
	कुल योग	**73.27**	**246**	**---**	**199.14**	**1363**	**---**	**265.59**	**647**	**---**	**4.10**	**563**	**---**	**542.10**	**2819**	**---**

तालिका 15.10. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2;23-24 के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) के अंतर्गत राज्यवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए एससीएसपी के अंतर्गत राज्यवार उपलब्धि									
राज्यवार	**असम**	**त्रिपुरा**	**पश्चिम बंगाल**	**बिहार**	**तमिलनाडु**	**केरल**	**हिमाचल प्रदेश**	**उत्तराखंड**	**कुल**
वित्तीय (रु. लाख)	73.27	---	198.76	0.38	183.21	82.38	3.25	0.85	542.10
लाभार्थियों की सं.	246	---	1361	2	579	68	468	95	2819

तालिका 15.11.चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (टीएएसपी) के अंतर्गत क्षेत्रवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियां

टीएएसपी के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अखिल भारतीय भौतिक और वित्तीय उपलब्धि																
		उत्तर पूर्व			बिहार सहित पश्चिम बंगाल			दक्षिण भारत			हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड			कुल		
मुख्य शीर्ष	**प्रमुख गतिविधि/ उप घटक**	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों**	**वित्तीय (रु.लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र (हे.)/आयोजनों**	**वित्तीय (रु. लाख)**	लाभार्थियों की सं.	**क्षेत्र**
पीडीएस-एसटीजी	यंत्रीकरण	53.00	71	242	57.25	78	397	---	---	---	---	---	---	110.25	149	639
	स्वयं सहाता समूहों को सहायता	9.08	54	3	---	---	---	16.65	39	2	---	---	---	25.74	93	5
	एफपीओ को सहायता	36.17	95	3	18.75	112	4	86.89	666	4				141.81	873	11
	मिनी फैक्ट्री हूतु सहायता	9.54	2	2	---	---	---	---	---	---	---	---	---	9.54	2	2
	कार्यशाला एवं प्रशिक्षण	---	---	---	---	---	---	0.95	258	2	1.34	192	6	2.29	450	8
	मृदा परीक्षण	0.04	17	17	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.04	17	17
	उप योग	**107.83**	**239**	**---**	**76.00**	**190**	**401**	**104.49**	**963**	**---**	**1.34**	**192**	**---**	**289.66**	**1584**	**---**
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक छात्रवृत्ति (no)	17.05	199	---	1.28	7	---	---	---	---	1.85	12	---	20.18	218	---
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	5.44	68	---	0.16	2	---	---	---	---	---	---	---	5.60	70	---
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	4.00	40	---	0.10	1	---	---	---	---	---	---	---	4.10	41	---
	उप योग	**26.49**	**307**	**---**	**1.54**	**10**	**---**	**---**	**---**	**---**	**1.85**	**12**	**---**	**29.88**	**329**	**---**
	कुल योग	**134.32**	**546**	**---**	**77.54**	**200**	**---**	**104.49**	**963**	**---**	**3.19**	**204**	**---**	**319.54**	**1913**	**---**

15.12. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (टीएएसपी) के अंतर्गत राज्यवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियां

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए टीएएसपी के अंतर्गत राज्यवार उपलब्धि											
राज्यवार	असम	त्रिपुरा	नगालैंड	मेघालय	पश्चिम बंगाल	बिहार	तमिलनाडु	केरल	हिमाचल प्रदेश	उत्तराखंड	कुल
वित्तीय (रु.लाख)	110.97	2.33	21.03	---	77.54	---	57.92	46.57	2.99	0.20	319.54
लाभार्थियों की सं.	464	17	65	---	200	---	923	40	203	1	1913

12. अन्य गतिविधियाँ :

बोर्ड की योजना के कार्यान्वयन के अलावा, क्षेत्रीय अधिकारी लघु चाय उत्पादकों को सलाहकार सेवाएं प्रदान करना, चाय पत्ती क्रय फैक्ट्रियों, स्वयं सहायता समूह, एफपीओ एवं एफपीसी के गठन में लघु चाय उत्पादकों को शामिल करना, कच्चे माल के साथ-साथ निर्मित चाय की गुणवत्ता पर निगरानी रखना, पौध संरक्षण संहिता के अनुपालन का कार्यान्वयन, नीतियों के निर्माण में मदद करने वाले विभिन्न सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, विभिन्न तकनीकी मुद्दों पर कार्यशालाएं/सेमिनार आयोजित करने, चाय को बढ़ावा देना, घरेलू खपत बढ़ाने के लिए गुणवत्ता और स्वास्थ्य लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना, अन्य सरकारी निकायों से सहायता प्राप्त करने के लिए लघु चाय उत्पादकों की मदद करना, विभिन्न गुणवत्ता मापदंडों के तहत विश्लेषण के लिए चाय के नमूने एकत्र करना, बेहतर मूल्य प्राप्ति के लिए उत्पादकों को जैविक चाय की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना, फैक्ट्रियों के मालिकों को उत्पाद विविधीकरण एवं मूल्य संवर्धन आदि के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

क. देश में 2023-24 के दौरान बोर्ड के कार्यालयों द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/सेमिनारों/जागरूकता कार्यक्रमों का विवरण

तालिका 16.

क्षेत्र	वित्तीय (रु.लाख)	लाभार्थियों की सं.	आयोजनों की सं.
उत्तर बंगाल एवं बिहार	10.18	1880	85
उत्तर पूर्व	1.10	110	5
दक्षिण भारत	4.50	808	20
हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड	4.78	764	21
कुल	**20.57**	**3562**	**131**

ख. पूर्वोत्तर राज्यों में महत्वपूर्ण विकास घटनाएँ

1. 16.12.2023 से 18.12.2023 तक खानापारा, गुवाहाटी में 8वें अंतर्राष्ट्रीय कृषि बागवानी शो में भाग लिया, जिसका उद्घाटन असम के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा किया गया।



2. त्रिपुरा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित 34वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेला, 2024 में भाग लिया। यह मेला 25.01.2024 से 11.02.2024 तक हापनिया अंतर्राष्ट्रीय मेला ग्राउंड, अगरतला में आयोजित

किया गया। त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री, प्रोफेसर (डॉ) श्री माणिक साहा ने कार्यक्रम में टी बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया।



3. भारतीय पैकेजिंग संस्थान, कोलकाता केंद्र के समन्वय से 21.11.2023 से 23.11.2023 तक अगरतला में चाय की पैकेजिंग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में त्रिपुरा क्षेत्र के संपदा फैक्ट्रियों, लघु चाय उत्पादकों एवं पत्ती क्रय फैक्ट्रियों सहित चाय निर्माताओं ने भाग लिया।



4. आईआईपी, कोलकाता के सहयोग से वोखा,नागालैंड में "चाय की पैकेजिंग" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 29 से 31 जनवरी 2024 तक कुल 42 प्रतिभागियों के साथ आयोजित किया गया।



5. विश्व पर्यावरण दिवस- 05.06.2024 को बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों में मनाया गया।





6. 2023-24 के दौरान बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा जिला हरी पत्ती मूल्य निगरानी समिति की बैठकें आयोजित की गई:





7. 2023-24 के दौरान बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों में कार्यशाला/प्रशिक्षण आयोजित किया गया।



8. एफएसएसएआई एवं पौध संरक्षण कोड के तहत गुणवत्ता जांच सुनिश्चित करने के लिए 2023-24 के दौरान विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा निर्मित चाय के नमूनों का संग्रह



9. 2023-24 के दौरान बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा एफएसएसएआई एवं पीपीसी के तहत विफल चायों के चाय अपशिष्ट विकृतीकरण गतिविधि की गई:





10. 2023-24 के दौरान हरी पत्ती की गुणवत्ता और अच्छी पत्ती के प्रतिशत की जांच के लिए बोर्ड के अधिकारियों द्वारा चाय बागानों का औचक निरीक्षण:





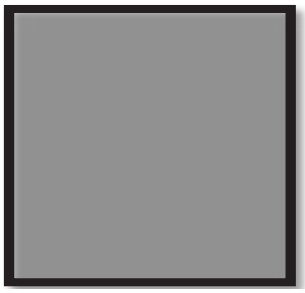








12. टी बोर्ड, जोरहाट द्वारा 05.04.2023 को जलवायु परिवर्तन एवं इसके प्रभाव पर विशेष जोर देने के साथ-साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एसएचजी/ एफपीओ/ एफपीसी के लिए वार्षिक पुरस्कार समारोह के साथ चाय की खेती पर सेमिनार आयोजित किया गया।






1. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एवं प्रगतिशील एसएचजी/एफपीओ के लिए आरसीएफ और पुरस्कार का वितरण





2.. प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं





3. 02.02.2024 को गुंडाडा में मृदा के नमूने का प्रदर्शन



4. 14.02.2024 को कोटागिरी में एफएसएसएआई अधिकारियों के साथ सुरक्षित चाय उत्पादन जागरूकता कार्यक्रम



5. 10.08.2023 को काय्युन्नी एफपीओ में सहायिकी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकारी निदेशक ने भाग लिया



6. 24.01.2024 को हाईफील्ड टीईए और सिंगारा टीईए, कुन्नूर में आयुष्मान भारत शिविर





7. दिनांक 09.12.2023 को मत्स्य पालन, पशुपालन और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में माननीय राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन द्वारा नीलगिरी जिले के छोटे चाय उत्पादकों के लिए सब्सिडी वितरण कार्यक्रम



घ. उत्तर बंगाल क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रम

1. 13.10.2023 को भोटबारी, मेखलीगंज, कूचबिहार में मेखलीगंज अपोंजन टी प्रोड्यूसर्स वेलफेयर सोसाइटी में



2. 23.08.2023 को गुणवत्तापूर्ण प्लकिंग और जीएपी पर बिन्नागुड़ी के एसटीजी के लिए सिपाईपारा गांव, राजगंज, जिला जलपाईगुड़ी में एक दिवसीय कार्यशाला सह क्षेत्र प्रशिक्षण।



3. दिनांक13.09.2023 को हुलासुगाछ गांव, चोपड़ा, जिला उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल में एसटीजी के लिए एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम,



4. दिनांक 18.10.2024को खजूरबाड़ी, जिला -किशनगंज में बिहार के अनुसूचित जनजाति समूहों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला



ङ. हिमाचल प्रदेश में महत्वपूर्ण विकास कार्यक्रम

1. एससीएसपी योजना के तहत 21.02.2024 को हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी विकास संघ में अधिनियमों एवं नियमों में हाल ही में हुए संशोधनों, प्रबंधन के अधिकार और कर्तव्य, सामान्य लेखा प्रणाली, बीडीपी एवं . सहकारी समितियों के सदस्यों के विशेष विशेषाधिकारों पर संस्थागत प्रशिक्षण



2. 11.09.2023 को टांडा में एससीएसपी के तहत जय श्री राम लघु चाय उत्पादक सोसायटी के एससी एसटीजी के लिए चाय बोर्ड पालमपुर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम सह कार्यशाला आयोजित की गई




3. टीएएसपी योजना के अंतर्गत दिनांक 01.03.2024 को हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी विकास संघ, गरली में अधिनियमों और नियमों में हाल ही में हुए संशोधनों, प्रबंधन के अधिकार और कर्तव्य, सामान्य लेखा प्रणाली, बीडीपी और सहकारी समितियों के सदस्यों के विशेष विशेषाधिकारों पर संस्थागत प्रशिक्षण




च. पश्चिम बंगाल के चाय बागानों में चाय की झाड़ी और छायादार वृक्षों का मूल्यांकन

भूमि एवं भूमि सुधार विभाग तथा शरणार्थी राहत एवं पुनर्वास, भूमि नीति शाखा, पश्चिम बंगाल सरकार के कहने पर, पश्चिम बंगाल के चाय बागानों में चाय की झाड़ी और छायादार वृक्षों के मुआवजे की कीमत की दर में संशोधन के लिए, बागान संघों की परामर्शदात्री समिति (सीसीपीए), चाय अनुसंधान संघ, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और चाय बोर्ड के सदस्यों के साथ बोर्ड द्वारा एक समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट

प्रस्तुत की और अधिसूचना संख्या 4731-एलपी/3टी-30/2014, दिनांक 21.11.2023 के माध्यम से पश्चिम बंगाल सरकार ने 1 जनवरी 2023 से प्रभावी होने के लिए निम्नानुसार दरें अधिसूचित कीं और 01.01.2023 को या उसके बाद घोषित भूमि अधिग्रहण पुरस्कारों के लिए लागू होंगी:

च .पश्चिम बंगाल के चाय बागानों में चाय की झाड़ी और छायादार वृक्षों का मूल्यांकन

भूमि एवं भूमि सुधार विभाग तथा शरणार्थी राहत एवं पुनर्वास, भूमि नीति शाखा, पश्चिम बंगाल सरकार के कहने पर, पश्चिम बंगाल के चाय बागानों में चाय की झाड़ी और छायादार वृक्षों के मुआवजे की कीमत की दर में संशोधन के लिए, बागान संघों की परामर्शदात्री समिति)सीसीपीए(, चाय अनुसंधान संघ, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक)नाबार्ड (और टी बोर्ड के सदस्यों के साथ बोर्ड द्वारा एक समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अधिसूचना सं-4731 .एलपी3/टी2024/30-, दिनांक 21.11.2023 के माध्यम से पश्चिम बंगाल सरकार

ने 1 जनवरी 2023 से प्रभावी निम्नानुसार दरें अधिसूचित कीं एवं 01.01.2023 को या उसके बाद घोषित भूमि अधिग्रहण पुरस्कारों के लिए लागू होंगी :

(i) चाय की झाड़ियों के लिए : मैदानी क्षेत्रों में 331 रु. प्रति झाड़ी

एवं

पहाड़ी क्षेत्रों में 354रु प्रति झाड़ी

(ii) छायादार वृक्षों के लिए 6000 रु. प्रति वृक्ष

अध्याय-5:
चाय अनुसंधान

टी बोर्ड इंडिया का अनुसंधान निदेशालय सम्पूर्ण भारत में चाय अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के संचालन में संगलग्न तीन चाय अनुसंधान संस्थानों (टीआरआई) की सहायता से चाय अनुसंधान का समन्वय और मूल्यांकन करता है, अर्थात् उत्तर भारत के लिए चाय अनुसंधान संघ (टीआरए), दक्षिण भारत के लिए उपासी-चाय अनुसंधान संघ, और दार्जिलिंग के लिए दार्जिलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआरडीसी)। (2023-2024) के दौरान किए गए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का सारांश नीचे दिया गया है:-

5.1 चाय अनुसंधान संघ (टीआरए):

5.1.1 प्लांट फिजियोलॉजी व ब्रीडिंग:

5.1.1.1 दीर्घकालिक परीक्षण के तहत आशाजनक बीज स्टॉक के फिजियोलॉजी एवं उपज प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। नेट फोटोसिंथेसिस और जल उपयोग दक्षता (WUE) सेंट 643 (22.5 µmolm-**2**s-1**,** 9.31 µmolm mol-1) में अधिक थी**,** उसके बाद सेंट 673 (21.8 µmolm-**2**s-1**,** 8.91 µmolm mol-1) में नियंत्रण TS-520 (14.87 µmolm-2s-1, 4.71 µmolm mol-1) का स्थान था सेंट 673 ने नियंत्रण TS-520 की तुलना में अधिक उपज दिखाई। नेट फोटोसिंथेसिस और जल उपयोग दक्षता (WUE) सेंट 643 (22.5 µmolm-2s-1, 9.31 µmolm mol-1) में अधिक थी, उसके बाद सेंट 673 (21.8 µmolm-2s-1, 8.91 µmolm mol-1) में नियंत्रण TS-520 (14.87 µmolm-2s-1, 4.71 µmolm mol-1) का स्थान था। सेंट 673 ने नियंत्रण TS-520 की तुलना में अधिक उपज दिखाई। निर्मित सीटीसी चाय की गुणवत्ता, चमक, तीखापन भी अधिक थी। इसी प्रकार, सेंट 673 की परम्परागत चाय ने नियंत्रित टीएस-520 की तुलना में उच्च स्वाद और गुणवत्ता दिखाई। टी मॉस्किटो बग (TMB) के विरुद्ध आशाजनक बीज स्टॉक की स्क्रीनिंग ने TS-520, TV-1, TV-19, TV-20 और TS-491 की तुलना में St. 673 में उच्च सहनशीलता क्षमता दिखाई। लूपर और रेड स्पाइडर माइट (आरएसएम) के विरुद्ध रोपण सामग्री की स्क्रीनिंग के लिए योजना स्थापित की जानी चाहिए। कार्य प्रगति पर है।

5.1.1.2 दीर्घकालिक परीक्षण के तहत 527 श्रृंखला क्लोनों के उपज प्रदर्शन की तुलना नियंत्रण (टीवी-1 और टीवी-20) की उपज के साथ की गई। नियंत्रण की तुलना में क्लोन 527/4 में सबसे अधिक उपज दर्ज की गई। आगे का मूल्यांकन प्रगति पर है। नियंत्रण के रूप में टीवी-1 के साथ पांच ट्रिपलोइड क्लोनों की उपज का आकलन किया गया। सर्वाधिक फसल उपज क्लोन 615/11 में दर्ज की गई। नियंत्रण (टीवी-1 और टीवी-30) के साथ जर्मप्लाज्म 650 (बोरबेट्टा संतति चयन) की उपज का मूल्यांकन किया गया। जर्मप्लाज्म 650/12 के बाद 650/1 से उच्च उपज प्राप्त हुई।

5.1.1.3 चार किस्मों (टीवी-31, टीटीआरआई-1, टीटीआरआई-2 और टीएसएस-1) के विशिष्टता, एकरूपता और स्थिरता (डीयूएस) आंकड़े पंजीकरण के लिए पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण

(पीपीवीएफआरए) को प्रस्तुत कर दिए गए हैं। टीवी-32 और टीवी-33 के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र पहले ही जारी किये जा चुके हैं।

5.1.1.4 दो वाणिज्यिक उत्पादों (गेनेक्सा और यूपीएसबी-0122) का मूल्यांकन किया गया है। गेनेक्सा (@ 2,000 मिली/हेक्टेयर) और यूपीएसबी-0122 (@ 2,500 मिली/हेक्टेयर) के प्रयोग से उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। जैव रासायनिक, शारीरिक और ऑर्गेनोलेप्टिक डेटा का संकलन प्रक्रियाधीन है।

5.1.1.5 तीन नई परियोजनाएं जिनके शीर्षक हैं (i) "उत्कृष्ट रोपण सामग्री के विकास के लिए चाय जर्मप्लाज्म संरक्षण और क्लोनल चयन", (ii) "चाय बागानों के लिए छायादार वृक्षों के रूप में उपयुक्त वृक्ष प्रजातियों की पहचान", और (iii) "α-अमीनोब्यूटिरिक एसिड के माध्यम से चाय में उच्च तापमान तनाव प्रबंधन", का मसौदा तैयार किया गया है और वित्त पोषण एजेंसियों को प्रस्तुत किया गया है।

5.1.2 <u>जैव प्रौद्योगिकी</u>:

5.1.2.1 ("चाय में उपज, मेटाबोलाइट और तनाव सहिष्णुता के लिए जर्मप्लाज्म लक्षण वर्णन, जीनोमिक्स विश्लेषण और जीन खोज" नामक परियोजना के तहत") रूपात्मक लक्षणों (आकार, माप और रंग) के मात्रात्मक लक्षण-निर्धारण के लिए 97 चाय जर्मप्लाज्म और 30 टीवी श्रृंखला क्लोनों की छवि-आधारित फेनोटाइपिंग की गई है और पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण (पीपीवीएफआरए) द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का पालन करते हुए सूखा सहिष्णुता जैसे वांछनीय कृषि संबंधी लक्षणों के साथ उनके संबंध का अध्ययन किया गया है।. प्रकाश संश्लेषण दर, रंध्र चालकता, वाष्पोत्सर्जन दर और अंतरकोशिकीय CO_2 सांद्रता जैसे शारीरिक मापदंडों पर भी नजर रखी गई। सूखे की प्रतिक्रिया हेतु ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण हेतु एक नर्सरी प्रयोग भी स्थापित किया गया है।

5.1.2.2 ("चाय में आनुवंशिक इंजीनियरिंग के लिए कुशल मंच की स्थापना" नामक परियोजना के तहत") 0.5 मिलीग्राम/लीटर बीएपी और 2 मिलीग्राम/लीटर जीए3 के साथ एमएस मीडिया में टीवी-1, टीवी-20 और बेटजन के बीजपत्र एक्सप्लांट से दैहिक भ्रूणजनन प्राप्त किया गया। आरंभ के 2-3 सप्ताह बाद, ½ एमएस + 0.5 मिलीग्राम/लीटर बीएपी + 2.5 मिलीग्राम/लीटर एनएए में दैहिक भ्रूणों का गुणन प्राप्त किया गया। दैहिक भ्रूणों की विभिन्न अवस्थाओं की पहचान ऊतकवैज्ञानिक रूप से की जाती है। टीवी-1 ने 70-75% की दक्षता के साथ उच्च गुणन दिखाया जबकि बेटजान ने 50-60% गुणन दक्षता के साथ भ्रूणों के छोटे आकार को प्रमुखता से दिखाया। टीवी-20 ने भी 60% की गुणन दक्षता दर्शाई। बीजपत्री अवस्था भ्रूणों का रूपांतरण प्रतिशत (45%) टीवी-1 में ए.बी.ए. युक्त परिपक्वता माध्यम में प्रमुख जड़ों और टहनियों के साथ अंकुर में होता है। एक महीने के बाद अंकुरित भ्रूणों को पौधों की वृद्धि के लिए BAP, IBA और GA3 की विभिन्न सांद्रता वाले पुनर्जनन माध्यम में स्थानांतरित कर दिया जाता है। टीवी-1 और टीवी-20 दैहिक भ्रूणों के द्वितीयक भ्रूणजनन का अवलोकन किया जाता है तथा आनुवंशिक रूपांतरण कार्य के लिए गुणन माध्यम में उप-संवर्धन द्वारा गोलाकार अवस्था में बनाए रखा जाता है।

5.1.2.3 ('चाय में मूल्य संवर्धन और उत्पाद विविधीकरण' नामक परियोजना के अंतर्गत") एमडीए-लिपिड पेरोक्सीडेशन परख में मेनाडियोन प्रेरित ऑक्सीडेटिव तनाव के विरुद्ध पूर्व-उपचारित कोशिकाओं

(प्रोफिलैक्टिक) में सुरक्षा प्रदान करने के लिए शुद्ध थिएफ्लेविन (टीएफ-1), थिएफ्लेविन मोनोगैलेट (टीएफ-2) और थिएफ्लेविन डिगैलेट (टीएफ-3) की 75 µg/ml की गैर-साइटोटॉक्सिक खुराक पाई गई। नॉन-फ्रैक्शनेटेड थियाफ्लेविन (TFs) के लिए भी यही मात्रा 100 µg/ml है। इंट्रा-सेलुलर ROS परख से पता चला कि TF-2, TF-3 और TFs प्रमुख एंटीऑक्सीडेंट पाए गए हैं। इन तीनों में से, TF-3 और TFs ऑक्सीडेटिव तनाव के खिलाफ़ रोगनिरोधी सुरक्षा प्रदान करने में सबसे प्रमुख हैं। एंटीऑक्सीडेंट जीन अभिव्यक्ति अध्ययनों के माध्यम से एंटीऑक्सीडेंट खुराक की आणविक पुष्टि ने सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस (एसओडी) के अप-विनियमन और कैटालेज और ग्लूटाथियोन-एस-ट्रांसफरेज (जीएसटी) के डाउन-विनियमन को दिखाया। जीन की अभिव्यक्ति सेल नियंत्रण जीन अभिव्यक्ति के साथ संगत है और सकारात्मक नियंत्रण यानी मेनाडियोन उपचारित कोशिकाओं के विपरीत है। TF-3 और TFs प्रीट्रीटमेंट के साथ इम्यूनोमॉडुलेटरी अध्ययन ने ट्यूमर नेक्रोसिस फैक्टर (TNF-α) और इंटरफेरॉन (INF-γ) साइटोकाइन्स अभिव्यक्ति के आणविक स्तर पर अवरोध को दिखाया है जिसे HT-29 सेल लाइन पर 1000 ng/ml के LPS (लिपोपॉलीसेकेराइड) और 10 ng/ml के PMA (फोर्बोल 12-मिरिस्टेट 13-एसीटेट) के साथ उत्तेजित किया गया है। टीएफ-3 और टीएफ की एंटीऑक्सीडेंट खुराक की गैर-जीनोटॉक्सिक के रूप में पुष्टि सीबीएमएन (साइटोकाइनेसिस ब्लॉक माइक्रो-न्यूक्लिआई) परख के बाद डीएनए क्षति परख यानी कॉमेट परख द्वारा की जाती है।

5.1.2.4 बायोचार के पर्णीय अनुप्रयोग पर आणविक अध्ययन के अंतर्गत, क्लोन टीवी-1 में दो समय बिंदुओं (24 और 48 घंटे) पर 2-3% बायोचार पर्णीय उपचारित पौधों में पॉलीफेनॉल के लिए 18एस, रूबिस्को, पीपीओ, एंटीऑक्सीडेंट के लिए एसओडी, रक्षा मापदंडों के लिए जेएजेड और सीबीपी की जीन अभिव्यक्ति का अध्ययन करने के लिए मात्रात्मक वास्तविक समय पीसीआर किया गया।

5.1.2.5 कीटों में संभावित कीटनाशक प्रतिरोध तंत्र को समझने के लिए, हाइपोसिड्रा टालका से तेरह आंत बैक्टीरिया और एटेरुसियाएडेआ एडिया से छह आंत बैक्टीरिया का पृथक्करण और लक्षण-निर्धारण तथा 16 एस आरआरएनए जीन का उपयोग करके आणविक पहचान की गई। लक्ष्यित कीटों (एच. टालका और ई. एडिया) की आंत से नौ जीवाणु पृथक्करणों ने खनिज लवण माध्यम में 48 घंटों के भीतर जीसीएमएस विश्लेषण द्वारा 99% डेल्ट्रामथ्रिन विघटन क्षमता दर्शाई।

5.1.3 <u>कीटविज्ञान</u>:

5.1.3.1 ("पारंपरिक और जैविक चाय बागानों में जैविक और अजैविक तनाव प्रबंधन के लिए टिकाऊ कृषि प्रथाओं का विकास" नामक परियोजना के अंतर्गत) दक्षिण बैंक, उत्तर बैंक, ऊपरी असम, कछार, तराई, त्रिपुरा और डुआर्स से लूपर और लाल स्लग के सामान्य एस्टरेज, ग्लूटाथियोन-ट्रांसफरेज और साइटोक्रोम पी450 के लिए सापेक्ष संवेदनशीलता अध्ययन और एंजाइम परख किया गया है। इन सभी क्षेत्रीय आबादियों ने चयनित कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोध के विभिन्न स्तर दर्शाए। ऊपरी असम और उत्तरी तट की तुलना में डुआर्स की आबादी ने उच्च स्तर का प्रतिरोध प्रदर्शित किया। डेल्टामेथ्रिन और क्विनालफोस की अनुशंसित खुराक लूपर के विरुद्ध अप्रभावी पाई गई, जबकि इमामेक्टिन बेंजोएट और फ्लूबेंडियामाइड प्रभावी रहे। लाल स्लग के मामले में, फ्लूबेंडियामाइड और डेल्टामेथ्रिन अप्रभावी पाए गए, जबकि इमामेक्टिन बेंजोएट और क्विनलफोस ने अच्छी दक्षता दिखाई। स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी से पता चला कि क्रमिक लार्वा अवस्थाओं के साथ लूपर त्वचा की मोटाई में वृद्धि हुई है, जिसमें डेल्टामेथ्रिन विषाक्तता और त्वचा की मोटाई के बीच एक सकारात्मक सहसंबंध देखा गया है, जो एक अवरोध प्रभाव को दर्शाता है जो बाद के

लार्वा चरणों में कीटनाशक की प्रभावशीलता को कम करता है। एक ट्रांसक्रिप्टोमिक्स प्रयोग भी शुरू किया गया है जिसका उद्देश्य संवेदनशील और प्रतिरोधी आबादी के बीच प्रतिरोध में संभावित अंतर की जांच करना है, जिसके बाद जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण किया जाएगा।

5.1.3.2("नीम और करंज तेल का उपयोग करके चिटोसन आधारित नैनो-वनस्पति जैव कीटनाशक का विकास और चाय मच्छर बग (टीएमबी), लाल मकड़ी घुन (आरएसएम) और लूपर के खिलाफ इसका मूल्यांकन" नामक परियोजना के तहत) चिटोसन नैनोपार्टिकल आधारित नीम और करंज तेल की प्रभावकारिता का परीक्षण चाय के प्रमुख कीटों जैसे टीएमबी (हेलोपेलटिस थिवोरा), आरएसएम (ओलिगोनीचस कॉफ़ी), रेड स्लग (एटेरुसिया एडिया) और लूपर (हाइपोसिड्रा टालका) के विरुद्ध प्रयोगशाला और क्षेत्रीय दोनों स्थितियों में किया गया है।

5.1.3.3 (असम में सतत चाय कीट प्रबंधन - एक आईपीएम टास्कफोर्स पहल नामक परियोजना के तहत") तीन आईपीएम पैकेजों अर्थात टीआरए पैकेज, एकीकृत पैकेज (टीआरए, सीएबीआई और रेनफॉरेस्ट एलायंस), और रायथु साधिकारा संस्था (आरवाईएसएस) पैकेज की दक्षताओं के मूल्यांकन के लिए तीन चाय बागानों अर्थात तेजपोर और गोगरा टीई, नाहोरतोली टीई और बोरसापोरी टीई में प्रयोग किए गए हैं। सभी प्रायोगिक भूखंडों से नियमित अंतराल पर आंकड़े एकत्र किये जा रहे हैं।

5.1.3.4 ("जीवित लकड़ी खाने वाले दीमक के लिए जैव-तर्कसंगत गैर-रासायनिक आधारित आईपीएम पैकेज का विकास" नामक परियोजना के अंतर्गत") दीमक के विरुद्ध जैव-नियंत्रण कारकों (मेटाराइज़ियम एनिसोप्ले, एन्टोमोपैथोजेनिक नेमाटोड, ट्राइकोडर्मा) और थायमेथोक्सम के साथ उनके संयोजन की प्रभावकारिता का निरीक्षण करने के लिए, पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों बोरभेटा टीई (असम), गोलकपुर टीई (त्रिपुरा), कूम्बर टीई (सिलचर) में स्थित कई चाय बागानों के दीमक प्रभावित क्षेत्रों में बहु-स्थानीय क्षेत्र प्रयोग किए गए हैं। दीमक के छत्ते और लकड़ी की सतह के अंदर स्थित कवक छत्ते में कवक समुदाय की विविधता और भिन्नता का अध्ययन करने के लिए, आईटीएस-आधारित एम्प्लीकॉन अनुक्रमण किया गया। 159-168 एम्प्लीकॉन अनुक्रम वेरिएंट (एएसवी) कवक कंब में अद्वितीय पाए गए। बोरबेट्टा टीई (असम) से एकत्रित दीमक के कवक छत्ते में प्रमुख टर्मिटोमाइसेस प्रजाति की पहचान टर्मिटोमाइसेस उमकोवान के रूप में की गई है। जीवित लकड़ी खाने वाले दीमक माइक्रोटर्मेस ओबेसी की गैलरी मिट्टी से पृथक किए गए कवकों की रूपात्मक और आणविक पहचान के आंकड़ों से कवकों की दस अलग-अलग प्रजातियों (पेनिसिलियम जैन्थिनेलम, एस्परगिलस एक्यूलेटस, ट्राइकोडर्मा विरेन्स, पेनिसिलियम सिट्रिनम, कनिंघमेला प्रजाति, गोंग्रोनेला बटलर, फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम, स्केडोस्पोरियम बॉयडी, ट्राइकोडर्मा रीसी और पर्पुरियोसिलियम प्लैटिनम) की उपस्थिति का पता चला। सेल्यूलोलिटिक, लिग्निनोलिटिक और ज़ाइलानोलिटिक एंजाइमों सहित एंजाइम समूहों की उपस्थिति की जांच की गई। स्यूडोपेस्टलोटिओप्सिस कैमेलिया-सिनेंसिस, ट्राइकोडर्मा हर्ज़ियानम और फ्यूज़ेरियम ऑक्सीस्पोरम जैसी प्रजातियों ने एंजाइमों के सभी तीन समूहों के लिए महत्वपूर्ण सकारात्मक परिणाम दिखाए।

5.1.3.5 ("ईपीएन-आधारित बायोफाइटर फॉर्मूलेशन की खोज और उपयोग" नामक परियोजना के तहत") असम और तराई क्षेत्र में स्थित कई चाय बागानों में थ्रिप्स (सिर्टोथ्रिप्स डोरसैलिस) और ग्रीनफ्लाई (एम्पोस्का फ्लेवेसेंस) के विरुद्ध दो प्रकार के एन्टोमोपैथोजेनिक नेमाटोड्स (ईपीएन) अर्थात् हेटेरोरहैबडाइटिस इंडिका और स्टीनेरनेमा कार्पोकैप्साई युक्त बायोफाइटर फॉर्मूलेशन (एजेल) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया

गया। प्रयोगशाला स्थितियों में, दोनों प्रजातियों ने 96 घंटों के भीतर थ्रिप्स और ग्रीनफ्लाई के लिए 100% मृत्यु दर हासिल की। हालांकि, फील्ड ट्रायल में असम में 60-70% और तराई क्षेत्र में 50-60% की कमी देखी गई। लूपर (हाइपोसिड्रा टैल्का) के खिलाफ़, बायोफाइटर ने लूपर की आबादी में 30-50% की कमी दिखाई। एक अन्य नीम आधारित वनस्पति उत्पाद (मिटलार प्लस @ 2 मिली/लीटर) ने भी थ्रिप्स और ग्रीनफ्लाई के विरुद्ध आशाजनक प्रभाव दिखाया।

5.1.3.6("अनुशंसित कीटनाशकों के साथ एक सहायक के रूप में मैक एडजुवोल का मूल्यांकन" नामक परियोजना के तहत") अनुशंसित कीटनाशकों के साथ सहायक के रूप में मैक एडजुवोल की प्रभावकारिता का निरीक्षण करने के लिए प्रयोगशाला और क्षेत्र परीक्षण दोनों किए गए हैं। रेड स्पाइडर माइट (आरएसएम) के विरुद्ध मैक एडजुवोल के साथ इटोक्साजोल के संयोजन से अकेले इटोक्साजोल की तुलना में आरएसएम संक्रमण में अधिक कमी देखी गई। इसी प्रकार, ग्रीनफ्लाई, लूपर, रेड स्लग, थ्रिप्स और टी मॉस्किटो बग (टीएमबी) के खिलाफ मैक एडजुवोल के साथ संयोजन में अन्य कीटनाशकों (डेल्टामेथ्रिन, इमामेक्टिन बेंजोएट, क्विनलफोस, थायामेथोक्सम) का प्रयोग अकेले कीटनाशकों के प्रयोग की तुलना में अधिक प्रभावी पाया गया। कवकनाशी/शाकनाशी और मैक एडजुवोल का संयुक्त प्रयोग भी बेहतर साबित हुआ।

5.1.3.7("कैमेलिया आई-ड्रोन" नामक परियोजना के तहत कीट संक्रमण आकलन और छिड़काव हस्तक्षेप के लिए एक बुद्धिमान स्वचालित प्रणाली") चाय बागानों में कीट संक्रमण आकलन और छिड़काव के लिए ड्रोन डिजाइनिंग का काम पूरा हो गया है। दो पेटेंट दायर किये गये हैं।

5.1.4 <u>माइकोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी</u>:

5.1.4.1 युवा चाय में पीजीपी सूक्ष्मजीवों की भूमिका को देखने के लिए विभिन्न पीजीपी सूक्ष्मजीवों और उनके संघ के साथ उर्वरक की अनुशंसित मात्रा की आधी मात्रा का उपयोग करते हुए किए गए एक क्षेत्र परीक्षण के निष्कर्षों से पता चला कि बैसिलस सबटिलिस (बीएसटी) के साथ अधिकतम फसल लाभ दर्ज किया गया, उसके बाद एजोटोबैक्टर क्रोकोकम (एजेडआर) और एजोस्पिरिलम ब्रासिलेंस (एजेडएम) का स्थान रहा। प्रायोगिक स्थल से एकत्रित मिट्टी के नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि एजेडएम, बीएसटी, बीएसटी और एजेडआर से उपचारित भूखंडों में कार्बनिक कार्बन (ओसी), उपलब्ध नाइट्रोजन (एन), फास्फोरस (पी) और पोटेशियम (के) की मात्रा क्रमशः अधिक थी।

5.1.4.2 ग्रे ब्लाइट रोग (पेस्टालोटिओप्सिस थीए के कारण) को नियंत्रित करने के लिए एक नए कवकनाशी फार्मूलेशन (थायोफ्लुजामाइड 24% एससी) के साथ किए गए प्रयोग के परिणामों से रोग के प्रकोप में 36.28% की कमी देखी गई। इसी प्रकार, फ्यूजेरियम डाई बैक रोग के विरुद्ध एक अन्य नए कवकनाशी फार्मूलेशन (हेक्साकोनाजोल 5% + वैलिडामाइसिन 2.5% एससी) के प्रयोग से रोग के संक्रमण में 90% तक की कमी आई।

5.1.4.3 हूलुनगुरी टी.ई. और हरमुट्टी टी.ई. से तनावपूर्ण स्थितियों में एकत्रित चाय फाइलोप्लेन के नमूनों से लाभकारी सूक्ष्मजीवों की छह प्रजातियों को पृथक किया गया है। पृथक किये गए उपभेदों की लाभकारी गतिविधियों की जांच जारी है।

5.1.4.4 जैव-सूत्रों की बिक्री और विभिन्न नमूनों के परीक्षण से क्रमशः 62,55,389/- रुपये और 2,47,524/- रुपये की राशि अर्जित की गई है।

5.1.5 <u>मृदा</u>:

5.1.5.1 (नैनो-यूरिया का प्रभाव) एक प्रयोग के निष्कर्षों से पता चला कि अकेले नैनो-यूरिया के प्रयोग से चाय की उपज में 5.73% से 14.10% तक की कमी आई। एकमात्र नैनो-यूरिया उपचार से मिट्टी में उपलब्ध नाइट्रोजन (एन) की मात्रा भी 25% से 28% तक कम हो गई। जैव-रासायनिक और ऑर्गेनोलेप्टिक मापदंडों के संबंध में निर्मित चाय की गुणवत्ता पर नैनो-यूरिया के अकेले या यूरिया के साथ संयोजन के प्रयोग से कोई प्रभाव नहीं पड़ा। समग्र निष्कर्षों के आधार पर, यह निष्कर्ष निकाला गया कि मिट्टी में टिकाऊ उपज और नाइट्रोजन के पर्याप्त स्तर को बनाए रखने के लिए, नैनो-यूरिया के पत्तियों पर चार बार छिड़काव करके यूरिया के भूमि अनुप्रयोग का केवल 25% प्रतिस्थापन संभव है।
5.1.5.2 (अकाडियन गोल्डस्टार का प्रभाव - एक जैव उत्तेजक) अकाडियन गोल्डस्टार एक समुद्री शैवाल (एस्कोफिलम नोडोसम) अर्क-आधारित घुलनशील कार्बनिक पाउडर है जिसमें एल्गिनिक एसिड, बीटाइन, मैनिटोल और फ्यूकोस सहित लाभकारी यौगिकों का एक विशिष्ट मिश्रण होता है। गोल्डस्टार को 750 ग्राम/हेक्टेयर की दर से प्रयोग करने पर फसल की उपज में 5.7% की वृद्धि दर्ज की गई। पत्तियों में क्लोरोफिल की मात्रा में भी सुधार देखा गया। हालाँकि, जैव रासायनिक और ऑर्गेनोलेप्टिक मापदंडों के संबंध में निर्मित चाय की गुणवत्ता प्रभावित नहीं हुई।

5.1.5.3 (बायोकाड की प्रभावशीलता) बायोकाड को जैविक रूप से सक्रिय एल-अमीनो एसिड युक्त वनस्पति स्रोत से निकाला जाता है। गोल्डस्टार को **350** मि.ली./हेक्टेयर की दर से प्रयोग करने पर फसल की उपज में 4.1% की वृद्धि दर्ज की गई। पत्तियों में क्लोरोफिल की मात्रा में भी सुधार देखा गया। बायोकाड-उपचारित भूखंडों से तोड़ी गई हरी पत्तियों में, नियंत्रण भूखंड की तुलना में कीटनाशक (थियामेथोक्सम) अवशेष के स्तर में 59% की कमी देखी गई।

5.1.5.4 (पॉलीहैलाइट का प्रभाव) पॉलीहैलाइट (K2Ca2Mg (SO4)4. 2H2O) एक खनिज उर्वरक है जिसमें चार महत्वपूर्ण पौधों के पोषक तत्व होते हैं। पोटेशियम (K2O के रूप में 14%), कैल्शियम (CaO के रूप में 17%), मैग्नीशियम (MgO के रूप में 6%) और सल्फर (19%)। अध्ययन से पता चला कि 64:34 के अनुपात में एमओपी और पॉलीहैलाइट का संयुक्त उपयोग लाभकारी है। यह भी देखा गया कि पॉलीहैलाइट के प्रयोग से मृदा में उपलब्ध पोटेशियम एवं फास्फोरस तथा विनिमय योग्य कैल्शियम एवं मैग्नीशियम की मात्रा बढ़ गई।

5.1.6 <u>कृषिविज्ञान</u>:

5.1.6.1(डबल डिप स्किफ का प्रभाव) परिणामों से पता चला कि पिछले डीएस मार्क से 3 सेमी ऊपर और 2 पत्तियों पर टिप करने पर डबल डिप स्किफ (डीडीएस) ने नियंत्रण यानी एलपी और टिप की तुलना में अधिक उपज पैदा की।

5.1.6.2 (एक्वाफर्ट का मूल्यांकन) सक्रिय तुड़ाई के मौसम के दौरान मासिक अंतराल पर पत्तियों पर उपचार का प्रयोग किया गया। उपचारों में, 1% यूरिया + 1% जिंक सल्फेट हेप्टाहाइड्रेट (21% Zn) + एक्वाफर्ट 2.5 किग्रा/हेक्टेयर के पांच दौर का छिड़काव प्रभावी पाया गया।

5.1.6.3 (सिलाग्रीन का मूल्यांकन) वृद्धि नियामक सिलाग्रीन @ 150 मिली/हेक्टेयर और मानक (1% यूरिया + 1% ZnSO4) के पर्णीय अनुप्रयोग से फसल की उपज में 11.83% की वृद्धि हुई।

5.1.6.4 (रैपिग्रो का मूल्यांकन) 500 मिली/हेक्टेयर की दर से रैपिग्रो का पर्णीय छिड़काव और मानक (1% यूरिया + 1% ZnSO4) के परिणामस्वरूप फसल की उपज में 13.48% की वृद्धि हुई।

5.1.6.5 (सियाप्टन 10एल का मूल्यांकन) सियाप्टन 10एल @ 500 मिली/हेक्टेयर के प्रयोग के परिणाम उत्साहजनक थे।

5.1.6.6 (2,4-डी अमीन साल्ट 22.5% एसएल का मूल्यांकन) दो मौसमों के परीक्षण परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया कि 2,4-डी अमीन साल्ट 22.5% एसएल @ 5,330 मिली/हेक्टेयर का प्रयोग चाय बागानों में खरपतवारों की समस्या के प्रबंधन के लिए इष्टतम खुराक है और चाय की झाड़ियों के लिए सुरक्षित है।

5.1.6.7 (सफ्लुफिनासिल 70% डब्ल्यूजी का मूल्यांकन) सफ्लुफिनासिल 70% डब्ल्यूजी का परीक्षण ग्लूफिसिनेट अमोनियम 13.5% एसएल, पैराक्वेट डाइक्लोराइड 24% एसएल और ग्लाइफोसेट 71% एसजी (मानक जांच) के साथ किया गया। सैफ्लुफेनासिल 70% डब्लूजी का प्रयोग एग्रेटम कोनीजोइड्स, साइनाडॉन डेक्टाइलॉन और मिमोसा इनविसा के खिलाफ प्रभावी पाया गया, लेकिन बोरेरिया हिस्पिडा और एक्सोनोपस कंप्रेसस के खिलाफ कम प्रभावी पाया गया।

5.1.7 <u>जीवरसायन</u>:

5.1.7.1 (मूल्य संवर्धन एवं उत्पाद विविधीकरण) विलायक विभाजन का उपयोग करके थियाफ्लेविन के चार व्यक्तियों के विभाजन और शुद्धिकरण पर कार्य जारी है। लेसिथिन के साथ लिपोसोम गठन द्वारा थिएफ्लेविन का एनकैप्सुलेशन किया जाता है, उसके बाद चिटोसन कोटिंग की जाती है। प्रारंभिक डीएलएस और ज़ीटा संभावित अध्ययन एक माइक्रोन के आसपास औसत कण आकार के गठन के अनुरूप है। काली चाय से थियाफ्लेविन का निष्कर्षण, पृथक्करण और शुद्धिकरण जारी है और इस प्रक्रिया को पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा। 35 लोकप्रिय किस्मों का विश्लेषण महत्वपूर्ण जैवरसायनों, मुख्यतः ईजीसीजी सामग्री के लिए किया गया है। हरी पत्ती में कुल कैटेचिन और पॉलीफेनोल सामग्री पर डिकैफ़िनेशन के प्रभाव का अध्ययन किया गया। कैफीन रहित नमूनों में बेहतर आरओएस गतिविधि देखी गई और इन्हें न्यूट्रास्युटिकल्स के रूप में विकसित किया जाएगा। एचटी 29 और ए 549 सेल लाइन पर थियाफ्लेविन की साइटोटॉक्सिसिटी और आरओएस अध्ययन का मूल्यांकन किया गया और अच्छी प्रभावकारिता देखी गई। उच्च थियाफ्लेविन (> 5%) युक्त काली चाय पाउडर के विकास की प्रक्रिया प्रगति पर है।

5.1.7.2 (थियाफ्लेविन्स प्रोफ़ाइल - ऑक्सीकरण के दौरान गठन और सीटीसी ब्लैक टी में टेस्टर्स की गुणवत्ता के साथ सहसंबंध) चार थियाफ्लेविन्स का पृथक्करण और शुद्धिकरण और व्यक्तिगत थियाफ्लेविन्स के निर्धारण के लिए एचपीएलसी विधि को मानकीकृत किया गया है। नियंत्रित वातावरण में ऑक्सीकरण की

प्रगति के साथ व्यक्तिगत थियाफ्लेविन में परिवर्तन का अध्ययन किया गया। किण्वन/ऑक्सीकरण के विभिन्न समय पर संसाधित थियाफ्लेविन के साथ टेस्टर्स के सहसंबंध का भी अध्ययन किया गया है।

5.1.7.3 (थियाफ्लेविन आधारित न्यूट्रास्युटिकल्स का विकास) उच्च थियाफ्लेविन युक्त चाय पाउडर का उत्पादन और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद के रूप में थियाफ्लेविन कैप्सूल का विकास प्रगति पर है।

5.1.7.4 (बाइक्लोनल बीज स्टॉक की गुणवत्ता में योगदान देने वाली जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल) समान वातावरण में बाइक्लोनल बीज स्टॉक की जैव रासायनिक सामग्री पर तुलनात्मक विवरण और कटाई के मौसम के साथ गुणवत्ता घटकों की विविधता का अध्ययन किया जा रहा है।

5.1.7.5 फोर्टिफाइड काली चाय के नमूनों में विटामिन बी12 और फोलेट के आकलन के लिए कार्यप्रणाली के मानकीकरण पर कार्य प्रगति पर है। पतंजलि अनुसंधान संस्थान और जोरहाट मेडिकल कॉलेज के सहयोग से एच.सी.वी. के लिए संयुक्त चिकित्सा के रूप में आयुर्वेदिक चाय निर्माण और थियाफ्लेविन्स के नैदानिक परीक्षण पर कार्य शुरू किया गया है।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान और जोरहाट मेडिकल कॉलेज के सहयोग से एच.सी.वी. के लिए संयुक्त चिकित्सा के रूप में आयुर्वेदिक चाय निर्माण और थियाफ्लेविन्स के नैदानिक परीक्षण पर कार्य शुरू किया गया है।

5.1.8 <u>विश्लेषणात्मक सेवाएँ</u>:

चाय में निकोटीन के स्रोत और उपस्थिति पर अध्ययन जारी है। विभिन्न किस्मों के चाय के पौधों के विभिन्न भागों, चाय बागानों के सामान्य खरपतवारों और विभिन्न जड़ी-बूटियों में निकोटीन की मौजूदगी का पता लगाया गया है, जिसका चाय के कीटों और रोगों के विरुद्ध संभावित प्रभाव है। विभिन्न चाय बागानों और बाजारों से एकत्रित चाय में निकोटीन की उपस्थिति का पैटर्न भी निर्धारित किया गया है।

5.1.9 <u>जलवायु एवं जीआईएस</u>:

5.1.9.1 ('हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय मिशन - कृषि पर कार्यबल' नामक परियोजना के अंतर्गत) जलवायु मापदंडों का डेटाबेस विकास और मॉडलिंग उद्देश्यों के लिए प्रमुख केंद्र के साथ डेटा साझा करना जारी है। किसी क्षेत्र के सूक्ष्म जलवायु पर वर्षा जल संचयन के प्रभाव पर अध्ययन शुरू किया गया है, जिसे एक महत्वपूर्ण अनुकूलन उपाय माना जा रहा है। इस उद्देश्य के लिए चुना गया अध्ययन क्षेत्र असम के दक्षिणी तट क्षेत्र में स्थित बोरभेटा टीईए है। क्षेत्र के सूक्ष्म जलवायु में सुधार के उद्देश्य से वर्षा जल के संचयन और भंडारण के लिए 400 m^3 (27x11x1.35) माप का एक वर्षा जल संचयन तालाब विकसित किया गया है। तालाब के आसपास के विभिन्न स्थानों से माहवार जलवायु संबंधी मापदण्ड जैसे तापमान, CO_2 और आर्द्रता के आंकड़े एकत्र किए जा रहे हैं।

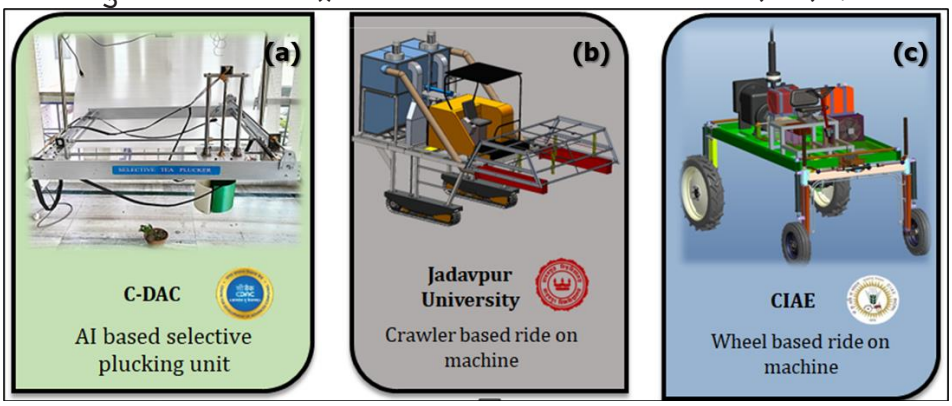
5.1.9.2 ('चाय उद्योग के लिए कार्बन न्यूट्रल मार्ग की ओर बढ़ना' नामक परियोजना के अंतर्गत) डेटा संग्रह के लिए सर्वेक्षण प्रश्नावली का मसौदा तैयार किया गया है और अनुमोदन के लिए वित्त पोषण एजेंसी को भेजा गया है। परियोजना की प्रगति और भविष्य के रोडमैप के संबंध में 19 मार्च, 2024 को एचयूएल, ट्रस्टिया, यूपीएएसआई-टीआरएफ और आईआईटी, मद्रास के अधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई गई। बैठक का मुख्य एजेंडा परियोजना के लिए चुनौतियों और डेटा सूची तैयार करने पर चर्चा करना था। चाय की झाड़ियों और छायादार वृक्षों दोनों के लिए मृदा कार्बन पृथक्करण और बायोमास आकलन पद्धतियों की

समीक्षा की गई है। छह महत्वपूर्ण मृदा मापदंडों अर्थात् कार्बनिक कार्बन (ओसी), नाइट्रोजन (एन), फास्फोरस (पी), पोटेशियम (के), धनायन विनिमय क्षमता (सीईसी) और मिट्टी की मात्रा (सीसी) को मापने के लिए, एक पोर्टेबल मृदा परीक्षण उपकरण ('भू परीक्षक') खरीदा गया है। प्रयोगशाला में परीक्षण के परिणामों के साथ इसका सत्यापन किया जा रहा है।

5.1.10 चाय प्रसंस्करण एवं विनिर्माण परामर्श:

5.1.10.1 (ब्रांडेड चाय पैकेटों की शेल्फ लाइफ पर अध्ययन) व्यावसायिक रूप से उपलब्ध ब्रांडेड चाय पैकेटों की शेल्फ लाइफ का अध्ययन करने और संग्रहीत चाय के ऑर्गेनोलेप्टिक, जैव रासायनिक, माइक्रोबायोलॉजिकल और एफएसएसएआई गुणवत्ता मापदंडों का मूल्यांकन करने के लिए कार्य शुरू किया गया है। शुष्क-मुंह (डीएम) और टूटे हुए पेको (बीपी) नमूनों के दस-दस सेट एकत्र किए गए और उन्हें दीर्घकालिक अध्ययन (36 महीने की अवधि के लिए) के लिए पॉली पाउच में पैक किया गया। लक्षित नमूनों का विश्लेषण प्रगति पर है।

5.1.10.2 ('चाय कटाई मानवरहित रोबोटिक प्लेटफॉर्म' नामक परियोजना के अंतर्गत) सवारी प्लेटफॉर्म पर लगाए जाने वाले एआई-आधारित चयनात्मक चाय तोड़ने वाले सिस्टम का विकास किया जा रहा है। सहयोगी संस्थानों के समूहों (सी-डैक,सीआईएई, जादवपूर विश्वविद्यालय) ने टीटीआरआई का दौरा किया ताकि एआई-आधारित एल्गोरिदम के विकास के लिए चाय की झाड़ी के शीर्ष की तस्वीरें ले सके। विभिन्न विषयों के अंतर्गत 10,000 से अधिक चित्र लिए गए हैं। जापान की ओचियाई कटलरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड से एक राइड-ऑन मैकेनिकल हार्वेस्टिंग मशीन खरीदी गई। प्लकिंग आउटपुट, लागत गणना और कृषि एवं शारीरिक मापदंडों पर डेटा तैयार करने के लिए फील्ड ट्रायल किए गए। मई, 2024 से सिस्टम के साथ पूर्ण पैमाने पर तुलनात्मक फील्ड ट्रायल भी किए जाने की योजना बनाई गई है।





5.1.10.3 (चाय में गुणवत्ता वाले यौगिकों के ऑन-साइट आकलन के लिए पोर्टेबल स्पेक्ट्रोस्कोपिक उपकरणों का विकास) प्रोटोटाइप स्पेक्ट्रोमीटर को जादवपुर विश्वविद्यालय और एनआईटी, पटना के सहयोग से कुछ आयातित आंतरिक ऑप्टिकल और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के साथ डिजाइन और विकसित किया गया था। गुणवत्ता आकलन के लिए दो एनआईआर केमोमेट्रिक मॉडल विकसित किए गए थे। तीन मापदंडों (आरएमएसईसीवी, आरपीडी और आर2) पर विचार करके एक आंशिक न्यूनतम वर्ग (पीएलएस) मॉडल को अनुकूलित किया गया। परिणामों से पता चला कि सर्वोत्तम मान मानक सामान्य चर (एसएनवी) के साथ पूर्व-प्रसंस्करण द्वारा प्राप्त किए गए थे। चाय के स्वाद के आधार पर चमक, तीक्ष्णता, मजबूती और गुणवत्ता के स्कोर पर आधारित एक सॉफ्टवेयर मॉडल विकसित किया गया। चाय चखने वाले के स्कोर विशेषताओं के साथ एनआईआर पूर्वानुमानित मूल्यों के तुलनात्मक परिणाम आशाजनक थे।



5.1.11 <u>विविध गतिविधियाँ</u>:

टोकलाई चाय अनुसंधान संस्थान ने 05 जुलाई, 2023 को जोरहाट स्थित अपने परिसर में डी.एन. बरुआ स्मारक चाय संगोष्ठी का पहला आयोजन किया। टोकलाई के सर्वाधिक सम्मानित वैज्ञानिकों में से एक और चाय विज्ञान के दिग्गज स्वर्गीय डी.एन. बरुआ की स्मृति में आयोजित इस संगोष्ठी में चाय अनुसंधान संघ के युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की ओर से 18 वैज्ञानिक प्रस्तुतियां दी गईं। इस कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी के निदेशक प्रोफेसर परमेश्वर अय्यर द्वारा दिया गया छठा डी.एन. बरुआ स्मारक व्याख्यान था। इस आयोजन की परिकल्पना एक ऐसे मंच के रूप में की गई थी जो युवा शोधकर्ताओं और तकनीकी नवाचार के प्रति उत्साही लोगों के बीच वैज्ञानिक मनोवृत्ति को बढ़ावा दे। इसकी परिकल्पना एक वार्षिक आयोजन के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को अभिव्यक्ति, उच्चारण और चुने हुए विषय पर ज्ञान की गहराई जैसे कुछ प्रमुख मापदंडों के आधार पर अपने प्रस्तुति कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करना था। यद्यपि पिछले दशक के अधिकांश समय से स्मारक व्याख्यान एक वार्षिक आयोजन था, लेकिन अब इसे चाय संगोष्ठी के अंतर्गत लाया गया है, ताकि श्रोताओं और प्रतिभागियों दोनों को अधिक समृद्ध अनुभव प्रदान किया जा सके।

5.2 उपासी-चाय अनुसंधान फाउंडेशन (उपासी-टीआरएफ):

5.2.1 वनस्पति विज्ञान:

5.2.1.1 (चाय में उपज, मेटाबोलाइट और तनाव सहिष्णुता के लिए जर्मप्लाज्म लक्षण वर्णन, जीनोमिक विश्लेषण और जीन खोज) चूंकि चाय मच्छर कीट (टीएमबी) चाय के एक प्रमुख कीट के रूप में उभरा है, जिससे फसल को काफी नुकसान हो रहा है, इसलिए उपलब्ध भारतीय चाय जर्मप्लाज्म की संवेदनशीलता/प्रतिरोधकता की जांच करने की आवश्यकता है, ताकि उपयुक्त चाय क्लोनों को माता-पिता के रूप में पहचाना जा सके और टीएमबी के प्रति प्रतिरोधी आबादी को अलग करने के लिए चाय में मानचित्रण आबादी विकसित की जा सके। चाय में टीएमबी प्रतिरोध की आनुवंशिक मैपिंग और ट्रांसक्रिप्टोमिक्स अध्ययनों के माध्यम से टीएमबी के विरुद्ध प्रतिरोध के आणविक आधार से प्रजनन की पूरी प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है। यूपीएएसआई-टीआरएफ को सौंपे गए उद्देश्यों में टीएमबी के खिलाफ प्रतिरोध के लिए दक्षिण भारतीय चाय जर्मप्लाज्म का मूल्यांकन, एसएनपी मार्कर का उपयोग करके टीएमबी के लिए मार्कर विशेषता संघ की स्थापना और टीएमबी के खिलाफ प्रतिरोध के लिए चाय पृथक्करण में मानचित्रण जनसंख्या का विकास करना शामिल है।

5.2.1.2 (दक्षिण भारत में मशीनीकरण के अनुरूप जापानी मॉडल पर आधारित कृषि पद्धतियां) वानस्पतिक प्रवर्धन के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का पालन करते हुए, यूपीएएसआई-9, टीआरएफ-4 और टीआरआई-2043 की डबल नोडल कटिंगों को पॉलीथीन के आवरण के स्थान पर मिट्टी के बिस्तर में रोपा गया। औसतन, दोहरी नोडल कटिंग से उगाए गए पौधों की ऊंचाई एकल नोडल कटिंग से उगाए गए पौधों की तुलना में अधिक पाई गई। दोहरी नोडल कटिंग में पत्तियों की संख्या भी एकल नोडल कटिंग से अधिक थी। दोहरी नोडल कटिंग से एकल नोडल कटिंग की तुलना में अधिक शाखाएं उत्पन्न हुईं। जापानी मॉडल के अनुसार युवा क्लोनल पौधों में जमीन से 10 सेमी की दूरी पर कम केन्द्रीकरण किया गया, ताकि तुलना के लिए जमीन से 8-10 परिपक्व पत्तियों को केन्द्रित करने की मौजूदा सिफारिश की जा सके। जब 10 सेमी पर कम सेंटरिंग के बाद मल्टी स्टेज टिपिंग की गई, तो टीआरएफ-4 के क्लोनल पौधों ने सेंटरिंग की पारंपरिक विधि की तुलना में अधिक संख्या में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक शाखाएं उत्पन्न कीं। कम सेंटरिंग पर कैनोपी कवर भी अधिक होता है।

5.2.1.3 (चाय के लिए डीयूएस परीक्षण केंद्र की स्थापना) डीयूएस परीक्षण केंद्र में रोपे गए सभी 33 क्लोनों का रखरखाव किया जाता है और उनका उपयोग नियंत्रण संकरण के साथ-साथ विभिन्न जैव रासायनिक विश्लेषण के लिए हरी पत्ती के नमूने एकत्र करने के लिए किया जाता है।

5.2.1.4 (नियंत्रित संकरण कार्यक्रम) यूपीएएसआई-2 x यूपीएएसआई-26, यूपीएएसआई-26 x यूपीएएसआई-2, यूपीएएसआई-9 x सीआर-6017, सीआर-6017 x यूपीएएसआई-9, यूपीएएसआई के पैतृक संयोजनों को शामिल करते हुए कुल 5,009 फूलों का परागण किया गया। -3 x यूपीएएसआई-2, यूपीएएसआई-10 x यूपीएएसआई-2, यूपीएएसआई-9 x यूपीएएसआई-2, यूपीएएसआई-28 x यूपीएएसआई-2

5.2.1.5 (नियंत्रित संकरण के माध्यम से सूखा सहनशील क्लोनों का विकास) विभिन्न पैतृक क्लोनों के बीच नियंत्रित संकरण के माध्यम से विकसित एफ-1 संततियों की शारीरिक और जैव रासायनिक मापदंडों का उपयोग करके सूखा सहनशीलता के लिए जांच की गई। UPASI-9 x याबुकिता, UPASI-9 x SA-6 और UPASI-9 x TRI-2024 के मध्य संकरण के माध्यम से विकसित कुल 25 F-1 आबादियों की पहचान सूखा सहिष्णुता के लिए की गई।

5.2.1.6 (सीआर-6017 x UPASI-8 के बीच क्रॉस के माध्यम से विकसित एफ-1 संतानों की जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल) सिद्ध गुणवत्ता वाले क्लोन सीआर-6017 के माध्यम से विकसित एफ-1 संतानों को मादा जनक और UPASI-8 को नर जनक के रूप में चुना गया। चार महत्वपूर्ण जैव रासायनिक घटकों की सीमा का अध्ययन करने के लिए, एफ1 संतानों को कैफीन और एंथोसायनिन के साथ पॉलीफेनोल, कैटेचिन, अमीनो एसिड और कैरोटीनॉयड के लिए जांचा गया। कुल पॉलीफे नर जनक (UPASI-8) का औसत मान 26.53 ग्राम/100 ग्राम है जो मादा जनक (CR-6017) में दर्ज मानों से अधिक है। एफ-1 संतति में पॉलीफेनोल सामग्री का औसत मान 24.78 ग्राम/100 ग्राम है, जबकि एफ-1 संतति में से एक में पॉलीफेनोल सामग्री सबसे अधिक 34.77 ग्राम/100 ग्राम दर्ज की गई। नर जनक (UPASI-8) में कैटेचिन का औसत मान 18.03 ग्राम/100 ग्राम दर्ज किया गया, जो कि मादा जनक (CR-6017) में देखे गए मान से अधिक है। यद्यपि एफ-1 संतति का औसत 15.74 ग्राम/100 ग्राम है, तथापि एफ-1 संतति में से एक में कैटेचिन की मात्रा सबसे अधिक 20.20 ग्राम/100 ग्राम दर्ज की गई। मादा जनक (सीआर-6017) में कुल अमीनो एसिड 1.09 ग्राम/100 ग्राम है, जो नर जनक (यूपीएएसआई-8) में दर्ज की गई मात्रा से थोड़ा अधिक है। हालांकि, एफ-1 संतानों में से एक में 2.16 ग्राम/100 ग्राम का उच्चतम मान दर्ज किया गया। नर और मादा दोनों माता-पिता में दर्ज कैरोटीनॉयड का मान लगभग बराबर है, जिसका मान 0.03 मिलीग्राम/ग्राम है। इसी प्रकार, सभी F-1 संततियों का कैरोटीनॉयड औसत भी 0.03 mg/g है, जबकि एक संतति में सबसे अधिक 0.07 mg/g मान दर्ज किया गया। गुणवत्ता संबंधी लक्षणों के लिए पैतृक संयोजन सीआर-6017 x यूपीएएसआई-8 के माध्यम से विकसित 190 एफ-1 संततियों के जैव रासायनिक प्रोफाइल का उपयोग लक्षणों को नियंत्रित करने वाले जीनोम में क्षेत्रों की पहचान करने के लिए लिंकेज समूह स्थापित करने हेतु किया जाएगा।

5.2.1.7 (बैंगनी चाय के लिए उपयुक्त नए चाय क्लोनों का विकास) बैंगनी चाय के लिए उपयुक्त परिग्रहणों का चयन करने के लिए, खुले परागण वाले अंकुर आबादी में क्लोनल चयन कार्य किया गया। एंथोसायनिन सामग्री के लिए जांचे गए तीस नमूनों में से, चार नमूनों में सबसे अधिक एंथोसायनिन सामग्री दर्ज की गई जो 0.336 से 0.396 मिलीग्राम/ग्राम के बीच थी, जो मानक क्लोन TRI-2043 से अधिक है।

5.2.1.8 (चाय में अंतर फसल के रूप में उनकी उपयुक्तता के लिए फल फसलों का मूल्यांकन) भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान (IIHR) और UPASI-TRF के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार, चाय में अंतर फसल के रूप में उनकी उपयुक्तता के लिए विभिन्न फल फसलों का मूल्यांकन करने के लिए एक सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम लागू किया गया है। मैंगोस्टीन, लोंगन, एवाकाडो, रामबुतान, सीडलेस लाइम, स्वीट ऑरेंज, लेमन, कुमक्वेट, ग्रेपफ्रूट, ब्लड ऑरेंज, क्लेमेंटाइन और मैंडरिन जैसी फल फसलों के पौधे अलग-अलग नर्सरियों से खरीदे गए और उन्हें UPASI-TRF प्रायोगिक फार्म, वलपराई में लगाया गया। मूल्यांकन प्लॉट में विभिन्न विकास मापदंडों जैसे पौधे की ऊंचाई, तने की परिधि, शाखाओं की संख्या, पत्तियों की संख्या और छत्र आवरण का अवलोकन किया जा रहा है। इसी प्रकार के परीक्षण भूखंड वंडिपेरियार में यूपीएएसआई-टीआरएफ प्रायोगिक फार्म तथा वालपराई और मुन्नार में कुछ सदस्य सम्पदाओं में भी स्थापित किए गए हैं।

5.2.1.9 (नए ग्राफ्ट संयोजनों की सिफारिश के लिए संगत ग्राफ्ट भागीदारों की पहचान) चाय क्लोन टीआरएफ-1, टीआरएफ-2 और यूपीएएसआई-28 को सिद्ध सूखा सहिष्णु रूट स्टॉक क्लोन यूपीएएसआई-9,

एटीके-1 और यूपीएएसआई-2 पर ग्राफ्ट किया गया और उनके क्षेत्र प्रदर्शन का अध्ययन करने के लिए खेत में लगाया गया।

5.2.1.10 (चाय में खरपतवार प्रबंधन के लिए शाकनाशियों का मूल्यांकन) चाय में चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए सफ्लुफेनासिल 70% डब्ल्यूजी की जैव-प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-स्थान क्षेत्र प्रयोग किया गया। परीक्षण खरपतवारनाशक सफ्लुफेनासिल 70% डब्ल्यू.जी. @ 75 ग्राम/हेक्टेयर ने छिड़काव के बाद तीन सप्ताह के दौरान अधिकतम 98% नियंत्रण दिया, जो कि कार्फेंट्राजोन इथाइल 0.43% + ग्लाइहोसेट 30.82% ई.डब्लू. @ 3,000 मिली/हेक्टेयर से बेहतर था तथा ग्लाइफोसेट 41% @ 3,000 मिली/हेक्टेयर के साथ तुलनीय था। क्लोरोसिस, नेक्रोसिस, विल्टिंग, स्कॉर्चिंग, हाइपोनेस्टी और एपिनेस्टी जैसे विशिष्ट मापदंडों के लिए शाकनाशी के प्रयोग के 1, 3, 5, 7 और 10 दिनों के बाद फाइटोटॉक्सिसिटी का दृश्य मूल्यांकन किया गया और रिकॉर्ड किया गया। चाय के पौधों पर कोई फाइटोटॉक्सिसिटी लक्षण नहीं देखे गए।

5.2.2 पादप शरीरक्रिया विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी:

5.2.2.1 (रैपिग्रो का प्रभाव) चाय की उपज और गुणवत्ता घटकों पर रैपिग्रो के प्रभाव का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक व्यापक पीजीआर क्षेत्र परीक्षण शुरू किया गया है। उत्पाद का सक्रिय घटक प्रोटीन हाइड्रोलाइज़ेट्स और अमीनो एसिड से बना है जो पौधे के स्रोत यानी मक्का (ज़िया मेस) से प्राप्त होता है। प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.2 (बायोजाइम टी+ की जैव प्रभावकारिता) इस उत्पाद के सक्रिय तत्व समुद्री शैवाल (एस्कोफिलम नोडोसम) किण्वित बायोमास हैं जिसमें एल्गिनिक एसिड और एल-अमीनो एसिड होते हैं। प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.3 (चाय शरीरक्रिया में कीटनाशकों के बार-बार प्रयोग का प्रभाव) शारीरिक और जैव रासायनिक गतिविधियाँ पौधों की वृद्धि और विकास को नियंत्रित करती हैं। चाय की गुणवत्ता युवा पत्तियों पर निर्भर करती है क्योंकि उनमें पॉलीफेनोल, कैटेचिन और पॉलीसैकेराइड जैसे द्वितीयक मेटाबोलाइट्स का उच्च संचयन होता है। विभिन्न कीट और रोग इन युवा टहनियों को प्रभावित करते हैं और इन जैविक तनावों के प्रबंधन के लिए कीटनाशकों के प्रयोग की आवश्यकता होती है। हालांकि, कीटनाशकों का लगातार प्रयोग चाय में शारीरिक (प्रकाश संश्लेषक वर्णक और प्रकाश संश्लेषण दर) और जैव रासायनिक (पॉलीफेनोल, कैटेचिन, अमीनो एसिड आदि) गतिविधियों को प्रभावित करके पौधे के चयापचय को प्रभावित करता है। पौधों के स्वास्थ्य में गिरावट, पत्तियों का झड़ना तथा फसल की देरी से प्राप्ति देखी जाती है। इस अध्ययन में दो प्रमुख कीटनाशकों (क्विनालफोस और प्रोपार्गाइट) का चयन किया गया। निष्कर्षों से पता चला कि कीटनाशकों के निरंतर उपयोग से शारीरिक मापदंडों (प्रकाश संश्लेषण वर्णक और प्रकाश संश्लेषण दर) और जैव रासायनिक मापदंडों (पॉलीफेनोल, कैटेचिन और अमीनो एसिड) पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

5.2.2.4 (फसल बूस्टर और जैव उर्वरकों की जैव प्रभावकारिता) टीएनएयू, कोयम्बटूर द्वारा विकसित फसल बूस्टर और जैव उर्वरकों के मूल्यांकन पर केंद्रित एक प्रयोग प्रगति पर है।

5.2.2.5 (नैनो यूरिया का प्रभाव) नैनो यूरिया के पत्तियों पर छिड़काव के माध्यम से जमीन पर यूरिया के छिड़काव के स्थान पर प्रयोग पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

5.2.2.6 (रोग प्रतिक्रिया के आणविक तंत्र की खोज) जीनोमिक्स, विशेष रूप से ट्रांसक्रिप्टोमिक विश्लेषण पर अध्ययन प्रस्तावित किए गए हैं, जो शोधकर्ताओं को जीनोम स्तर पर क्लोन की शारीरिक और जैव रासायनिक प्रतिक्रिया का पता लगाने में सहायता करते हैं। इसलिए, वर्तमान अध्ययन में, ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण के माध्यम से रोग प्रतिक्रिया और गुणवत्ता के लिए चाय जीनोम की प्रतिक्रिया की जांच की गई है। रोग प्रतिक्रिया के लिए 80,150 अपरेगुलेटेड और 75,006 डाउनरेगुलेटेड ट्रांसक्रिप्ट की पहचान की गई। गुणवत्ता के लिए, 76,444 अपग्रेडेड तथा 72,389 डाउनग्रेडेड ट्रांसक्रिप्ट की पहचान की गई। पी महत्वपूर्ण पर आधारित तुलना के डीजीई सारांश पर विश्लेषण से पता चला कि रोग प्रतिक्रिया के लिए क्रमशः 1,900 और 4,114 जीनों को अपग्रेडेड और डाउनग्रेडेड दिखाया गया था। गुणवत्ता के लिए, P के आधार पर महत्वपूर्ण रूप से दर्शाया गया कि 2,128 और 5,010 जीन क्रमशः उच्च विनियमित और निम्न विनियमित थे। इसके अलावा, क्योटो एनसाइक्लोपीडिया ऑफ जीन्स एंड जीनोम्स (केईजीजी) संवर्धन और मार्ग विश्लेषण ने रोग प्रतिक्रिया और गुणवत्ता से संबंधित चयापचय-संबंधी मार्गों में शामिल प्रमुख जीनों का पता लगाया।

5.2.3 <u>रसायन विज्ञान</u>:

5.2.3.1 (गेनेक्सा का प्रभाव) गेनेक्सा एक ऑर्थो सिलिकिक एसिड फॉर्मुलेशन (2.0% v/v) है जिसमें 0.6% सिलिकॉन होता है और इसे N, K, Zn, B और Mg जैसे अन्य पोषक तत्वों से फोर्टिफाइड किया जाता है। चाय में गेनेक्सा की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए, एक फील्ड ट्रायल शुरू किया गया है। गेनेक्सा को 6 मिली/लीटर अकेले या मानक सूक्ष्म पोषक तत्वों के साथ प्रयोग करने से मानक सिफारिश की तुलना में उपज में उल्लेखनीय सुधार हुआ। यह निष्कर्ष निकाला गया है कि अकेले गेनेक्सा का प्रयोग या सूक्ष्मपोषक मिश्रण के साथ प्रयोग करने से चाय की उत्पादकता में सुधार हो सकता है।

5.2.3.2 (K-ऐश का मूल्यांकन) 20% K (जल में घुलनशील K2O के रूप में) युक्त K-ऐश का चाय में वैकल्पिक K स्रोत के रूप में मूल्यांकन किया गया। परिणामों से पता चला कि K-ऐश को शामिल करके मिट्टी का pH आदर्श स्तर पर बनाए रखा गया। नियंत्रण की तुलना में उपलब्ध K सामग्री में भी वृद्धि हुई। हालांकि, चूंकि इसके अनुप्रयोग की लागत तीन गुना है, इसलिए यह सुझाव दिया गया कि 50% तक MoP को K-ऐश से प्रतिस्थापित करने की सिफारिश की जा सकती है।

5.2.3.3 (ग्रीन लेबल जिंक का प्रोत्साहन) 4 किग्रा यूरिया + 400 मिली ग्रीन लेबल जिंक (जीएलजेड) के प्रयोग से मानक अनुशंसा की तुलना में उपज में वृद्धि हुई। यह स्थापित किया गया कि जिंक सल्फेट के स्थान पर जीएलजेड के माध्यम से जिंक मिलाने से उपज में सुधार हुआ।

5.2.3.4 (जैविक बायोस्टिमुलेंट्स का प्रभाव) इस अध्ययन का उद्देश्य पीट और सैप्रोपेल से प्राप्त ह्युमिक और फुल्विक एसिड से बने जैविक बायोस्टिमुलेंट्स का उपयोग करके चाय की गुणवत्ता और उत्पादन को संरक्षित करते हुए उर्वरक की खपत को कम करना है। मिट्टी और पत्ती पोषक तत्वों के विश्लेषण से पता चला कि उपचारों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं था। तथापि, निष्कर्षों से यह स्पष्ट है कि 600 से 800 मिली/हेक्टेयर की दर से असावा के साथ अनुशंसित एनपीके के 75% का प्रयोग करने से 100% एनपीके की तुलना में उपज में 8% की वृद्धि हुई।

5.2.3.5 (वाटर रिटेनर का प्रभाव) मृदा नमी विश्लेषण के निष्कर्ष दर्शाते हैं कि 20 लीटर/हेक्टेयर की दर से वाटर रिटेनर (डब्ल्यूआर) के प्रयोग से उपचारित मृदा की नमी प्रतिशत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा।
5.2.3.6 (नैनो यूरिया पर अध्ययन) चाय में नैनो यूरिया की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक क्षेत्र प्रयोग शुरू किया गया। इफको की सिफारिश के अनुसार, 500 मिली नैनो यूरिया, 4 मिली प्रति लीटर की खुराक के साथ एक बैग (45 किग्रा) पारंपरिक यूरिया का स्थान ले सकता है। एक वर्ष के प्रयोग के आधार पर, यह अनुमान लगाया गया है कि जब यूरिया की अत्यधिक कमी हो, तो भूमि पर यूरिया उपचार के दो चक्रों को छोड़कर, नैनो यूरिया का पत्तियों पर छिड़काव करना बेहतर होगा। आगे की अवलोकन प्रक्रिया जारी है।

5.2.4 <u>कीट विज्ञान:</u>

5.2.4.1(चाय मच्छर बग का अंडनियोजन व्यवहार) चाय मच्छर बग (टीएमबी) द्वारा अंडनियोजन वरीयता का अध्ययन करने के लिए, यूपीएएसआई-टीआरएफ प्रायोगिक फार्म से यूपीएएसआई-9 के 175 चाय के अंकुर (तीन पत्तियां और कली) एकत्र किए गए। यह देखा गया कि लगभग 54% अंडे तीन पत्तियों और एक कली वाले डंठलों पर दिए गए।
5.2.4.2 (चाय मच्छर बग के लिए बाँझ कीट प्रौद्योगिकी) प्रारंभिक अध्ययन के रूप में, कुंवारी नरों को तीन अलग-अलग घनत्वों अर्थात 70,80 और 100 Gy पर गामा विकिरणित किया गया। विकिरणित कुंवारी नरों को जीवन तालिका अध्ययन के लिए कुंवारी मादा के साथ जोड़ा बनाने की अनुमति दी गई। यह पाया गया कि केवल गामा विकिरण पुरुषों में बांझपन पैदा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। आगे की जांच जारी है।

5.2.4.3 (चाय मच्छर बग का मैटिंग व्यवहार और प्रजनन क्षमता) मैटिंग प्रयोगों से, लगभग 50% अंडे एकल-मैटेड मादाओं में व्यवहार्य थे। कुंवारी मादाएं भी अपने पूरे जीवनकाल में बिना निषेचित अंडे देती हैं, तथा उनमें से कोई भी नहीं फूटता। अध्ययन से पता चला कि एक बार की मैटिंग भी उचित संतान पैदा करने के लिए पर्याप्त थी।

5.2.4.4 (चाय मच्छर बग के अंडों पर कुछ कीटनाशकों की अंडनाशक गतिविधि) चाय बोर्ड के पौध संरक्षण कोड (पीपीसी) द्वारा अनुमोदित कीटनाशकों का मूल्यांकन चाय मच्छर बग (टीएमबी) के अंडों पर किया जा रहा है। डेल्टामेथ्रिन, थायमेथोक्सम और क्विनालफोस + थायमेथोक्सम ने क्रमशः 85%, 55% और 45% परिणाम प्राप्त किए। थियाक्लोप्रिड और इमामेक्टिन बेंजोएट टीएमबी के अंडों पर उल्लेखनीय अंडनाशक प्रभाव डालने में असफल रहे।

5.2.4.5 (चाय मच्छर बग के खिलाफ कुछ नैनो जैव कीटनाशकों का मूल्यांकन) नैनो जैव कीटनाशकों अर्थात नीम तेल, पुंगम तेल, आर्टेमिसिया पत्ती का अर्क और अडाथोडा पत्ती का अर्क का चाय मच्छर बग (टीएमबी) के खिलाफ मूल्यांकन किया गया। उपरोक्त में से किसी भी कारण से टीएमबी में कोई मृत्यु दर उत्पन्न नहीं हुई। हालांकि, एंटीफीडेंट गतिविधि दिखाई गई। आगे की जांच जारी है।

5.2.4.6 (नीम साबुन, पुंगम साबुन और नीम गोली का चाय मच्छर बग के विरुद्ध मूल्यांकन) नीम साबुन, पुंगम साबुन और नीम गोली के फॉर्मूलेशन का व्यक्तिगत रूप से और क्विनालफोस के साथ मूल्यांकन

किया गया। निष्कर्षों से पता चला कि क्विनलफॉस (10 ग्राम + 1 मिली) के साथ पुंगम साबुन ने चाय मच्छर बग (टीएमबी) की आबादी को नियंत्रित किया। आगे का अध्ययन प्रगति पर है।

5.2.4.7 (चाय मच्छर बग और शॉट होल बोरर के खिलाफ विभिन्न एआई-जेनिक्स जाल का मूल्यांकन) दो एआई-जेनिक्स कीट जाल (ई-बायोनिक ऑलस्टार और ई-बायोनिक वेवस्टार) का चाय मच्छर बग (टीएमबी) के खिलाफ मूल्यांकन किया गया। दोनों ही जाल टीएमबी को आकर्षित करने में असफल रहे। इसी प्रकार, ब्रेवहॉक मोन्ज़ा ट्रैप का मूल्यांकन शॉट होल बोरर (एसएचबी) के विरुद्ध किया गया, जो एसएचबी को आकर्षित करने में भी विफल रहा।

5.2.4.8 (लाल मकड़ी के कण पर क्राइसोपरला ज़ास्त्रोई सिलेमी की शिकारी क्षमता) हाल ही में किए गए शिकारी सर्वेक्षण में अन्नामलैस क्षेत्र में हरे लेसविंग, क्राइसोपरला ज़ास्त्रोई सिलेमी की उपस्थिति की सूचना दी गई है। एकत्रित शिकारी को सीओआई जीन अनुक्रमण (एनसीबीआई परिग्रहण संख्या: ओपी740396) का उपयोग करके प्रजाति स्तर तक पहचाना क्राइसोपरला ज़ास्ट्रोई सिलेमी की शिकारी क्षमता का मूल्यांकन लाल स्पाइडर माइट्स के विभिन्न जीवन चरणों के विरुद्ध किया गया। क्राइसोपरला ज़ास्ट्रोवी सिलेमी के तीसरे चरण के लार्वा ने प्रतिदिन दूसरे और पहले चरण के लार्वा की तुलना में अधिकतम शिकार अवस्थाओं, अर्थात अंडे, लार्वा, शिशु और वयस्क को खाया। आगे की अवलोकन प्रक्रिया जारी है।

5.2.4.9 (चाय मच्छर कीट पर ऑक्सीओप्स बिरमानिकस के ऊर्ध्वाधर वितरण और भक्षण व्यवहार पर अध्ययन) चाय की झाड़ियों के शीर्ष स्तर पर ऑक्सीओप्स बिरमानिकस की उपस्थिति अपेक्षाकृत बहुत अधिक (76%), मध्य स्तर पर बहुत कम (24%) और निचले स्तर पर लगभग शून्य थी। मादा ओ. बिरमानिकस की आहार क्षमता काफी अधिक थी और वह प्रतिदिन औसतन 11.2 वयस्कों और 11.4 नवजात शिशुओं को आहार देती थी। नर ओ. बिरमानिकस की आहार क्षमता नवजातों पर 9.6 व्यक्तियों के साथ अधिक थी, तथा वयस्कों पर 7.4 व्यक्तियों के साथ थोड़ी कम थी। यह देखा गया कि ओ. बिरमानिकस घात लगाकर शिकार करके छोटे चाय मच्छर बग (टीएमबी) की आबादी को कम कर सकता है।

5.2.4.10 (**कीट प्रबंधन के लिए ड्रोन चित्र) कीट प्रभावित और स्वस्थ दोनों क्षेत्रों से अलग-अलग ऊंचाइयों पर ड्रोन चित्र लिए गए।** प्राप्त मल्टी-स्पेक्ट्रल थर्मल छवियों को आगे के विश्लेषण के लिए आईआईटी, खड़गपुर और सी-डैक, कोलकाता को भेज दिया गया है।

5.2.4.11 ('चाय में कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए सूक्ष्मजीवी कारकों और उनके नवीन जैवसक्रिय मेटाबोलाइट्स का विकास, लक्षण-वर्णन और मूल्यांकन' नामक परियोजना के अंतर्गत) सूक्ष्मजीवी जैव-कीटनाशकों के उन्नत उत्पादन के लिए देशी कीटनाशकों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की तकनीक का मानकीकरण किया गया। अन्नामलाई के चाय के खेत से एकत्रित चाय मच्छर कीट (टीएमबी) के मृत शव से बी. बेसियाना की एक प्रमाणित देशी प्रजाति को पृथक किया गया। बी. सबटिलिस ने एफ. एम्ब्रोसियम के विरुद्ध प्रतिकूल प्रभाव दर्शाया, जिसके परिणामस्वरूप इन-विवो स्थितियों में शूट होल बोरर (एसएचबी) की जनसंख्या में कमी आई। एंटोमोपैथोजेनिक कवक एम. एनिसोप्लिए ने क्षेत्रीय परिस्थितियों में टीएमबी के विरुद्ध मृत्यु दर का उच्च प्रतिशत दर्शाया।

5.2.5 <u>कीटनाशक अवशेष:</u>

5.2.5.1 (दक्षिण भारतीय चाय में कीटनाशक अवशेषों की निगरानी) दक्षिण भारतीय चाय में कीटनाशक अवशेषों की स्थिति के सर्वेक्षण और निगरानी के तहत, दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों (कुन्नूर, मेप्पाडी, मुन्नार, गुडालुर, कोप्पा) से एकत्र किए गए 47 काली चाय के नमूनों का प्रोपरगाइट, हेक्साकोनाज़ोल और ग्लाइफोसेट के अवशेषों के लिए विश्लेषण किया गया। कुल मिलाकर, 136 आकलन किए गए हैं।

5.2.5.2 (टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के अवशेष विश्लेषण और क्षरण अध्ययन) यह अध्ययन चाय में टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के अपव्यय पैटर्न को निर्धारित करने के लिए किया गया था। जब नैटिवो 75% डब्ल्यूजी को 125 ग्राम/हेक्टेयर की दर से छिड़का गया, तो शून्य (0) दिन पर टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन का प्रारंभिक जमाव क्रमशः 15.6 और 10.6 पीपीएम था। पांचवें दिन अपव्यय की सीमा क्रमशः टेबुकोनाज़ोल के लिए 2.3 पीपीएम (85%) और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन के लिए 1.7 पीपीएम (84%) थी। सातवें दिन दोनों अणुओं के लिए अपव्यय पैटर्न 94% से अधिक पाया गया। चौदहवें दिन के बाद, अवशेष अनुशंसित खुराक 125 ग्राम/हेक्टेयर के लिए पता लगाने योग्य स्तर (<0.05 पीपीएम) से नीचे पाए गए। दक्षिण भारतीय चाय बागानों के लिए टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी @ 125 ग्राम/हेक्टेयर के लिए कटाई के बाद का अंतराल (पीएचआई) चौदह (14) दिन तय किया गया था। विभिन्न समय अंतरालों पर एकत्रित काली चाय में टेबुकोनाजोल और ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन अवशेषों की मात्रा भी नोट की गई। अध्ययन के निष्कर्षों से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि अनुशंसित खुराक पर संयुक्त कवकनाशी के प्रयोग की दर फसल सुरक्षा के दृष्टिकोण से सुरक्षित है।

5.2.5.3 (पर्ण स्प्रे के रूप में चाय के पौधों पर वेयेगो केयर के अवशेष एवं दृढ़ता का अध्ययन) वेयेगो केयर (टेट्रानिलिप्रोल 120 और स्पिरोटेट्रामैट 240 एससी) को चाय के पौधों पर 375 और 469 मिली/हेक्टेयर फॉर्मूलेशन के हिसाब से स्प्रे किया गया। ताजी हरी पत्तियों, काली चाय, हरी चाय, काली चाय और हरी चाय की मिट्टी और चाय के काढ़े का टेट्रानिलिप्रोल, स्पिरोटेट्रामैट और उनके मेटाबोलाइट्स के अवशेषों के लिए विश्लेषण किया गया। अवशेषों का विश्लेषण 0.002 मिलीग्राम/किग्रा की मात्रा निर्धारण सीमा (एलओक्यू) पर एक मानकीकृत एलसी-एमएस/एमएस विधि द्वारा तीन प्रतियों में किया गया। टेट्रानिलिप्रोल और स्पाइरोटेट्रामेट के अवशेष स्तर से पता चला कि यह ताजा हरी पत्तियों, काली चाय, हरी चाय, काली चाय काढ़ा और हरी चाय काढ़ा जैसे विभिन्न मैट्रिक्स के लिए 375 और 469 मिली/हेक्टेयर की दर से वेगो केयर फॉर्मूलेशन के आवेदन के 0 दिन से 28वें दिन तक तेजी से नष्ट हो गया। 14वें दिन के नमूने पर मिट्टी में कोई अवशेष नहीं है।

5.2.5.4 5.2.5.4 (ग्लाइफोसेट के अवशेष अध्ययन) काली चाय, धूप में सुखाई गई हरी पत्तियों और चाय के काढ़े में ग्लाइफोसेट के अवशेषों का पता लगाने के लिए प्रायोगिक फार्म, कुन्नूर में फील्ड परीक्षण किया गया। प्रतिनिधि पत्ती और मिट्टी के नमूने 0 दिन से एकत्र किए गए और 14वें दिन तक नमूना लेना जारी रखा गया। पत्तियों के एक हिस्से के नमूनों को सीटीसी मिनिएचर यूनिट का उपयोग करके काली चाय में संसाधित किया गया और बाकी के नमूने को छाया में सुखाया गया। प्रायोजक के अनुरोध के अनुसार नमूनों को विश्लेषणात्मक उद्देश्य के लिए यूरोफिन्स एनालिटिकल सर्विस, बैंगलोर भेजा गया है।

5.2.6 पादप रोग विज्ञान:

5.2.6.1 (नए रिपोर्ट किए गए फ्यूजेरियम विल्ट/डाई-बैक रोग) यह कवक रोगज़नक़ कोमल टहनियों, युवा कलियों और पत्ती के डंठलों को संक्रमित करता है और नेक्रोसिस के लक्षण विकसित करता है जिसे फ्यूजेरियम विल्ट/डाई-बैक रोग कहा जाता है। फंगल रोगज़नक़ों की पहचान करने के लिए चाय के खेतों से संक्रमित चाय की टहनियाँ एकत्र की गईं। स्टीरियो माइक्रोस्कोपिक अवलोकन के तहत सहायक कलियों और डंठलों पर भूरे-भूरे काले धब्बे और नेक्रोटिक घावों के साथ डाई-बैक के लक्षण देखे गए। नमी तकनीक के तहत एस्कोस्पोर्स का विकास देखा गया। अलग-अलग कवकों की पहचान कॉलोनी की आकृति विज्ञान और धुंधलापन तकनीक की मदद से बीजाणु संरचनाओं की सूक्ष्म जांच के आधार पर की गई। कोच की पोस्टुलेट तकनीक के माध्यम से आगे की पुष्टि पूरी तरह से की जाएगी।

5.2.6.2 (ब्लिस्टर और ग्रे ब्लाइट रोगों के खिलाफ़ पादप और माइक्रोबियल आधारित नैनोकणों का विकास) नैनोकणों के संश्लेषण के लिए वनस्पति अर्क का उपयोग अपचायक एजेंट के रूप में किया गया। इन नैनोकणों का परीक्षण खाद्य विषाक्तता तकनीक के माध्यम से इन-विट्रो स्थिति में ग्रे ब्लाइट रोगजनक के विरुद्ध किया गया। nBWN07 के विकसित उपचार ने 9वें दिन के बाद भी अवरोध की उच्च दर दिखाई। nCCL03 और nVET02 के उपचारों ने औसत नियंत्रण किया जबकि अन्य उपचार इन-विट्रो स्थिति में P. theae को नियंत्रित करने में विफल रहे। किण्वित संस्कृतियों का उपयोग विभिन्न ऑक्सीकरण एजेंटों के साथ नैनोकणों के संश्लेषण में अपचायक एजेंट के रूप में भी किया जाता है। विकसित माइक्रोबियल नैनोकणों का इन-विट्रो स्थिति में ग्रे ब्लाइट और ब्लिस्टर ब्लाइट रोगजनकों के विरुद्ध अध्ययन किया जाएगा।

5.2.6.3 (पर्ण रोग के लिए टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन की अनुशंसा) टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% डब्लूजी का परीक्षण ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट रोगों के विरुद्ध किया गया। टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन के मिश्रण को माइक्रो प्लॉट में पूर्व-कटाई अंतराल (PHI) का अध्ययन करने के लिए छिड़का गया था। प्रायोगिक प्लॉट से एकत्रित चाय की पत्तियों को अवशेषों के अध्ययन के लिए समय-समय पर संसाधित किया गया। टेबुकोनाज़ोल और ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन के अवशेषों का अध्ययन किया गया है और अपव्यय पैटर्न अध्ययनों के अनुसार सुरक्षित कटाई अंतराल (SHI) 14 दिन निर्धारित किया गया है। बहु-स्थानीय अध्ययनों के माध्यम से उत्पन्न डेटा के साथ, टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% डब्लूजी की अनुशंसा का मसौदा तैयार किया गया और चाय संस्कृति पुस्तिका में शामिल करने के लिए चाय समिति को प्रस्तुत किया गया।

5.2.6.4 (एकीकृत पौध स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए चिटोसन ओलिगोसेकेराइड के जैविक गुण) ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट रोगों के प्रबंधन के लिए चिटोसन ओलिगोसेकेराइड (सीओएस) 20% के मूल्यांकन के लिए क्षेत्र प्रयोग किया गया। 1 लीटर/हेक्टेयर की दर से सीओएस 20% के संयुक्त उपचार में ग्रे ब्लाइट/ डाई-बैक रोग का बेहतर नियंत्रण देखा गया। अध्ययन से यह पुष्टि हुई है कि सीओएस 20% द्वितीयक घाव रोगजनकों (डाई-बैक) की घटनाओं को कम करके चाय की टहनियों में जैव-उत्तेजक प्रभाव के साथ-साथ घाव भरने के गुण को भी व्यक्त करता है। यह भी पुष्टि हुई है कि अनुशंसित कवकनाशी के साथ सीओएस कवकनाशी की आवश्यकताओं को कम करने और अवशेषों को कम करने में मदद करता है।

5.2.6.5 (वैकल्पिक कवकनाशी के लिए प्रयोग) ब्लिस्टर ब्लाइट और ग्रे ब्लाइट रोगों के खिलाफ वैकल्पिक प्रभावी कवकनाशी अनुसूची प्रदान करने के लिए, उपासी-टीआरएफ प्रायोगिक फार्म में चाय में एक प्रयोग शुरू किया गया था। परिणामों ने संकेत दिया कि संबंधित खुराकों के साथ सभी चयनित बीएसएएफ-75002एफ बीएसएएफ-कोडित उत्पादों ने ब्लिस्टर ब्लाइट रोग को नियंत्रित किया। उपचारों में, बीएएस 75002एफ ने सबसे अधिक नियंत्रण प्रतिशत (89%) प्रदान किया, उसके बाद बीएएस 75101एफ और बीएएस 71700एफ का स्थान रहा।

5.2.6.6 (एकीकृत पौध स्वास्थ्य प्रबंधन) एकीकृत पौध स्वास्थ्य प्रबंधन (आईपीएचएम) के अंतर्गत, ग्रे ब्लाइट/डाई-बैक रोग के प्रबंधन के लिए संभावित सूक्ष्मजीवों को शामिल करके बहु-स्थानीय क्षेत्र प्रयोग किए गए। पी. फ्लोरोसेंस के उपचार ने पी. थेई के विरुद्ध 38% की अधिक जैव-प्रभावकारिता दिखाई, उसके बाद टी. विरिडे और बी. एमिलोलिकेफेसिएन्स ने क्रमश: 37% और 33% नियंत्रण के साथ नियंत्रण किया। पी. फ्लोरोसेंस के उपचार में उच्च उपज दर्ज की गई। यह देखा गया कि पी. फ्लोरोसेंस की एंटीफंगल संपत्ति के साथ-साथ विकास को बढ़ावा देने की क्षमता इसे चाय की खेती के लिए एक संभावित सूक्ष्मजीव बनाती है।

5.2.6.7 (ड्रोन स्प्रेयर द्वारा छिड़काव) ड्रोन के माध्यम से नेटिवो 75% डब्ल्यूजी (टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी) के आवेदन पर फाइटोटॉक्सिसिटी अध्ययन के लिए, दो खुराक (125 ग्राम/हेक्टेयर और 250 ग्राम/हेक्टेयर 20 लीटर/हेक्टेयर पानी की मात्रा के साथ) के साथ एक प्रयोग किया गया था। परिणामों से पता चला कि किसी भी उपचार ने पीलापन, बौनापन, नेक्रोसिस, एपिनेस्टी और हाइपोनेस्टी जैसे कोई फाइटोटॉक्सिक प्रभाव नहीं दिखाए। यह निष्कर्ष निकाला गया कि नियामक अधिकारियों से अनुमोदन के अधीन ड्रोन स्प्रेयर के माध्यम से नेटिवो 75% डब्ल्यूजी के आवेदन की सिफारिश की जा सकती है।

5.2.6.8 (चाय पारिस्थितिकी तंत्र में कृषि रसायन अपघटनकारी सूक्ष्मजीवों और जैवउपचार पर अध्ययन) दक्षिण भारतीय चाय बागानों की सूक्ष्मजीव जैव विविधता का दस्तावेजीकरण किया गया है और चाय पारिस्थितिकी तंत्र में मृदा के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए कृषि रसायन के उपयोग के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। विभिन्न गुणात्मक और मात्रात्मक तरीकों के माध्यम से दक्षिण भारतीय चाय पारिस्थितिकी तंत्र से पृथक और पहचान किए गए संभावित कृषि रसायन अपघटनकारी सूक्ष्मजीवों के साथ बायो-डी सूत्रीकरण विकसित किया गया था। अध्ययन अवधि के दौरान, प्रोपर्गाइट की जैवअपघटन क्षमता ने यह प्रदर्शित किया कि चाय मिट्टी में शामिल बायो-डी ने क्रमश: 7वें और 14वें दिन की अवधि के लिए 65% और 83% का अपघटन किया। ग्लाइफोसेट के संबंध में, 7वें और 14वें दिन 62% और 67% को एचपीएलसी मात्रात्मक विधि के माध्यम से दर्ज किया गया ग्रीन हाउस की स्थिति के आधार पर, मैक्रो और माइक्रो-पोषक तत्वों में मामूली वृद्धि देखी गई और साथ ही भौतिक-रासायनिक गुणों में भी सुधार हुआ। चयनित एग्रोकेमिकल डिग्रेडिंग माइक्रोब्स के साथ डिग्रेड किए गए चाय के कचरे का उपयोग बायो कंसोर्टियम (बायो-डी) के बड़े पैमाने पर संवर्धन के लिए वैकल्पिक लागत प्रभावी पोषक माध्यम के रूप में किया गया। लैब-टू-लैंड कार्यक्रम के तहत, एग्रोकेमिकल डिग्रेडिंग माइक्रोब्स सहित लगभग 5,000 किलोग्राम मदर कल्चर तैयार किए गए और बड़े पैमाने पर उत्पादन और बड़े पैमाने पर फील्ड एप्लीकेशन के लिए

सदस्य एस्टेट को भेजे गए। बहु-स्थान क्षेत्र प्रयोगों के पूरा होने के बाद, संभावित बायोडिग्रेडिंग माइक्रोब्स को उद्योग के लिए अनुशंसित किया जाएगा।

5.2.7 चाय प्रौद्योगिकी:

5.2.7.1 (आईएलसी कार्यक्रम में भागीदारी) चाय में धातु के बुरादे के निर्धारण के लिए, एफएसएसएआई द्वारा एक अंतर प्रयोगशाला तुलना (आईएलसी) कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें यूपीएएसआई की टीटीएल सहित सात चाय परीक्षण प्रयोगशालाओं (टीटीएल) ने भाग लिया। चार चाय नमूनों (सीटीसी लीफ, सीटीसी डस्टद्व ऑर्थोडॉक्स और ग्रीन टी) के लिए कुल 48 आकलन दोहराए गए तरीके से किए गए।

5.2.7.2 (चांदी के नैनोकणों का संश्लेषण) हरी चाय में विभिन्न फाइटोकेमिकल घटकों की उच्च मात्रा पाई जाती है जो धातु आयनों को नैनोकणों में बदलने में शामिल होते हैं। हरी चाय के अर्क का उपयोग करके चांदी के नैनोकणों के संश्लेषण के लिए एक अध्ययन किया गया था। हरी चाय के अर्क में सिल्वर नाइट्रेट मिलाकर उसे गर्म किया गया और चुंबकीय स्टिरर का उपयोग करके हिलाया गया। कच्चे चांदी के नैनोकण लाल भूरे रंग के घोल के रूप में प्राप्त हुए जिन्हें इथेनॉल से धोया गया और सुखाया गया। सूखे नमूनों के यूवी- वीआईएस, एक्यआईएस, एक्सआरडी और एसईएम विश्लेषण ने नैनोकण संश्लेषण की पुष्टि की। यह विधि पर्यावरण के अनुकूल, कम लागत वाली और कमरे के तापमान पर चांदी के नैनोकणों का उत्पादन करने में सक्षम है।

5.2.7.3 (ग्रीन टी में हर्बल्स मिलाने पर अध्ययन) ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स और अन्य जैव रासायनिक घटक मौजूद होने के कारण इसे स्वास्थ्य लाभ के लिए मान्यता मिली है। औषधीय जड़ी-बूटियों के सेवन से लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के बारे में जानकारी मिली है। इस अध्ययन के तहत, सेन्ना आर्टिकुलता, फिलांथस निरुरी और टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों को अलग-अलग अनुपात में ग्रीन टी के साथ मिलाया गया। परिणामों से पता चला कि सेन्ना आर्टिकुलता और फिलांथस निरुरी (3%) के मिश्रण से एंटीऑक्सीडेंट और जैव रासायनिक घटक बढ़ गए हैं। टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया मिलाने से कोई बदलाव नहीं देखा गया।

5.2.7.4 (दक्षिण भारतीय चाय की गुणवत्ता प्रोफ़ाइल) एक सर्वेक्षण कार्यक्रम के तहत, दक्षिण भारत के विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों से चाय के नमूने मासिक अंतराल पर एकत्र किए गए और उनके गुणवत्ता मापदंडों जैसे टीएफ, टीआर, एचपीएस और टीएलसी के लिए विश्लेषण किया गया। कुल 17 नमूनों (13 सीटीसी और 4 ऑर्थोडॉक्स) का विश्लेषण किया गया। सीटीसी नमूनों में, टीएफ (0.36% से 0.81%) और टीआर (5;52% से 9.06%) की सामग्री मुन्नार क्षेत्र से अधिक थी, जबकि एचपीएस (6.18% से 10.19%) और टीएलसी (1;94% से 3.30%) की सामग्री गुडालुर क्षेत्र से अधिक थी। ऑर्थोडॉक्स नमूनों में, टीएफ (0.34% से 0.53%), टीआर (5.11% से 8.57%), एचपीएस (5.14% से 8.07%) और टीएलसी (1.70% से 2.77%) दर्ज किए गए। ऑर्थोडॉक्स चाय के सभी गुणवत्ता घटक नीलगिरी क्षेत्र में उच्च थे, सिवाय एचपीएस और टीएलसी के, जो वायनाड क्षेत्र में अधिक थे।

5.2.7.5 (ऑर्थोडॉक्स ब्लैक टी में दोहरे फ्लेवर मिलाने का प्रभाव) सेब, लेमन ग्रास, स्ट्रॉबेरी और गुलाब जैसे फ्लेवर मिलाने पर बायोकेमिकल और लिकर पैरामीटर में होने वाले बदलावों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन किया गया। ऑर्थोडॉक्स ब्लैक टी को ऊपर बताए गए फ्लेवर की अलग-अलग सांद्रता के साथ मिलाया गया। बायोकेमिकल और गुणवत्ता मापदंडों के परिणामों से पता चला कि अलग-अलग सांद्रता के फ्लेवर, चाहे एकल फ्लेवर हो या संयुक्त फ्लेवर, मिलाने से चीनी की मात्रा कम होने से पॉलीफेनॉल में वृद्धि हुई। कैटेचिन और एंटीऑक्सीडेंट गुणों जैसे अन्य पैरामीटर प्रभावित नहीं हुए।

5.2.7.6 (ऑर्थोडॉक्स ब्लैक टी में हर्बल्स मिलाना) स्टीविया रेबाउडियाना जैसे हर्बल्स मिलाने पर जैव रासायनिक और द्रव मापदंडों में होने वाले बदलावों को देखने के लिए एक अध्ययन किया गया। रूढ़िवादी काली चाय को स्टीविया रेबाउडियाना (1%, 2%, 3% और 5%) की विभिन्न सांद्रता के साथ मिश्रित किया गया और द्रव और जैव रासायनिक मापदंडों के लिए विश्लेषण किया गया। जैव रासायनिक और गुणवत्ता मापदंडों के परिणामों से पता चला कि रूढ़िवादी काली चाय में स्टीविया मिलाने से कुछ जैव रासायनिक घटक (अमीनो एसिड, कम करने वाली शर्करा, पॉलीफेनोल), बढ़ गए और टीआर और एचपीएस की सामग्री में सुधार हुआ।

5.2.7.7 (चाय पत्ती रीडिंग मशीन का मूल्यांकन) बारीक पत्ती और मोटी पत्ती के प्रतिशत के रूप में हरी पत्ती की गुणवत्ता का अनुमान लगाने के लिए, चाय पत्ती रीडिंग मशीन (बैलाट्रोनिक्स) के मूल्यांकन पर एक प्रयोग किया गया। उपासी द्वारा जारी क्लोन (उपासी-2, उपासी-9, उपासी-20, टीआरएफ-4) के साथ-साथ अन्य क्लोन (सीआर-6017, टीआर-2024) को डेटा संग्रह के लिए लिया गया। ग्रेड को ए(2एल और 1बी), बी+ (3एल और 1अी), और 1बी) और सी (4एल + 1बी) के रूप में चिह्नित करके कुल 400 रीडिंग (प्रत्येक ग्रेड से 100) ली गईं। परिणामों से पता चला कि बारीक पत्ती श्रेणी में मशीन और मैनुअल रीडिंग के बीच का अंतर 0.1% से 15% तक था। मशीन की आगे की फाइन-ट्यूनिंग प्रगति पर है।

5.2.7.8 (स्ट्रिंग बायोस्टिमुलेंट उत्पाद का मूल्यांकन) यांत्रिक कटाई के तहत चाय की उपज और कैटेचिन सामग्री पर प्रोटीन हाइड्रोलाइज़ेट बायोस्टिमुलेंट (लश टी) के आवेदन के प्रभाव का आकलन करने के लिए, एक अध्ययन किया गया था। कैटेचिन सामग्री के विश्लेषण के लिए उपचार आवेदन के 15 दिनों के बाद पत्ती के नमूने लिए गए और परिणामों से पता चला कि बायोस्टिमुलेंट के पत्ते पर आवेदन से कैटेचिन सामग्री बढ़ गई।

5.2.7.9 (चिटोसन ओलिगोसेकेराइड्स का मूल्यांकन) ब्लिस्टर ब्लाइट को नियंत्रित करने के लिए कवकनाशी के रूप में चिटोसन ओलिगोसेकेराइड्स (सीओएस) के प्रयोग से कैटेचिन सामग्री में होने वाले परिवर्तनों को देखने के लिए एक क्षेत्र प्रयोग किया गया। कैटेचिन सामग्री के विश्लेषण के लिए उपचार के प्रयोग से 20 दिन बाद पत्तियों के नमूने एकत्र किए गए। सीओएस से उपचारित भूखंडों में सबसे अधिक पॉलीफेनोल और कैटेचिन सामग्री दर्ज की गई। प्रयोग जारी है।

5.2.8 सलाह:

सदस्य सम्पदाओं के लिए सलाहकार दौरे नियमित आधार पर किए गए (कुल 803 दौरे किए गए)। हर महीने की पहली या दूसरी तारीख तक सदस्य सम्पदाओं में किए जाने वाले सांस्कृतिक अभ्यासों से संबंधित मासिक सलाहकार नोट प्रसारित किए गए। इसी तरह, फसल उत्पादन और उत्पादकता पर तुलनात्मक विवरण भी प्रसारित किए गए। चाय संस्कृति के विभिन्न कृषि कार्यों पर विभिन्न आंतरिक और क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए (कुल 137 कार्यक्रम आयोजित किए गए)।

5.2.9 विश्लेषणात्मक सेवाएँ: रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान विश्लेषित नमूनों का विवरण नीचे दिया गया है:-

नमूनों की संख्या	सामग्री/विश्लेषित के लिए
6,539	कीट/रोग की पहचान
5,672	मृदा
758	तैयार चाय
701	उर्वरक/कृषि रसायन
278	खाद
132	हरी पत्ती
83	डोलोमाइट
63	ईलवर्म
48	धातु बुरादा
43	चूना सल्फर
24	बायोफॉर्मूलेशन

5.3 दार्जिलिंग चाय अनुसंधान एवं विकास केंद्र (डीटीआरडीसी), कर्सीयांग और इसकी गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (क्यूसीएल), सिलीगुड़ी:

5.3.1 ('दार्जिलिंग और असम चाय की वृद्धि और उत्पादकता में सुधार के लिए सूक्ष्मजीवी इनोकुलेंट्स का विकास' नामक परियोजना के अंतर्गत) विभिन्न चाय बागानों से स्वदेशी सूक्ष्मजीवों को अलग किया गया और प्रमुख सूक्ष्मजीवों की जांच की गई। सूक्ष्मजीवों का क्षेत्र मूल्यांकन प्रगति पर है।

5.3.2 ('दार्जिलिंग चाय का रहस्यमय स्वाद: ओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके जैवसंश्लेषण मार्गों के नियमन में फाइटोबायोम की भूमिका की खोज' नामक परियोजना के अंतर्गत, रोहिणी टीई (कम ऊंचाई), डीटीआरडीसी प्रायोगिक फार्म (मध्य ऊंचाई) और सुंगमा टीई (उच्चतम ऊंचाई) से लिए गए दो क्लोनों

अर्थात बी-157 (उच्च गुणवत्ता और औसत उपज) और एवी-2 (औसत गुणवत्ता और उपज) की आनुवंशिक निष्ठा का एसएसआर मार्करों का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया है।

5.3.3 "दार्जिलिंग की परिस्थितियों में मृदा स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी को बढ़ाने के लिए कूड़े की छंटाई और उसके प्रबंधन के लिए विभिन्न त्वरित अपघटन पद्धति का डिक्रिप्शन" शीर्षक से एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना को वित्त पोषण एजेंसी (एनटीआरएफ) को प्रस्तुत किया गया था।

5.3.4 चाय बागानों से प्राप्त बारह मृदा नमूनों का परीक्षण किया गया तथा कमियों को दूर करने की सिफारिशों के साथ विश्लेषणात्मक रिपोर्ट जारी की गई।

5.3.5 डी.टी.आर.डी.सी. के प्रायोगिक फार्म में 11.946 किग्रा. हरी चाय की पत्ती का उत्पादन किया गया।

5.3.6 क्यूसीएल एक एनएबीएल-मान्यता प्राप्त और एफएसएसएआई-अधिसूचित चाय परीक्षण प्रयोगशाला है। इसे जैविक परीक्षण के लिए एपीडा-अधिकृत प्रयोगशालाओं के अंतर्गत भी सूचीबद्ध किया गया है।

5.3.7 एफएसएसएआई मापदंडों, पीपीसी अनुपालन और अतिरिक्त स्वादों के परीक्षण के लिए प्राप्त 528 नमूनों (चाय से बनी सामग्री) का परीक्षण एफएसएसएआई मानदंडों और टी बोर्ड के नियमों के अनुसार किया गया।

5.3.8 क्यूसीएल ने अपनी विश्लेषणात्मक क्षमताओं में निरंतर सुधार के लिए अन्य खाद्य/चाय परीक्षण प्रयोगशालाओं के साथ आईएलसी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। इसने अपनी मान्यता जारी रखने के लिए एनएबीएल द्वारा वार्षिक मूल्यांकन में भी अर्हता प्राप्त की।

5.3.9 कीटनाशकों और उनके अवशेषों के उपयोग से संबंधित मुद्दों की समीक्षा और चर्चा करने के लिए, प्लांट प्रोटेक्शन कोड (पीपीसी) पर तकनीकी समूह की बैठकें बुलाई गईं और पीपीसी का सोलहवां (16वां)) संस्करण (फरवरी, 2024) जारी किया गया।

अध्याय-6

चाय संवर्धन

भूमिका

भारत को विश्व में गुणवत्तापूर्ण चाय का अग्रणी आपूर्तिकर्ता बनाने के उद्देश्य से संवर्धनात्मक गतिविधियाँ चलाना टी बोर्ड के बुनियादी कार्यों में से एक कार्य है। संवर्धनात्मक प्रयासों का उद्देश्य भारतीय चाय की कई किस्मों और श्रेणियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, जिसका उद्देश्य लक्षित बाजारों में भारतीय चाय की बाजार हिस्सेदारी और घरेलू खपत को बढ़ाना है। विदेशी देशों में भारतीय किस्मों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय निर्यातकों को हर संभव सहायता प्रदान की गई।

2023-24 के दौरान भारत से चाय निर्यात का अवलोकन

2022-23 की तुलना में 2023-24 के दौरान चाय निर्यात की उपलब्धियां निम्नलिखित रही हैं:

2023-24					2022-23				
मात्रा (मिलियन कि.ग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)	मूल्य (मिलियन यूएस$)	इकाई मूल्य (रु./किग्रा)	इकाई मूल्य (यूएस$/ किग्रा)	मात्रा (मिलियन कि.ग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)	मूल्य (यूएस$ मिलियन)	इकाई मूल्य (रु./किग्रा)	इकाई मूल्य (यूएस$/ किग्रा)
250.73	6476.38	781.79	258.30	3.12	228.40	6385.81	793.78	279.59	3.48

नोट: 2023-24 के दौरान मात्रा और मूल्य (भारतीय रू.) पर क्रमश: 10% और 1.4% की वार्षिक वृद्धि देखी गई। हालांकि, प्रमुख निर्यात गंतव्यों में व्याप्त निराशाजनक आर्थिक स्थितियों के कारण यूएसडी प्राप्ति के कारण 1.5% वार्षिक गिरावट देखी गई।

2022-23 की तुलना में 2023-24 के दौरान प्रमुख गंतव्य-वार निर्यात प्रदर्शन अनुलग्नक-1 में दिए गए हैं।

2023-24 के दौरान संवर्धनात्मक गतिविधियों का अवलोकन

टी बोर्ड ने भारत में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों जैसे "वर्ल्ड फूड इंडिया", "इंडस फूड", "सियाल (एसआईएएल)" में महत्वपूर्ण निर्यात स्थलों के चाय आयातकों के साथ क्रेता-विक्रेता बैठकें आयोजित करके विभिन्न संवर्धनात्मक गतिविधियाँ कीं। इसके अलावा, कोट्टायम, त्रिवेंद्रम, धर्मशाला, गोवा, बेंगलुरु, केवडिया, जयपुर जैसे विभिन्न स्थानों पर जी-20 सत्रों में भाग लेने के दौरान, टी बोर्ड ने विदेशी प्रतिनिधियों सहित सभी प्रतिनिधियों के लिए टी बोर्ड इंडिया शिविर में चाय का स्वाद और नमूना लेने के क्षेत्र (चाय अनुभव क्षेत्र) का आयोजन किया। बोर्ड ने चाय व्यापार के साथ संपर्क कार्य भी बनाए रखा, व्यापार संबंधी पूछताछ में भाग लिया, प्रमुख बाजारों के लिए गुणवत्ता और सुरक्षा विनियमन से संबंधित विभिन्न मुद्दों को संबोधित किया, और निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता एवं रसद मुद्दों सहित विभिन्न व्यापार सुविधा उपायों को अपनाया। चाय व्यापार को निर्यात से संबंधित विकास के साथ-साथ मॉस्को स्थित अपने विदेशी कार्यालय और कोलकाता स्थित मुख्यालय के माध्यम से बाजार की जानकारी के प्रसार के बारे में अवगत कराया गया था, जिसका उद्देश्य

भारतीय चाय की मांग को बढ़ाना और प्रमुख बाजारों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना था। विभिन्न व्यापार-प्रभावित बाधाओं को कम करने/समाप्त करने तथा निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार सुविधा प्रदान की गई तथा मंत्रालय और भारतीय मिशनों के साथ निरंतर संपर्क स्थापित किया गया।

राजपत्र अधिसूचना दिनांक 09/01/2023 के माध्यम से डीजीएफटी ने "चाय" के विभिन्न एचएस कोड के लिए आरओडीटीईपी रिवॉर्ड दरों में वृद्धि की है। इसके उपरान्त, डीजीएफटी द्वारा इसे 01/10/2023 से 30/06/2024 तक बढ़ा दिया गया है। दिनांक 26/09/2023 को अधिकार प्राप्त आरओडीटीईपी समिति के सदस्यों के साथ एक बैठक के परिणामस्वरूप, निर्यातकों ने 30/11/2023 की निर्दिष्ट तिथि के भीतर उपलब्ध किए गए दो प्रारूपों में सभी लेन-देन संबंधी डेटा प्रस्तुत किए। इस अभ्यास का उद्देश्य सभी वस्तुओं के लिए जून 2024 के बाद नई आरओडीटीईपी दरें निर्धारित करना था।

मंत्रालय के समर्थन से टी बोर्ड की ओर से किए गए निरंतर प्रयासों के कारण, रूस-यूक्रेन संघर्ष से पहले रूस को किए गए शिपमेंट से संबंधित रूसी क्रताओं से आठ (8) निर्यातकों के लिए रुके हुए भुगतान के मामले को उचित रूप से संबोधित किया गया है।

अन्य गतिविधियों में भारतीय चाय की छवि को बनाए रखने एवं टी बोर्ड भारत के प्रति सकारात्मक तरीके से जनता की राय को प्रभावित करने के लिए विभिन्न प्रचार-संबंधी गतिविधियाँ शामिल थीं। फेसबुक जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से निरंतर अभियान भी उपभोक्ताओं (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों) के बीच भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में बहुत प्रभावी साबित हुआ।

विदेशी संवर्धन

मास्को स्थित विदेशी कार्यालय के माध्यम से संचालित संवर्धनात्मक गतिविधियां की गईं

मास्को कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले देश
टी बोर्ड का मास्को कार्यालय रूस, कजाकिस्तान, यूक्रेन, उज्बेकिस्तान, अजरबैजान, तुर्कमेनिस्तान, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, जॉर्जिया, आर्मेनिया, मोल्दोवा और बाल्टिक राज्यों लातविया, एस्टोनिया एवं लिथुआनिया जैसे सीआईएस देशों में भारतीय चाय के संवर्धन का कार्य देखता है।

सीआईएस क्षेत्र के प्रमुख देशों के लिए संक्षिप्त बाजार दृश्य

देश	व्यापार परिमाण (मिलियन कि.ग्रा में)	पीसीसी (कि.गा प्रति वर्ष)
रूस	134	0.96
कजाकिस्तान	24	1.50
यूक्रेन	10	0.89
उज्बेकिस्तान	26	0.80

2023 में सीआईएस क्षेत्र में कुल चाय व्यापार परिमाण 219 मिलियन किलोग्राम था और मुख्य रूप से काली चाय का उपभोग करने वाले उपरोक्त देश सामूहिक रूप से उस क्षेत्र में चाय के आयात बाजार का 89% हिस्सा हैं। रूसी संघ सीआईएस में सबसे बड़ा चाय बाजार है, उसके बाद कजाकिस्तान है। रूस ने 2023 में 20 से अधिक देशों से 134 मिलियन किलोग्राम चाय का आयात किया। 2023 में निकटतम प्रतिद्वंद्वी श्रीलंका के 22 मिलियन किलोग्राम (16%) की तुलना में भारतीय चाय का आयात लगभग 33 मिलियन किलोग्राम (25 %) होगा। रूस और कजाकिस्तान को निर्यात बढ़ाने के लिए दो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजारों में से एक के रूप में लक्षित किया गया है।

रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान, टी बोर्ड भारत की भागीदारी उसके मास्को कार्यालय के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों में आयोजित की गई:

सं.	तिथि	आयोजन	विवरण
1	25-27 मई, 2023	वेज-लाइफ प्रदर्शनी	**टीबोभा, मास्को कार्यालय ने शाकाहारी एवं स्वस्थ जीवन शैली की14 वीं संघीय प्रदर्शनी वेजलाइफ- में भाग लिया। वेज लाइफ का आयोजन वर्ष-में2 बार किया जाता है, जिसमें140 से अधिक स्वस्थ जीवन शैली वाली कंपनियाँ भाग लेती हैं।** **से अधिक 5000 दिनों तक चले इस कार्यक्रम में 3लोगों ने भाग लिया।**
2	24 जून, 2023	भारत ग्रीष्मोत्सव "नमस्ते मास्को-2023" (भारतीय बाज़ार)	आईडब्ल्यूए वार्षिक ग्रीष्मकालीन बाज़ार दूतावास द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक है और इसमें लगभग 8000-10000 दर्शक आते हैं। टी बोर्ड भारत नियमित रूप से इस कार्यक्रम में भाग लेता है और दिन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर होने वाले कुछ खर्चों को प्रायोजित करता है और बदले में टी बोर्ड को इंडिया टी प्रमोशनल इवेंट आयोजित करने के लिए मुफ़्त स्थल आवंटित की जाती है। टी बोर्ड चाय-स्वाद का आयोजन करता है। यह कार्यक्रम मॉस्को में भारतीय चाय को प्रदर्शित करने और बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है।

3	19-22 सितंबर, 2023	विश्व खाद्य मास्को 2023	**वर्ल्ड फूड** मॉस्को, खाद्य क्षेत्र में अग्रणी वार्षिक प्रदर्शनी है। यह खाद्य उत्पादों के क्रय में रुचि रखने वाले खुदरा श्रृंखलाओं और थोक व्यवसायों के बड़ी संख्या में प्रतिनिधियों के साथ सीधा संपर्क बनाकर विक्रय बढ़ाने, संवर्धन करने एवं नए ग्राहकों को आकर्षित करने का एक प्रभावी साधन है। प्रदर्शनी में 39 देशों के 1000 से अधिक निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में 17 राष्ट्रीय शिविर और रूसी क्षेत्रों के 36 सामूहिक प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत की गईं। ***इस कार्यक्रम में थोक और खुदरा व्यापार उद्यमों और खानपान उद्यमों के 20115 से अधिक क्रेताओं ने भाग लिया।*** इस कार्यक्रम में चाय, कॉफी, मसाले, बीज और अन्य कृषि उत्पादों जैसे विशिष्ट उत्पादों का प्रतिनिधित्व करने वाली भारत की 62 कंपनियां भाग ले रही थीं। ***टी बोर्ड भारत ने अन्य भारतीय कंपनियों के साथ प्रदर्शनी में भाग लिया और टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर चाय स्वाद का समारोह आयोजित किया।*** ***आगंतुकों ने पांच प्रकार की भारतीय चाय का स्वाद लिया, अर्थात् दार्जिलिंग, सिक्किम, नीलगिरि, असम ऑर्थोडॉक्स और असम सीटीसी, तथा चाय के स्वाद और सुगंध की खूब प्रशंसा की।*** ***टीबोभा मॉस्को ने कार्यक्रम के दौरान स्टॉल पर आने वाले लोगों के लिए लगभग 5000 कप भारतीय चाय परोसी।*** इस कार्यक्रम के दौरान अनेक रूसी खुदरा एवं थोक व्यापारिक कम्पनियां टी बोर्ड के स्टॉल पर आईं तथा उन्होंने भारतीय चाय आपूर्तिकर्ताओं के संपर्क सूत्र मांगे।
4	19-21 मार्च, 2024	एमआईटीटी-पर्यटन प्रदर्शनी	रूस के मास्को में एक प्रमुख पर्यटन प्रदर्शनी एमआईटीटी का आयोजन किया गया, जहां भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ जैसे आकर्षक पर्यटन स्थलों को प्रदर्शित किया। टीबोभा मॉस्को कार्यालय ने मुख्य स्टॉल पर चाय स्वाद का कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 16000 से अधिक आगंतुक और 999 से अधिक प्रदर्शक शामिल हुए। यह स्टॉल हमेशा आगंतुकों से भरा रहता था, जो ताज़ी बनी प्रामाणिक भारतीय चाय का स्वाद चखने के लिए उत्सुक रहते थे। इसके ताज़ा स्वाद की लोगों ने बहुत प्रशंसा की।

वर्ष 2023-24 के दौरान चाय बोर्ड के विभिन्न कार्यालयों में आयोजित किए जाने वाले प्रमुख कार्यक्रमों की सूची नीचे दी गई है:

अप्रैल 2023

31.03.2023 से 01.04.2023 तक कुमारकोम, कोट्टायम, केरल में आयोजित जी-20 द्वितीय शेरपा बैठक में चाय बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 31.03.2023 से 01.04.2023 तक कुमारकोम, कोट्टायम, केरल में आयोजित जी20 द्वितीय शेरपा बैठक में भाग लिया। इस बैठक में एक स्टॉल लगाया गया तथा भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों और भारतीय चाय पर प्रचार एवं संवर्धनात्मक साहित्य प्रदर्शित किया गया तथा जी20 प्रतिनिधियों के लिए भारतीय चाय का नमूना पेश किया गया। लगभग 35 देशों और 10 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के लगभग 300 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने जी20 द्वितीय शेरपा बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय की कैडी युक्त उपहार सेट भेंट किए गए।

5-6 अप्रैल, 2023 को त्रिवेंद्रम, केरल में आयोजित जी-20 एम्पावर मीटिंग प्रदर्शनी में टी बोर्ड भारत की भागीदारी
टी बोर्ड भारत ने 5 और 6 अप्रैल, 2023 को त्रिवेंद्रम, केरल में आयोजित जी-20 एम्पावर मीटिंग प्रदर्शनी में भाग लिया, जिसमें भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों पर प्रचार एवं संवर्धनात्मक साहित्य प्रदर्शित किया गया। जी-20 एम्पावर मीटिंग में विभिन्न देशों के लगभग 45 प्रतिनिधियों ने भाग लिया

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में 19-20 अप्रैल, 2023 को आयोजित जी20 अनुसंधान और नवीयन पहल सभा (आरआईआईजी) सम्मेलन में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने 19-20 अप्रैल, 2023 को धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित जी-20 अनुसंधान एवं नवाचार पहल सभा (आरआईआईजी) सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन में एक स्टॉल लगाया गया तथा भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों पर प्रचार एवं संवर्धनात्मक साहित्य प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान चाय स्वाद लेने का एक सत्र भी आयोजित किया गया। जी-20 कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी विदेशी प्रतिनिधियों, वैज्ञानिक विभाग के आमंत्रितों और तकनीकी विशेषज्ञों ने टी बोर्ड भारत के स्टॉल की सराहना की। इंडोनेशिया, रूस, सिंगापुर, यूएई, नीदरलैंड, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, स्पेन के जी-20 प्रतिनिधियों ने टी बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया।

25-27 अप्रैल 2023 के दौरान दुबई में आयोजित द गोल्डन लीफ इंडिया अवार्ड्स: दक्षिणी चाय प्रतियोगिता 2023 (टीजीएलआईए:एसटीसी-2023) के 18वें संस्करण का प्रायोजन

टी बोर्ड भारत ने 25-27 अप्रैल 2023 के दौरान दुबई में उपासी (यूनाइटेड प्लांटर्स एसोसिएशन ऑफ साउथर्न इंडिया) द्वारा आयोजित द गोल्डन लीफ इंडिया अवार्ड्स: साउथर्न टी कॉम्पिटिशन 2023 (टीजीएलआईए:एसटीसी-2023) के 18वें संस्करण को प्रायोजित किया। प्रतियोगिता के लिए विशेषज्ञ जूरी सदस्यों के पैनल में डॉ. शेरोन हॉल, यूनाइटेड किंगडम टी एंड इन्फ्यूजन एसोसिएशन, सुश्री शबनम वेबर, टी एंड हर्बल एसोसिएशन ऑफ कनाडा, श्री एंड्री क्रायनेव, जेम्स फिनले (एमई) डीएमसीसी, श्री माइक जोन्स, कैरियर जोन्स लिमिटेड, श्री याह्या बेयाद, ब्रिटानिया टी कंपनी लिमिटेड, श्री अब्दुर्रहमान कुन्नथ, इंटरसन एफजेडसीओ और श्री संजीव चटर्जी, एकटेरा टी

शामिल थे। वार्षिक आयोजन के 18वें संस्करण में नीलगिरी, वायनाड, अन्नामलाई, त्रावणकोर, हाई रेंज, दक्षिण भारत के अन्य चाय उत्पादक क्षेत्रों और बॉट लीफ फैक्टरियों के 32 चाय बागानों/कंपनियों से 118 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों से विभिन्न श्रेणियों के 62 चाय के नमूनों ने अंतिम चाय-स्वाद की प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अर्हता प्राप्त की थी। टाटा कंज्यूमर के श्री मनोज गंगाधरन, जे. थॉमस एंड कंपनी के श्री आर. पूवंधरन, पैरामाउंट टी मार्केटिंग के श्री के.के. रघु, ग्लोबल टी ऑक्शनर्स के श्री एन. श्रीराम एवं फोर्ब्स एंड कंपनी के श्री थॉमस मैथ्यूज के 5 सदस्यीय पैनल ने पहले स्तर की स्क्रीनिंग में चाय का मूल्यांकन किया था। विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों से सर्वोत्तम चाय का चयन करने की प्रक्रिया एक स्कोरिंग प्रणाली का उपयोग करके बहु-परत स्क्रीनिंग प्रक्रिया पर आधारित थी।

मई 2023

21 मई, 2023 को चौथे अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस समारोह के दौरान चाय टी बोर्ड भारत द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन टी बोर्ड भारत ने 21 मई, 2023 को "चौथे अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस" के उपलक्ष्य में मुख्यालय सहित अपने विभिन्न क्षेत्रीय और आंचलिक कार्यालयों में संवर्धनात्मक गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसका उद्देश्य सभी के जीवन में "चाय" के महत्व को उजागर करना और बढ़ावा देना है, जो पानी के बाद दुनिया में दूसरा सबसे अधिक खपत वाला पेय है।

इस महत्वपूर्ण अवसर पर निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

<u>टी बोर्ड मुख्यालय, कोलकाता</u>

प्रिंट मीडिया

इस दिन को मनाने और जनता के बीच भारतीय चाय को बढ़ावा देने के लिए 21 मई, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर पूरे भारत में प्रिंट मीडिया में विज्ञापन जारी किए गए।

सोशल मीडिया संवर्धन

टी बोर्ड के फेसबुक एवं एक्स (जिसे ट्वीटर कहा जाता है) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की व्यापक पहुंच का लाभ उठाते हुए, जिनके पास काफी संख्या में फॉलोअर हैं, भारतीय चाय पर क्विज़ प्रतियोगिता और 'अनस्क्रैम्बल द वर्ड्स' प्रतियोगिता जैसी परस्पर संवादात्मक एवं आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के बीच भारतीय चाय के बारे में जागरूकता बढ़ाना एवं उपयोगकर्ता जुड़ाव बढ़ाना था। अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों को टी बोर्ड के सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया गया।

मोबाइल वैन संवर्धनात्मक अभियान

भारतीय चाय के बारे में संदेश और संवर्धनात्मक सामग्री से लैस एक मोबाइल वैन, टी बोर्ड की टीम के साथ, कोलकाता शहर के विभिन्न स्थानों पर घूमी, जहाँ लोगों की अच्छी आवाजाही थी, और कई चाय की दुकानों और स्टालों का दौरा किया। मोबाइल वैन में लाउडस्पीकर पर अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएँ देते हुए एक संदेश बजाया गया। चाय की दुकानों पर आने वाले आगंतुकों के बीच संवर्धनात्मक अभियान का बहुत अच्छा प्रभाव पड़ा। चाय की दुकान के मालिकों को चाय उपहार हैम्पर्स, विशेष रूप से डिज़ाइन की गई टी-शर्ट और संवर्धनात्मक साहित्य भेंट किए गए। उन शॉपिंग मॉल पर विशेष जोर दिया गया जहाँ युवा

पीढ़ी के लोग अधिक आते हैं। 21 और 22 मई, 2023 को मुख्यालय के परिसर से आम जनता के लिए निःशुल्क चाय उपलब्ध कराई गई। केंद्रीय व्यापार जिले में स्थानीय चाय स्टॉल मालिकों के बीच चाय के उपहार हैम्पर्स भी वितरित किए गए।

<u>उत्तर-पूर्व आंचलिक कार्यालय, गुवाहाटी</u>

असम सरकार के सहयोग से टी बोर्ड भारत द्वारा 21 मई, 2023 को गुवाहाटी में अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाया गया, जहाँ असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री श्री बिमल बोरा, लोकसभा के माननीय सांसद श्री होरेन सिंग बे, राज्यसभा के माननीय सांसद श्री कामाख्या प्रसाद तासा और टी बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री सौरव पहाड़ी द्वारा विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए " 200 वर्ष के असम चाय लोगो" का अनावरण किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर को मनाने के लिए असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम मंत्री श्री बिमल बोरा द्वारा "क्रॉप टू कप - ए जर्नी ऑफ़ असम टी" पर एक संवर्धनात्मक वृत्तचित्र फिल्म भी लॉन्च की गई।

इसके अलावा, इस अवसर पर भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री श्री पीयूष गोयल का वीडियो संदेश भी चलाया गया, जिसमें उन्होंने असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने पर चाय उद्योग को शुभकामनाएं दी।

"असम चाय के 200 वर्ष और इसका भविष्य" विषय पर एक पैनल चर्चा हुई और साथ ही राज्य सरकार की "उपकर उपयोग नीति" के तहत हरी पत्ती ले जाने वाले वाहनों की खरीद के लिए लचाउ क्षेत्र को 75% सहायिकी का औपचारिक वितरण भी किया गया।

पूर्ण रूप से, यह समारोह असम चाय उद्योग की वृद्धि एवं विकास, हितधारकों के योगदान और अर्थव्यवस्था में इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सक्षम रहा है।

<u>टी बोर्ड आंचलिक कार्यालय, सिलीगुड़ी</u>

टी बोर्ड इंडिया, आंचलिक कार्यालय सिलीगुड़ी ने 21 मई 2023 को चाय उद्योग के विभिन्न हितधारकों के साथ टी पार्क, सिलीगुड़ी में अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस मनाया। इस अवसर पर, चाय अनुसंधान संघ (टीआरए) एवं उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के चाय विज्ञान विभाग की सक्रिय भागीदारी के साथ एक जागरूकता एवं संवर्धनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस बात पर जोर दिया गया कि चाय उद्योग को लगातार नए-नए तरीके खोजने चाहिए और तेजी से बढ़ते प्रतिस्पर्धी बाजार में व्यवहार्य बने रहने के लिए बेहतर तरीके तलाशने चाहिए। भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित करने और आम जनता के बीच चाय स्वाद एवं चाय के नमूने लेने की गतिविधियों को शुरू करने के लिए टी बोर्ड कार्यालय परिसर में एक चाय की स्टॉल लगाई गई। उपभोक्ताओं के साथ भारतीय चाय के स्वास्थ्य लाभ और तंदुरुस्ती के पहलुओं के महत्व को भी साझा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर आम जनता के लिए चाय स्वाद एवं चाय का नमूना लेने की गतिविधियों के आयोजन के लिए टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, जलपाईगुड़ी द्वारा जलपाईगुड़ी टाउन रेलवे स्टेशन में एक चाय स्टॉल भी स्थापित किया गया था।

टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली

टी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली में आगंतुकों के बीच विभिन्न प्रकार की भारतीय चाय का नमूना पेश करके "अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस" को आकर्षक तरीके से मनाया गया।

दक्षिण भारत आंचलिक कार्यालय, कुन्नूर

नीलगिरी जिले के जिला प्रशासन और तमिलनाडु सरकार के पर्यटन विभाग के समन्वय से 20 एवं 21 मई, 2023 के दौरान तमिलनाडु के कुन्नूर के सिम्स पार्क में एक चाय शो का आयोजन किया गया। तमिलनाडु सरकार के माननीय पर्यटन मंत्री श्री के. रामचंद्रन ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और चाय शो 2023 का उद्घाटन किया। जिला कलेक्टर, इंडकोसर्व के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, टैनटी के प्रबंध निदेशक, बागवानी के संयुक्त निदेशक, जिला पर्यटन अधिकारी, टी बोर्ड के अधिकारी और केंद्र एवं राज्य के अन्य उच्च-स्तरीय अधिकारी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे।

चाय शो 2023 के दौरान, जनता के बीच चाय के विभिन्न पहलुओं पर जागरूकता लाने के उद्देश्य से एवं चाय को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ की गईं:

1. चाय के इतिहास पर प्रदर्शनी।
2. मॉडल चाय प्रसंस्करण इकाई.
3. पर्यटकों के लिए चाय स्वाद लेने की व्यवस्था के साथ चाय की विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन किया गया।
4. सीटीसी और ऑर्थोडॉक्स चाय के विभिन्न प्रकार के श्रेणी का प्रदर्शन।
5. संपदा एवं बॉट लीफ फैक्ट्रीज ने अपने उत्पादों को विक्रय हेतु प्रदर्शित किया।
6. चाय के स्वास्थ्य लाभों पर पर्चे जारी किये गये।
7. लघु चाय उत्पादकों द्वारा हस्तनिर्मित चाय का लाइव डेमो।
8. लघु चाय उत्पादकों द्वारा विशेष चाय का विक्रय एवं प्रदर्शन।
9. नीलगिरी के प्रमुख विशेष चाय बुटीक के स्टॉल।
10. आगंतुकों के लिए नि:शुल्क चाय की व्यवस्था।
11. चाय पर वीडियो वृत्तचित्र इस दिन चलाई गई।
12. प्रेस नोट के माध्यम से कार्यक्रम का प्रचार-प्रसार, नीलगिरी जिले के प्रमुख स्थानों पर बैनर और पोस्टर प्रदर्शित करना।
13. जिले के प्रवेश स्थलों पर चाय शो 2023 के बारे में डिजिटल डिस्प्ले स्थापित किया गया।
14. कार्यक्रम के दौरान, सभी प्रतिभागियों और प्रेस प्रतिनिधियों के बीच अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के बारे में जागरूकता प्रसार वाली टोपियाँ एवं टी-शर्ट वितरित की गईं।
15. स्टॉल प्रदर्शकों को पुरस्कार, प्रशंसा एवं भागीदारी प्रमाण पत्र जारी किए गए।

चाय शो 2023 के अलावा, अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण भारत आंचलिक कार्यालय, कुन्नूर द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

1. अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के महत्व पर जागरूकता पैदा करने के लिए टाइगर हिल टी डिवीजन, टैन टी संपदा,कुन्नूर में मानव श्रृंखला का निर्माण।
2. डॉ. एम. मुथुकुमार, कार्यकारी निदेशक, दक्षिण भारत आंचलिक कार्यालय, टी बोर्ड इंडिया का लाइव साक्षात्कार,

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस - 21 मई, 2023 पर क्षेत्रीय एफएम रेडियो चैनल द्वारा प्रसारित किया जाएगा।

3. कट्टाबेट्टू इंडको चाय फैक्ट्री में लघु चाय उत्पादकों के बीच हरी पत्तियों का पृथक्करण एवं छंटाई पर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए।
4. अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस समारोह के हिस्से के रूप में 19.05.2023 से 23.05.2023 तक सरकारी वनस्पति उद्यान, ऊटी में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में टी बोर्ड भारत का एक स्टॉल स्थापित किया गया।

गोवा में 9-10 मई, 2023 को भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी की तीसरी विकास कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) बैठक के अवसर पर टी बोर्ड भारत का स्टॉल

टी बोर्ड भारत ने 9-10 मई, 2023 को गोवा में भारत के जी20 प्रेसीडेंसी की तीसरी विकास कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) बैठक के दौरान भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित किया और चाय के नमूने एवं चाय स्वाद लेने की गतिविधियाँ आयोजित कीं। गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी. सावंत ने 9 मई, 2023 को टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा किया और स्टॉल पर प्रदर्शित भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों की सराहना की। माननीय मुख्यमंत्री को भारतीय चाय से युक्त चाय की कैडियाँ भेंट की गईं। जी20 के कई प्रतिनिधियों ने टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा किया और भारतीय चाय का आनंद लिया।

23-25 मई, 2023 तक बेंगलुरु में आयोजित दूसरी टीटीडब्ल्यूजी बैठक के दौरान जी20 प्रतिनिधियों के लिए स्थापित अनुभव क्षेत्र में भारतीय चाय शिविर

टी बोर्ड इंडिया ने 23-25 मई, 2023 को बेंगलुरु में आयोजित दूसरे व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) की बैठक के दौरान जी20 प्रतिनिधियों के लिए स्थापित अनुभव क्षेत्र में भारतीय चाय शिविर अन्य कमोडिटी बोर्डों के पैवेलियन जैसे कॉफी बोर्ड, स्पाइसेस बोर्ड और एपीडा के साथ स्थापित किए। श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार, और श्री सोम प्रकाश, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार ने 24 मई, 2023 को अनुभव क्षेत्र में भारतीय चाय शिविर का दौरा किया और भारतीय चाय शिविर में अपनी चाय प्रदर्शित और उसका नमूना लेने वाले निर्यातकों से बातचीत की। माननीय मंत्रियों को भारतीय चाय की बारीकियों के बारे में जानने में बहुत दिलचस्पी थी और उन्होंने भारतीय चाय की असंख्य किस्मों के प्रदर्शन की सराहना की। बड़ी संख्या में जी-20 प्रतिनिधियों ने भारतीय चाय शिविर का दौरा किया और वे विभिन्न प्रकार की भारतीय चायों जैसे दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि, मसाला चाय, हरी चाय, सफेद चाय, आइस्ड चाय आदि का स्वाद स्वाद के लिए बहुत उत्साहित थे। जी-20 प्रतिनिधियों को विभिन्न प्रकार की भारतीय चायों के चाय के डिब्बों वाले आकर्षक उपहार बॉक्स भेंट किए गए।

जून 2023

6 जून, 2023 को अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में द्वितीय तकनीकी राजभाषा सम्मेलन में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के अंतर्गत दूसरा तकनीकी राजभाषा सम्मेलन 6 जून, 2023 को अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता गृह मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा ने की। टी बोर्ड भारत ने दूसरे तकनीकी राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया और भारतीय चाय की किस्मों का प्रदर्शन किया। जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ (ट्राइफेड), कृषि मंत्रालय, नोएडा एसईजेड आदि मंत्रालय अन्य प्रतिभागियों में शामिल थे जिन्होंने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए। गृह मंत्रालय के माननीय

राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा ने टी बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया और प्रदर्शित की जा रही भारतीय चाय की किस्मों की सराहना की। टी बोर्ड की चाय के नमूने की अतिथियों और प्रतिभागियों ने सराहना की। राजभाषा हिंदी विभाग के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी टी बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया।

14 जून, 2023 को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित एवं भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित बिम्सटेक बिजनेस कॉन्क्लेव में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने 14 जून, 2023 को कोलकाता में आयोजित बिम्सटेक चाय फोरम में भाग लिया, जो भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा समर्थित एवं भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित बिम्सटेक बिजनेस कॉन्क्लेव का हिस्सा था। बिम्सटेक बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन बिम्सटेक (बहु-क्षेत्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल खाड़ी की पहल) के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया था, जिसमें बंगाल की खाड़ी क्षेत्र (बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड) से सटे सात (7) देश शामिल हैं। बिम्सटेक एक क्लासिक विकास क्षेत्र है, जिसकी विशेषता कई आर्थिक पूरकताएं, भौगोलिक निकटता और घनिष्ठ ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। बड़ी मात्रा में भूमि, प्रचुर कुशल श्रम, समृद्ध प्राकृतिक संसाधन, समुद्र तक पहुंच और एक बड़े आंतरिक बाजार को देखते हुए बिम्सटेक में विकास की अपार संभावनाएं हैं।

14 जून, 2023 को आयोजित बिम्सटेक चाय फोरम के दौरान एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जहां चाय उद्योग के हितधारकों ने भारतीय चाय निर्यात का भविष्य और निर्यात बढ़ाने के उद्देश्य से खोजे जाने वाले विभिन्न प्रचार अवसरों पर अपने विचार साझा किए।

जुलाई 2023

टी बोर्ड भारत द्वारा 10-12 जुलाई, 2023 तक एकता नगर (केवड़िया), गुजरात में आयोजित तीसरी व्यापार एवं निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) बैठक के अवसर पर भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र का आयोजन किया जाएगा।

चाय बोर्ड भारत ने 10-12 जुलाई, 2023 तक गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) में आयोजित तीसरे व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) की बैठक के अवसर पर भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र का आयोजन किया, ताकि जी20 प्रतिनिधियों को भारतीय चाय की असंख्य किस्मों, उनके विविध रस, सुगंध और विविध स्वाद प्रोफाइल का पूर्ण अनुभव प्रदान किया जा सके।

टी बोर्ड भारत के साथ-साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत अन्य कमोडिटी बोर्ड जैसे मसाला बोर्ड, कॉफी बोर्ड एवं एपीडा ने भी अपने उत्पाद प्रदर्शित किए और जी-20 प्रतिनिधियों को भारत के अद्भुत स्वाद का अनुभव करने का अवसर दिया।

चाय निर्यातकों ने टी बोर्ड भारत के तत्वावधान में भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र में भी भाग लिया और अपने उत्पादों का प्रदर्शन और नमूना प्रस्तुत किया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव श्री राजेश कुमार सिंह के साथ भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र का दौरा किया। अधिकारियों

को उनकी पसंद के अनुसार भारतीय चाय पेश की गई और भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के नमूने की सभी अधिकारियों ने सराहना की।

टी बोर्ड भारत ने भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र का दौरा करने वाले जी-20 प्रतिनिधियों के अनुरोध पर दार्जिलिंग ब्लैक टी, दार्जिलिंग ग्रीन टी, असम ऑर्थोडॉक्स टी, मूल रूप से नीलगिरी ऑर्थोडॉक्स टी के साथ लेमन टी, कांगड़ा टी आदि का नमूना प्रस्तुत किया। भाग लेने वाले चाय निर्यातकों ने जी-20 प्रतिनिधियों को मसाला चाय, दार्जिलिंग फर्स्ट फ्लश, दार्जिलिंग सेकंड फ्लश, असम ऑर्थोडॉक्स, रोज टी, केसर टी, लेमन आइस्ड टी, पीच आइस्ड टी, इलायची चाय आदि पेश की गई परोसी।

जी-20 प्रतिनिधियों ने भारतीय चाय के नमूने की बहुत सराहना की और भारतीय चाय का स्वाद लेने के लिए बार-बार यहां आए। जी-20 प्रतिनिधियों को दार्जिलिंग, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरी ऑर्थोडॉक्स एवं मसाला चाय वाले उपहार बॉक्स भेंट किए गए। टी बोर्ड भारत ने सभी जी-20 प्रतिनिधियों को भेंट करने के लिए टी बोर्ड, कॉफी बोर्ड एवं स्पाइसेस बोर्ड की ओर से उपहार वस्तुओं से युक्त एक समेकित उपहार हैम्पर भी तैयार किया।

20-24 जुलाई, 2023 तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित दूसरे जीआई (भौगोलिक संकेत) मेले में टी बोर्ड इंडिया की भागीदारी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय और आईपीआर संवर्धन एवं प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीआईपीएएम) के सहयोग से हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा आयोजित जीआई (भौगोलिक संकेत) मेला इंडिया का दूसरा संस्करण 20-24 जुलाई, 2023 को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना वी. जरदोश ने किया। माननीय मंत्री ने सभी जीआई उत्पादकों को जीईएम पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करने और बेहतर व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि "लोकल फॉर ग्लोबल" का प्रसंग 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह प्रदर्शनी जीआई उत्पादों के निर्माताओं और विनिर्माताओं से सीधे अनूठे, प्रामाणिक और मूल उत्पादों का एक भव्य प्रदर्शन था। शो में कुल 10,000 से अधिक आगंतुक आए, जिनमें 30 देशों से 110 से अधिक विदेशी क्रेता एवं 300 से अधिक विदेशी खरीद प्रतिनिधि तथा घरेलू क्रेता शामिल थे।

टी बोर्ड भातर ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और भारत की चार जीआई चायों अर्थात दार्जिलिंग, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरी ऑर्थोडॉक्स और कांगड़ा को प्रदर्शित एवं संवर्धन किया। जीआई चाय के नमूने के साथ जीआई चाय पर पोस्टर और प्रचार साहित्य प्रदर्शित किए गए, जिन्हें आगंतुकों ने खूब सराहा। जीआई चाय लोगो का उपयोग करने की अनुमति के लिए सीटीएम पंजीकरण के बारे में आगंतुकों को जानकारी दी गई।

20-21 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 20-21 जुलाई, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने किया। इस शिखर सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा प्रणालियों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर दृष्टिकोण एवं ज्ञान का आदान-प्रदान करने के लिए विश्व के खाद्य नियामक एक साथ आए। उद्घाटन समारोह के दौरान विभिन्न पहलों का शुभारंभ किया गया, जिनमें 'फूड-ओ-कोपोइया', खाद्य श्रेणी-वार फोटोग्राफ का संग्रह और किसी भ

विशिष्ट उत्पाद के लिए सभी लागू मानकों के एकल बिंदु संदर्भ, राष्ट्रों के लिए सुरक्षित भोजन: वैश्विक खाद्य नियामक प्राधिकरण पुस्तिका और एक सामान्य डिजिटल डैशबोर्ड शामिल हैं।

टी बोर्ड भारत ने भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों का प्रदर्शन किया और प्रचार ब्रोशर, साहित्य और पर्चे के माध्यम से आगंतुकों के बीच भारतीय चाय के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी प्रसारित की। टी बोर्ड के स्टॉल पर आगंतुकों के लिए भारतीय चाय के नमूने भी रखे गए थे।

माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि "वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन 2023 वैश्विक खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने और शून्य भूख, अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण के संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में एक समयबद्ध हस्तक्षेप के रूप में काम करेगा"।

यह शिखर सम्मेलन एक सुरक्षित एवं अधिक धारणीय वैश्विक खाद्य प्रणाली बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, ज्ञान साझाकरण और पारस्परिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

21-23 जुलाई, 2023 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित खाद्य एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो 2023 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 21-23 जुलाई, 2023 को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित खाद्य एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो 2023 में भाग लिया। टी बोर्ड ने प्रचार सामग्री और पोस्टर के साथ भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित किया। आगंतुकों के लिए भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों की चाय का नमूना भी पेश किया गया। मसाला चाय मिट्टी के कुल्हड़ में परोसी गई, जिसकी आगंतुकों के बीच काफी मांग थी। आगंतुकों में पड़ोसी राज्यों के किसान, स्कूली बच्चे और आम आगंतुक शामिल थे। टी बोर्ड के स्टॉल पर उमड़ी भीड़ ने दार्जिलिंग चाय एवं मसाला चाय को सबसे ज्यादा पसंद किया।

अगस्त 2023

चौथी डीईडब्ल्यूजी और टीआईएमएम बैठक के अवसर पर जी20 अनुभव क्षेत्र में टी बोर्ड भारत शिविर, जयपुर, 23-25 अगस्त, 2023

टी बोर्ड भारत ने 23-25 अगस्त,2023 को जयपुर में आयोजित चौथी टीआईडब्ल्यूजी एवं टीआईएमएम बैठक के दौरान एपीडा, कॉफी बोर्ड एवं मसाला बोर्ड जैसे अन्य कमोडिटी बोर्डों के साथ जी-20 अनुभव क्षेत्र में टी बोर्ड भारत शिविर में चाय स्वाद एवं नमूना लेने के क्षेत्र का आयोजन किया। श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, भारत सरकार ने 23 अगस्त, 2023 को फ्रांस सरकार के विदेश व्यापार, आर्थिक आकर्षण एवं विदेश में फ्रांसीसी नागरिकों के लिए मंत्री प्रतिनिधि श्री ओलिवियर बेच्ट के साथ अनुभव क्षेत्र का उद्घाटन किया। श्री पीयूष गोयल ने टी बोर्ड शिविर सहित अनुभव क्षेत्र में सभी कमोडिटी बोर्डों के शिविरों का दौरा किया और निर्यातकों एवं जी-20 प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। माननीय मंत्री ने श्री ओलिवियर बेच्ट के साथ टी बोर्ड शिविर का दौरा किया और श्री बेच्ट को टी बोर्ड शिविर में प्रदर्शित कुछ चायों का स्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया। श्री ओलिवियर बेच्ट ने दार्जिलिंग फर्स्ट फ्लश चाय का एक कप का आनंद लिया और श्री पीयूष गोयल से बातचीत की। माननीय मंत्री ने टी बोर्ड शिविर में मीडिया कर्मियों को भी संबोधित किया।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने 24 अगस्त, 2023 को अनुभव क्षेत्र का दौरा किया और सभी कमोडिटी बोर्ड के शिविरों में निर्यातकों एवं जी20 प्रतिनिधियों से बातचीत की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव ने शिविरों में प्रदर्शित भारतीय चाय, कॉफी, मसालों एवं बाजरा उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला की सराहना की। उन्होंने सभी कमोडिटी बोर्ड के अधिकारियों के साथ एक कप सफेद चाय का भी आनंद लिया।

रूस के आर्थिक विकास मंत्रालय के उप मंत्री श्री व्लादिमीर इलिचेव, यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सुश्री सबाइन वेयंड और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों जैसे कई महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों ने टी बोर्ड शिविर का दौरा किया और भारतीय चाय का आनंद लिया। दार्जिलिंग फर्स्ट और सेकंड फ्लश, असम ऑर्थोडॉक्स, मसाला चाय, इलायची चाय, आइस्ड टी, नीलगिरी, कांगड़ा, ग्रीन टी आदि जैसी अन्य विशेष चायों के अलावा सफेद चाय की भी भारी मांग थी। प्रतिनिधि एवं अन्य महत्वपूर्ण अधिकारी विशेष सफेद चाय के लिए टी बोर्ड शिविर के कतार में खड़े देखे गए। कुल मिलाकर, अनुभव क्षेत्र में टी बोर्ड का प्रदर्शन और चाय का नमूना एवं चाय का स्वाद लेना सफल रहा।

18-20 अगस्त, 2023 को मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी, असम में आयोजित 'इंडिया ऑर्गेनिक एंड हॉर्टी एक्सपो-2023' और समवर्ती शो 'एम्पावरिंग इंडिया-2023 में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 18-20 अगस्त, 2023 को मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर, गुवाहाटी, असम में आयोजित 'इंडिया ऑर्गेनिक एंड हॉर्टी एक्सपो-2023' और समवर्ती शो 'एम्पावरिंग इंडिया-2023' में भाग लिया। एक्सपो का उद्घाटन श्री अतुल बोरा, माननीय कृषि, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा, असम समझौते के कार्यान्वयन, सीमा सुरक्षा एवं विकास मंत्री, असम सरकार ने किया। टी बोर्ड भारत शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में लघु चाय उत्पादकों ने भाग लिया और विभिन्न जैविक हस्तनिर्मित चायों का प्रदर्शन एवं विक्रय की, जिनमें ग्रीन टी, व्हाइट टी, चुंगा टी, ढेकी टी, विशेष प्रकार की हस्तनिर्मित रोल्ड चाय आदि शामिल थीं। लघु चाय उत्पादकों द्वारा आगंतुकों के लिए चाय स्वाद एवं चाय के नमूने लेने के सत्र भी आयोजित किए गए। टी बोर्ड भारत शिविर में बड़ी संख्या में आगंतुक एवं आम लोग उपस्थित थे, जो विक्रय के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रकार की विशेष एवं विशिष्ट चायों के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे, तथा उन्होंने चाय का स्वाद एवं चाय के नमूने लेने के सत्रों की भी सराहना की।

24-27 अगस्त, 2023 तक कोलकाता में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 24-27 अगस्त, 2023 को कोलकाता में आयोजित 26वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भाग लिया, जिसका आयोजन सेंट्रल कलकत्ता साइंस एंड कल्चर ऑर्गनाइजेशन फॉर यूथ द्वारा किया गया था। टी बोर्ड भारत के स्टॉल को रंग-बिरंगे पोस्टर एवं बैनर से सजाया गया था, जिसमें भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों के बारे में जानकारी दी गई थी। प्रचार ब्रोशर और साहित्य, जैसे लीफलेट, पैम्फलेट, भारतीय चाय पर रेसिपी बुकलेट आदि भी प्रदर्शित किए गए और प्रदर्शनी में आए दर्शकों के बीच वितरित किए गए। टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों की चाय का नमूना भी पेश किया गया, जो बेहद लोकप्रिय साबित हुआ, क्योंकि दिन के समय बड़ी संख्या में आगंतुक स्टॉल पर आते थे ताकि विशिष्ट भारतीय चाय के वास्तविक स्वाद एवं सुगंध का अनुभव कर सकें। स्टॉल पर चाय के कैडीज, चाय प्रचार सामग्री, भारतीय चाय पर स्टैंडी आदि जैसी प्रचार सामग्री प्रदर्शित की गई थी।

सितंबर 2023

5वें विश्व कॉफी सम्मेलन एवं एक्सपो, बेंगलुरु में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने 25-28 सितंबर, 2023 तक कॉफी बोर्ड भारत द्वारा बेंगलुरु में आयोजित 5वें विश्व कॉफी सम्मेलन (डब्ल्यूसीसी) एवं एक्सपो में भाग लिया। श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, भारत सरकार ने 25 सितंबर, 2023 को 5वें विश्व कॉफी सम्मेलन और एक्सपो का उद्घाटन किया। 'सर्कुलर इकोनॉमी और पुनर्योजी कृषि के माध्यम से स्थिरता को अपनाना' विषय पर टिप्पणी करते हुए, माननीय मंत्री ने कहा, यह सभी के लिए उपयुक्त है क्योंकि यह विषय आज अत्यंत प्रासंगिक है क्योंकि स्थिरता के मुद्दे तेजी से चिंता का विषय बन गया हैं।

एशिया में पहली बार डब्ल्यूसीसी का आयोजन बेंगलुरु में किया गया, जिसका आयोजन अंतर्राष्ट्रीय कॉफी संगठन और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और कॉफी बोर्ड भारत द्वारा कर्नाटक सरकार के सहयोग से किया गया। यह प्रदर्शनी बहुत ही भव्य एवं शानदार पैमाने पर आयोजित की गई और इसमें बड़ी संख्या में हितधारकों ने भाग लिया। कमोडिटी बोर्ड में, कॉफी बोर्ड भारत के अलावा, टी बोर्ड भारत और स्पाइसेस बोर्ड भारत ने शो में विशेष शिविर लगाए।

टी बोर्ड भारत ने 5वें विश्व कॉफी सम्मेलन एवं एक्सपो में चाय निर्यातकों के साथ मिलकर भारतीय चाय शिविर लगाया, जहाँ प्रदर्शनी के सभी 4 दिनों के दौरान प्रतिनिधियों, गणमान्य व्यक्तियों, आयातकों, एक्सपो में आने वाले व्यापारिक ग्राहकों एवं आम आगंतुकों के लिए भारतीय चाय की असंख्य किस्मों का प्रदर्शन और नमूना लिया गया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग के अपर सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया ने भारतीय चाय शिविर का दौरा किया और टी बोर्ड भारत के साथ विश्व कॉफी सम्मेलन में भाग लेने वाली चाय कंपनियों से बातचीत की। उन्होंने प्रदर्शन हेतु रखी गई चाय की विभिन्न किस्मों का नमूना लिया और उनके बारे में जानकारी ली तथा कार्यक्रम में समग्र प्रतिक्रिया के बारे में फीडबैक लिया।

डॉ. के.जी. जगदीश, सचिव एवं सीईओ, कॉफ़ी बोर्ड भारत ने भारत चाय शिविर का दौरा किया और भारतीय चाय शिविर में भारतीय चाय के स्वाद और नमूने के लिए किए गए प्रदर्शन और व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने भारतीय चाय शिविर में प्राप्त प्रतिक्रिया के बारे में पूछताछ की और एक्सपो में आने वाले लोगों के बीच भारतीय चाय के बारे में उत्पन्न प्रतिक्रिया और जागरूकता के बारे में जानकर प्रसन्न हुए।

मसाला बोर्ड भारत के सचिव श्री डी. साथियान ने भी भारतीय चाय शिविर का दौरा किया और सुव्यवस्थित प्रदर्शन की सराहना की। जहां कॉफी को समर्पित इस कार्यक्रम में चाय और मसालों दोनों का प्रदर्शन एक अनोखा और उत्साहवर्धक कदम था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग की अवर सचिव श्रीमती अंजलि आनंद ने भारतीय चाय शिविर का दौरा किया, भारतीय चाय का आनंद लिया एवं भव्य भारतीय चाय शिविर के साथ-साथ पूरे सम्मेलन और प्रदर्शनी के शानदार आयोजन की सराहना की।

प्रदर्शनी के सभी 4 दिनों में भारतीय चाय शिविर में भारी भीड़ रही। प्रदर्शन, नमूनाकरण एवं स्वाद लेने के लिए रखी गई सभी भारतीय चायों के विभिन्न रंग, पेय, स्वाद एवं सुगंध को सभी आगंतुकों ने खूब सराहा। आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक भारतीय चाय की सभी किस्मों का स्वाद एवं उनका नमूना लिया, जिसमें दार्जिलिंग फर्स्ट फ्लश, दार्जिलिंग सेकंड फ्लश, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरी ऑर्थोडॉक्स, कांगड़ा, डूआर्स-तराई, सिक्किम, मसाला चाय, दार्जिलिंग ग्रीन टी आदि शामिल हैं। टी बोर्ड के साथ भाग लेने वाले चाय निर्यातकों ने एक्सपो में उत्पन्न जागरूकता के बारे में अच्छी प्रतिक्रिया दी। कुल मिलाकर, 5वें विश्व कॉफी सम्मेलन और एक्सपो में भागीदारी उत्साहजनक रही।

घरेलू एवं विदेशी बाजारों में ब्रांडेड चाय विक्रय करने वाले चाय उद्योग के हितधारकों के साथ 31अगस्त, 2023 को वर्चुअल बैठक आयोजित की गई।

घरेलू एवं विदेशी बाजारों में ब्रांडेड चाय विक्रय करने वाले चाय उद्योग के हितधारकों के साथ 31 अगस्त, 2023 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के बागान निदेशक श्री नीरज गाबा, टी बोर्ड भारत के उपाध्यक्ष श्री सौरव पहाड़ी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बागान अवर सचिव श्रीमती अंजलि आनंद इस बैठक का हिस्सा थे। घरेलू एवं विदेशी बाजारों में ब्रांडेड चाय बेचने वाले कुल 16 चाय हितधारकों ने बैठक में भाग लिया। वाणिज्य सचिव ने जोर देकर कहा कि हमें मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ना चाहिए, मूल्य संवर्धन के माध्यम से अधिक रोजगार देना चाहिए, इस क्षेत्र में अधिक प्रतिस्पर्धी होना चाहिए और केवल चाय के उत्पादक होने से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, बल्कि गुणवत्तापूर्ण मूल्य वर्धित चाय के निर्माता भी बनना चाहिए। वाणिज्य सचिव ने आगे कहा कि इसमें बहुत संभावनाएं हैं, क्योंकि हम थोक से खुदरा, कम मूल्यवर्धित से उच्च मूल्यवर्धित चाय की ओर बढ़ सकते हैं, एफएमसीजी उन्मुख हो सकते हैं और चाय प्रदर्शनियों में भाग ले सकते हैं, जहां भारतीय चाय पर काफी ध्यान दिया जा सकता है।

1 सितंबर, 2023 को वाणिज्य सचिव की अध्यक्षता में चाय स्टार्ट-अप्स के साथ वर्चुअल बैठक आयोजित की गई

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने 1 सितंबर, 2023 को चाय स्टार्ट-अप्स के साथ एक वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में चुनौतियों और आगे के रास्ते के बारे में चर्चा की गई और यह भी बताया गया कि स्टार्ट-अप्स भारतीय चाय की ब्रांडिंग में कैसे मदद कर सकते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के बागान निदेशक श्री नीरज गाबा, टी बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री सौरव पहाड़ी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की बागान अवर सचिव श्रीमती अंजलि आनंद बैठक का हिस्सा थे। बैठक में कुल 11 चाय स्टार्ट-अप्स ने भाग लिया। बैठक के दौरान, वाणिज्य सचिव ने सलाह दी कि चाय उत्पादक अपनी चाय के विपणन के लिए स्टार्ट-अप्स के साथ सहयोग कर सकते हैं और स्टार्ट-अप्स को उत्पादकों से चाय की निरंतर आपूर्ति का आश्वासन भी दिया जाएगा जिसके बाद कुल मूल्य श्रृंखला से अधिक मूल्य निकलेगा।

19-22 सितंबर, 2023 तक आयोजित विश्व खाद्य मास्को-2023 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भरत ने अन्य भारतीय कंपनियों के साथ 19-22 सितंबर, 2023 को आयोजित वर्ल्ड **फूडमॉस्को-2023** में भाग लिया। रूसी संघ में भारत के राजदूत महामहिम **श्रीपवन कपूर** ने इस कार्यक्रम का दौरा किया और प्रत्येक कंपनी ने भारतीय शिविर में प्रतिनिधित्व किया। टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर चाय स्वाद लेने का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आगंतुकों ने 5 प्रकार की भारतीय लूज चाय का स्वाद लिया, अर्थात् दार्जिलिंग, सिक्किम, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरी ऑर्थोडॉक्स एवं असम सीटीसी और चाय के स्वाद और सुगंध की बहुत प्रशंसा की। कई लोग चाय क्रय करने के इच्छुक थे और रूस में प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय चाय के प्रामाणिक ब्रांडों और विश्वसनीय खुदरा स्टोरों की सिफारिश करने के लिए कह रहे थे जहाँ प्रामाणिक भारतीय चाय क्रय की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान स्टॉल पर आने वाले लोगों के लिए लगभग 5000 कप भारतीय चाय प्रस्तुत की गई।

वर्ल्ड फूड मॉस्को खाद्य क्षेत्र में अग्रणी वार्षिक प्रदर्शनी है। प्रदर्शनी में 39 देशों के 1000 से अधिक निर्माताओं और आपूर्तिकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनी में रूसी क्षेत्रों के 17 राष्ट्रीय शिविर एवं 36 सामूहिक प्रदर्शनियों का प्रतिनिधित्व किया गया। इस कार्यक्रम में थोक और खुदरा व्यापार उद्यमों एवं आहार प्रबंधन उद्यमों के 20,115 से अधिक क्रेताओं ने भाग लिया। इस वर्ष, भारत की 62 कंपनियों ने चाय, कॉफी, मसाले और अन्य कृषि उत्पादों जैसे विशिष्ट उत्पादों का प्रतिनिधित्व करते हुए कार्यक्रम में भाग लिया।

अक्टूबर 2023

असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गुवाहाटी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विज्ञापन (डिजिटल और स्थिर मीडिया)

असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में असम चाय का सामान्य संवर्धन डिजिटल मीडिया एवं स्थिर मीडिया के माध्यम से अक्टूबर 2023 के माह में गुवाहाटी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आउटडोर मीडिया अभियान के रूप में किया गया।

17 अक्टूबर, 2023 को अगरतला, त्रिपुरा में संवर्धनात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया

भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स के सहयोग से टी बोर्ड इंडिया द्वारा 17 अक्टूबर, 2023 को महाराजा बीर बिक्रम कॉलेज , अगरतला, त्रिपुरा में "पेय के रूप में चाय" पर एक प्रचार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं में भारतीय चाय के बारे में जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन त्रिपुरा सरकार की माननीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्रीमती संताना चकमा ने विश्व बैंक परियोजना का प्रतिनिधित्व करने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों, बांग्लादेश (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क) के प्रतिनिधियों, कॉलेज अधिकारियों, छात्रों, राज्य सरकार के अधिकारियों आदि की उपस्थिति में किया।

गट्स एंड ग्लोरी का प्रायोजन - सैल्यूट 71 आर्मी

मेसर्स साउथ एशिया एफएम लिमिटेड (यूनिट रेड एफएम), गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित गट्स एंड ग्लोरी - सैल्यूट 71 आर्मी के प्रायोजकों में से एक टी बोर्ड भारत था, जिसमें सामान्य अभियान, समाचार पत्रों में विज्ञापन, एवं गुवाहाटी के कई मॉलों में स्टैंडियों और पोस्टरों के प्रदर्शन के माध्यम से असम चाय की 200 वर्ष की गौरव यात्रा के बारे में जागरूकता पैदा की गई थी।

नवंबर 2023

3-5 नवंबर, 2023 तक विश्व खाद्य भारत 2023 में टी बोर्ड की भागीदारी

वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को एक साथ लाने के उद्देश्य से, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने 3-5 नवंबर, 2023 के दौरान नई दिल्ली में विश्व खाद्य भारत 2023 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में मेगा फूड इवेंट "वर्ल्ड फूड इंडिया 2023" के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। श्री नरेन्द्र मोदी ने विविध उत्पादों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का भ्रमण भी किया। इस कार्यक्रम ने सरकारी निकायों, उद्योग पेशेवरों, किसानों, उद्यमियों एवं अन्य हितधारकों को चर्चा में शामिल होने और साझेदारी स्थापित करने के लिए एक नेटवर्क और

व्यावसायिक मंच प्रदान किया। निवेश एवं व्यापार की सुगमता पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न बी-टू-बी बैठकें भी आयोजित की गईं।

वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एपीडा, टी बोर्ड भारत, कॉफी बोर्ड भारत, स्पाइसेस बोर्ड और एमपीडा को इस कार्यक्रम के दौरान रिवर्स क्रेता-विक्रेता बैठक (आरबीएसएम) आयोजित करने की सलाह दी गई।

टी बोर्ड ने 3-5 नवंबर, 2023 को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित "वर्ल्ड फूड इंडिया 2023" में तेरह (13) मूल्यवर्धित निर्यातकों के साथ भाग लिया, जिसमें 195 वर्ग मीटर का कुल स्थान शामिल था, जिसमें एक "चाय अनुभव क्षेत्र" और एक विशाल लाउंज-कम-मीटिंग क्षेत्र शामिल था। पूरे स्थान को भारतीय चाय के विविध पहलुओं को दर्शाते हुए बूथों पर आकर्षक ब्रांडिंग के साथ सौंदर्यपूर्ण ढंग से तैयार किया गया था। श्री सौरव पहाड़ी, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत ने शिविर का उद्घाटन किया।

संयुक्त अरब अमीरात, रूस, मिस्र, फ्रांस, जापान, कतर जैसे देशों से बड़ी संख्या में चाय क्रेताओं ने स्टॉलों का दौरा किया और भारतीय चाय की किस्मों का स्वाद लेने तथा भविष्य के व्यापार के लिए उनके नमूने पर व्यापारिक बातचीत की।

सफल वार्ता के लिए समर्पित तरीके से क्रेताओं और विक्रेताओं के बीच लगभग 150 आमने-सामने की बी2बी बैठकें आयोजित की गईं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने टी बोर्ड भारत शिविर का दौरा किया, चाय हितधारकों के साथ बातचीत की एवं बेहतरीन भारतीय चाय का स्वाद लिया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के अपर सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने भी टी बोर्ड भारत शिविर का दौरा किया, हितधारकों के साथ बातचीत की और भारतीय चाय की उत्कृष्ट किस्मों का स्वाद लिया। उपर्युक्त गणमान्य व्यक्तियों के अतिरिक्त, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक (रोपण) श्री नीरज गाबा, कॉफी बोर्ड भारत के सचिव एवं सीईओ डॉ. के.जी. जगदीश और एपीडा के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव के साथ-साथ एपीडा, कॉफी बोर्ड और मसाला बोर्ड के अन्य अधिकारियों ने टी बोर्ड शिविर का दौरा किया और टी बोर्ड के साथ-साथ भाग लेने वाले हितधारकों द्वारा नमूने के तौर पर ली जा रही भारतीय चाय की विस्तृत किस्मों का स्वाद लिया और उनकी सराहना की।

बी2बी आगंतुकों के साथ-साथ आम आगंतुक भी स्टालों पर बड़ी संख्या में उमड़ पड़े।

इसके अलावा, 5 नवंबर, 2023 को एक पैनल चर्चा हुई जिसका विषय था - "भारत के कृषि-निर्यात में मूल्य-संवर्द्धन को अनलॉक करना: नवाचार और स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाना" जिसमें चाय उद्योग से दो वक्ताओं ने भाग लिया। श्री राज बरूआ, मालिक, ऐदेओबारी टी एस्टेट, असम और श्री श्रीधरन चंद्रन, अध्यक्ष, यूपीएएसआई और निदेशक, वुडब्रियर समूह ने विशेष चाय, उनके नवाचार, आपूर्ति श्रृंखला पहलुओं और खंड के प्रचार पर विशेष ध्यान देने के साथ चर्चा में भाग लिया। चाय, कॉफी और मसालों के क्षेत्रों में मूल्य संवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालने वाले कुल सात प्रतिष्ठित वक्ता थे। श्री सौरभ पहाड़ी, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत ने पैनल चर्चा के वक्ताओं को सम्मानित किया।

18 नवंबर, 2023 को कोलकाता में भारतीय सेना की पूर्वी कमान (आईए) द्वारा आयोजित "गट्स एंड ग्लोरी - सैल्यूट 71" में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने भारतीय सेना की पूर्वी कमान (आईए) द्वारा आयोजित "गट्स एंड ग्लोरी - सैल्यूट 71" में भाग लिया - यह न केवल मातृभूमि और मानवता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुरों को सलाम करने की पहल है, बल्कि हमारे बीच चलने वाले गुमनाम नायकों को भी पहचानना है जो देश और दुनिया को एक बेहतर निवास बनाने के लिए अथक परिश्रम कर रहे हैं। यह कार्यक्रम 18 नवंबर, 2023 को कोलकाता में भारतीय सेना की पूर्वी कमान के मुख्यालय फोर्ट विलियम में आयोजित किया गया था। टी बोर्ड भारत ने भारतीय चाय को प्रदर्शित करने और उसका नमूना लेने तथा दर्शकों के बीच भारतीय चाय के असंख्य स्वादों, सुगंधों और विशेषताओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक स्टॉल लगाकर भाग लिया।

टी बोर्ड भारत द्वारा पैकेजिंग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 21-23 नवंबर, 2023 तक अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित किया गया।

टी बोर्ड भारत द्वारा त्रिपुरा के चाय हितधारकों के लिए भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), कोलकाता के सहयोग से 21-23 नवंबर, 2023 तक अगरतला, त्रिपुरा में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें चाय निर्माताओं एवं लघु चाय उत्पादकों (एसटीजी) को मूल्य संवर्धन लाने के लिए पैकेजिंग के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी/अवधारणाएं आदि प्रदान की गईं।

दिसंबर 2023

1-3 दिसंबर, 2023 तक सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में आयोजित क्रेता सुरक्षा मेले में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने पश्चिम बंगाल सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में 1-3 दिसंबर, 2023 तक आयोजित क्रेता सुरक्षा मेले में भाग लिया। इस मेले में भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित किया गया तथा चाय के नमूने एवं चाय स्वाद लने की गतिविधियों का आयोजन किया गया। पश्चिम बंगाल सरकार के माननीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री बिप्लब मित्रा ने टी बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया एवं विशेष चाय के नमूने लिए। आगंतुकों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के लिए, स्टॉल के सामने एक सेल्फी पॉइंट बनाया गया था और रणनीतिक रूप से रखा गया था। चाय के शौकीनों, जिज्ञासु उपभोक्ताओं एवं उद्योग के हितधारकों सहित 1500 से अधिक आगंतुकों ने टी बोर्ड के स्टॉल का दौरा किया। कई आगंतुकों ने गुणवत्तापूर्ण चाय की उपलब्धता के बारे में जिज्ञासा व्यक्त की।

7-9 दिसंबर, 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित "फूड इंडिया एसआईएएल" में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 7-9 दिसंबर, 2023 को नई दिल्ली में आयोजित फूड इंडिया एसआईएएल में भाग लिया। एसआईएएल इंडिया का उद्घाटन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की सचिव श्रीमती अनीता प्रवीण, यूरोपीय कृषि आयुक्त श्री जानुस वोज्चीकोवस्की और एपीडा के अध्यक्ष श्री अभिषेक देव ने संयुक्त रूप से किया। इस कार्यक्रम में आयातक, खुदरा विक्रेता, थोक विक्रेता, उद्यमी, खाद्य निर्माता आदि शामिल हुए। वर्तमान संस्करण में विश्व के 30 देशों के 500 से अधिक प्रदर्शकों और लगभग 20,000 आगंतुकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने भारत में विविध और उच्च गुणवत्ता वाली चाय के उत्पादन को प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। टी बोर्ड का स्टॉल अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया था, जिसमें विशेष/उच्च गुणवत्ता वाली चाय सहित

चाय की कई किस्में प्रदर्शित की गई थीं। चाय का नमूना लिया गया, जिसमें आगंतुकों ने गहरी रुचि दिखाई। एक्सपो के दौरान, टी बोर्ड के अधिकारी आगंतुकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे, जिनमें कतर, रूस, ट्यूनीशिया, बेल्जियम, सऊदी अरेबिया, यूएई आदि के अंतर्राष्ट्रीय क्रेता शामिल थे। टी बोर्ड के स्टॉल का घरेलू क्रेताओं, वितरकों एवं उद्योग के पेशेवरों ने भी दौरा किया। अधिकारियों ने भारत में विभिन्न चाय उत्पादक क्षेत्रों, चाय निर्माण में उपयोग की जाने वाली खेती और प्रसंस्करण तकनीकों और उपभोक्ताओं के लिए बेहतरीन सुनिश्चित करने वाले सख्त गुणवत्ता नियंत्रण उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त, भारतीय चाय के उत्तम स्वाद, सुगंध और विविध चरित्र को प्रदर्शित करने के लिए चाय स्वाद लेने एवं प्रदर्शन लगातार आयोजित किए गए। 3 दिवसीय आयोजन के दौरान टी बोर्ड के शिविर में एकल-मूल चाय की प्रामाणिक साधन, लघु चाय उत्पादकों द्वारा निर्मित की जा रही विशेष चाय, सुगंधित चाय एवं जीआई-नामांकित चाय से संबंधित कई पूछताछ हुईं।

16-18 दिसंबर, 2023 के दौरान गुवाहाटी में आयोजित 8वें असम अंतर्राष्ट्रीय कृषि-बागवानी शो में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने असम सरकार के कृषि विभाग द्वारा 16-18 दिसंबर, 2023 तक गुवाहाटी में आयोजित 8वें असम अंतर्राष्ट्रीय कृषि-बागवानी शो में भाग लिया। असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा शर्मा ने गुवाहाटी के खानपारा में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के मैदान में कई गणमान्य व्यक्तियों एवं 10,000 से अधिक किसानों की उपस्थिति में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। माननीय मुख्यमंत्री ने टी बोर्ड के स्टॉल का भी दौरा किया और कार्यक्रम में प्रदर्शित असम चाय की विविधता की सराहना की। प्रदर्शनी का आयोजन "आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना... किसानों की आय को अधिकतम करना" थीम के साथ किया गया था और इसमें 11 देशों के प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, कृषि शोधकर्ताओं, कृषि प्रौद्योगिकीविदों, कृषि विपणन विशेषज्ञों और किसानों ने भाग लिया।

असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डिजिटल विज्ञापनों एवं गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर एलईडी पैनल पर संवर्धनात्मक फिल्मों के प्रदर्शन के माध्यम से असम चाय का सामान्य संवर्धन किया गया।

असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में असम चाय के लिए एक सामान्य संवर्धनात्मक अभियान 21 दिसंबर, 2023 को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर डिजिटल विज्ञापनों एवं एलईडी पैनलों पर संवर्धनात्मक फिल्मों के प्रदर्शन के माध्यम से शुरू किया गया।

जनवरी 2024

3-10 जनवरी, 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत उत्सव 2024' में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड इंडिया ने 3-10 जनवरी, 2024 तक भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत उत्सव 2024 में भाग लिया, जिसमें भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों और उनकी विशेषताओं को प्रदर्शित करने वाला एक स्टॉल लगाया गया। यह कार्यक्रम वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले एवं खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं कपड़ा मंत्री श्री

पीयूष गोयल और भारत सरकार के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने किया। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के एक जिला एक उत्पाद योजना के बारे में दृष्टिकोण एवं अवधारणा पर प्रकाश डाला गया, जिसे वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में टी बोर्ड ने भाग लिया और दार्जिलिंग, असम ऑर्थोडॉक्स, नीलगिरी ऑर्थोडॉक्स आदि भारतीय चाय की किस्मों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण असम और पश्चिम बंगाल के लघु चाय उत्पादकों की भागीदारी थी, जिन्होंने अपने हाथ से बनाई गई हरी चाय को प्रदर्शित किया, जिसे आगंतुकों ने सराहा। कार्यक्रम के दौरान टी बोर्ड द्वारा चाय नमूने का भी आयोजन किया गया।

केरल में 1 से 15 जनवरी, 2024 तक आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय पुष्प महोत्सव, पूपोली 2024 में टी बोर्ड इंडिया की भागीदारी

1 से 15 जनवरी, 2024 तक केरल कृषि विश्वविद्यालय एवं केरल सरकार के कृषि विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पुष्प महोत्सव पूपोली 2024 में टी बोर्ड भारत ने भाग लिया। यह कार्यक्रम केरल के वायनाड जिले के क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र, अंबालावायल में हुआ। टी बोर्ड भारत ने तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के गुडालुर और पंडालुर तालुकों और केरल के वायनाड जिले के लघु चाय उत्पादकों (एसटीजी) को अपनी विशेष चाय प्रदिर्शत करने के लिए एक मंच प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर श्री पी. प्रसाद, माननीय कृषि मंत्री, केरल सरकार सहित कई प्रतिष्ठित आगंतुक आए जिन्होंने 5 जनवरी, 2024 को स्टाल का दौरा किया। श्री मिसाल सागर भरत, उप जिलाधिकारी, मननथावडी, ने 7 जनवरी 2024 को टी बोर्ड स्टॉल का दौरा किया। बोर्ड के सदस्य श्री मनोज कुमार के एवं श्री शिवदासन ने भी क्रमश: 4 और 9 जनवरी, 2024 को स्टाल का दौरा किया।

8-10 जनवरी, 2024 तक ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंडस फूड 2024 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 8-10 जनवरी, 2024 को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट में आयोजित इंडस फ़ूड 2024 (7वें संस्करण) में भाग लिया। इस कार्यक्रम ने भारत में उत्पादित विविध एवं उच्च गुणवत्ता वाली चाय को प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। टी बोर्ड का स्टॉल अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया था, जिसमें भारतीय चाय की किस्मों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई थी। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री सुनील बर्थवाल और भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव श्री राजेश अग्रवाल ने टी बोर्ड भारत शिविर का दौरा किया और हितधारकों के साथ बातचीत की। एक्सपो के दौरान, टी बोर्ड शिविर में निर्यातक घरेलू क्रेताओं के साथ-साथ यूएई, मिस्र, जापान, कतर, मलेशिया, इराक, बहरीन, ओमान, लेबनान, इथियोपिया, जर्मनी, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके आदि देशों के अंतर्राष्ट्रीय क्रेताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। इसके अतिरिक्त, भारतीय चाय के उत्कृष्ट स्वाद एवं विशेषता को प्रदर्शित करने के लिए चाय स्वाद लेने एवं प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

20 से 22 जनवरी, 2024 तक कोच्चि, केरल में आयोजित केरल प्लांटेशन एक्सपो 2024 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 20 से 22 जनवरी, 2024 तक कोच्चि के कलूर स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित केरल प्लांटेशन एक्सपो 2024 में भाग लिया। इस प्लांटेशन एक्सपो का आयोजन केरल सरकार के प्लांटेशन निदेशालय द्वारा किया गया था, जिसका उद्देश्य प्लांटेशन उत्पादों के विपणन को बढ़ावा

देना और प्लांटेशन क्षेत्र में केरल ब्रांड को मजबूत करना था। इस एक्सपो का उद्घाटन केरल सरकार के कानून, उद्योग एवं कॉयर मंत्री श्री पी. राजीव ने किया। केरल प्लांटेशन एक्सपो 2024 में टी बोर्ड के स्टॉल पर लघु चाय उत्पादकों ने अपनी चाय का प्रदर्शन किया।

25 जनवरी से 11 फरवरी, 2024 तक अगरतला में आयोजित 34वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेला 2024 में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने त्रिपुरा सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग द्वारा 25 जनवरी से 11 फरवरी, 2024 तक हापनिया अंतर्राष्ट्रीय मेला ग्राउंड, अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित 34वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेला 2024 में भाग लिया। त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा ने टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा किया और 34वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेले में प्रदर्शित चाय की किस्मों की सराहना की।

बाई-सेंटनरी असम टी इंटरनैश्नल कॉनफरेंस (बाटिक 2024) 29-30 जनवरी, 2024 को गुवाहाटी में आयोजित किया गया।

बाई-सेंटनरी असम टी इंटरनैश्नल कॉनफरेंस (बाटिक 2024) का आयोजन 29-30 जनवरी, 2024 को गुवाहाटी में किया गया। बाटिक 2024 का उद्घाटन असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य और पीई विभाग के माननीय मंत्री श्री बिमल बोरा ने किया। (बाटिक 2024) का आयोजन असम चाय उद्योग के 200 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में किया गया था, जिसका उद्देश्य असम चाय की समृद्ध विरासत का जश्न मनाना, उद्योग के रुझानों पर चर्चा करना, स्थिरता प्रथाओं को बढ़ावा देना और चाय क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में सरकारी अधिकारियों, उद्योग के नेताओं, शोधकर्ताओं और विश्व के विभिन्न चाय उत्पादक क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित प्रतिष्ठित गणमान्य लोगों ने भाग लिया। दो दिनों के दौरान, बाटिक 2024 ने वैश्विक चाय उद्योग से संबंधित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करते हुए पूर्ण सत्रों की एक श्रृंखला की मेजबानी की। जाने-माने विशेषज्ञों ने स्थायी कृषिकर्म के तरीकों, तकनीकी नवाचारों, बाजार की गतिशीलता और चाय की खपत के भविष्य जैसे विषयों पर मुख्य भाषण और प्रस्तुतियाँ दीं। आकर्षक पैनल चर्चाओं ने हितधारकों को चाय क्षेत्र के सामने आने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए एक मंच प्रदान किया। विषयों में जलवायु परिवर्तन लचीलापन और जैव विविधता संरक्षण से लेकर बाजार विविधीकरण रणनीतियों और निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं तक शामिल थे। सम्मेलन के साथ-साथ, एक प्रदर्शनी एवं व्यापार मेले में चाय उत्पादों, मशीनरी, उपकरण एवं सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई।

फ़रवरी 2024

17-19 फरवरी, 2024 तक कोलकाता में आयोजित हॉर्टी फूड फेस्टिवल में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने 17-19 फरवरी, 2024 तक नेताजी इंडोर स्टेडियम, कोलकाता में पश्चिम बंगाल सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी विभाग द्वारा आयोजित हॉर्टीफूड फेस्टिवल में भाग लिया। यह आयोजन बागवानी, खाद्य प्रसंस्करण एवं संबद्ध उद्योगों के क्षेत्रों में प्रगति को प्रदर्शित करने वाला एक निवेशक सम्मेलन सह प्रदर्शनी है। इस कार्यक्रम में व्यापार क्षेत्र, सरकारी अधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों, उद्योग के पेशेवरों के साथ/साथ आम आगंतुकों सहित विविध प्रकार के लोग शामिल हुए। टी बोर्ड के स्टॉल पर आने वाले आगंतुकों को भारतीय चाय की विभिन्न किस्मों जैसे दार्जिलिंग, असम, नीलगिरी, मसाला चाय, ग्रीन टी आदि का चाय का स्वाद एवं नमूने लेने का मौका मिला।

26-29 फरवरी, 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित भारत टेक्स 2024 में टी बोर्ड की भागीदारी

टी बोर्ड भारत ने भारत टेक्स 2024 में भाग लिया, जो भारत की प्रतिष्ठित हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए एक वैश्विक मंच है, जिसका आयोजन 26-29 फरवरी, 2024 तक नई दिल्ली में किया गया। 4 दिवसीय टेक्सटाइल इवेंट, भारत में आयोजित होने वाले सबसे बड़े वैश्विक टेक्सटाइल इवेंट्स में से एक है, जिसमें 50 देशों के 3000 से अधिक प्रदर्शकों ने टेक्सटाइल उत्पादों की विस्तृत रेंज प्रदर्शित की। टी बोर्ड भारत ने इस मेगा इवेंट के आगंतुकों के लिए चाय स्वाद एवं नमूने लेने की पहल का आयोजन किया। आगंतुकों ने दार्जिलिंग चाय,असम चाय, नीलगिरी चाय, सिक्किम चाय, हरी चाय, मसाला चाय, नींबू चाय, अदरक चाय, इलायची चाय आदि का नमूना लिया। टी बोर्ड के स्टॉल पर भारी भीड़ देखी गई और भारतीय चाय की विभिन्न प्रकार की पेय, रंग, स्वाद प्रोफाइल एवं मिश्रणों का अनुभव करने के लिए दिन के हर समय भीड़ उमड़ी।

मार्च 2024

ब्रांड के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "असम चाय" के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 1 मार्च से 7 मार्च, 2024 के दौरान वाराणसी, उत्तर प्रदेश में बी2सी रोड शो अभियान आयोजित किया जाएगा

2023 के दौरान 200 वर्ष की शानदार यात्रा पूरी करने वाली "असम चाय" के बारे में जागरूकता एवं जानकारी देने के लिए, टी बोर्ड भारत ने 1 मार्च से 7 मार्च, 2024 तक वाराणसी, उत्तर प्रदेश में 14 विभिन्न स्थानों पर बी2सी रोड शो-सह-मोबाइल वैन अभियान का आयोजन किया। इस अभियान में विभिन्न प्रकार की चाय जैसे ब्लैक ऑर्थोडॉक्स चाय, सीटीसी चाय, मसाला चाय, ग्रीन टी, विशेष चाय, हस्तनिर्मित चाय आदि के नमूने लेने के साथ-साथ एक क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन भी शामिल था।इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री रवींद्र जायसवाल, माननीय स्टांप, न्यायालय शुल्क एवं पंजीकरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1 मार्च, 2024 को वाराणसी के अस्सीघाट पर किया गया। माननीय मंत्री ने कहा कि असम और वाराणसी दोनों में कई समानताएं हैं और चाय उत्तर प्रदेश में सभी श्रेणियों के लोगों का सबसे पसंदीदा पेय है, जो आतिथ्य और सामाजिक जीवन से आंतरिक रूप से जुड़ा हुआ है। असम के पारंपरिक बिहू कलाकारों की एक टीम ने अपने मनमोहक प्रदर्शनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सांस्कृतिक प्रदर्शनों में बोरगीत, बिहू नृत्य और भोरताल नृत्य शामिल थे। मोबाइल वैन अभियान के लिए, कार्यक्रम के होर्डिंग्स, एलईडी वॉल, टी बोर्ड के बैकलिट लोगो आदि के साथ एक विशेष रूप से सजाई गई वैन तैयार की गई थी। उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद, माननीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अस्सीघाट से वैन को हरी झंडी दिखाई गई। उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद, माननीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अस्सीघाट से वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। वैन ने वाराणसी में 14 स्थानों पर घूमकर लोगों को असम चाय के विभिन्न प्रकार, किस्मों और मिश्रणों की सेवा दी। इस कार्यक्रम की परिकल्पना असम चाय के बारे में जागरूकता बढ़ाने और घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों, थोक विक्रेताओं, खुदरा स्टोरों, निर्यातकों एवं वाराणसी में बच्चों और युवाओं सहित आम जनता के बीच असम चाय की खपत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। प्रत्येक लक्षित स्थान से जबरदस्त प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुईं। बड़ी मात्रा में विक्रय हुई एवं हितधारकों से दीर्घकालिक व्यावसायिक संबंध स्थापित करने के लिए पूछताछ भी की गई। बड़ी संख्या में मीडिया ने भाग लिया एवं डिजिटल के साथ-साथ प्रिंट मीडिया के माध्यम से भी कार्यक्रम की रिपोर्टिंग की।

7-11 मार्च, 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित आहार - अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं आतिथ्य मेला में टी बोर्ड भारत की भागीदारी

चाय बोर्ड भारत ने भारत सरकार के प्रमुख व्यापार संवर्धन निकाय, भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित एक प्रमुख बी2बी कार्यक्रम, आहार - अंतर्राष्ट्रीय खाद्य एवं आतिथ्य मेले में 6 हितधारकों के साथ एक भारतीय चाय मंडप स्थापित करके भाग लिया। इस आयोजन का 38वां संस्करण 7-11 मार्च, 2024 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली के प्रतिष्ठित स्थल पर आयोजित किया गया था। प्रदर्शनी में विभिन्न श्रेणियों में विविध प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें कन्फेक्शनरी, बेकरी आइटम, मसाले, जैविक और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, पाक कला, आतिथ्य उपकरण शामिल थे, जिसमें 12 देशों की कंपनियों सहित 1600 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आहार 2024 ने भारत के आतिथ्य, खाद्य सेवा और खुदरा क्षेत्रों के 25,000 से अधिक व्यापारिक आगंतुकों को आकर्षित किया। टी बोर्ड भारत ने दार्जिलिंग, असम, नीलगिरि, कांगड़ा, सिक्किम, ग्रीन टी, मसाला चाय आदि विभिन्न प्रकार की चायों के लिए चाय के नमूने एवं चाय स्वाद लेने की गतिविधियों का आयोजन किया। इच्छुक आगंतुकों को विनियामक मुद्दों पर जानकारी दी गई तथा व्यापार को आसान बनाने की दिशा में की गई पहलों पर प्रकाश डाला गया।

11 एवं 12 मार्च, 2024 को अगरतला, त्रिपुरा में "क्रॉस कंट्री रेस" एवं "रन फॉर टी" का आयोजन किया गया।

टी बोर्ड भारत ने त्रिपुरा चाय विकास निगम के सहयोग से 11 एवं 12 मार्च, 2024 को अगरतला, त्रिपुरा में एक सफल संवर्धनात्मक कार्यक्रम - "क्रॉस कंट्री रेस" और "रन फॉर टी" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री टिंकू रॉय, माननीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री, त्रिपुरा सरकार एवं श्रीमती संताना चकमा, माननीय उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार ने किया। इस कार्यक्रम में एक हज़ार से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

अनुलग्नक-1

देश	2023-24					2022-23				
	मात्रा (मि.कि.ग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)	मूल्य (मि.यूएस$)	इकाई मूल्य (रु./किग्रा)	इकाई मूल्य ($/किग्रा)	मात्रा (मि.कि.ग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)	मूल्य (मि.यूएस $)	इकाई मूल्य (रु./किग्रा)	इकाई मूल्य ($/किग्रा
रूस	37.46	629.54	76.00	168.06	2.03	43.11	730.81	90.95	169.52	2.11
यूक्रेन	0.75	17.17	2.05	228.93	2.73	1.09	21.08	2.62	193.39	2.41
कजाकिस्तान	8.73	143.27	17.32	164.11	1.98	12.63	229.22	28.53	181.49	2.26
अन्य सीआईएस	2.84	56.63	6.85	199.40	2.41	1.79	44.55	5.54	248.88	3.10
कुल सीआईएस	**49.78**	**846.61**	**102.22**	**170.07**	**2.05**	**58.62**	**1025.66**	**127.64**	**174.97**	**9.87**
ग्रेटब्रिटेन	11.00	370.99	44.71	337.26	4.06	11.42	350.49	43.62	306.91	3.82
नीदरलैंड	2.93	128.17	15.49	437.44	5.29	2.60	113.32	14.10	435.85	5.42
जर्मनी	8.89	247.68	29.91	278.61	3.36	8.00	287.89	35.83	359.86	4.48
आयरलैंड	2.02	133.13	16.07	659.06	7.96	2.29	168.93	21.02	737.69	9.18
पोलैंड	4.82	99.94	12.07	207.34	2.50	5.74	128.78	16.03	224.36	2.79
यूएसए	13.83	568.87	68.67	411.33	4.97	12.56	556.68	69.28	443.22	5.52
कनाडा	2.71	115.80	13.99	427.31	5.16	2.14	96.61	12.02	451.45	5.62
यू.ए.ई	39.75	1080.83	130.32	271.91	3.28	42.44	1307.87	162.76	308.17	3.84
ईरान	7.15	208.48	25.17	291.58	3.52	16.51	492.89	61.34	298.54	3.72
सऊदी अरब	6.54	217.43	26.24	332.46	4.01	5.52	185.14	23.04	335.40	4.17
मिस्र(ए.आर.ई)	3.07	41.34	4.98	134.66	1.62	2.43	35.35	4.40	145.47	1.81
अफ़ग़ानिस्तान	2.05	40.28	4.87	196.49	2.38	1.10	21.72	2.70	197.45	2.46
बांग्लादेश	0.16	6.11	0.74	381.88	4.63	0.40	11.29	1.40	282.25	3.51
चीन	6.76	131.32	15.87	194.26	2.35	4.47	81.34	10.12	181.97	2.26
सिंगापुर	1.18	26.54	3.22	224.92	2.73	1.54	53.72	6.69	351.11	4.37
श्रीलंका	3.09	47.29	5.70	153.04	1.84	3.12	63.38	7.89	203.79	2.54
केन्या	1.35	26.42	3.19	195.70	2.36	0.50	10.24	1.27	204.60	2.55
जापान	3.06	151.73	18.33	495.85	5.99	2.90	156.58	19.49	539.93	6.72
इराक	41.80	725.66	87.63	173.60	2.10	14.90	272.45	33.90	182.85	2.28
तुर्की	6.90	190.34	23.01	275.86	3.33	2.97	82.11	10.22	276.46	3.44
ट्यूनीशिया	3.62	44.89	5.44	124.01	1.50	2.33	31.58	3.93	135.54	1.69
ऑस्ट्रेलिया	2.39	105.97	12.79	443.39	5.35	2.76	117.60	14.63	426.09	5.30
अन्य देश	25.88	920.56	111.16	355.70	4.30	21.14	734.19	90.46	347.30	4.28
कुल	**250.73**	**6476.38**	**781.79**	**258.30**	**3.12**	**228.40**	**6385.81**	**793.78**	**279.59**	**3.48**

फोटोग्राफ



जी-20 शेरपा बैठक कुमारकोम, केरल, 31 मार्च- 01 अप्रैल, 2023 में टी बोर्ड भारत शिविर का दौरा करते जी-20 प्रतिनिधि



जी-20 शेरपा बैठक कुमारकोम, केरल, 31 मार्च- 01 अप्रैल, 2023 में टी बोर्ड भारत शिविर का दौरा करते जी-20 प्रतिनिधि



जी-20 एम्पावर प्रदर्शनी त्रिवेंद्रम, केरल, 5-6 अप्रैल, 2023 में टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा करते हुए, जी-20 प्रतिनिधि



जी-20 एम्पावर प्रदर्शनी त्रिवेंद्रम, केरल, 5-6 अप्रैल, 2023 में टी बोर्ड भारत के स्टॉल का दौरा करते हुए, जी-20 प्रतिनिधि



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में 19-20 अप्रैल, 2023 को आयोजित जी20 अनुसंधान एवं नवाचार पहल सभा (आरआईआईजी) सम्मेलन में टी बोर्ड भारत



9 मई, 2023 को गोवा में भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी की तीसरी विकास कार्य समूह (डीडब्ल्यूजी) बैठक के अवसर पर टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी. सावंत।



9 मई, 2023 को गोवा में भारत की जी-20 प्रेसीडेंसी की तीसरी विकास कार्य समूह (डीडब्ल्यूजी) बैठक के अवसर पर टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर गोवा के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद पी. सावंत ।



विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए "असम चाय लोगो के 200 वर्ष" का अनावरण असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री - श्री बिमल बोरा, लोकसभा के माननीय सांसद - श्री होरेन सिंग बे, राज्यसभा के माननीय सांसद - श्री कामाख्या प्रसाद तासा एवं टी बोर्ड के उपाध्यक्ष - श्री सौरभ पहाड़ी द्वारा 21 मई 2023 को चौथे अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर किया जाएगा।



विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए "असम चाय लोगो के 200 वर्ष" का अनावरण असम सरकार के उद्योग, वाणिज्य एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री - श्री बिमल बोरा, लोकसभा के माननीय सांसद - श्री होरेन सिंग बे, राज्यसभा के माननीय सांसद - श्री कामाख्या प्रसाद तासा एवं टी बोर्ड के उपाध्यक्ष - श्री सौरभ पहाड़ी द्वारा 21 मई 2023 को चौथे अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर किया जाएगा।



अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस, 21 मई, 2023 के अवसर पर मोबाइल वैन प्रचार अभियान



जी20 द्वितीय टीआईडब्ल्यूजी बैठक बेंगलुरु, 24 मई, 2023 के दौरान टी बोर्ड भारत शिविर के अनुभव क्षेत्र में श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार, और श्री सोम प्रकाश, माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार



जी20 द्वितीय टीआईडब्लूजी बैठक बेंगलुरु, 23-25 मई, 2023 के दौरान अनुभव क्षेत्र में टी बोर्ड भारत शिविर में जी20 प्रतिनिधि



जी20 द्वितीय टीआईडब्लूजी बैठक बेंगलुरु, 23-25 मई, 2023 के दौरान अनुभव क्षेत्र में टी बोर्ड भारत शिविर में जी20 प्रतिनिधि



वालपराई ग्रीष्मोत्सव 2023 वालपराई, तमिलनाडु, 26-28 मई, 2023 में टी बोर्ड भारत का स्टॉल



तीसरे टीआईडब्ल्यूजी बैठक, एकता नगर (केवड़िया), गुजरात, 10-12 जुलाई, 2023, में भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री सुनील बर्थवाल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अपर सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया



तीसरे टीआईडब्ल्यूजी बैठक, एकता नगर (केवड़िया), गुजरात, 10-12 जुलाई, 2023, में भारतीय चाय अनुभव क्षेत्र में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री सुनील बर्थवाल



तीसरा टीआईडब्ल्यूजी सम्मेलन, एकता नगर (केवडिया), गुजरात, 10-12 जुलाई, 2023 के भारत चाय अनुभव क्षेत्र में, जी-20 प्रतिनिधि



स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, 2023 के अवसर पर जमीनी स्तर पर अभियान



गुवाहाटी हवाई अड्डे पर असम चाय उद्योग के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सामान्य संवर्धनात्मक अभियान



18 से 20 अगस्त 2023 को मणिराम दीवान व्यापार केंद्र, गुवाहाटी, असम में आयोजित 'भारत जैविक एवं बागवानी एक्सपो - 2023 और समवर्ती शो 'सशक्त भारत - 2023' में टी बोर्ड की भागीदारी



चौथी टीआईडब्ल्यूजी बैठक जयपुर, 23 गस्त, 2023 के अवसर पर टी बोर्ड भारत शिविर में, श्री पीयूष गोयल, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री, भारत सरकार और श्री ओलिवियर बेच्ट, विदेश व्यापार, आर्थिक आकर्षण एवं विदेश में फ्रांसीसी नागरिकों के लिए मंत्री प्रतिनिधि, फ्रांस सरकार,



चौथे टीआईडब्ल्यूजी और टीआईएमएम जयपुर, 23-25 अगस्त, 2023 के अवसर पर टी बोर्ड भारत शिविर में जी20 प्रतिनिधि,



चौथे टीआईडब्ल्यूजी एवं टीआईएमएम, जयपुर 24 अगस्त, 2023 के अनुभव क्षेत्र में टी बोर्ड भारत शिविर में, श्री सुनील बर्थवाल, सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार



विश्व कॉफी सम्मेलन एवं एक्सपो, बेंगलुरु, 25-28 सितंबर, 2023 में भारत चाय शिविर



5वें विश्व कॉफी सम्मेलन एवं एक्सपो, बेंगलुरु, 28 सितंबर, 2023 के भारत चाय शिविर में श्री अमरदीप सिंह भाटिया, अपर सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार,



वर्ल्ड फूड इंडिया नई दिल्ली, 3 नवंबर, 2023 के भारत चाय शिविर में जापानी प्रतिनिधि



4 नवंबर, 2023, को नई दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया में टी बोर्ड भारत शिविर में श्री अमरदीप सिंह भाटिया, अपर सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, आयातकों और निर्यातकों के साथ बातचीत करते हुए



3 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में वर्ल्ड फूड इंडिया में टी बोर्ड भारत शिविर में श्री राजेश अग्रवाल, अपर सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, निर्यातकों से बातचीत करते हुए



3 नवंबर, 2023 को वर्ल्ड फूड इंडिया, नई दिल्ली में टी बोर्ड भारत शिविर में श्री सौरभ पहाड़ी, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत, आयातकों और निर्यातकों के साथ बातचीत करते हुए



5 नवंबर, 2023 को वर्ल्ड फूड इंडिया, नई दिल्ली में टी बोर्ड भारत शिविर में श्री नीरज गाबा, निदेशक (रोपण), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार,निर्यातकों के साथ बातचीत करते हुए



क्रेता सुरक्षा मेला, सिलीगुड़ी, में 2 दिसंबर, 2023 को टी बोर्ड भारत स्टॉल पर श्री बिप्लब मित्रा, माननीय उपभोक्ता मामले मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार,



7-9 दिसंबर, 2023 को आयोजित एसआईएएल इंडिया, नई दिल्ली में टी बोर्ड भारत का स्टॉल



16 दिसंबर, 2023 को 8वें असम अंतर्राष्ट्रीय कृषि बागवानी शो गुवाहाटी, में टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा, असम के माननीय मुख्यमंत्री,



असम चाय उद्योग के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में दिसंबर 2023 के दौरान गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर एलईडी पैनल पर बैनर एवं संवर्धनात्मक फिल्मों के माध्यम से असम चाय के लिए सामान्य संवर्धनात्मक अभियान चलाया जाएगा।



5 जनवरी, 2024 को पूपपोली 2024 में टी बोर्ड भारत का स्टॉल। पूपपोली 2024 एक पुष्प महोत्सव है जो 1-15 जनवरी, 2024 तक केरल के वायनाड जिले के अंबालावायल में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में आयोजित किया गया।



5 जनवरी, 2024 को पूपपोली 2024 में टी बोर्ड भारत स्टॉल पर श्री पी. प्रसाद (सबसे दाएं), माननीय कृषि मंत्री, केरल सरकार। पूपपोली 2024 एक पुष्प महोत्सव है जो 1-15 जनवरी, 2024 तक केरल के वायनाड जिले के अंबालावायल में क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र में आयोजित किया गया।



8-10 जनवरी, 2024 को इंडस फूड 2024 ग्रेटर नोएडा में टी बोर्ड भारत शिविर



केरल सरकार के बागान निदेशालय द्वारा 20-22 जनवरी, 2024 तक कोच्चि, केरल में आयोजित केरल बागान एक्सपो 2024 में टी बोर्ड की भागीदारी



28 जनवरी, 2024 को 34वें त्रिपुरा उद्योग एवं वाणिज्य मेले में टी बोर्ड भारत के स्टॉल पर डॉ. माणिक साहा, माननीय मुख्यमंत्री, त्रिपुरा



29 जनवरी, 2024 को बाई-सेंटनरी असम टी इंटरनैश्नल कॉनफरेंस (बाटिक 2024), गुवाहाटी में श्रोताओं को संबोधित करते हुए श्री बिमल बोरा, माननीय मंत्री, उद्योग, वाणिज्य एवं पीई विभाग, असम सरकार,



29 जनवरी, 2024 को बाई-सेंटनरी असम टी इंटरनैश्नल कॉनफरेंस (बाटिक 2024), गुवाहाटी में श्रोताओं को संबोधित करते हुए श्री सौरभ पहाड़ी, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत



29 जनवरी, 2024 को बाई-सेंटनरी असम टी इंटरनैश्नल कॉनफरेंस (बाटिक 2024), गुवाहाटी में श्रोताओं को संबोधित करते हुए श्री सौरभ पहाड़ी, उपाध्यक्ष, टी बोर्ड भारत



29-30 जनवरी, 2024 को बाई-सेंटनरी असम टी इंटरनैश्नल कॉनफरेंस (बाटिक 2024), गुवाहाटी



पश्चिम बंगाल सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी विभाग द्वारा 17-19 फरवरी, 2024 तक कोलकाता में आयोजित हॉर्टी फूड फेस्टिवल में टी बोर्ड भारत,



पश्चिम बंगाल सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी विभाग द्वारा 17-19 फरवरी, 2024 तक कोलकाता में आयोजित हॉर्टी फूड फेस्टिवल में टी बोर्ड भारत,



श्री रविन्द्र जायसवाल, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क, पंजीकरण, उत्तर प्रदेश सरकार, 01-03-2024 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश में टी बोर्ड भारत द्वारा आयोजित 200 वर्ष के असम चाय पर रोड शो (बी2सी अभियान) को हरी झंडी दिखाते हुए।



01-03-2024 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश में टी बोर्ड भारत द्वारा असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रोड शो (बी2सी अभियान) के उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक भव्यता

अध्याय-7

अनुज्ञापन

7.1 भूमिका -:

अनुज्ञापन शाखा बोर्ड की एक महत्वपूर्ण शाखा है, जो भारत सरकार द्वारा जारी किए गए वैधानिक एवं विनियामक निदेशों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करती है। यह चाय उद्योग के लिए आवश्यक अनुज्ञापन गतिविधियों की एक श्रृंखला की देखरेख करती है, जिसमें हितधारकों को अनुज्ञापन जारी करना, विनियामक नीतियां तैयार करना, नियंत्रण आदेशों में संशोधन करना और विभिन्न अनुज्ञापन जारी करने के लिए दिशानिदेश तैयार करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, शाखा केंद्र सरकार एवं टी बोर्ड के निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु हितधारक गतिविधियों की निगरानी और विनियमन करती है। यह नीलामी प्रणाली की देखरेख भी करती है, निर्यात और आयात गुणवत्ता की निगरानी करती है एवं चाय व्यापार के लिए महत्वपूर्ण अन्य पहलुओं का प्रबंधन करती है।

7.2 नियामक प्रावधान: -

चाय अधिनियम की धारा 30 की उप-धारा (3) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित निम्नलिखित वैधानिक प्रावधान अनुज्ञापन और नियामक गतिविधियों के संपूर्ण स्पेक्ट्रम को नियंत्रित करते हैं: -

1. **चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003**
2. **चाय (वितरण और निर्यात) नियंत्रण आदेश,2005**
3. **चाय अपशिष्ट (नियंत्रण) आदेश, 1959**
4. **चाय भंडारण (अनुज्ञापन) आदेश, 1989**

7.2.1 ऑनलाइन अनुज्ञापन प्रणाली की शुरूआत:

अप्रैल 2018 से, बोर्ड ने विभिन्न नियंत्रण आदेशों द्वारा शासित सभी प्रकार के लाइसेंसिंग आवेदनों को जारी करने एवं नवीनीकरण के लिए एक ऑनलाइन अनुज्ञापन प्रणाली लागू की है। यह प्रणाली अनुज्ञापन आवेदनों की हार्ड कॉपी जमा करने की पिछली मैन्युअल प्रक्रिया को एक बेहतर और पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया से बदल देती है। आवेदनों का समय पर प्रसंस्करण, ऑनलाइन स्थिति ट्रैकिंग और अनुज्ञापन मामलों को निपटाने की दक्षता में सुधार जैसे लाभों में शामिल है।

7.2.2 जारी अनुज्ञापनासें का विवरण: -

वित्तीय अवधि 2023-24 के लिए देश में जारी अनुज्ञापनों की संख्या और उत्पन्न राजस्व की मात्रा नीचे तालिका में दी गई है: क्र. सं.

क्र. सं.	नियंत्रण आदेश	अनुज्ञापन/पंजीकरण की प्रकृति	जारी किए गए अनुज्ञापन/पंजीकरण/प्रमाणपत्रों की संख्या
1	चाय विपणन (नियंत्रण) आदेश,2003	विनिर्माण इकाइयों को एनओसी	151 (90 नये और 61 संशोधित)
		विनिर्माण इकाइयों का पंजीकरण	127 (70 नये और 57
		क्रेता पंजीकरण	230 (208नये और 22
		ब्रोकर अनुज्ञापन	22 (1 नया और 21
	चाय विपणन (नियंत्रण) आदेश, 2003	नीलामी आयोजक अनुज्ञापन	8 (1 नये और 7 संशोधित)
		मिनी चाय फैक्ट्री को प्रमाण पत्र	13 (नये)
2	चाय वितरण (नियंत्रण) आदेश, 2005	निर्यातक अनुज्ञापन	783 (644 नये और 124 नवीकरण, 1 स्थायी और 14 संशोधन)
		वितरक अनुज्ञापन	18 (16 नये और 2 संशोधन)
3	चाय अपशिष्ट (नियंत्रण) आदेश, 1959	चाय अपशिष्ट अनुज्ञापन	447 (209 नये और 190 नवीकरण और 48 संशोधन)
4	चाय भंडारण नियंत्रण आदेश, 1989	चाय भांडागार अनुज्ञापन	122 (54 नये और 59 नवीकरण और 9 संशोधन)
5	स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी जीएसआर 694 (ई) दिनांक	फ्लेवर चाय निर्माता का पंजीकरण	84 (61 नये और 23 संशोधन)
6	विदेश व्यापार नीति, भारत सरका	पंजीकरण सह सदस्यता प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)	240 (170 नये और 67 नवीकरण और 3 संशोधन)
7	चाय अधिनियम	पंजीकृत सम्पदा के स्वामित्व में परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	37
		पंजीकृत फ़ैक्ट्रियों के स्वामित्व में परिवर्तन की रिकॉर्डिंग	55
		बागान पंजीकरण	48
		कुल	**2385**

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अनुज्ञापन शुल्क और पंजीकरण शुल्क के रूप में कुल 3,52,06,700/- रुपये (जीएसटी को छोड़कर) राजस्व एकत्र किया गया है।

7.3 नमूनाकरण गतिविधि: -

चाय की गुणवत्ता में सुधार के लिए, टी बोर्ड नियमित अंतराल पर विभिन्न विनिर्माण इकाइयों/भांडागारों का दौरा और निरीक्षण करता है और चाय की गुणवत्ता की जांच करने के लिए चाय के नमूने एकत्र करता है। अव-मानक (घटिया) चाय पाए जाने पर, टी बोर्ड द्वारा उसे बाजार में बेचने की अनुमति नहीं दी जाती है, जिससे उद्योग में कड़े गुणवत्ता नियंत्रण उपाय बनाए रखे जाते हैं। भारत में उत्पादित एवं विदेशों से आयातित चाय से वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान लिए गए नमूनों का विवरण नीचे दिया गया है: -

7.3.1 घरेलू उत्पादन से लिए गए नमूने: -

लिए गए नमूनों की सं.	एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला को भेजे गए नमूनों की सं.	प्राप्त परीक्षण रिपोर्टों की सं.	एफएसएसएआई मापदंडों का पालन करने में विफल नमूनों की सं.	नष्ट की गई चाय की मात्रा (किलोग्राम में)
391	391	322	221	55198

7.3.2 आयात खेप से लिए गए नमूने: -

घरेलू उत्पादन से नमूने लेने के अलावा, टी बोर्ड परीक्षण के लिए नमूने एकत्र करके आयातित चाय का निरीक्षण भी करता है। परीक्षण के बाद, यदि कोई नमूना एफएसएसएआई मापदंडों के अनुरूप नहीं पाया जाता है, तो बोर्ड द्वारा चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2023 में निहित प्रावधानों के अनुसार संबंधित चाय को नष्ट कर दिया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि केवल एफएसएसएआई- अनुपालन वाली चाय ही भारतीय बाजार में प्रवेश करे, जो गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को बनाए रखे। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, बोर्ड ने आयातित चाय संबंधित मुख्य रूप से नेपाल चाय के नमूने एकत्र किए थे और उनका विवरण इस प्रकार है: -

निर्यातक देश का नाम	आयातित चाय से लिए गए नमूनों की सं.	एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला को भेजे गए नमूनों की सं.	प्राप्त परीक्षण रिपोर्टों की सं.	एफएसएसएआई मापदंडों का पालन करने में विफल नमूनों की सं.	नष्ट की गई चाय की मात्रा (किलोग्राम में)
नेपाल	15	15	14	8	25631
श्रीलंका	1	1	1	0	अनुपलब्ध

7.4 ई-नीलामी: -

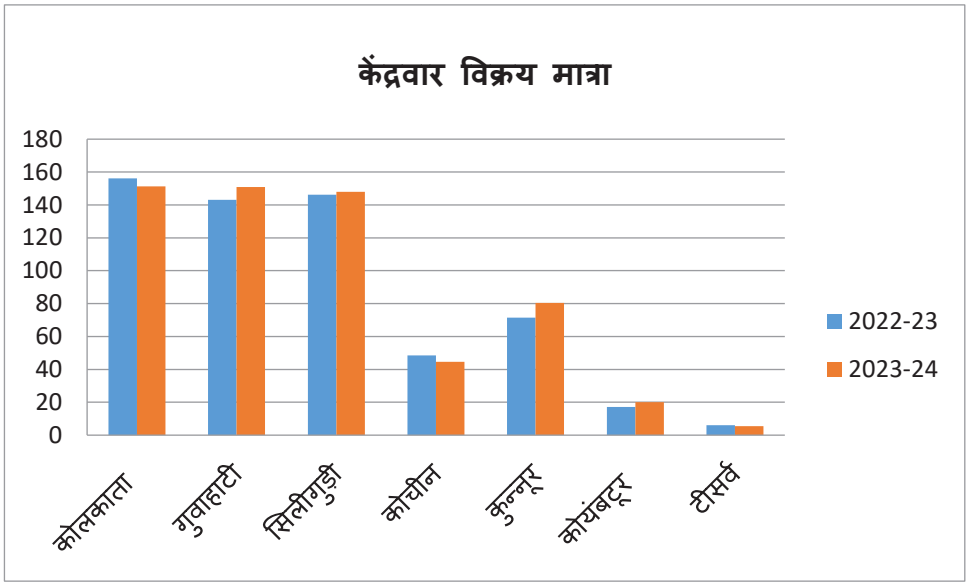
चाय की नीलामी, उत्पादित चाय को उचित मूल्य की प्राप्ति के लिए प्रतिस्पर्धी तरीके से विभिन्न क्रेताओं के बीच बेचने का एक साधन है। 1861 में कलकत्ता में स्थापित पहले चाय नीलामी केंद्र के बाद, एक सदी से भी अधिक समय से भारत में चाय के प्राथमिक विपणन के मुख्य साधन के रूप में सार्वजनिक चाय नीलामी ने हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सार्वजनिक चाय नीलामी में विशेष रूप से थोक, खुली चाय के पैकेजों का ही प्रबंध किया जाता है, जिसमें नीलामी आयोजकों, चाय उत्पादकों (विक्रेताओं), नीलामीकर्ताओं/ ब्रोकरों, क्रेताओं

एवं भांडागार सहित पंजीकृत हितधारक शामिल होते हैं। सभी हितधारक टी बोर्ड के साथ पंजीकृत हैं, जो एक पारदर्शी और विनियमित प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।

देश में सात (07) पंजीकृत नीलामी केंद्र हैं, जैसे कोलकाता, सिलीगुड़ी, गुवाहाटी, कुन्नूर, कोचीन, कोयंबटूर और टी सर्व, जहाँ नीलामी वर्तमान में पैन इंडिया ई-एक्शन मॉडल के तहत चाय बोर्ड द्वारा प्रदान किए गए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से की जा रही है। इसके अतिरिक्त, जोरहाट ई-मार्केटप्लेस, एक अग्रणी नीलामी मंच, जून 2020 में लॉन्च किया गया था, जो जोरहाट नीलामी नियमों (2023 में संशोधित) द्वारा शासित है।

गत दो वित्तीय वर्षों के दौरान पैन इंडिया मॉड्यूल के साथ-साथ जोरहाट ई-मार्केटप्लेस के तहत ई-नीलामी के माध्यम से विक्रय एवं क्रय की गई चाय की मात्रा निम्नानुसार है:

नीलामी केंद्र	**अप्रैल 2022 से मार्च 2023**		**अप्रैल 2023 से मार्च 2024**	
	मात्रा (मि.कि.ग्रा)	**मूल्य (रुपया/कि.ग्रा)**	**मात्रा (मि.कि.ग्रा)**	**मूल्य (रुपया/ कि. ग्रा)**
कोलकाता पत्ती	123.33	236.65	117.12	207.70
कोलकाता अपशिष्ट	32.89	217.31	34.17	198.50
कुल कोलकाता	**156.22**	**232.58**	**151.28**	**205.62**
गुवाहाटी पत्ती	104.60	190.77	109.02	186.87
गुवाहाटी अपशिष्ट	38.46	192.03	41.96	179.16
कुल गुवाहाटी	**143.07**	**191.11**	**150.98**	**184.73**
सिलीगुड़ी पत्ती	130.35	176.62	131.76	161.41
सिलीगुड़ी अपशिष्ट	15.88	175.84	16.30	156.67
कुल सिलीगुड़ी	**146.23**	**176.53**	**148.06**	**160.89**
कोचीन पत्ती	13.03	164.63	10.96	143.22
कोचीन अपशिष्ट	35.42	137.33	33.67	133.97
कुल कोचीन	**48.44**	**144.67**	**44.62**	**136.24**
कुन्नूर पत्ती	53.18	97.28	60.92	95.17
कुन्नूर अपशिष्ट	18.33	103.62	19.55	99.37
कुल कुन्नूर	**71.52**	**98.91**	**80.48**	**96.19**
कोयंबटूर पत्ती	7.33	102.45	8.21	97.23
कोयंबटूर अपशिष्ट	9.75	117.93	11.89	114.91
कुल कोयंबटूर	**17.08**	**111.29**	**20.10**	**107.68**
टीसर्व पत्ती	2.93	83.61	2.97	85.67
टीसर्व अपशिष्ट	3.08	92.39	2.52	89.28
कुल टीसर्व	**6.01**	**88.11**	**5.49**	**87.33**
जोरहाट ई-मार्केटप्लेस पत्ती	0.22	172.44	0.27	165.82
जोरहाट ई-मार्केटप्लेस अपशिष्ट	0.07	150.60	0.09	147.23
कुल जोरहाट ई-मार्केटप्लेस	**0.29**	**166.81**	**0.36**	**161.28**
कुल योग	**588.85**	**180.09**	**601.72**	**165.08**



31 मार्च, 2024 (वित्त वर्ष 2023-24) तक, टी बोर्ड द्वारा बिक्री के बाद के लेन-देन से 4.79 करोड़ रुपये (कर सहित) की राशि एकत्र की गई है।

विशेष चाय नीलामी:- अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस 2023 के अवसर पर, टी बोर्ड ने उच्च गुणवत्ता वाली चाय की पत्तियों की विशेष तुड़ाई का आयोजन किया, जिसकी नीलामी 19 जून, 2023 को की गई। इस विशेष नीलामी सत्र के दौरान कुल 21,568.40 किलोग्राम चाय विक्रय की गई, जिसका औसत मूल्य 317.32 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। इस सत्र के दौरान सबसे अधिक मूल्य 40,002.00 रुपये प्रति किलोग्राम रही। देश के सभी सात नीलामी केंद्रों, यानी कोलकाता, गुवाहाटी, सिलीगुड़ी, कुन्नूर, कोयंबटूर, कोचीन और टीसर्व-कुन्नूर केंद्र के साथ-साथ जोरहाट नीलामी केंद्र ने विशेष नीलामी में भाग लिया। इस आयोजन ने चाय की गुणवत्ता और व्यापार का एक महत्वपूर्ण उत्सव मनाया, जिसमें भारतीय चाय उत्पादन की विविधता और उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया गया।

7.5 नई पहल:-

- **नीलामी प्रणाली की समीक्षा:-** टी बोर्ड ने ई-नीलामी प्रणाली की समीक्षा के लिए एक विशेषज्ञ नीलामी समिति गठित की है, ताकि वर्तमान बाजार संभावनाओं के मद्देनजर ई-नीलामी प्रणाली के विभिन्न पहलुओं की प्रासंगिकता का आकलन किया जा सके। समिति ने भारत के विभिन्न चाय उत्पादक क्षेत्रों में हितधारकों से परामर्श लिया है, तथा बहुमूल्य जानकारी एकत्र की है। नीलामी प्रणाली में संभावित सुधारों के लिए सिफारिशें प्रदान करते हुए रिपोर्ट मई 2024 तक प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है।

- **मूल्य साझाकरण फॉर्मूला (पीएसएफ) पर अध्ययन:-** लघु उत्पादकों को उचित मूल्य प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए, टी बोर्ड ने वर्ष 2004 में चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003 के प्रावधानों के तहत

मूल्य साझाकरण फॉर्मूला (पीएसएफ) पेश किया। तब से पीएसएफ को बदलती कृषि-जलवायु परिस्थितियों एवं सामाजिक-आर्थिक कारकों के साथ संरेखित करने के लिए समय-समय पर संशोधित किया गया है। वर्तमान गतिशीलता को पहचानते हुए, बोर्ड ने लघु चाय उत्पादकों के क्षेत्र में चाय पत्ती उत्पादन की लागत और चाय फैक्ट्रिसों में बनी चाय की विनिर्माण लागत जैसे प्रमुख पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए मूल्य साझाकरण फॉर्मूला (पीएसएफ) के निर्धारण पर एक नया अध्ययन करने के लिए मेसर्स बीडीओ इंडिया एलएलपी को नियुक्त किया है। मेसर्स बीडीओ इंडिया एलएलपी ने मार्च 2024 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- बाजार में एफएसएसएआई अनुरूप चाय की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एफएसएसएआई, सीमा शुल्क और टी बोर्ड के साथ सहयोगात्मक प्रयास किए गए हैं: -

  - नमूना परीक्षण बढ़ाने के लिए एफएसएसएआई के साथ टी बोर्ड द्वारा संयुक्त निरीक्षण और नमूना लेना,

  - चाय बागान मालिकों को चाय उत्पादन में प्रतिबंधित रसायनों का उपयोग बंद करने की सलाह जारी की गई।

  - सीमा शुल्क द्वारा नमूना परीक्षण से संबंधित डेटा को टी बोर्ड और एफएसएसएआई के साथ साझा करने के लिए एक क्रियाविधि स्थापित करना,

- तीन माह की अवधि में उत्तर भारत में 100% अपशिष्ट श्रेणी चाय की नीलामी करने की पहल की गई है। भारत सरकार ने इस पहल के संबंध में राजपत्र अधिसूचना सं. एस.ओ. 854(ई) दिनांक 23.02.2024 जारी की है, जिसका उद्देश्य पारदर्शी माध्यमों से उचित मूल्य की अन्वेषण सुनिश्चित करना है।

- इलेक्ट्रॉनिक नीलामी प्रणाली का उन्नयन, जिसके लिए एक वेब-आधारित एप्लीकेशन तैयार किया जा रहा है। यह वर्तमान में मॉक/परीक्षण चरण में है। सफल मॉक के बाद, वेब-आधारित एप्लीकेशन जल्द ही लॉन्च किया जाएगा।



01-03-2024 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश में टी बोर्ड भारत द्वारा असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रोड शो (बी2सी अभियान) के उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक भव्यता



01-03-2024 को वाराणसी, उत्तर प्रदेश में टी बोर्ड भारत द्वारा असम चाय के 200 वर्ष पूरे होने पर आयोजित रोड शो (बी2सी अभियान) के उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक भव्यता



त्रिपुरा चाय विकास निगम के सहयोग से टी बोर्ड भारत द्वारा 11 एवं 12 मार्च, 2024 को अगरतला, त्रिपुरा में "क्रॉस कंट्री रेस" और "रन फॉर टी" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री टिंकू रॉय, माननीय खेल एवं युवा मामले मंत्री, त्रिपुरा सरकार और श्रीमती संताना चकमा, माननीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार द्वारा किया गया।



त्रिपुरा चाय विकास निगम के सहयोग से टी बोर्ड इंडिया द्वारा 11 एवं 12 मार्च, 2024 को अगरतला, त्रिपुरा में "क्रॉस कंट्री रेस" और "रन फॉर टी" का आयोजन किया गया।

अध्याय-8

सांख्यिकी

प्रस्तावनाः

टी बोर्ड की सांख्यिकी शाखा का प्राथमिक कार्य चाय उद्योग के सभी पहलुओं से संबंधित सांख्यिकीय जानकारी एकत्र करना और प्रसारित करना है, जिसमें खेती के तहत क्षेत्र, उत्पादन, उत्पादकता, देश में उत्पादित चाय के प्रकार, प्राथमिक बाजार मूल्य, निर्यात चाय पर निर्यात का गंतव्य और चाय बागानों में कार्यरत श्रमिक आदि शामिल हैं। ऐसी जानकारी बोर्ड, सरकार और उद्योग के नीतिगत मामलों के लिए महत्वपूर्ण इनपुट बनती है।

सांख्यिकीय सूचना का प्रसार:

साप्ताहिक नीलामी कीमतों, मासिक उत्पादन और निर्यात डेटा की जानकारी बोर्ड की वेबसाइट - www.teaboard.gov.in पर व्यापार, उद्योग, अनुसंधान विद्वानों आदि के लिए सार्वजनिक डोमेन में प्रसारित की जाती है।

चाय मूल्यों का अनुवीक्षण:

सांख्यिकी शाखा क्रमशः वृक्षारोपण फसलों के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के निर्माण के संबंध में वाणिज्य मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय को नीलामी कीमतों पर आवश्यक जानकारी प्रदान कर रही है। सांख्यिकी शाखा द्वारा विभिन्न शहरों/कस्बों में चाय की खुदरा कीमत भी संकलित की जा रही है।

कर एवं शुल्क:

उत्पाद शुल्क: इंस्टैंट चाय पर 12.5 प्रतिशत यथा मूल्य जो शीर्ष 2101.2010 के तहत आता है।

निर्यात शुल्क : शून्य

आयात शुल्क: पुनः निर्यात के उद्देश्य से निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों द्वारा आयातित चाय पर शून्य। तथापि, घरेलू बाजारों के लिए आयातित चाय पर 100% का मूल आयात शुल्क तथा 10% अधिभार तथा मूल शुल्क और अधिभार पर 4% का विशेष अतिरिक्त शुल्क लगेगा (1 मार्च, 2002 से)। प्रति कैलेंडर वर्ष 15 मिलियन किलोग्राम तक की मात्रा के लिए श्रीलंका से आयात पर 7.5% की रियायती दर पर मूल शुल्क तथा अन्य सामान्य अधिभार लागू होते हैं।

वियतनाम, इंडोनेशिया आदि आसियान देशों से चाय पर सीमा शुल्क आसियान समझौते के अंतर्गत आता है तथा वर्तमान में यह 45% है। नेपाल से भारत में आयातित चाय पर कोई आयात शुल्क नहीं लगाया जाता है, ऐसे आयात पर केवल 5% आईजीएसटी लगाया जाता है।

उत्पाद एवं सेवा कर :

चाय पर वर्तमान जीएसटी दर 5% है अर्थात् 2.5% सीजीएसटी+2.5%एसजीएसटी । अन्तर्प्रदेशीय पूर्ति के क्षेत्र में, चाय पर आईजीएसटी की दर 5% है ।

वर्ष 2023-24 के दौरान चाय उद्योग व व्यापार की स्थिति

उत्पादन:

2023-24 के दौरान भारत में चाय का उत्पादन 1382.03 मिलियन किलोग्राम होगा, जो 2022-23 की तुलना में 7.06 मिलियन किलोग्राम अधिक है।

प्रमुख चाय उत्पादक राज्य असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल कुल चाय उत्पादन में 97.09% का योगदान करते हैं, जबकि शेष उत्पादन अन्य राज्यों में होता है। कुल चाय उत्पादन में सीटीसी का योगदान 90% है, जबकि ऑर्थोडॉक्स और ग्रीन टी का योगदान लगभग 10% है।

संगठित क्षेत्र:

वहां 1567 चाय बागान थे। इस क्षेत्र में 931 विनिर्माण इकाइयां स्थापित हैं। 2023-24 के दौरान उत्पादन में संगठित क्षेत्र की हिस्सेदारी 47% रहने का अनुमान है।

लघु चाय उत्पादक:

लघु उत्पादकों की गणना एक सतत प्रक्रिया है। 31.03.2024 **तक**, **लघु चाय उत्पादकों की संख्या 247887 है ।** कुल चाय उत्पादन में लघु उत्पादकों का योगदान साल दर साल बढ़ रहा है। वर्ष 2023-24 के दौरान उत्पादन में छोटे उत्पादकों की हिस्सेदारी 53% रहने का अनुमान है।

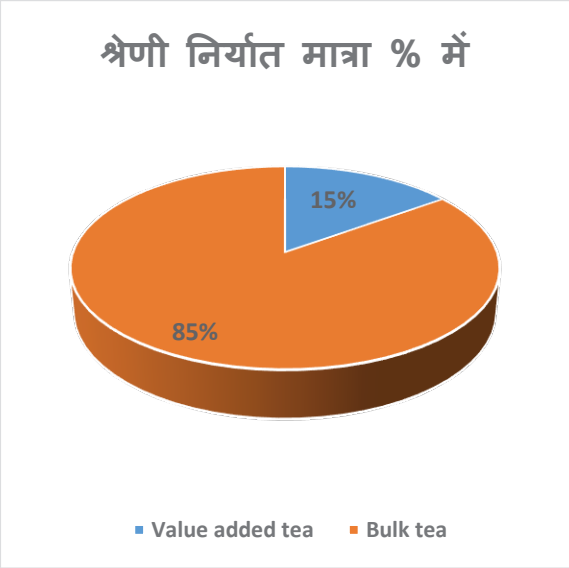
निर्यातः

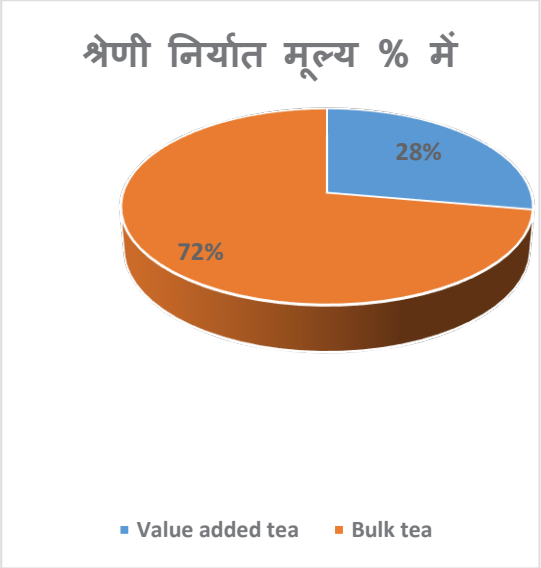
2023-24 के दौरान चाय का निर्यात 250.73 मिलियन किलोग्राम था, जिसका मूल्य 6476.38 करोड़ रुपये था। मात्रा में यह 22.33 मिलियन किलोग्राम और मूल्य में 90.57 करोड़ रुपये अधिक था, लेकिन इकाई मूल्य प्राप्ति में 21.29 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी आई।

भारत से चाय का निर्यात

वर्ष	मात्रा (मि.कि.ग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)	इकाई मूल्य (रु/किग्रा)	थोक चाय		**मूल्यवर्धक चाय**	
				मात्रा(मि.कि.ग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)	मात्रा(मि.कि.ग्रा)	मूल्य (रु.करोड़)
2022-23	228.40	6385.81	279.59	197.66	4707.91	30.74	1677.90
2023-24	250.73	6476.38	258.30	213.02	4679.79	37.71	1796.59

यह देखा गया है कि 2023-24 के दौरान कुल निर्यात का लगभग 15% मूल्य-वर्धित रूप (पैकेट चाय, चाय बैग और इंस्टेंट चाय) में होगा, जबकि शेष निर्यात थोक रूप में किया जाएगा।





भारत में चाय का आयात

वर्ष 2023-24 के दौरान चाय का आयात 22.97 मिलियन किलोग्राम होगा, जिसका सीआईएफ मूल्य 336.71 करोड़ रुपये होगा, जबकि पिछले वर्ष 29.12 मिलियन किलोग्राम था, जिसका सीआईएफ मूल्य 427.99 करोड़ रुपये था।

नीलामी में चाय मूल्य

रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान देश में उत्पादित कुल चाय का लगभग 42% सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से बेचा गया, शेष अन्य तरीकों से बेचा गया।

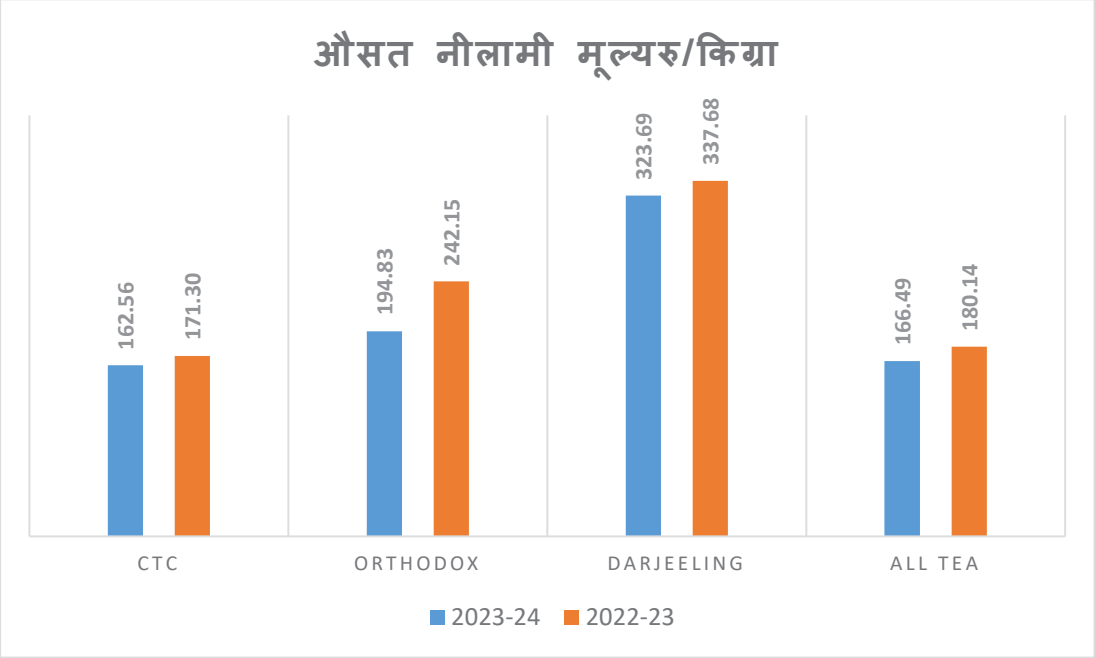
वर्ष	उत्तर भारत		दक्षिण भारत		अखिल भारत	
	मात्रा (मि. किग्रा)	औसत मूल्य (रु/किग्रा)	मात्रा (मि. किग्रा)	औसत मूल्य (रु/किग्रा)	मात्रा (मि. किग्रा)	औसत मूल्य (रु/किग्रा)
2022-23	445.81	200.91	143.05	115.43	588.86	180.14
2023-24	428.36	186.82	152.85	109.51	581.21	166.49

2023-24 के दौरान उत्तर भारत में सार्वजनिक नीलामी में विक्रय की गई मात्रा में गिरावट आई, लेकिन दक्षिण भारत के नीलामी केंद्रों में इसमें सुधार हुआ। गत वर्ष की तुलना में उत्तर भारत की नीलामी में औसत कीमत में 14.09 रुपये प्रति किलोग्राम (7.01%) की कमी आई और दक्षिण भारत की नीलामी में औसत कीमत में 5.92 रुपये प्रति किलोग्राम (5.13%) की कमी आई। 2023-24 के दौरान अखिल भारतीय

नीलामी में औसत कीमत में 2022-23 की तुलना में 13.65 रुपये प्रति किलोग्राम 7.58%) की गिरावट आई।

2022-23 की तुलना में 2023-24 के दौरान श्रेणीवार मूल्य नीचे दिए गए हैं जो दर्शाता है कि सभी श्रेणियों की औसत नीलामी कीमतों में कमी आई है।

श्रेणी	2023-24 मूल्य (रु/किग्रा)	2022-23 मूल्य (रु/किग्रा)	वृद्धि / गिरावट मूल्य (रु/किग्रा)
सीटीसी	162.56	171.30	-8.74
अर्थोडॉक्स	194.83	242.15	-47.32
दार्जिलिंग	323.69	337.68	-13.99
सभी चाय	166.49	180.14	-13.65



घरेलू प्रतिधारण:

वर्ष 2023-24 के लिए चाय का स्पष्ट घरेलू प्रतिधारण लगभग 1154 मिलियन किलोग्राम था, जबकि 2022-23 में यह 1176 मिलियन किलोग्राम था।

अध्याय: 9

मानव संसाधन विकास

(लघु चाय उत्पादकों के आश्रितों-श्रमिकों का कल्याण)

1. परिचय

श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के लिए बेहतर कार्य स्थितियों को सुनिश्चित करने तथा सुविधाओं एवं प्रोत्साहनों में सुधार के लिए कल्याणकारी उपायों का समर्थन करना, टी बोर्ड के उद्देश्यों एवं कार्यों में से एक है, जैसा कि चाय अधिनियम, 1953 में निर्दिष्ट है। चूंकि देश में चाय बागान श्रमिकों की कार्य स्थितियां बागान श्रम अधिनियम (पीएलए), 1951 द्वारा शासित होती हैं और इसे संबंधित राज्य सरकारों द्वारा कार्यान्वित किया जाता है, अत: बोर्ड द्वारा की जाने वाली कल्याणकारी गतिविधियां पूरक प्रकृति की होती हैं और सामान्य कल्याणकारी उपायों को कवर करती हैं।

1. श्रम कल्याण समिति

बोर्ड की श्रम कल्याण समिति बोर्ड के सलाहकार निकाय के रूप में अपनी क्षमतानुसर मार्गदर्शन करती है। बोर्ड को श्रम कल्याण समिति द्वारा विभिन्न श्रम कल्याण गतिविधियों के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान निम्नलिखित सदस्य शामिल थे:

1. श्री डी. डेविड
2. श्री ई. पी. शिवदासन
3. श्री के. के. मनोज कुमार
4. श्री मृगेन्द्र जालान
5. श्री प्रफुल्ल रंजन वर्मा
6. श्री राजीब के. गोहेन
7. श्री सुशील के. बर्लिया
8. श्री टी.के. थुल्लासीधरन पिल्लई

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष के दौरान बोर्ड/श्रम कल्याण समिति की 249वीं बैठक 17 नवंबर 2023 को गुवाहाटी में हुई। श्रम कल्याण समिति की बैठकें 28-12-2023 एवं 23-01-2024 को मुख्यालय कोलकाता में भी आयोजित की गईं।

2. 15वें वित्त आयोग (2021-22 से 2025-26) के लिए चाय विकास एवं संवर्धन योजना के अंतर्गत कल्याणकारी उपाय

15वें वित्त आयोग (2021-22 से 2025-26) के लिए चाय विकास एवं संवर्धन योजना में लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के लिए उपाय किए गए हैं।

भारत में 2.47 लाख से ज़्यादा लघु चाय उत्पादक हैं, जिनका चाय क्षेत्र लगभग 2;13 लाख हेक्टेयर है। कुल चाय उत्पादन में इनकी हिस्सेदारी लगभग 52% है। चाय बागानों के मज़दूरों के विपरीत, जिन्हें बागान मज़दूर अधिनियम जैसे विभिन्न वैधानिक अधिनियमों एवं कानूनों के तहत संरक्षण प्राप्त है, लघु चाय उत्पादक आम तौर पर अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपने बागानों में काम करते हैं और चाय बागानों के मज़दूरों को दी जाने वाली ऐसी सुविधा से वंचित रहते हैं।

लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने एवं चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए, इस योजना के तहत निम्नलिखित कल्याणकारी उपाय प्रदान किए गए हैं:

i. 2.22 हेक्टेयर तक के लघु चाय उत्पादकों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करना।

सहायता का पैमाना	मापदंड
ट्यूशन फीस एवं छात्रावास शुल्क का 2/3 हिस्सा की प्रतिपूर्ति (वास्तविक आधार पर बोर्डिंग एवं लॉजिंग सहित, अधिकतम सीमा 20000.00 रुपये तक)	i. उत्तर एवं दक्षिण भारत के चाय उत्पादक राज्यों में प्राथमिक/ प्राथमिक स्तर से लघु चाय उत्पादकों के बच्चों को वृति दिया जाएगा। प्राथमिक, माध्यमिक, माध्यमिक शिक्षा, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों सहित सामान्य एवं तकनीकी डिग्री और नर्सिंग पाठ्यक्रम सहित तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए वृति दिया जाएगा। ii. चाय बागान के अंतर्गत 2.00 हेक्टेयर तक का चाय क्षेत्र रखने वाले लघु चाय उत्पादकों के बच्चे वृति के लिए पात्र हैं, बशर्ते संबंधित लघु चाय उत्पादक टी बोर्ड में नामांकित हों और उनके पास टी बोर्ड द्वारा जारी क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र हो। iii. कानूनी रूप से गोद लिए गए बच्चों सहित अधिकतम 2 बच्चों को वृति दिया जा सकता है। उत्पादक द्वारा गोद लिए गए अनाथ और उस पर आश्रित बच्चे को भी वृति दिया जा सकता है। iv. उत्पादक द्वारा गोद लिए गए और उस पर आश्रित किसी अनाथ बच्चे को भी वृति दिया जा सकता है v. राज्य या केंद्र सरकार से निःशुल्क ट्यूशन या कोई अन्य छात्रवृत्ति/ वृति प्राप्त करने वाले बच्चे इस योजना के तहत वृति के हकदार नहीं हैं। लेकिन ऐसे मामलों में जहां ऐसी छात्रवृत्ति/वृति में छात्रावास शुल्क शामिल नहीं है, योजना के तहत शेष राशि का प्रतिनिधित्व करने वाला अनुदान या छात्रावास शुल्क का 2/3 भाग जो भी कम हो, स्वीकृत किया जा सकता है। vi. जो छात्र पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, वे पात्र नहीं होंगे vii. आवेदक के पास आधार कार्ड/वैध पहचान प्रमाण होना चाहिए

शर्तें:

क. इस योजना के तहत दिए जाने वाले सभी वृति केवल भारत में सरकारी मान्यता प्राप्त संस्थानों में नियमित पूर्णकालिक पाठ्यक्रम करने के लिए एक शैक्षणिक सत्र के लिए ही मान्य हैं। प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंत में, उम्मीदवार को उस संस्थान के प्रमुख द्वारा प्रमाणित वार्षिक प्रगति रिपोर्ट की फोटो कॉपी के साथ एक नया आवेदन करना होगा जहाँ छात्र पिछले शैक्षणिक सत्र में पढ़ रहा था।

ख. अच्छे आचरण एवं संतोषजनक प्रगति की सामान्य शर्तों पर वृति दिया जा सकता है। कक्षा में रोके गए छात्र को कोई वृति नहीं दिया जाता। हालाँकि, अगर कोई छात्र बाद में फेल हुए विषय के लिए पूरक परीक्षा में शामिल होकर परीक्षा पास कर लेता है तो उसे शैक्षणिक वृति दिया जा सकता है।

ग. इस योजना के तहत वृति की राशि सभी प्रकार की स्कूल शुल्क तक सीमित है और छात्रावास शुल्क का 1/3 हिस्सा उत्पादकों द्वारा वहन किया जाएगा। छात्रावास शुल्क अध्ययन की अवधि (ग्रीष्म, पूजा एवं शीतकालीन अवकाश को छोड़कर) के लिए देय होगा, जैसा कि संस्थान के प्रमुख द्वारा प्रमाणित किया गया है।

घ. जो बच्चे कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम पूरा करने के इच्छुक हैं, वे मौजूदा नियमों और शर्तों पर मौजूदा योजना के तहत वृति योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते कि डिप्लोमा कोर्स 2 वर्ष से कम का नहीं होना चाहिए एवं मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा संचालित होना चाहिए।

ii. कक्षा X एवं XII के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार

सहायता का पैमाना	मापदंड
कक्षा X: : उत्पादकों के पात्र बच्चों को 8,000/- रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि। **कक्षा XII:** उत्पादकों के पात्र बच्चों को 10,000/- रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि।	I. अंतिम माध्यमिक या समकक्ष परीक्षा में कम से कम 60% अंक और उसके बाद मान्यता प्राप्त संस्थान से उच्चतर माध्यमिक/उच्च शिक्षा में अध्ययन कर रहे हों। II. 2.00 हेक्टेयर तक चाय बागान वाले लघु चाय उत्पादकों के बच्चे भी पुरस्कार के लिए पात्र हैं। III. कानूनी रूप से गोद लिए गए बच्चों सहित अधिकतम 2 बच्चे को वृति दिए जा सकते हैं IV. उत्पादक द्वारा गोद लिए गए और उस पर आश्रित किसी अनाथ को भी वृति दिया जा सकता है V. जो छात्र पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, वे पात्र नहीं होंगे VI. आवेदक के पास आधार कार्ड/वैध पहचान प्रमाण होना चाहिए

iii. चाय उद्योग पर अध्ययन

चाय उद्योग एक श्रम-प्रधान उद्योग है जो 1.16 मिलियन से अधिक चाय श्रमिकों एवं चाय बागान श्रमिकों पर काफी संख्या में आश्रितों को प्रत्यक्ष रोजगार देता है, जिनमें से अधिकांश महिला श्रमिक हैं। 2.37 लाख से अधिक लघु चाय उत्पादक हैं जो भारत के कुल उत्पादन में 52% से अधिक का योगदान दे रहे हैं। कार्यबल की सामाजिक-आर्थिक स्थिति काफी हद तक चाय उद्योग पर निर्भर करती है और उद्योग दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित होने के कारण उन कार्यबल के लिए रोजगार का एकमात्र स्रोत है। चाय उद्योग राज्य की अर्थव्यवस्था एवं राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्योग, कार्यबल, उत्पादन, उत्पादकता, खपत एवं निर्यात के बीच संतुलन बनाना बहुत महत्वपूर्ण है। किसी भी हितधारक/गतिविधि में असंतुलन चाय उद्योग के विकास एवं संवर्धन पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। अत: एक स्वतंत्र विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा चाय उद्योग पर अध्ययन करना आवश्यक है जो सरकार को चाय उद्योग के समग्र विकास के लिए नीतियां तैयार करने में मदद करेगा।

3. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित लघु उत्पादकों के बच्चों के लिए

शिक्षा वृत्ति: 4.00 हेक्टेयर तक चाय बागान रखने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लघु चाय उत्पादकों के बच्चे/आश्रित बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं। छात्र को वृति तब भी दिया जाता है, जब उसे कक्षा में रोका जाता है।

कक्षा X एवं XII के मेधावी छात्रों के लिए पुरस्कार: पुरस्कार हेतु पात्र होने के लिए अंकों का प्रतिशत 50% होना चाहिए। 4.00 हेक्टेयर तक चाय बागान रखने वाले अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लघु चाय उत्पादकों के बच्चे/आश्रित बच्चे इस पुरस्कार के लिए पात्र हैं।

.4भौतिक एवं वित्तीय प्रगति

5.1. चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियां

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए श्रमिकों के कल्याण के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि											
		उत्तर पूर्व		बिहार सहित पश्चिम बंगाल		दक्षिण भारत		हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड		कुल	
प्रमुख शीर्ष	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक वृति (सं.)	136.98	1381	37.78	225	92.88	516	8.16	42	275.81	2164
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	39.14	488	7.68	96	0.56	7	0.16	2	47.54	593
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	24.50	245	8.80	88	4.50	45	0.30	3	38.10	381
	चाय उद्योग पर अध्ययन			19.84	0					19.84	0
	उप योग	**200.62**	**2114**	**74.10**	**409**	**97.94**	**568**	**8.62**	**47**	**381.29**	**3138**

5.2 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के अंतर्गत राज्यवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियां

वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए श्रमिकों के कल्याण हेतु राज्यवार भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि											
	असम	त्रिपुरा	नगालैंड	मेघालय	पश्चिम बंगाल	बिहार	तमिलनाडु	केरल	हिमाचल प्रदेश	उत्तराखंड	कुल
वित्तीय (रु. लाख में)	196.59	2.86	1.17	0.00	72.44	1.66	96.28	1.67	8.14	0.48	**381.29**
लाभार्थियों की सं.	2079	24	11	0	399	10	554	14	44	3	**3138**

5.3 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपी) के अंतर्गत लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि

		उत्तर पूर्व		बिहार सहित पश्चिम बंगाल		दक्षिण भारत		हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड		कुल	
प्रमुख शीर्ष	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक वृति (सं.)	1.99	20	8.15	46	0.2	2	0.72	4	11.06	72
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	1.06	12	1.2	15	---	---	---	---	2.26	27
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	0.5	5	3.7	37	0.1	1	---	---	4.3	43
	उप योग	**3.56**	**37**	**13.05**	**98**	**0.3**	**3**	**0.72**	**4**	**17.62**	**142**

5.4 चाय विकास एवं संवर्धन योजना: वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जनजातीय क्षेत्र उपयोजना (टीएएसपी) के अंतर्गत लघु चाय उत्पादकों के बच्चों के कल्याण के अंतर्गत भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धियां

टीएएसपी के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए अखिल भारतीय भौतिक एवं वित्तीय उपलब्धि											
		उत्तर पूर्व		बिहार सहित पश्चिम बंगाल		दक्षिण भारत		हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड		कुल	
प्रमुख शीर्ष	प्रमुख गतिविधि/उप घटक	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.	वित्तीय (रु. लाख में)	लाभार्थियों की सं.
श्रमिकों का कल्याण	शैक्षिक वृति (सं.)	17.05	199	1.28	7	---	---	1.85	12	20.18	218
	कक्षा X के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	5.44	68	0.16	2	---	---	---	---	5.6	70
	कक्षा XII के मेधावी छात्रों को पुरस्कार	4	40	0.1	1	---	---	---	---	4.1	41
	उप योग	**26.49**	**307**	**1.54**	**10**	**---**	**---**	**1.85**	**12**	**29.88**	**329**

अध्याय-10

हिन्दी कक्ष

प्रस्तावना

26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू होते ही अनुच्छेद 343(1) के अनुसार हिन्दी संघ की राजभाषा बनी । भारत सरकार को यह दायित्व दिया गया कि वह राजभाषा हिन्दी का प्रचार एवं विकास इस प्रकार करें कि वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके।

बोर्ड के हिंदी प्रकोष्ठ को भारत सरकार की राजभाषा नीति, राजभाषा अधिनियम 1963 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियम 1976 के प्रभावी कार्यान्वयन की नोडल जिम्मेदारी है। राजभाषा नीति एवं बोर्ड के महत्वपूर्ण दस्तावेजों के अनुवाद से संबंधित कार्यों का निष्पादन बोर्ड के उपनिदेशक (रा.भा.) के पर्यवेक्षणाधीन की जाती है।

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन

समीक्षाधीन वर्ष 2023-24 के दौरान भारत सरकार की मुख्य नियामक अधिनियम राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3), में विहित सभी प्रलेखों को पूर्णरूपेण द्विभाषी रूप में अर्थात् हिन्दी एवं अंग्रेजी में एक साथ जारी किए गए है।

हिन्दी में पत्राचार

हिन्दी में प्राप्त सभी पत्रों के उत्तर समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अनिवार्यत: हिन्दी में ही दिये गए। वार्षिक कार्यक्रम 2023-24 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में सघन प्रयास किये गए ।

हिन्दी में रिपोर्ट:

संसद में रखे जानेवाले सभी प्रतिवेदन जैसे वार्षिक प्रशासनिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा, वार्षिक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन आदि हिन्दी में भी तैयार किए गए ।

टी बोर्ड, मुख्यालय द्वारा नियंत्रित सभी क्षेत्रीय/उप-क्षेत्रीय कार्यालयों ने निर्धारित प्रपत्र में हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इसके अलावा, हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट और वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट हिंदी में तैयार की गईं और वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, कोलकाता को नियमित रूप से भेजी गईं। सभी रिपोर्टों की समीक्षा की गई और त्रुटियों को दूर करने के लिए कार्रवाई की गई।

हिन्दी पुस्तकों का क्रय

वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन तथा संदर्भ साहित्य उपलब्ध कराने के लिए मुख्यालय तथा इसके क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए 25,000/- रुपये (केवल पच्चीस हजार रुपये) मूल्य की हिंदी पुस्तकें खरीदी गईं। इन संदर्भ सामग्रियों में शब्दावलियाँ/शब्दकोश भी शामिल हैं।

हिन्दी प्रशिक्षण

बोर्ड के अप्रशिक्षित कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से, कुछ कर्मचारियों को प्रवीण एवं प्राज्ञ पाठ्यक्रम के लिए नामित किया गया। इसके अलावा कुछ कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना के अंतर्गत हिंदी टाइपिंग पाठ्यक्रम के लिए नामांकित किया गया।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समय-समय पर तीन राजभाषा कार्यशालाएं आयोजित हुई, जिसमें सहायक/वरिष्ठ सहायक/सह प्रशासनिक अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को भी हिन्दी कार्य करने की शैली में प्रशिक्षित किया गया । विभिन्न सरकारी कार्यालयों से आगत प्रवक्ताओं ने सत्र संचालित किए। इसके फलस्वरूप कार्मिकों में व्यवहारिक/प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रति अभिरूचि पैदा हुई।

हिन्दी सप्ताह का आयोजन

राजभाषा के बारे में जागरूकता पैदा करने तथा कामकाज में इसे बढ़ावा देने हेतु हिन्दी सप्ताह का आयोजन 7-14 सितंबर,2023 को किया गया था । इस दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । क्षेत्रीय कार्यालयों में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित हुए ।

संघ की राजभाषा में कार्य करने हेतु वार्षिक कार्यक्रम

वर्ष 1967 में संसद द्वारा पारित राजभाषा संकल्प में यह निर्देश दिया गया था कि भारत सरकार एवं अधिक गहन एवं व्यापक कार्यक्रम तैयार कर कार्यान्वित करेगी जिससे हिन्दी के प्रसार एवं विकास को गति मिले । वर्ष 2023-24 का कार्यक्रम इसी क्रम की एक महत्वपूर्ण कड़ी है । इस वार्षिक कार्यक्रम के माध्यम से हम संघ के राजकीय कार्यों के लिए अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी को लाने के अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की गति तेज की गयी । निर्धारित लक्ष्यों की कुछ हद तक प्राप्ति भी हुई है । फिर भी टी बोर्ड में बहुत हद तक कार्य अंग्रेजी में ही होता रहा है।

कार्यालयीन कार्यों में हिन्दी प्रयोग हेतु प्रोत्साहन योजना

बोर्ड ने मुख्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों में प्रोत्साहन योजना को प्रचारित किया जिसका उद्देश्य हिन्दी की कामकाज में गति लाना था । अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इसका लाभ लिया । कुछ कर्मचारियों ने इस योजना में भाग लिया एवं उन्हें पुरस्कृत किया गया ।

टॉलिक की गतिविधियों में सहभागिता

राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने से संबंधित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता (टॉलिक) की गतिविधियों में बोर्ड सक्रिय रूप से भाग लिया ।

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ऑलिक)की बैठकें :

बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति(ऑलिक) की वर्ष के दौरान प्रत्येक तिमाही में बैठके आयोजित हुई तथा बहुत ही उपयोगी निर्णय लिए गए ।

द्विभाषी कंप्यूटर का प्रावधान:

वर्ष के दौरान बोर्ड कार्यालय के सभी कम्प्यूटरों के लिए द्विभाषी सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराये गये।

हिन्दी वेबसाईट

ई-गवर्नेंस के इस युग में नीति कार्यान्वय की दिशा में इंटरनेट एक शक्तिशाली माध्यम बन गया है। टी बोर्ड की भी हिंदी में अपनी वेबसाइट www.teaboard.gov.in है, क्योंकि आज भी हिन्दी अधिकांश भारतीय जनता की भाषा है । टी बोर्ड के हिंदी वेबसाईट को अंग्रेजी संस्करण से मेल रखते हेतु तथा हिंदी संस्करण को समय-समय पर अद्यतन किये जाने के संबंध गहन प्रयास किए गए, जो एक सतत प्रक्रिया है ।

क्षेत्रीय कार्यालयों का निरीक्षण:

वर्ष 2023-24 के दौरान टी बोर्ड के मुख्य कार्यालय और उसके क्षेत्रीय कार्यालय के कुछ विभागों का निरीक्षण किया गया।

अध्याय - 11

सतर्कता प्रकोष्ठ

टी बोर्ड के सचिव बोर्ड के मुख्य सतर्कता अधिकारी के रुप कार्य करते हैं। सतर्कता प्रकोष्ठ की समग्र गतिविधियाँ मुख्य सतर्कता अधिकारी की देखरेख में की जा रही हैं। लाइसेंसिंग नियंत्रक को सतर्कता अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है।

सतर्कता सेल का मुख्य कार्य सरकारकेंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों को लागू करना है/, जो सभी नियमित आधार पर किया जाता है। सतर्कता सेल विभिन्न प्रश्नों पर भी ध्यान देता है और सरकार को रिपोर्ट सौंपता है। मुख्य सतर्कता अधिकारी की सलाह के अनुसार, निविदा और निवारक सतर्कता आदि के संबंध में सीवीसी के निर्देशों का बोर्ड में हर तरह से पालन किया जा रहा है।

सतर्कता प्रकोष्ठ केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह भी मनाता है, जिसके दौरान चाय बोर्ड के सभी कर्मचारी जागरूकता के मूल मिशन पर प्रकाश डालते हुए कार्यकुशलता और पारदर्शिता की शपथ लेते हैं।

वर्ष 2023-24 के दौरान सतर्कता सेल को प्राप्त शिकायतों की कुल संख्या 06 हैं जिन पर सीवीसी मैनुअल के अनुसार आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सूचना का अधिकार

2023-24 के दौरान प्राप्त आरटीआई आवेदनों की कुल सं. और नवीनतम स्थिति नीचे दी गई है:-

आवेदन की श्रेणी	**प्राप्त सं.**	**वर्तमान स्थिति**
नया **आरटीआई आवेदन**	104	83 न0.निपटाए गए
प्रथम अपील	9	निपटारा किया गया

अध्याय -12

विधि कक्ष

टी बोर्ड का विधि कक्ष विधि अधिकारी के अधीन कार्य करता है। टी बोर्ड का विधि कक्ष मुख्यालय/क्षेत्रीय कार्यालयों में टी बोर्ड के अधिकारियों द्वारा संदर्भित किए जाने पर बोर्ड के सभी कानूनी मामलों पर ध्यान देता है। यह प्रकोष्ठ बोर्ड की ओर से विधि फर्मों, कानूनी सलाहकारों और केन्द्र सरकार के परामर्शदाताओं के साथ संपर्क का भी कार्य करता है। 31.03.2023 तक लंबित मामलों की संख्या 123 थी। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 33 नये मामले सामने आये और 31.03.2024 तक 11 मामलों का निपटारा किया गया तथा लंबित मामलों की कुल संख्या 145 थी।

अध्याय-13

सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) ने प्रक्रियाओं में परिवर्तन लाकर अनेक चुनौतियों का समाधान किया है तथा कारोबार को आसान बनाने तथा जीवन को आसान बनाने की दिशा में यात्रा की है। सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग से चाय बोर्ड की गतिविधियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग बोर्ड की प्रक्रिया का हिस्सा बन गया है। अनेक मैनुअल कार्यों के स्थान पर ऑनलाइन प्रणाली अपनाई गई है, जिससे हितधारकों को प्रभावी ढंग से तथा समयबद्ध तरीके से सेवाएं प्रदान करने में मदद मिली है। सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ बोर्ड के सभी विभागों में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग को सुगम बनाता है, जिससे आंतरिक और बाह्य हितधारकों को ई-गवर्नेंस केन्द्रित सेवाएं प्रदान की जा सकें। वास्तव में, इससे प्रक्रियाएं अधिक उपयोगकर्ता अनुकूल और उत्पादक बन जाती हैं, जिससे बोर्ड अपने कार्यों को अधिक कुशलतापूर्वक निष्पादित कर पाता है।

जीआई क्लाउड (मेघराज) में वेब आधारित ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों की होस्टिंग, तकनीकी उन्नयन सहित विभिन्न वेब आधारित ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों का संचालन और रखरखाव सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट https://teaboard.gov.in का नियमित अद्यतन, उन्नयन और रखरखाव इस प्रकोष्ठ की गतिविधियों का हिस्सा रहा है। स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क कनेक्टिविटी को बनाए रखना और इंटरनेट तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करना प्राथमिकता वाला क्षेत्र रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ ने सुरक्षित साइबर स्पेस के लिए साइबर सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए हितधारकों को डिजिटल सेवाओं की डिलीवरी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बोर्ड ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार द्वारा जारी साइबर सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुपालन के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बोर्ड ने वर्ष 2023-2024 के दौरान बोर्ड के मुख्यालय में एंड-टू-एंड ऑफिस वर्कफ़्लो ऑटोमेशन सिस्टम के रूप में एनआईसी द्वारा विकसित ई-ऑफिस (ई-फाइल) एप्लिकेशन को सफलतापूर्वक लागू किया है। पूरे संगठन में एक ही ई-ऑफिस लागू करने की योजना बनाई गई है। सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ ई-ऑफिस एप्लिकेशन के संचालन और रखरखाव में सक्रिय रूप से शामिल है।

बोर्ड ने 15वें वित्त आयोग की अवधि 2021-22 से 2025-26 के दौरान चाय विकास और संवर्धन योजना के अंतर्गत विभिन्न घटकों और उप-घटकों को सर्विस प्लस ढांचे में सफलतापूर्वक शामिल किया है।

नई डिजिटल पहलों और प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप की परियोजना नियोजन, डिजाइन और कार्यान्वयन सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ का मुख्य क्षेत्र रहा है।

FOR OFFICIAL USE ONLY

TEA BOARD INDIA

ANNUAL REPORT

FOR THE YEAR 2023-24

₹

14, B.T.M. Sarani

Kolkata-700 001

INDEX

70TH ANNUAL REPORT OF THE BOARD: 2023 - 2024

Chapter No.	Subject	Page Number
Chapter-1	Organizational Set-up and Functions	1-8
Chapter-2	India Tea in the International Perspective	9-12
Chapter-3	Finance	13-15
Chapter-4	Tea Development	16-49
Chapter-5	Tea Research	50-68
Chapter-6	Tea Promotion	69-113
Chapter-7	Licensing	114-118
Chapter-8	Statistics	119-122
Chapter-9	Human Resource Development	123-128
Chapter-10	Hindi Cell	129-131
Chapter-11	Vigilance Cell & RTI	132-133
Chapter-12	Legal Cell	134
Chapter-13	IT Cell	135

CHAPTER- 1

ESTABLISHMENT

Organizational set-up and functions for the year 2023-2024

Constitution of the Board

Tea Board India has been established on 1st April 1954 as per the provisions of Section 4 of the Tea Act, 1953. The Board is assigned with the overall development of the tea industry in India and functioning under the administrative control of the Government of India under Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry.

Organization of the Board:

The Board comprises of a Chairman and 31 members appointed by Government of India representing different sections of the Tea Industry. The Board is reconstituted in every three years. The existing Board was reconstituted vide Gazette notifications dated 16th August 2022 and 26th December, 2022 for a period of three years.

Functions of Tea Board:

The functions of the Tea Board span across a wide spectrum as defined under Section 10 of the Tea Act, which briefly include:

1. Increasing production and productivity of tea plantations;
2. Improving quality of tea;
3. Promoting co-operative efforts among small tea growers;
4. Supporting Tea Research and Development;
5. Undertaking promotion campaigns for increasing exports and domestic consumption;
6. Regulatory functions - Registration of tea gardens, factories, primary buyers and issue of licenses for tea brokers, auction organizers, exporters and tea waste dealers;
7. Welfare measures for plantations workers/their wards in the area of health, hygiene, training and education;
8. Collection and dissemination of tea statistics; and
9. Such other activities as are assigned from time to time by the Government of India.

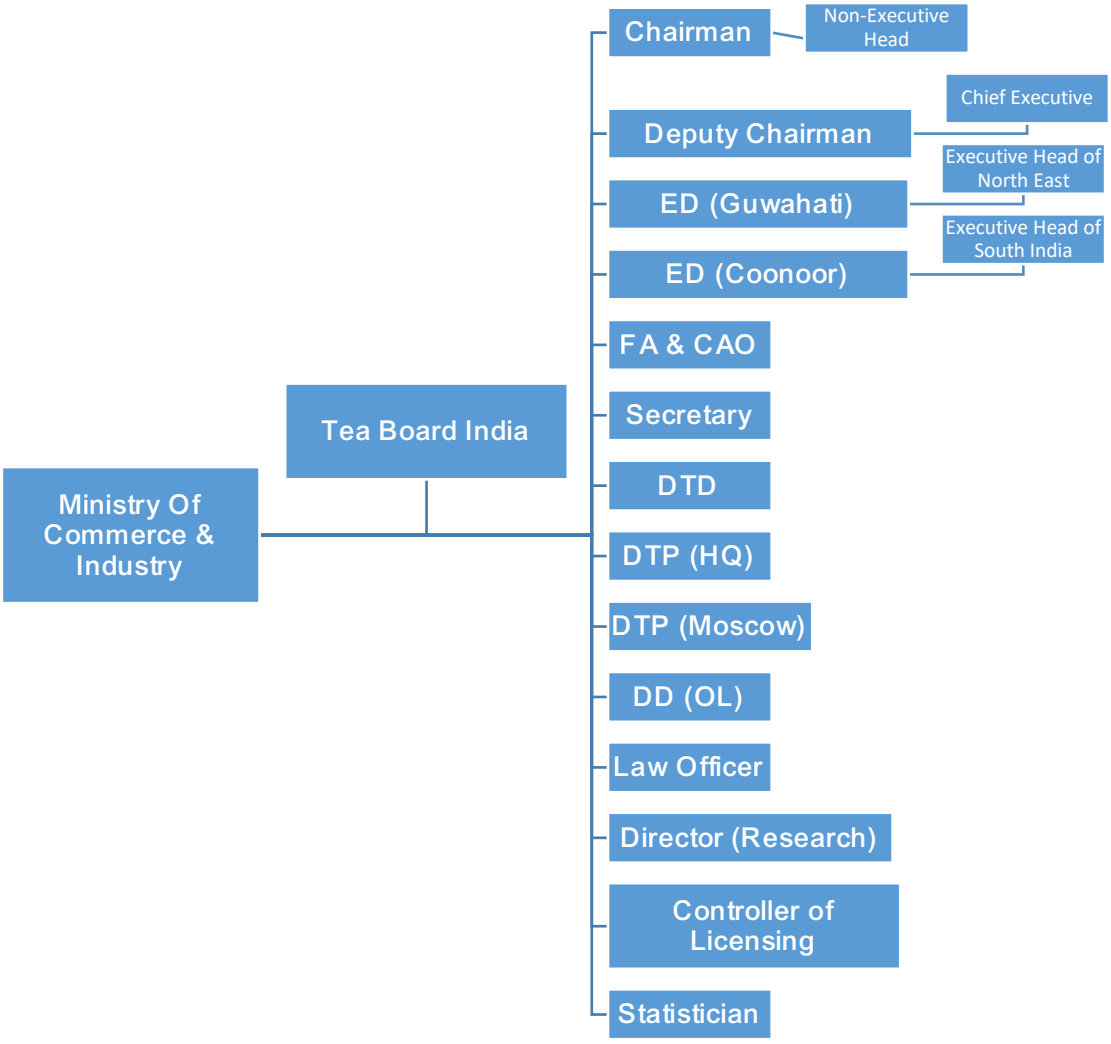
Source of Funds:

Funds for the aforesaid functions are provided to the Board by the Government of India under capital and revenue heads.

The revenue funds are being used exclusively for the administrative and establishment charges for which cess levied on tea is the major source. Capital Funds are used for implementation of various developmental, promotional and welfare schemes of the Board. Under Section 25(1) of the Tea Act, 1953, tea cess used to be levied on all teas produced in India at the rate of 50 paisa per kg., except Darjeeling teas for which only 20 paisa per kg is levied. However, after implementation of the GST, the said cess on made tea has been subsumed with the GST and consequently clause (c) of section 3, section 25 and 26 and clause (a) of sub-section (1) of section 27 have been repealed vide Taxation Laws (Amendment) Act, 2017 (No 18 of 2017) published in Part II Section I of official Gazette of India.

Administrative Set-up:

As per Rule 3 of the Tea Rules, 1954, the Head Office of the Board is located in Kolkata, West Bengal. The Chairman is the Non-Executive head and the Deputy Chairman is the Chief Executive Officer. Two Executive Directors are stationed at Guwahati (Assam) and Coonoor (Tamil Nadu). As of now, the Board has thirty three (33) offices including Head office/ Zonal/Regional/Sub-Regional Offices within India and one (1) abroad i.e. Moscow



ADMINISTRATIVE SETUP OF TEA BOARD

The role of the Establishment Department is to act as the formulator of policy and ensuring compliance to the provisions of Tea Rules and By-Laws as well as rules, orders, circulars, memorandums issued by the Department of Commerce and Department of Personnel and Training, Government of India. The Department is headed by the Secretary and assisted by the Assistant Secretary. It deals with all the matters related to Board's staff & officials, service matters, establishment of offices, manpower positions etc. The Secretariat Section and the Stores maintains all the matters related to the Secretariat viz., deals with all VIP references, conducting Board meetings etc., while the Store Section keeps the records of inventories of the Board.

Board Meeting from 2023 to 2024 (up to March, 2024)

For the period(April 2023 to March 2024) under report 01 (One) Board meeting was held and the details are under:

Board meeting number	Venue	Date
249th	Guwahati	17thNovember, 2023

Man-Power of Tea Board

The total man-power of the Tea Board as on 31.03.2024 was 330 (including five officers of Tea Board on deputation to other departments). The break-up of existing strength of the officers and staff members under different categories in Board's different offices in India is shown in the Table-1.

TABLE -1

Group-wise Man power of the Board in India as on 31.03.2024

Regions	Group A	Group B	Group C	Total
Head Office	12	21	72	105
Regional/Sub Regional Offices	38	68	111	217
Officers on deputation to Tea Board	3*	-	-	3
Tea Board Officers/Officials on deputation to other organization	2	2	1	5
TOTAL	55	91	184	330

* 03 Number of officers are on deputation in Tea Board viz. Dy. Chairman, Executive Director, Guwahati and Executive Director, Coonoor.

Details of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Class as on 31.03.2024

	SC	ST	OBC	Total
Group A	9	3	17	29
Group B	13	4	28	45
Group C	33	13	21	67
TOTAL	55	20	66	141

Age wise profile of the Board's Employee (Excluding officers on deputation) as on 31.03.2024

Age Groups	Group A	Group B	Group C	Total
18-30	0	0	01	01
31-40	16	32	30	78
41-50	15	42	57	114
51-60	21	17	96	134
TOTAL	52	91	184	327

* 03 Number of officers are on deputation in Tea Board viz. Dy. Chairman & Executive Director, Guwahati and Executive Director, Coonoor.

Retirement chart of Tea Board for next five Financial Years

Year	Group A	Group B	Group C	Total
2024-2025	3	3	14	20
2025-2026	0	3	14	17
2026-2027	2	2	11	15
2027-2028	5	5	9	19
2028-2029	4	0	13	17
TOTAL	14	13	61	88

Changes in Man power of the Tea Board during the year under review:

Promotions:

As a part of the austerity measuresas well as reducing of administrative expenditure, the Plantation Division, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India vide letter No. 5/1004/2015-Plant (Coord) dated 22.02.2017 has advised Tea Board not to undertake any fresh recruitment and promotion without prior approval of the Department. However, with the prior approval of the Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India, Tea Board has filled up two posts of Deputy Director of Tea Development, two posts of Assistant Director of Tea Development and the post of Director (R) on promotion during the month of December, 2023.

Additional responsibilities:

- Dr.RishikeshRai, Dy. Director (Hindi) took additional responsibility of Secretary (I/C), Tea Board w.e.f. 22.12.2018 and continued to hold the said charge during 2023-2024.
- ShriA.J.Rao, Assistant Statistical Officer took additional responsibility of Statistician (I/C), Tea Board from 14.08.2019 and continued to hold the said charge during 2023-2024.
- Smt. Rajanigandha Seal Naskar, Controller of Licensing has been nominated to the post of Vigilance Officer w.e.f. 19.07.2021 and continued to hold the said charge during 2023-2024.
- Ms. ArunitaPhukan Yadav IRS (C&CE:2011) Executive Director, Guwahati, took the additional charge of Director Tea Promotion (In-Charge), Tea Board, Kolkata w.e.f. 11.02.2022 and continued to hold the said charge during 2023-2024.
- Dr.Mahipal Singh, Project Director took the additional charge of Director (Research) from 07.09.2022 to 24.01.2024.
- Smt. Rajanigandha Seal Naskar, Controller of Licensing has been nominated as Public Information Officer (PIO) as well as Nodal Officer for dealing all the matters relating to Public Grievances & RTI of Tea Board in respect of Board's Head Office, Kolkata in addition to her own duties w.e.f. 05.01.2023
- Shri Asish Deb, Assistant Statistical Officer, took the additional responsibility of Assistant Secretary (I/C) and Estate Officer (I/C), Tea Board w.e.f. 06.01.2023 and continued to hold the said charges during 2023-2024.
- Smt. Rajanigandha Seal Naskar, Controller of Licensing, took additional responsibility of Financial Advisor and Chief Accounts Officer (FA&CAO), Tea Board w.e.f. 07.07.2023 and continued to hold the said charge during 2023-2024..
- Shri Kamal Ch. Baishya, Deputy Director of Tea Development, took additional responsibility of Executive Director, Tea Board, Guwahati from 14.08.2023 to 16.01.2024. He continued to hold the said charge again from 05.02.2024 during 2023-2024.
- Shri Amardeep Singh Bhatia, IAS (NL-93), Additional Secretary, Department of Commerce, Government of India, took the additional charge of Chairman, Tea Board for a period of six months w.e.f. 12.10.2023 (AN).

Resignation and relinquishments:

- Shri Anup Kumar Mukherjee, IOFS (2006) relinquished the charge of Financial Advisor & Chief Accounts Officer, Tea Board, Kolkata w.e.f. 06.07.2023.

Promotion:

- Tea Board has filled up two posts of Deputy Director of Tea Development, two posts of Assistant Director of Tea Development and the post of Director (R) on promotion during the month of December, 2023.

Superannuation:

- Nineteen (19) officials in different cadres were superannuated from the Board's services during the year 2023-2024.

Foundation Day of Tea Board:

- Tea Board has celebrated the 1st April, 2023 as the 70th Foundation Day of Tea Board

Deceased

- Two (02) officials expired during the year under report.

Voluntary Retirement

- Three (03) officials in different cadres took voluntarily retirement from the services during the year under reporting.

MACP benefits

During the year under report, the benefit under MACP Scheme has been extended in favour of total 104 (one hundred four) officials of Tea Board in different cadres as under:

Group-A	22
Group-B	42
Group-C	40
Total	104

Important Events

- The Committee nominated by National Commission for Scheduled Castes reviewed the Implementation of Reservation Policy for Scheduled Castes in Tea Board on 11.10.2023.

- The Parliamentary Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes of Tea Board made the study visit at Darjeeling on 07.11.2023.

- Tea Board has undertaken SwachwataAbhijan in Board's different offices during the year 2023-24.

Medical Policy

Tea Board has made tie-up agreement with different hospitals under CGHS rates for all over India for a period of three years for indoor medical treatment of its employees and their lawful dependents on credit facilities, including pensioners and their dependents against payment of cash from their level.

Annexure-I
Addresses of Tea Board Offices in India and Abroad
West Bengal& Bihar

Tea Board India 14, BTM Sarani, Kolkata - 700 001. Tel. :033-22351331/Fax: 033-2221-5715 E-mail :secytboard@gmail.com Website :www.teaboard.gov.in	
Darjeeling Tea Research and Development Centre (DTR & DC) AcharyaBhanu Path, Kurseong – 734 203, Darjeeling Telefax: 0354-2330218 Tel: 0354-2330287 Email: dtrdcteaboard@gmail.com	Tea Board India, Regional Office, Islampur, Power House Para, Opposite to Main Bus Terminus, PO: Islampur, Dist. Uttar Dinajpur, W.B. 733202 Email: teaboardislampur@gmail.com
Tea Board India, Regional Office, Rahut Bari, Babupara, Ward No. 7, P.O. &Dist. : Jalpaiguri-735 101, West Bengal. Telephone: 03561-225146 Email: teaboardjalpaiguri@gmail.com	Tea Board India, Regional Office, "Quality Control Laboratory Building(3rd Floor)",Tea Park, Bhola More, (Behind New Jalpaiguri Railway Station),P.O.Sahudangi Hat, Siliguri – 735 135, West Bengal. Email id: siliguriteaboard@gmail.com
Tea Board India, Sub Regional Office, The Premises of Suresh Prasad Singh, Nagar PanchayatThakurganj, Farabari, Ward No.-2, P.O.+P.S.-Thakurganj, Dist – Kishanganj, State-Bihar, Pin – 855116 Email: teaboardsrothakurganj@gmail.com	Tea Board India, Research Directorate and Quality Control Laboratory Tea Park, Bhola More, (Behind New Jalpaiguri Railway Station),P.O.Sahudangi Hat, Siliguri – 735 135, West Bengal. Email Id: resdirteaboardqcl@gmail.com, qcl.tbi@gmail.com
Tea Board India, Sub-Regional Office, Kurseong, Darjeeling Tea Research and Development Centre Campus, AcharyaBhanu Path, PO: Kurseong, PIN: 734 203, Dist.: Darjeeling, West Bengal. Email: phuriagri@gmail.com	

Tamil Nadu

The Executive Director Tea Board India, Zonal Office, Shelwood, Club Road,Coonoor, The Nilgiris, Tamil Nadu – 643 101, E-mail: teaboardzocoonoor@gmail.com Tel No. 0423-2221464/2230316	Tea Board, Regional Office, 11/301G2, Aishwarya Building, T.K. Pet, Calicut Road, Gudalur Post, Dist.- The Nilgiris, Tamil nadu-643212, Tel No.-04262-296316 Email:- teaboardgudalur@gmail.com
Tea Room, Tea Board Chennai Secretariat, Shop No. 3, 4th St. George, Chennai-600 009, TEL: 044-24342754/044-24341650, E-mail:teaboardchennai@sancharnet.in	

Kerala

Tea Board, Regional Office, 511/1, Kallolickal Building, Peermade Post, Idukki - District, Kerala-685 531	

Email: teaboardpeermade@gmail.com	

Andhra Pradesh

Tea Nook, Near C.R.O.(G) Office, (opposite to Railway Reservation Counter), Tirumala–517 504, Andhra Pradesh

Assam, Tripura, Arunachal Pradesh and Mizoram

The Executive Director Tea Board,North Eastern Zonal Office, Housefed Complex, 5th& 6thfloor, Central Block, Beltola-Basistha Road, Dispur, Guwahati –781006. Ph: 0361-2228944/2228945 Email:ed.guwahati-tbi@gov.in teaboardguwahati@hotmail.com	Tea Board, Regional Office, ITI Road, PO:Indranagar, via-Kunjaban, Agartala, Tripura-799006 Tel: 0381-2354639/Fax: 0381-2354182 Email:teaboard.agartala@gmail.com
Tea Board, Regional Office, 2nd Floor, Zig-Zag Road, Chowkidinghee, Opp. to Shantiniketan Apartment, P.O. &Dist. : Dibrugarh-786 001 Tel: 0373-3590130 E-mail: teaboarddibrugarh@gmail.com	Tea Board India, Regional Office, (2nd Floor, SBI College Road Branch), Vivekananda Road, Silchar-788 007, Assam Tel: 03842-232518 E-mail: teaboardrosilchar@gmail.com
Tea Board, Regional Office, Private Residence, 2nd Floor, Near Kingcup School, V.I.P Road, P.O: Itanagar, Arunachal Pradesh-791 111 E.mail: teaboarditanagar@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Tea Research Association Complex, Cinnamara, Jorhat –785 008, Assam Tel : 0376-2960324 E-mail: teaboardjorhat@gmail.com
Tea Board, Regional Office, Opposite Election Office, Ganesh Ghat, Dist.: Sonitpur, Tezpur-784 001, Assam. Tel: 03712-233664 E-mail: tezpurteaboard@gmail.com	Tea Board, Sub-Regional Office, L.K. Baruah Road, Amolapatty, Dist: Sivsagar, Assam, PIN: 785640 E-mail: teaboard.sivsagar@gmail.com
Tea Board, Regional Office, “Punyalaya”, Marwari Patty, Ward No-1, P.O. &Dist: Golaghat (Assam), PIN: 785621, Assam E-mail: teaboardgolaghat@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Near Tinsukia Development Authority Clutural Centre, JibakantaBorkakati Road, Bordoloi Nagar, Tinsukia –786125, Assam Tel: 0374 2950019 E-mail: tinsukiateaboard2019@gmail.com
Tea Board, Sub Regional Office, Opposite Farm Machinery Training and Testing Institute, P.O. &Dist: BiswanathChariali Assam.	Tea Board, Sub Regional Office, Udalguri, ward No.4. near HS school P.O. &Dist: Udalguri, PIN: 784509, Assam.
Tea Board, Sub Regional Office, Nakari Sundar Nagar Ward no. 2 P.O.-Lakhimpur Dist: Lakhimpur, Assam-787001	Tea Board, Sub Regional Office, 14 No. Line, Rajgarh Tea Estate, Opposite Indian Bank, Rajgarh, Borbam Branch, P.O. Rajgarh, Dibrugarh, Assam, PIN: 786611 E-mail:teaboardsrorajgarh@gmail.com
Tea Board, Sub Regional Office, Zemabawk,	Tea Board, Sub Regional office, Borahi Ali, Near Uttar Borahi Namghar, By Lane

Aizwal, Mizoram PIN: 796017 Email: teaboard.aizawlmz@gmail.com	Puberun Path, P.O.: Sonari, Dist: Charaideo, PIN: 785690, Assam E-mail: teaboard.sonari@gmail.com

Delhi, Himachal Pradesh, Uttarakhand& Maharashtra

Special Officer for NWI Tea Board, Regional Office 13/2 Jam Nagar House,Shahjahan Road, New Delhi –110 011 Telefax: 011-23074179, Mob: 09818007168 E-mail:nasstats@gmail.com, daktboard@gmail.com	Tea Board, Regional Office, Kalu Di Hatti, Palampur, Kangra, HP Tel-01894-238171/Fax-01894238178 E-mail: teaboardpalampur2022@gmail.com
Tea Board Sub Regional Office, Link Road, Thapalia, Almora, Dist: Almora, Uttarakhand, PIN: 263601 E-mail: teaboardalmora@gmail.com	Tea Board ReshamBhavan, 78, Veer Nariman Road, Mumbai – 400 002. Tel: 022-22041699/Fax: 022-22041699 G.H. (Tel): 2367 5401 E-mail: mumteaboard@gmail.com

Russia

Tea Board of India, 4, VorontsovoPoyle Indian Embassy , Moscow Russian Federation Tel/Fax +7 (495)916 3724, +7-495 783 7535 Ext 293 + 7(495)917 1657 Res +7(495)952 0524, Mob +0079653862273 E mail: teaboard@indianembassy.ru dtp@indianembassy.ru

CHAPTER-2

Broad over view of the Global and Indian Tea Scenarios:

Global Tea Scenario

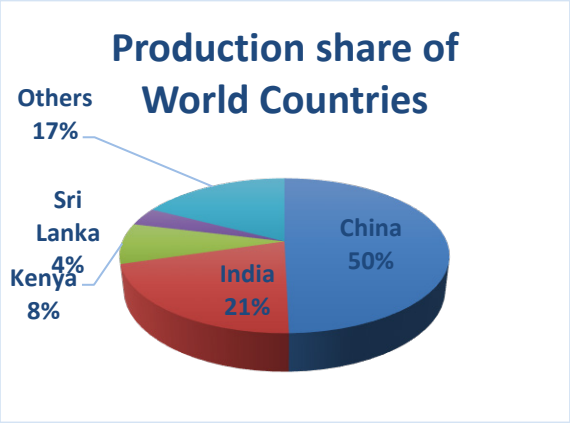
More than 36 countries spread over all the continents except North America having a varied range of agro-climatic conditions between Georgia and Argentina grow tea. The global tea production and apparent consumption during 2023 was 6726.86 million kg and around 6212 million kg respectively. Total exports from the producing countries during 2023 added upto1847.51 million kg. Major tea producing and exporting countries are China, India, Kenya, and Sri Lanka and they account for 83% and 74 % of world production and exports respectively. (Table-1)

Table-1.

Production and Export share of major producing and exporting countries during 2023

Country	Production		Export	
	Million Kg	Global share (%)	Million Kg	Global share (%)
China	3339.48	49.64	367.54	19.90
India	1393.66	20.72	231.69	12.54
Kenya	570.26	8.48	522.92	28.30
Sri Lanka	256.04	3.81	241.91	13.09
Others	1167.42	17.35	483.45	26.17
World Total	6726.86	100.00	1847.51	100.00

(Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2024), except India



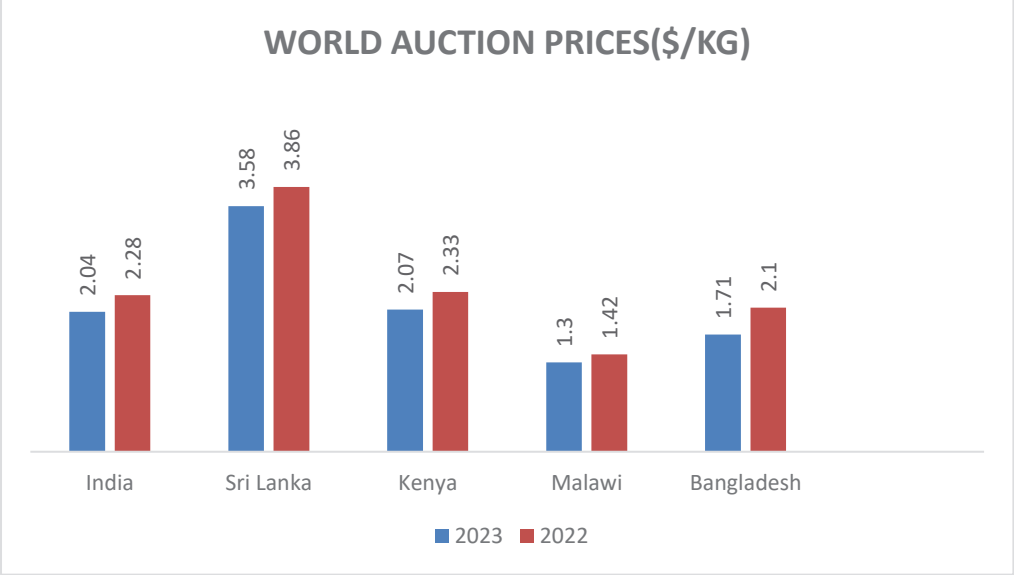


World auction prices during 2023 decreased in all major producing countries

TABLE-2 : WORLD AUCTION PRICE OF TEA (IN US$/KG)

COUNTRY	2023	2022	>/< OVER 2022
India	2.04	2.28	-0.24
Sri Lanka	3.58	3.86	-0.28
Kenya	2.07	2.33	-0.26
Malawi	1.30	1.42	-0.12
Bangladesh	1.71	2.10	-0.39

(Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2024)



The apparent global consumption during 2023 was 6212 M. Kgs and India accounts for 19% of the global consumption due to its population even though the per capita consumption is lower. Almost 81% of the total production is consumed within the country. This distinct position is in sharp contrast with other producing countries, particularly Kenya and Sri Lanka which hardly have any strong domestic demand and hence they are able to export most of their production.

The Global Tea situation in 2023

Production:

Total global tea production during 2023 increased by 440.63M. Kgs as compared to the year 2022 due to increase of production in all major World Countries.

Table-3: Tea production in major tea producing countries (M. Kgs)

Country	2023	2022	>/< over 2022
India	1393.66	1366.36	27.30
Sri Lanka	256.04	251.50	4.54
Kenya	570.26	535.04	35.22
China	3339.48	3181.04	158.44
Others	1167.42	952.29	215.13
Total world Production	6726.86	6286.23	440.63

(Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2024)

Exports:

Total global tea exports in 2023 increasedby36.87 million Kgs over 2022 (Table-4). While tea exports of China and Sri Lanka decreased, Indiamaintained its position.

Table-4: Exports of major producing countries (Million Kgs.)

Country	2023	2022	>/< over 2022
Kenya*	522.92	450.33	72.59
China	367.54	375.25	-7.71
Sri Lanka	241.91	247.10	-5.19
India	231.69	231.08	0.61
Others	483.45	506.88	-23.43
Total world Exports	1847.51	1810.64	36.87

(Source: - ITC Annual Bulletin of Statistics 2024, except India)

* Kenya's export include the neighboring African countries produce

Indian Tea Scenario

In India tea is cultivated in 15 states of which Assam, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala are the major tea growing states. They account for 97% of the total production. Other traditional states where tea is grown are Tripura, Himachal Pradesh, Uttarakhand, Bihar and Karnataka. The non-traditional states that have entered the tea map of India include Arunachal Pradesh, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland, and Sikkim.

World's finest teas like Darjeeling, Assam, Sikkim, Nilgiris and Kangra which are famous for their delicate flavor, strength and brightnessare produced inIndia. With diverse agro climatic conditions, India produces medley of teas suited to different tastes and preferences of consumers. The characteristics of each region are distinct, which sets them apart from one another in many different ways.

Production:

India tea production during 2023-24 was 1382.03 M. Kgs increased by 7.06 M. Kgs over 2022-23

Exports:

Tea Exports during 2023-24 were 250.73 M. Kgs in quantity with value realization of Rs. 6476.38 Crs. It was higher by 22.33 M. Kg in quantity and Rs.90.57 Crs in value but the unit price realization was decreased by Rs.21.29 per Kg.

Primary Marketing:

During the year under report about 42% of total tea produced in the country was sold through public auctions and the remaining through other modes.

Domestic Retention:

The apparent domestic retention of tea for the year 2023-24 was around 1154 M. Kgs. as against 1176 M. Kgs in 2022-23.

CHAPTER – 3

FINANCE

INTRODUCTION

Tea Board is funded through Grant-in-Aid by Govt. of India. Tea Board generates a meagre amount from Internal Extra Budgetary Resource (IEBR) through fees on licenses, interest on loan & advances and miscellaneous receipts such as sale of liquid tea,sale of green leaves, sale of application forms and other publications etc.

All funds available to the Tea Board are routed through the Annual Union Budget. Such funds are utilised by Tea Board as enshrined in Section 10 of the Tea Act subject to the delegation of financial powers of the Government.

CESS PROCEEDS

During the year 2023-24 an amount of Rs.7491.00lakhs (excluding opening balance) was released by the Government towards proceeds of cessunder section 26 of Tea Act,1953 as establishment contribution to the Tea Board.There was an opening balance & closing balance ofRs. 15.05 lakh & Rs.44.51lakh.

RESEARCH & DEVELOPMENT GRANTS

During the year 2023-24, a sum of Rs.1229.00 lakh was received from Government towards Research and Development Grants. There was aclosing balance of Rs. 0.52 lakhand other receipts of Rs.59.16 lakh.

RESEARCH(ASIDE)

There was an opening balance & closing balance of Rs. 42.15 lakh & Rs.41.01 lakh and other receipts of Rs.3.16 lakh.

SUBSIDY

A sum of Rs.3696.35lakh was received from Govt. towards subsidy during the year.There was anopening balance(after adjusting with Current Year Govt. Fund)& closing balance of Rs.5.05lakh & Rs.405.87lakh and other receipts of Rs.1187.62 lakh.

SPECIAL PURPOSE TEA FUND - CAPITAL

During the year, no amount was received from Govt. towards SPTF Capital Contribution.

ESTABLISHMENT RECEIPTS& PAYMENTS

A. Receipts

Receipts during the year 2023-24 under different heads are as under: (Rs. in lakh)

Money received under Section 26 of Tea Act	7491.00
Fees realized on account of licenses/ TMCO 2003 including Application Fees	347.25
Miscellaneous Receipts including sale of liquid tea, sale of green leaves, sale of publications, interest on fixed deposit etc.	318.80
Interest on Advance	1.98
Registration fees realized on account of DCTM, Assam,	14.44

Dooars&Nilgiri Trade Mark & Logo Administration	
Other Receipts	0.00
TOTAL	8173.47

B. PAYMENTS

Establishment Payments during the year 2023-24 was as under:

(Rs. in lakh)

Administration including Library	2930.02
Tea Promotion in India	511.44
Tea Promotion outside India	0.00
Pension including Gratuity& Leave Encashment	3377.32
Other Establishment Expenses	198.20
Employer's contribution to New Pension Scheme& Foreign Service Contribution	236.82
Other Administration Expenses	679.08
Fixed Assets Purchased	30.99
Other Payments(including balance diff.)	209.60
TOTAL	8173.47

SCHEME ACTIVITIES RECEIPTS & PAYMENTS

C.Receipts

Receipts during the year 2023-24 under different Schemes are as under:

(Rs. in lakh)

Tea Plantation Development Subsidy Scheme	1653.85
Schedule Caste Sub Plan	542.10
Sector Specific Scheme for Niti Forum	512.53
Human Resource Development Scheme	333.62
Market Promotion Scheme	284.70
National Programme for Tea Regulation	50.00
Research & Development Scheme	1229.00
Tribal Area Sub Plan	319.55
Other Receipts(including balance diff.)	849.75
Total	5775.10

D. Payments– Research&Development Grants.
(Rs. in Lakh)

Grant in aid to TRA /UPASI	856.94
Financial Support other than TRA/UPASI	0.00
Upgradation of DTR & DC	86.65
Workshop / Seminar etc.	0.00
QCL Siliguri Expenses	81.52

Assets Purchase	5.67
Other payments	256.86
Total	1287.64

E.PAYMENTS(INCLUDING FD MADE) - SUBSIDY

(Rs. in lakh)

Plantation Subsidy Scheme	1653.85
Quality Up-gradation & product Diversification Scheme	0.00
Human Resource Development Scheme	333.62
Orthodox Tea Production Subsidy Scheme	0.00
Market Promotion Scheme	284.09
Scheduled Caste Sub Plan	542.10
National Programme for Tea Regulation	837.42
Tribal Area Sub Plan	319.55
Sector Specific Scheme for Niti Forum	512.53
TOTAL	4483.16

F. PAYMENTS–RESEARCH SCHEME (ASIDE)

(Rs. in Lakh)

Expenditure	4.30
TOTAL	4.30

G.PAYMENTS – LOAN SCHEME& TEA CENTRE

(Rs. in lakh)

Revolving Corpus Fund For Loan Scheme	0.86
SPTF	52.73
TEA CENTRE	2.81
TOTAL	56.40

TOTAL PAYMENTS ON SCHEME ACTIVITIES DURING THE YEAR2023-24

= (D +E + F) =Rs. 5775.10lakh

CHAPTER -4

TEA DEVELOPMENT

Introduction:

One of the important functions of the Tea Board under the Tea Act is formulation and implementation of development schemes aimed at increasing tea production and productivity of plantations, improvement in the quality of made tea, modernization of tea processing, packaging and value addition facilities, product mix and encouraging co-operative efforts amongst small tea growers and also welfare measures for tea garden workers that are supplementary to the provisions of the Plantation Labour Act.

Financial assistance for the above activities is extended through approved schemes.

Development Committee:

The Development Committee comprises of the following members during the year under report:

1. Dy. Chairman, Tea Board, Ex-officio Chairman of the Committee
2. Secretary, Department of Industries and Commerce, Government of Tripura
3. CEO, INDCOSERVE, Tamil Nadu
4. Shri Mrigendra Jalan
5. Shri Rajesh Chander B
6. Shri RajibK.Gohain
7. Shri Sushil K.Berlia

Meetings of the Board/Development Committee:

During the year under report the Board/Development Committee met on 17th November 2023 at Guwahati for 249th Meeting of the Board. The meeting was organised through hybrid mode.

Meetings of the Development Committee were also held on 31-12-2023, at Head Office Kolkata.

1. Tea Development and Promotion Scheme for the remaining period of 15th Finance Commission from 2023-24 to 2025-26

The EFC for "Tea Development and Promotion Scheme" for the 15th Finance Commission Period (2021-22 to 2025-26) was approved by the Government vide F. No. K-57013(11)/1/2021-Plant (A) dated 16.07.2021 with an outlay of Rs. 967.78 crores as per the EFC meeting held on 03.06.2021. The scheme aimed at holistic development of the tea industry with special emphasis on small tea growers.

Subsequently, the Department of Expenditure (DoE) vide OM dated 01.02.2022 restricted its implementation of the scheme up to 30.09.2022 and had asked for fresh appraisal to be carried out on the basis of 'Zero Based Budget' review.

The DMEO under NITI Aayog submitted a report "Evaluation of The Tea Board of India and its Schemes''.

The Board submitted a fresh EFC for the Tea Development & Promotion Scheme, which has been approved by the Government for the remaining period of the Fifteenth Finance Commission Cycle (2023-24 to 2025-26), vide F. No. K-57013(11)/1/2021-Plant (A), dated 22.02.2024, with an outlay of Rs. 664.09 Crs.

The component wise, year wise financial outlay for the scheme is as follows:

Table:1- Component wise, year wise financial outlay of the Tea Development & Promotion Scheme for the remaining period of the 15th Finance Commission 2023-24 to 2025-26

Sl no	Components	2023-24	2024-25	2025-26	Total (Rs in Cr.)
1	Component - 1: Plantation Development & Quality Upgradation	29.18	82.08	91.19	202.45
2	Component-2: Tea Promotion & Market Support	6.92	51.80	55.80	114.52
3	Component- 3: Technological Intervention	0.55	7.00	7.00	14.55
4	Component-4: Research & Development	13.19	13.98	14.59	41.76
	CORE COMPONENTS	49.84	154.86	168.58	373.28
5	Components-5: Welfare & Capacity Measures	3.95	5.65	5.69	15.29
6	Component – 6: Third Party Evaluation	0.00	0.00	1.00	1.00
7	Regulatory Functions including Auctions	0.38	0.00	0.00	0.38
8	Component–7: Establishment Expenses	80.95	93.91	99.28	274.14
	Non-CORE COMPONENTS	85.28	99.56	105.97	290.81
	Total	135.12	254.42	274.55	664.09

The major objectives of the scheme are:

1. Increasing production, especially of Orthodox Tea and Green Tea in the short and long term, and increased overall production and productivity in the long term, through extending assistance for replanting of old and senile tea bushes which are more than 50 years old.
2. Mobilising the small tea growers into SHG and FPOs and federating them through a bouquet of incentives for realising greater value for the tea cultivated by them.
3. Enhancing the stagnant Tea exports from India to 289 m. kgs by 2025-26 and 340 M. Kgs by the year 2030 through value addition, improving quality and brand promotion.
4. Improved extension services, information dissemination, service delivery to its stakeholders by Tea Board through digital, technological interventions.
5. Research and Development through the Tea Research Institutes to effectively manage disease and pests, meet the increasing expectations on minimum residue levels in tea and develop new blends/ value added tea products, to cater to the emerging markets and for enhancing and diversifying exports.
6. Provide for the welfare, and build capacity, of the tea garden workers and small tea growers, in line with the mandate of the Tea Board.

For the year under review, the activities of the newly approved scheme were continued with existing modalities till 31.03.2024.

2. Pradhan Mantri Cha Shramik Protsahan Yojna (PMCSPY) for the period of FY 2024-25 to 2025-26

The Hon'ble Union Finance Minister in her Budget Speech for the Year 2021-22 announced a corpus of INR 1,000 crores towards the welfare and development of tea garden workers, especially women and children in Assam and West Bengal. Accordingly, the Pradhan Mantri Cha Shramik Protsahan Yojna (PMCSPY) has been designed with a focus on providing assistance, developing infrastructure and assets which will help the tea garden workers and their dependents especially in the areas of education and health.

Approval for the scheme was conveyed by the Government vide F. No. K-57013(13)/1/2021-PLANT A, dated 15.03.2024. The PMCSPY is to be implemented during the remaining period of Fifteenth Finance Commission Cycle (2024-25 to 2025-26).

The component wise, year wise, financial outlay of the scheme is as follows:

Table:2- Component wise, year wise financial outlay of the Pradhan Mantri Cha ShramikProtsahanYojna (PMCSPY) for the period of FY 2024-25 to 2025-26

Sl. No.	Components	Assam		West Bengal		Total (Rs. In Cr)
		24-25	25-26	24-25	25-26	
1	Cha Shramik Shiksha Yojana	197.00	196.00	89.00	88.00	570.00
2	Cha Shramik Swasthya Suraksha Yojana	81.00	81.00	36.00	36.00	234.00
3	Cha Shramik Aashray Yojana	65.00	64.00	32.00	31.00	192.00
4	Tea Board PMU for coordination with implementing Ministries, Evaluation and communication	0.85	0.85	0.65	0.65	3.00
	Total	343.85	341.85	157.65	155.65	999.00

3. Receipt and Expenditure for the year 2023-24

The receipt and payment against the components under Development Directorate for the year 2022-23 are as follows:

Table: 3- Fund Received and Disbursed under the Development Component including SCSP & TASP of the Tea Development and Promotion Scheme during 2023-24

Fund Received and Disbursed under the Development Component including SCSP& TASP components of the Tea Development and Promotion Scheme during 2023-24			
(Rs. in Crs.)			
Sl. no	Schemes/Component	Receipt	Expenditure
1	Plantation Development for Small Tea Growers	16.54	16.54
2	Action plan for Niti Forum for North East	5.13	5.13
3	Welfare of Workers	3.34	3.34
4	Scheduled Caste Sub Plan	5.43	5.42
5	Tribal Area Sub Plan	3.20	3.20
	Total	33.63	33.62

4. Presence of Development Offices in India

Apart from two Zonal Offices, one each at Guwahati (Assam) for the entire North Eastern States and Coonoor (TN) for the entire South India, there are 14 Regional offices and 10 sub-regional offices, to cater to the needs of industry stakeholders at the grass roots level. The location are as follows:

Table:4- Location of Regional and Sub-regional offices under Development Directorate-

States	Regional Office (R.O)	Sub Regional Office (S.R.O)
Arunachal Pradesh	1. Itanagar	
Assam	2. Jorhat	1. Sivsagar
	3. Silchar	2. BiswanathChariali
	4. Dibrugarh	3. Rajgarh
	5. Golaghat	4. Lakhimpur
	6. Tezpur	5. Sonari
	7. Tinsukia	6. Udalguri
Mizoram		7. Aizawl
Tripura	8. Agartala	
Bihar		8. Thakurganj
Himachal Pradesh	9. Palampur	
Uttarakhand		9. Almorah
West Bengal	10. Siliguri	10.Kurseong, Darjeeling
	11.Jalpaiguri	
	12.Islampur	
Kerala	13.Peermade, Idukki	
Tamil Nadu	14. Gudalur, Nilgiris	

5. Enumeration of Small Growers and issuance of identity card with QR code:

The enumeration of small tea growers is an ongoing process and the total numbers of small tea growers enumerated till 31.03.2024 are as follows:

Table: 5.Status of issuance of QR Code based cards issued up to 31.03.2024

Sl.No.	State	No of Growers identified*	Area (Ha)*	No. of QR code based cards issued
1.	Arunachal Pradesh	3526	7852.00	--
2.	Assam	133626	125884.71	97402
3.	Bihar	2930	2569.74	2237
4.	Himachal Pradesh	1526	710.00	829
5.	Manipur	473	347.24	--
6.	Meghalaya	734	936.00	416
7.	Mizoram	450	248.00	250
8.	Nagaland	2924	5879.56	2928
9.	Sikkim	35	14.00	--
10.	Tripura	2875	1423.00	866
11.	Uttarakhand	1493	679.00	397
12.	West Bengal	39640	25278.20	33451
	Total North India	190232	171821.45	138776
13.	Karnataka**	--	--	--

14.	Kerala	8077	5373.22	3704
15.	Tamil Nadu	49578	35950.13	25732
	Total South India	57655	41323.35	29436
	Total All India	247887	213144.80	168212

*Provisional, subject to revision.

** No small tea growers in the state of Karnataka.

The Small Tea Growers (STGs) enumeration is a continuous process. On earlier occasions, the STGs numbers and tea area were based on assessment. Tea Board started registering the small tea growers and issuance of QR code based cards, which captures the details of STGs, viz., Name of the STG, land holding, district and State etc., which helps the Board to provide the data on STGs and preparation of various plan schemes etc.

6. Monitoring of Green leaf price through District Green Leaf Price Monitoring Committees:

District Level Price Monitoring Committee meetings were held at different tea growing districts for monitoring of green leaf price.

The Committees consisting of the District Magistrate of the tea growing districts and the representatives of small growers, bought leaf factories and estate factories held regular meetings to iron out the differences on issues relating to small growers.

The Officers of the Board being the Convener of the Committee facilitated the convening of such meetings.

7. Focus on small tea growers

The small tea growers presently contribute significantly to the overall tea production of the country. However, due to the scattered nature of the plantations they are unorganised. The Board is mobilizing the small tea growers into forming Self Help Groups(SHGs) and Farmers' Producer Organisations(FPOs) to help them to move up the value chain. The Board is also imparting training to the small growers on Good Agricultural Practices (GAP), Good Manufacturing Practices (GMP), production of organic tea and following the protocol of the Plant Protection Code(PPC). Workshops at regular intervals to update them about market situation were carried out.

The Board is also focussing on building export potential of small growers so that they can also get the premium price for their produce.

It is worthwhile to note that small growers have moved up the value chain by setting up mini and big tea factories over the years as follows:

Table: 6 Mini Tea Factories set up by small tea growersduring 2023-24

Sl No.	State / Year	2023-24
1.	Assam	7
2.	Bihar	--
3.	Himachal Pradesh	--

4.	Kerala	--
5.	Meghalaya	1
6.	Nagaland	--
7.	Tamil Nadu	2
8.	Uttarakhand	--
9.	West Bengal	2
	Total	12

Table:7- Big tea factories set up by small tea growers during 2023-24

Sl. No.	State	Year of setting up	Name of the factory	Form of ownership	Installed Capacity (m.kg)
1	Assam	2023	Khawrang Valley Tea Producer Company Limited	Farmer Producer Company	0.4
2	Arunachal Pradesh	2023	LohitalleyAgroHorti Industrial Co-OperativeSociety Ltd. (Manna Tea Factory)	Society	1.0

8. Top Producers of tea and Prices fetched

a. Top 5 Estate Factories in terms of tea production during 2023-24 are as follows-

Table: 8

Sl.No.	Factory Name	State
1	Venniar Tea Factory	Tamil Nadu
2	Madupatty	Kerala
3	Kakaijan	Assam
4	Powai Tea Factory	Assam
5	Chokanand Tea Factory	Kerala

(Source- Form E production returns)

b. Top 5 Bought Leaf Tea Factories in terms of tea production during 2023-24 are as follows-

Table: 9

Sl.No.	Factory Name	State
1	Sondeep Tea Factory	West Bengal
2	Dalmia Tea Plantation and Industry	West Bengal
3	Mountview Tea Factory	West Bengal

4	Buds Tea Factory	West Bengal
5	Roy Bari Tea Co. Pvt. Ltd	West Bengal

(Source- Form E production returns)

c. Top 5 estate tea factories that fetched highest price in Auction for CTC and Orthodox tea during 2023-24 are as follows

Table: 10

Sl no.	CTC Tea		Sl no.	Orthodox Tea	
	Name of the factory	State		Name of the factory	State
1.	Halmari Tea Estate Factory	Assam	1.	Mahabirbari Tea Estate Factory	Assam
2.	Sotai Tea Estate Factory	Assam	2.	BorokaiTea Estate Factory	Assam
3.	Gatoonga Tea Estate Factory	Assam	3.	Borahi Tea EstateFactory	Assam
4.	Banamalie Tea Estate Factory	Assam	4.	Sussex Tea Estate Factory	Tamil Nadu
5.	DoomurDullungTea Estate Factory	Assam	5.	Naharhabi Tea Estate Factory	Assam

(Source NSE.iT)

d. Top 5 estate factories that fetched highest price in Auction for Darjeeling tea during 2023-24 are as follows

Table: 11

Sl no.	Darjeeling (West Bengal)
	Name of the factory
1.	Jungpana Tea Estate Factory
2.	Goomtee Tea Estate Factory
3.	Thurbo Tea Estate Factory
4.	Springside Tea Estate Factory
5.	SingellTea Estate Factory

(source NSE.iT)

e. Top 5 Bought leaf tea factories that fetched highest price in Auction for CTC and Orthodox tea during 2023-24 are as follows –

Table: 12

Sl no.	CTC Tea		Sl no.	Orthodox Tea	
	Name of the factory	State		Name of the factory	State
1.	Real Assam Tea Industries	Assam	1.	Jaipur Tea Factory	Assam
2.	Langto Tea Industry	Assam	2.	Rajajuli Tea Factory	Assam
3.	Mahalaxmi Tea Industry	Assam	3.	Bohniman Tea Factory	Assam
4.	Papum Pare Tea Factory	Arunachal Pradesh	4.	Avataa Beverages	Tamil Nadu
5.	Bishnupriya Tea Industries	Assam	5.	Agnigarh Bio Plantations	Assam

(source NSE.iT)

9. Factory Closure:

The tea manufacturing units were closed during the period of winter dormancy in North India (December, 2023 to January, 2024) in order to curb the production of sub-standard teas and to improve the quality.

10. Closed Tea Estates:

a. General

There are 1567 big tea estates in the country, out of which presently 21 are reported to be closed. The workers in the tea plantations are protected primarily by the provisions of the Plantations Labour Act, 1951, the provisions of which are enforced by the concerned State Governments.

b. Reasons of closure/Stress

There is no specific definition for closed/stressed tea gardens as per Tea Act. A Garden is considered closed/stressed by the Tea Board on the basis of the report received from the concerned State Govt. The main reasons may be attributed to poor yield of the estates, ageing bush profile and high vacancy percentage in tea area, negligible or nil uprooting / replanting of age-old tea bushes for years, poor garden management practices, falling quality and price realizations, unease in industrial relations, overall lack of development perspective, highly debt-oriented funding strategy, ownership disputes etc.

The details of tea estates closed in the country are as follows-

Table:13- Tea Estates closed in the country-

Sl. No.	Name of the tea estates (T.E)	Area under Tea (Ha)	State	Date of Closure	No. of Workers		Current Status
					Permanent	Temporary	
1	Panighata	460.15	West Bengal	10.10.2015	787	--	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc.
2	Lankapara	758.45		-	1705	816	The garden was notified under section 16 (E) of Tea Act. The Hon'ble High Court of Calcutta vide order dated 20th September, 2016 had directed the Duncans to ta ke over the management of seven notified gardens including Lankapara. However the Duncan Industries Ltd. failed to reopen the garden. In the meantime, all the assets/gardens of Duncan Industries Ltd. came under the possession of the Insolvency Resolution Professional (IRP) as per direction of NCLT, Kolkata Bench. The IRP is in the final stage of finalizing resolution plan.
3	Dooteriah	444.92		10.01.2018	1248	4	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc. and mismanagement.
4	Raipur	239.83		12.09.2016	617	--	Abandoned by the management
5	Rungmook /Ceders	460.71		24.04.2023	1463	--	Labour unrest due to non-payment of workers dues etc.
6	Raimatang	540.12		11.10.2023	1258	--	Suspension of Work notified by management
7	Dalmore	555.92		15.10.2023	1194	100	Suspension of Work notified by management

8	Dalsingpara	873.23		15.10.2023	1741	--	Suspension of Work notified by management
9	Kalchini	768.14		01.11.2023	1991	--	Suspension of Work notified by management
10	Ramjhora	452.75		01.11.2023	949	--	Suspension of Work notified by management
11	BamandangaTondoo	481.42		08.12.2023	1155	--	Abandoned by the management
12	Dheklapara	197.37		04.12.2023	602	--	Abandoned by the management
13	Samsing	584.72		16.10.2023	945	47	Suspension of Work notified by management
14	Sonali T.E.	206.20		30.12.2023	407	--	Abandoned by the management
15	Ambootia TE	348.46		10.10.2023	826	205	Abandoned by the management
16	Chongtong TE	379.04		28.09.2023	980	12	Abandoned by the management
17	Nagri TE	321.64		28.09.2023	813	--	Abandoned by the management
18	Moondakotee TE	298.78		24.09.2023	861	--	Abandoned by the management
19	Peermade& Lonetree T. E.	679.79	Kerala	01.04.2016	220	--	Labour unrest due to non-settlement of labour dues etc. The Govt. of Kerala is in the process of reopening the estate.
20	Kottamala& Bonami T.E	677.51		23.12.2013/ 11.10.2014	375	--	Labour unrest due to non-settlement of labour dues etc.
21	BonnacordT.E	378.00		05.03.2015	220	--	Estate Management has abandoned the estate due to financial crisis.
	Total	10107.15			20357	1184	

11. Wages of Tea Garden Workers

The wages for workers and staff employed in tea estates in Assam and West Bengal are fixed through a process of negotiations held between the Management and the workers' Unions. The wage negotiations for West Bengal are conducted in the presence of the Labour Commissioner.

In case of Assam the negotiations are concluded at a Bi-partite level and thereafter the agreement is sent to the State Government. The same is examined by the State Government and notified under the Minimum Wages Act for plantation workers.

In case of Kerala, wages are determined through Tripartite Agreement between the Estate Management, Trade Unions and State Govt. Subsequently it is also notified. In case of Tamil Nadu, wages are fixed through collective bargaining between the Tea Producers Associations, Trade Unions and Estate Management and in case of Karnataka wage fixation is notified by the State Govt.

Table:14- Current State-wise Wages in Tea Plantation-

Sl. No.	Name of the State	Plantation District	Effective Date/Period	Daily wages (Rs)
1	Assam	a) Brahmaputra valley	01-10-2023	250.00
		b) Barak valley		228.00
2	West Bengal	a) Dooars	01-06-2023	250.00
		b) Terai		
		c) Darjeeling		
3	Tripura		01-01-2022	176.00
4	Tamil Nadu	a) Annamalais, b) Nilgiris and c) Nilgiri-Wayanad	01-09-2021	454,03
5	Kerala	a) Idukki, b) Waynad	01-01-2023	482.49
6	Karnataka		01-08-2023	425.00
7	Himachal Pradesh		01-04-2023	375.00
8	Uttarakhand		01-08-2022	347.00
9	Sikkim		01-07-2022	500.00
10	Bihar		July 2023	190.00

Table 15.1 Region wise fund utilization and achievements during 2023-24 under Tea Development & Promotion Scheme : Development activities

		North East			North Bengal including Bihar			South India			Himachal Pradesh &Uttrakhand			Total		
Major Head	Major Activity/Sub Component	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of benefi ciaries	Area(ha.) / Million Kg/No. of Events/ Groups/ equipme nt	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of benefi ciaries	Area(h a.) / Million Kg/No. of Events/ Groups / equipm ent	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of benefi ciaries	Area(ha .) / Million Kg/No. of Events/ Groups/ equipm ent	Fund Utilize d (Rs Lakh)	No. of benefi ciaries	Area(h a.) / Million Kg/No. of Events/ Groups / equipm ent	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of benefici aries	Area(h a.) / Million Kg/No. of Events / Group s/ equip ment
PDS-STG	Mechanization	95.04	132	445	179.54	235	1325	1.84	36	39	0.65	8	9	277.08	411	1818
	Assistance to SHGs	306.70	2276	77	---	---	---	87.18	381	17	---	---	---	393.89	2657	94
	Assistance to FPOs	737.53	1862	51	235.46	2681	31	636.31	4296	58	10.94	49	2	1620.24	8888	142
	Annual Awards	2.30	4	4	---	---	---	---	---	---	---	---	---	2.30	4	4
	Assistance for Mini Factory	71.10	6	6	---	---	---	---	---	---	---	---	---	71.10	6	6
	Workshop & Training	1.10	110	5	10.18	1880	85	4.50	808	20	4.78	764	21	20.57	3562	131
	Soil Testing	2.30	922	922	---	---	---	---	---	---	---	---	---	2.30	922	922
	Strengthening of field offices	64.57	---	---	10.63	---	---	3.24	---	---	1.03	---	---	79.46	---	---
	other admin expenses/ bank charges	0.97	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.97	---	---
	Sub Total - PDS STG	**1281.62**	**5312**	---	**435.91**	**4796**	---	**733.07**	**5521**	---	**17.40**	**821**	---	**2468.00**	**16450**	---

Niti Forum	Ensuring quality check and drawing & testing of tea samples	24.13	169	212.00	---	---	---	---	---	---	---	---	---	24.13	169	212
	Organic Certification	0.62	5	11.09	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.62	5	11.09
	Organic Conversion	15.31	9	27.34	---	---	---	---	---	---	---	---	---	15.31	9	27.34
	Incentive for Exporters (M. Kg)	126.67	16	6.31	---	---	---	---	---	---	---	---	---	126.67	16	6.31
	Brand building of tea produced in NER	345.83	--	76.00	---	---	---	---	---	---	---	---	---	345.83	---	76
	Sub Total NF-NE	**512.55**	**199**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**---**	**512.55**	**199**	**---**
Welfare of Workers	Educational Stipend	136.98	1381	1381	37.78	225	225	92.88	516	516	8.16	42	42	275.81	2164	2164
	Award for meritorious students Class X	39.14	488	488	7.68	96	96	0.56	7	7	0.16	2	2	47.54	593	593
	Award for meritorious students Class XII	24.50	245	245	8.80	88	88	4.50	45	45	0.30	3	3	38.10	381	381
	Studies on Tea Industry	--	---	---	19.84	---	---	---	---	---	---	---	---	19.84	---	---
	Sub Total welfare of workers	**200.62**	**2114**	---	**74.10**	**409**	---	**97.94**	**568**	---	**8.62**	**47**	---	**381.29**	**3138**	---
	Grand Total	**1994.79**	**7625**	---	**510.01**	**5205**	---	**831.02**	**6089**	---	**26.02**	**868**	---	**3361.85**	**19787**	---

Table 15.2. Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement for North Eastern States (NER) for the FY 2023-24 including SCSP & TASP

NER state wise		Assam		Tripura		Arunachal Pradesh		Nagaland		Mizoram		Total NER	
Component	Major Activity	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries
PDS-STG	Mechanization	94.331	128	0.71	4	---	---	---	---	---	---	95.0409	132
	Assistance to SHGs	299.17	2246	---	---	---	---	7.539	30	---	---	306.705	2276
	Assistance to FPOs	541.21	1575	1.29	21	---	---	195	266	---	---	737.531	1862
	Annual Awards	2.3	4	---	---	---	---	---	---	---	---	2.3	4
	Assistance for Mini Factory	71.104	6	---	---	---	---	---	---	---	---	71.1038	6
	Workshop & Training	1.1013	110	---	---	---	---	---	---	---	---	1.1013	110
	Soil Testing	2.2958	922	---	---	---	---	---	---	---	---	2.29575	922
	Strengthening of field offices	62.27	---	0.97	---	---	---	---	---	1.33	---	64.57	0
	other admin expenses/ bank charges	0.97	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.97	0
	Sub Total - PDS STG	**1074.7**	**4991**	**2.97**	**25**	---	---	**202.6**	**296**	**1.33**	**0**	**1281.62**	**5312**
Niti Forum for North East	Ensuring quality check and drawing & testing of tea samples	23.277	161	0.85	8	---	---	---	---	---	---	24.1266	169
	Organic Certification	0.6218	5	---	---	---	---	---	---	---	---	0.62178	5
	Organic Conversion	2.35	2	---	---	---	---	12.96	7	---	---	15.305	9
	Incentive for Exporters (M. Kg)	126.67	16	---	---	---	---	---	---	---	---	126.674	16
	Brand building of tea produced in NER	322.61	---	17.25	---	0.354	---	5.61	---	---	---	345.827	0
	Sub Total NF-NE	**475.53**	**184**	**18.1**	**8**	**0.354**	---	**18.57**	**7**	---	---	**512.554**	**199**
Welfare of workers	Educational Stipend	133.21	1349	2.604	21	---	---	1.167	11	---	---	136.977	1381
	Award for meritorious students Class X	38.984	486	0.16	2	---	---	---	---	---	---	39.144	488
	Award for meritorious students Class XII	24.4	244	0.1	1	---	---	---	---	---	---	24.5	245
	Sub Total welfare of workers	**196.59**	**2079**	**2.864**	**24**	---	---	**1.167**	**11**	---	---	**200.621**	**2114**
	Grand Total	**1746.9**	**7254**	**23.94**	**57**	**0.354**	---	**222.3**	**314**	**1.33**	---	**1994.79**	**7625**

Table 15.3. Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement for Other than North Eastern States (ONER) for the FY 2023-24 including SCSP & TASP

ONER state wise		West Bengal		Bihar		Tamil Nadu		Kerala		Himachal		Uttrakhand		Total ONER	
Component	Major Activity	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries
PDS-STG	Mechanization	179.54	235	---	---	1.584	33	0.256	3	0.65	8	---	---	182.04	279
	Assistance to SHGs	---	---	---	---	66.23	258	20.95	123	---	---	---	---	87.18	381
	Assistance to FPOs	235.46	2681	---	---	421.2	3555	215.2	741	10.94	49	---	---	882.71	7026
	Workshop & Training	9.38	1720	0.8	160	3.5	632	1	176	3.93	669	0.853	95	19.46	3452
	Upgradation of skill of officials	0.10	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.10	---
	Strengthening of field offices	9.32	---	1.30	---	3.24	---	---	---	0.018	---	1.007	---	14.893	---
	Sub Total - PDS STG	**433.81**	**4636**	**2.10**	**160**	**495.7**	**4478**	**237.4**	**1043**	**15.54**	**726**	**1.86**	**95**	**1186.4**	**11138**
Welfare of workers	Educational Stipend	36.422	218	1.36	7	92.16	512	0.727	4	7.76	40	0.4	2	138.83	783
	Award for meritorious students Class X	7.68	96	---	---	0.32	4	0.24	3	0.08	1	0.08	1	8.4	105
	Award for meritorious students Class XII	8.5	85	0.3	3	3.8	38	0.7	7	0.3	3	---	---	13.6	136
	Studies on Tea Industry	19.84	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	19.84	---
	Sub Total welfare of workers	**72.442**	**399**	**1.66**	**10**	**96.28**	**554**	**1.667**	**14**	**8.14**	**44**	**0.48**	**3**	**180.67**	**1024**
	Grand Total	**506.25**	**5035**	**3.76**	**170**	**592**	**5032**	**239**	**1057**	**23.68**	**770**	**2.34**	**98**	**1367.10**	**12162**

Table 15.4. Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement for Small Tea Growers for FY 2023-24 Region wise

		North East			North Bengal including Bihar			South India			Himachal Pradesh &Uttrakhand			Total		
Major Head	Major Activity/Sub Component	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / Million Kg/No. of Events/ Groups/ equipment	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / Million Kg/No. of Events/ Groups/ equipment	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / Million Kg/No. of Events/ Groups/ equipment	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / Million Kg/No. of Events/ Groups/ equipment	Fund Utilized (Rs Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / Million Kg/No. of Events/ Groups/ equipment
	Mechanization	95.04	132	445	179.54	235	1325	1.84	36	39						
PDS-STG																

Niti Forum	Ensuring quality check and drawing & testing of tea samples	24.13	169	212.00	---	---	---	---	---	---	---	---	---	24.13	169	212
	Organic Certification	0.62	5	11.09	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.62	5	11.09
	Organic Conversion	15.31	9	27.34	---	---	---	---	---	---	---	---	---	15.31	9	27.34
	Sub Total NF-NE	**40.05**	**183**	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	**40.05**	**183**	---
Welfare of Workers	Educational Stipend	136.98	1381	1381	37.78	225	225	92.88	516	516	8.16	42	42	275.81	2164	2164
	Award for meritorious students Class X	39.14	488	488	7.68	96	96	0.56	7	7	0.16	2	2	47.54	593	593
	Award for meritorious students Class XII	24.50	245	245	8.80	88	88	4.50	45	45	0.30	3	3	38.10	381	381
	Sub Total welfare of workers	**200.62**	**2114**	---	**54.26**	**409**	---	**97.94**	**568**	---	**8.62**	**47**	---	**361.45**	**3138**	---
	Grand Total	**1456.75**	**7609**	---	**479.45**	**5205**	---	**827.78**	**6089**	---	**25.00**	**868**	---	**2788.97**	**19771**	---

Table 15.5. Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement for Small Tea Growers for FY 2023-24 State wise in North East (NER)

NER state wise		Assam		Tripura		Nagaland		Total NER	
Component	Major Activity	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries
PDS-STG	Mechanization	94.33	128	0.71	4	---	---	95.04	132
	Assistance to SHGs	299.17	2246	0.00	0	7.54	30	306.70	2276
	Assistance to FPOs	541.21	1575	1.29	21	195.03	266	737.53	1862
	Annual Awards	2.30	4	---	---	---	---	2.30	4
	Assistance for Mini Factory	71.10	6	---	---	---	---	71.10	6
	Workshop & Training	1.10	110	---	---	---	---	1.10	110
	Soil Testing	2.30	922	---	---	---	---	2.30	922
	Sub Total - PDS STG	**1011.51**	**4991**	**2.00**	**25**	**202.57**	**296**	**1216.08**	**5312**
Niti Forum for North East	Ensuring quality check and drawing & testing of tea samples	23.28	161	0.85	8	0.00	0	**24.13**	**169**
	Organic Certification	0.62	5	---	---	0.00	0	0.62	5
	Organic Conversion	2.35	2	---	---	12.96	7	15.31	9
	Sub Total NF-NE	**26.25**	**168**	**0.85**	**8**	**12.96**	**7**	**40.05**	**183**
Welfare of workers	Educational Stipend	133.21	1349	2.60	21	1.17	11	136.98	1381
	Award for meritorious students Class X	38.98	486	0.16	2	---	---	39.14	488
	Award for meritorious students Class XII	24.40	244	0.10	1	---	---	24.50	245
	Sub Total welfare of workers	**196.59**	**2079**	**2.86**	**24**	**1.17**	**11**	**200.62**	**2114**
	Grand Total	**1234.35**	**7238**	**5.71**	**57**	**216.69**	**314**	**1456.75**	**7609**

Table 15.6. Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement for Small Tea Growers for FY 2023-24 State wise in Other than North East (ONER)

ONER state wise		West Bengal		Bihar		Tamilnadu		Kerala		Himachal		Uttrakhand		Total ONER	
Component	Major Activity	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries	Financial (Rs. Lakh)	No. of beneficiaries
PDS-STG	Mechanization	179.54	235	---	---	1.58	33	0.26	3	0.65	8	---	---	182.04	279
	Assistance to SHGs	---	---	---	---	66.23	258	20.95	123	---	---	---	---	87.18	381
	Assistance to FPOs	235.46	2681	---	---	421.15	3555	215.16	741	10.94	49	---	---	882.71	7026
	Workshop & Training	9.38	1720	0.80	160	3.50	632	1.00	176	3.93	669	0.85	95	19.46	3452
	Sub Total - PDS STG	**424.38**	**4636**	**0.80**	**160**	**492.47**	**4478**	**237.37**	**1043**	**15.52**	**726**	**0.85**	**95**	**1171.39**	**11138**
Welfare of workers	Educational Stipend	36.42	218	1.36	7	92.16	512	0.73	4	7.76	40	0.40	2	138.83	783
	Award for meritorious students Class X	7.68	96	---	---	0.32	4	0.24	3	0.08	1	0.08	1	8.40	105
	Award for meritorious students Class XII	8.50	85	0.30	3	3.80	38	0.70	7	0.30	3	---	---	13.60	136
	Sub Total welfare of workers	**52.60**	**399**	**1.66**	**10**	**96.28**	**554**	**1.67**	**14**	**8.14**	**44**	**0.48**	**3**	**160.83**	**1024**
	Grand Total	**476.99**	**5035**	**2.46**	**170**	**588.74**	**5032**	**239.03**	**1057**	**23.67**	**770**	**1.33**	**98**	**1332.22**	**12162**

Table 15.7. Tea Development & Promotion Scheme: Physical & Financial achievement under welfare of wards of small tea growers for FY 2023-24

Physical & financial achievement under welfare of workers for the F Y 2023-24											
		North East		West Bengal including Bihar		South India		Himachal Pradesh &Uttrakhand		Total(All India)	
Major Head	Major Activity/Sub Component	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries
Welfare of workers	Educational Stipend (no)	136.98	1381	37.78	225	92.88	516	8.16	42	275.81	2164
	Award for meritorious students Class X	39.14	488	7.68	96	0.56	7	0.16	2	47.54	593
	Award for meritorious students Class XII	24.50	245	8.80	88	4.50	45	0.30	3	38.10	381
	Studies on Tea Industry			19.84	0					19.84	0
	Sub total	**200.62**	**2114**	**74.10**	**409**	**97.94**	**568**	**8.62**	**47**	**381.29**	**3138**

Table 15.8. Tea Development & Promotion Scheme: Physical & Financial achievement under welfare of wards of small tea growers for FY 2023-24 State wise

State wise Physical & financial achievement for the welfare of workers for the FY 2023-24											
	Assam	Tripura	Nagaland	Meghalaya	West Bengal	Bihar	Tamil Nadu	Kerala	Himachal Pradesh	Uttrakhand	Total
Financial (Rs. In Lakh)	196.59	2.86	1.17	0.00	72.44	1.66	96.28	1.67	8.14	0.48	**381.29**
No. of beneficiaries	2079	24	11	0	399	10	554	14	44	3	**3138**

Table 15.9. Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement under Schedule Caste Sub Plan (SCSP) for FY 2023-24 Region wise

		North East			West Bengal including Bihar			South India			Himachal Pradesh &Uttrakhand			Total		
Major Head	Major Activity/Sub Component	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / No. of Events/ No. of equipment/ STGs	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / No. of Events/ No. of equipment/ STGs	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / No. of Events/ No. of equipment/ STGs	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / No. of Events/ No. of equipment/ STGs	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) / No. of Events/ No. of equipment/ STGs
PDS-STG	Mechanization	41.73	54	195	121.8	156	927	---	---	---	---	---	---	163.62	210	1122
	Assistance to SHGs	12.97	42	2	---	---	---	52.25	148	4	---	---	---	65.21	190	6
	Assistance to FPOs	14.66	35	1	62.42	909	8	212.76	436	3	---	---	---	289.84	1380	12
	Workshop	0.20	20	1	1.78	200	4	0.28	60	1	3.38	559	14	5.64	839	20

	&Training															
	Soil Testing	0.15	58	58							---	---	---	0.15	58	58
	Sub Total	**69.71**	**209**	**257**	**186.09**	**1265**	**939**	**265.29**	**644**	**8.00**	**3.38**	**559**	**14.00**	**524.47**	**2677**	**1218**
Welfare of workers	Educational Stipend	1.99	20	---	8.15	46	---	0.20	2	---	0.72	4	---	11.06	72	0.00
	Award for meritorious students Class X	1.06	12	---	1.20	15	---	---	---	---	---	---	---	2.26	27	0.00
	Award for meritorious students Class XII	0.50	5	---	3.70	37	---	0.10	1	---	---	---	---	4.30	43	0.00
	Sub Total	**3.56**	**37**	**---**	**13.05**	**98**	**---**	**0.30**	**3**	**---**	**0.72**	**4**	**---**	**17.62**	**142**	**0.00**
	Grand Total	**73.27**	**246**	**---**	**199.14**	**1363**	**---**	**265.59**	**647**	**---**	**4.10**	**563**	**---**	**542.10**	**2819**	**---**

Table 15.10. Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement under Schedule Caste Sub Plan (SCSP) for FY 2023-24 State wise

State wise achievement under SCSP for the F Y 2023-24									
State wise	**Assam**	**Tripura**	**West Bengal**	**Bihar**	**Tamil nadu**	**Kerala**	**Himachal Pradesh**	**Uttrakhand**	**Total**
Financial (Rs. In Lakh)	73.27	---	198.76	0.38	183.21	82.38	3.25	0.85	542.10
No. of beneficiaries	246	---	1361	2	579	68	468	95	2819

Table 15.11 Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement under Tribal Area Sub Plan (TASP) for FY 2023-24 Region wise

All India Physical & Financial achievement for the F Y 2023-24 under TASP																	
		North East			West Bengal including Bihar			South India			Himachal Pradesh &Uttrakhand			Total		
Major Head	Major Activity/Sub Component	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) /No. of Events/ No. of equipment/ Group	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) /No. of Events/ No. of equipment/ Group	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) /No. of Events/ No. of equipment/ Group	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) /No. of Events/ No. of equipment/ Group	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	Area(ha.) /No. of Events / No. of equipment/ Group
PDS-STG	Mechanization	53.00	71	242	57.25	78	397	---	---	---	---	---	---	110.25	149	639
	Assistance to SHGs	9.08	54	3	---	---	---	16.65	39	2	---	---	---	25.74	93	5
	Assistance to FPOs	36.17	95	3	18.75	112	4	86.89	666	4				141.81	873	11
	Assistance for Mini Factory	9.54	2	2	---	---	---	---	---	---	---	---	---	9.54	2	2
	Workshop & Training	---	---	---	---	---	---	0.95	258	2	1.34	192	6	2.29	450	8
	Soil Testing	0.04	17	17	---	---	---	---	---	---	---	---	---	0.04	17	17
	Sub Total	**107.83**	**239**	**---**	**76.00**	**190**	**401**	**104.49**	**963**	**---**	**1.34**	**192**	**---**	**289.66**	**1584**	**---**
WELFARE OF WORKERS	Educational Stipend (no)	17.05	199	---	1.28	7	---	---	---	---	1.85	12	---	20.18	218	---
	Award for meritorious students Class X	5.44	68	---	0.16	2	---	---	---	---	---	---	---	5.60	70	---
	Award for meritorious students Class XII	4.00	40	---	0.10	1	---	---	---	---	---	---	---	4.10	41	---
	Sub Total	**26.49**	**307**	**---**	**1.54**	**10**	**---**	**---**	**---**	**---**	**1.85**	**12**	**---**	**29.88**	**329**	**---**
	Grand Total	**134.32**	**546**	**---**	**77.54**	**200**	**---**	**104.49**	**963**	**---**	**3.19**	**204**	**---**	**319.54**	**1913**	**---**

15.12 Tea Development & Promotion Scheme: Physical and Financial achievement under Tribal Area Sub Plan(TASP) for FY 2023-24 State wise

Statewise achievement under TASP for the F Y 2023-24											
Statewise	Assam	Tripura	Nagaland	Meghalaya	West Bengal	Bihar	Tamil Nadu	Kerala	Himachal Pradesh	Uttrakhand	Total
Financial (Rs. In Lakh)	110.97	2.33	21.03	---	77.54	---	57.92	46.57	2.99	0.20	319.54
No. of beneficiaries	464	17	65	---	200	---	923	40	203	1	1913

12. Other activities:

Apart from implementation of the Board's scheme, the field officers are responsible for providing advisory services to the small tea growers, bought leaf tea factories, collectivization of the small tea growers in formation of the Self Help Groups, FPOs & FPC, vigil on the quality of raw materials as well as made tea, implementation of compliance to Plant Protection Code, collection of various statistical data that help in formulation of policies, organizing workshops/seminars on different technical issues, promotion of tea, creating awareness on quality and health benefits for increasing domestic consumption, hand holding the small tea growers for availing assistance from other Government bodies, collecting tea samples for analysis under various quality parameters, encouraging growers to cultivate organic teas for better price realization, encouraging factory owners for product diversification and value addition etc. All such activities are aimed towards doubling the farmer's income, to make them self-sustainable and self-reliant- a step towards AtmaNirbhar Bharat.

a. The details of workshops/seminars/awareness program conducted by the Board's offices during 2023-24 in the country

Table: 16

Region	Financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	No. of Events
North Bengal and Bihar	10.18	1880	85
North East	1.10	110	5
South India	4.50	808	20
Himachal Pradesh and Uttarakhand	4.78	764	21
Total	20.57	3562	131

b. Important Development Events in North Eastern States

1. Participated in 8th International Agri Horti Show at Khanapara, Guwahati from 16.12.2023 to 18.12.2023 which was inaugurated by the Hon'ble Chief Minister of Assam .



2. Participated in 34th Tripura Industries and Commerce Fair, 2024 organized by the Department of Industries and Commerce, Govt. of Tripura held at Hapania International Fair Ground, Agartala from 25.01.2024 to 11.02.2024. Hon'ble Chief

2. **Participated in 34th Tripura Industries and Commerce Fair, 2024 organized by the Department of Industries and Commerce, Govt. of Tripura held at Hapania** International Fair Ground, Agartala from 25.01.2024 to 11.02.2024. Hon'ble Chief Minister of Tripura, Professor (Dr) Shri ManikSaha visited the Tea Board's Stall in **the event.**



3. **A Three Days Training programme on Packaging of Tea was organisedat, Agartala in coordination with the Indian Institute of Packaging, Kolkata Centre from 21.11.2023 to 23.11.2023.In the said programme Tea Manufacturers comprising of Estate Factories, Small Tea Growers and Bought Leaf Factories of Tripura Region attended.**



4. **A Three Days training cum Workshop programme** on "Packaging of Tea" was **organised at Wokha, Nagaland in association with IIP, Kolkata. The programme was held from 29th to 31st January 2024 with a total of 42 number of participants.**



5. **World environmental Day** – Celebrated at Board's field offices on 05.06.2024.





6. District Green Leaf Price Monitoring Committee Meetings organised by Board's **Field offices during 2023-24 :**





7. Workshop/Training carried out at various Board's offices, during 2023-24 :



8. **Collection of Made Tea Samples by various Field Offices during 2023-24 for ensuring quality check under FSSAI and Plant Protection Code :**



9. Tea Waste denaturing activity of failed teas under FSSAI and PPC carried out by Board's Field Offices during 2023-24 :





10. Surprise visit by Board's officials to Tea Estates for checking Green Leaf Quality and fine leaf percentage during 2023-24 :





11. Mini Tea Factory visit for inspection for financial assistance









12. Seminar on tea cultivation with special emphasis on climate change & its impact along with Annual Awards Ceremony for best performing SHGs/FPOs/FPCs of NE region was conducted by Tea Board, Jorhat on 05.04.2023.



1. Distribution of RCF and award for best performing and progressive SHGs/FPO





2. Training programmes and workshops







3. Demonstration of soil sampling at Gundada on 02.02.2024



4. Safe Tea Production awareness programme along with FSSAI officials on 14.02.2024 at Kotagiri



5. Subsidy disbursement programmes organised at KayyunniFPO on 10.08.2023. attended by Executive Director



6. Ayushman Bharat Camps at Highfield TE and Singara TE, Coonoor on 24.1.2024





7. Subsidy disbursement programme for small tea growers of Nilgiris District by Honble Minister of State in the Ministry of Fisheries, Animal Husbandry and Information and Broadcasting Dr.L.Murugan on 09.12.2023



1. Post procurement inspection at Mekhliganj Aponjan Tea Producers Welfare Society on 13.10.2023 at Bhotbari, Mekhliganj, Coochbehar.



2. One day workshop cum field training in village Sipaipara, Rajganj, DistJalpaiguri for STGs of Binnaguri on quality plucking and GAP on 23-08-2023.



3. One day day workshop cum training programme for STGs at Hulasugachh village, Chopra, Dist. Uttar Dinajpur, West Bengal, on 13.09.2023



4. One-day Workshop for the STGs of Bihar on 18.10.2023at Khajurbari, Dist.-Kishanganj



e. Important Development Events in Himachal Pradesh

1. Institutional training at HP State Co-operative Development Fed. at Garli on recent amendments in Acts and Rules, Right and duties of Management, Common accounting system, BDP and Special Privileges of members of Cooperative Societies on 21-02-2024 under SCSP Scheme



2. Training Programme cum Workshop conducted by Tea Board Palampur for SC STGs of Jai Sri Ram Laghu Chai Utpadak Scociety under SCSP on 11-09-2023 at Tanda





3. Institutional training at HP State Co-operative Development Fed. at Garli on recent amendments in Acts and Rules, Right and duties of Management, Common accounting system, BDP and Special Privileges of members of Cooperative Societies on 01-03-2024 under TASP Scheme





f. Valuation of tea bush and shade tree in tea garden of West Bengal

At the instance of the Department of Land & Land Reforms and Refugee Relief & Rehabilitation, Land Policy Branch, Government of West Bengal, for revision of rate of price of compensation of tea bush and shade tree in tea gardens of West Bengal in the event of its resumption or taking over, a Committee was formed by the Board with Members from the Consultative Committee of Plantation Associations (CCPA), Tea Research Association, National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) and Tea Board. The Committee submitted its report and vide notification No. 4731-LP/3T-30/2014, dated 21.11.2023 the Government of West Bengal notified the rates as follows to be effective from 1st January 2023 and applicable for those land acquisition awards declared on or after 01.01.2023:

(i) For tea bushes : Rs. 331/- per bush in plain areas

&

Rs. 354/- per bush in hill areas

(ii) For shade trees Rs. 6000/- per tree

Chapter-5:

Tea Research

Research Directorate of Tea Board India coordinates and evaluates Tea Research with the assistance of three Tea Research Institutes (TRIs) engaged in conducting Tea Research & Development activities throughout India i.e. Tea Research Association (TRA) for North India, UPASI-Tea Research Foundation for South India, and Darjeeling Tea Research & Development Centre (DTRDC) for Darjeeling. The Research & Development activities undertaken during (2023-2024) are summarized hereunder:-

5.1 Tea Research Association (TRA):

5.1.1 Plant Physiology & Breeding:

5.1.1.1 Physiological and yield performance of promising seed stocks under long term trial was assessed. Net Photosynthesis and Water Use Efficiency (WUE) was higher in St. 643 (22.5 $\mu molm^{-2}s^{-1}$, 9.31 $\mu molm\ mol^{-1}$) followed by St. 673 (21.8 $\mu molm^{-2}s^{-1}$, 8.91 $\mu molm\ mol^{-1}$) over control TS-520 (14.87 $\mu molm^{-2}s^{-1}$, 4.71 $\mu molm\ mol^{-1}$). St. 673 showed higher yield over control TS-520. The strength, brightness, briskness and quality of CTC tea manufactured were also higher. Similarly, the orthodox tea of St. 673 showed high flavour and quality over control TS-520. Screening of promising seed stocks against the Tea Mosquito Bug (TMB) showed high tolerance capacity in St. 673 when compared with TS-520, TV-1, TV-19, TV-20 and TS-491. Plan has to be setup to screen the planting materials against the Looper and Red Spider Mite (RSM). Work is in progress.

5.1.1.2 Yield performance of 527 series clones under long term trial was compared with the yield of controls (TV-1 and TV-20). The highest yield recorded in clone 527/4 over the control. Further evaluation is in progress. Yield of five triploid clones along with TV-1 as control was assessed. Highest crop yield was recorded in clone 615/11. Yield of germplasm 650 (Borbhetta progeny selection) was assessed along with the controls (TV-1 and TV-30). Germplasm 650/12 followed by 650/1 produced higher yield.

5.1.1.3 Distinctness, Uniformity and Stability (DUS) data for four varieties (TV-31, TTRI-1, TTRI-2 and TSS-1) have been submitted to the Protection of Plant Varieties & Farmers' Rights Authority (PPVFRA) for registration. Registration Certificates for TV-32 and TV-33 have already been issues.

5.1.1.4 Tow commercial products (Gainexa and UPSB-0122) have been evaluated. Application of Gainexa (@ 2,000 ml/ha) and UPSB-0122 (@ 2,500 ml/ha) have shown encouraging results. Compilation of biochemical, physiological and organoleptic data is under process.

5.1.1.5 Three new projects entitled (i) “Tea germplasm conservation and clonal selection for development of superior planting materials”, (ii) “Identification of suitable tree species as shade trees for tea plantations”, and (iii) “High temperature stress management in tea through ɑaminobutyric acid", have been drafted and submitted to the funding agencies.

5.1.2 Biotechnology:

5.1.2.1 (*Under project entitled "Germplasm characterization, genomics analysis, and gene discovery for yield, metabolite, and stress tolerance in tea"*) Image-based phenotyping of 97 tea germplasm and 30 TV series clones have been done for quantitative characterization of morphological traits (shape, size and colour) and to study their association with desirable agronomic traits like drought tolerance following the guidelines given by the Protection of Plant Varieties & Farmers Rights' Authority (PPVFRA). Physiological parameters like photosynthetic rate, stomatal conductance, transpiration rate, and intercellular CO_2 concentration were also monitored. A nursery experiment has also been set up for transcriptome analysis for drought response.

5.1.2.2 (*Under project entitled "Establishing efficient platform for genetic engineering in tea"*) Somatic embryogenesis was obtained from cotyledonary explants of TV-1, TV-20 and Betjan in MS Media with 0.5 mg/l BAP and 2 mg/l GA_3. After 2-3 weeks of initiation, the multiplication of somatic embryos was obtained in MS + 0.5 mg/l BAP + 2.5 mg/l NAA. Different stages of somatic embryos are identified histologically. TV-1 showed high multiplication with an efficiency of 70-75% whereas Betjan showed prominently smaller sizes of embryos with 50-60% multiplication efficiency. TV-20 also showed multiplication efficiency of 60%. The cotyledonary stage embryos have a conversion percentage (45%) into seedling with prominent roots and shoots in Maturation Media with ABA in TV-1. The germinated embryos after one month are transferred to Regeneration Media with different concentration of BAP, IBA and GA_3 for plantlet growth. Secondary embryogenesis of TV-1 and TV-20 somatic embryos are observed and maintained at globular stage by sub-culturing in Multiplication Media for genetic transformation work to be followed.

5.1.2.3 (*Under project entitled"Value addition and Product Diversification in Tea"*) Non-cytotoxic dose of purified theaflavin (TF-1), theaflavin monogallate (TF-2), and theaflavin digallate (TF-3) of 75 µg/ml was found to confer protection in the pre-treated cells (prophylactic) against menadione induced oxidative stress in MDA-lipid peroxidation assay. The same for the non-fractionated theaflavin (TFs) is 100 µg/ml. Intra-cellular ROS assay showed that TF-2, TF-3, and TFs are found to be prominent antioxidant. Among the three, TF-3 and TFs are most prominent in conferring prophylactic protection against oxidative stress. Molecular confirmation of antioxidant dose through antioxidant gene expression studies showed up-regulation superoxide dismutase (SOD) and down-regulation of catalase and glutathione-s-transferase (GST). The expression of genes are in concurrence with cell control gene expression and opposite with positive control *i.e.* menadione treated cells. Immunomodulatory study with TF-3 and TFs pretreatment have shown the inhibition of tumor necrosis factor (TNF-α) and interferon (INF-γ) cytokines expression in molecular level which has been stimulated on HT-29 cell line with LPS (Lipopolysaccharide) of 1000 ng/ml and PMA (Phorbol 12-Myristate 13-Acetate) of 10 ng/ml. The antioxidant dose of TF-3 and TFs is further confirmed as non-genotoxic by performing CBMN (Cytokinesis Block Micro-Nuclei) assay followed by DNA damage assay *i.e.* Comet assay.

5.1.2.4 Under molecular studies on foliar application of Biochar, the Quantitative real time PCR was done to study the gene expression of 18S, Rubisco, PPO for polyphenols, SOD for antioxidant, JAZ and CBP for defense parameters in 2-3% Biochar foliar treated plants at two time points (24 and 48 hrs) in clone TV-1.

5.1.2.5 For an understanding of probable pesticide resistance mechanism in insect-pests, the isolation and characterization of thirteen gut bacteria from *Hyposidra talaca* and six gut bacteria from *Eterusiaaedea aedea*and molecular identification was done using 16S rRNA gene. Nine bacterial isolates from gut of target insect-pests (*H. talaca* and *E. aedea*) showed 99% Deltramethrin degrading capacity by GCMS analysis in mineral salt media within 48 hrs.

5.1.3 Entomology:

5.1.3.1 (*Under project entitled "Development of sustainable agriculture practices for biotic & abiotic stress management in conventional & organic tea plantations"*) Relative susceptibility studies and enzyme assays for general esterase, glutathione-transferase and cytochrome P450 of looper and red slug from South Bank, North Bank, Upper Assam, Cachar, Terrai, Tripura and Dooars have been done. All these field populations showed different levels of resistance to the selected insecticides. Dooars populations exhibited higher level resistance in comparison to Upper Assam and North Bank. The recommended doses of Deltamethrin and Quinalphos were found to be ineffective against looper whereas Emamectin Benzoate and Flubendiamide continued to be effective. In the case of red slug, Flubendiamide and Deltamethrin were found to be ineffective whereas Emamectin Benzoate and Quinalphos showed good efficiency. Scanning electron microscopy revealed an increase in looper skin thickness with successive larval instars, with a positive correlation observed between Deltamethrin toxicity and skin thickness indicating a barrier effect that reduces insecticide effectiveness in later larval stages. A transcriptomics experiment has also been initiated aiming to investigate the potential differences in resistances between susceptible and resistant populations which will be followed by gene expression analysis.

5.1.3.2 (*Under project entitled "Development of Chitosan-based nano-botanical biopesticide using Neem & Karanj Oil and its evaluation against Tea Mosquito Bug (TMB), Red Spider Mite (RSM) and Looper"*) The efficacy of Chitosan Nanoparticle-based Neem and Karanj Oil have been tested against the key pests of tea viz. TMB (*Helopeltis theivora*), RSM (*Oligonychus coffeae*), Red Slug (*Eterusia aedea*) and Looper (*Hyposidra talaca*) under both laboratory and field conditions.

5.1.3.3 (*Under project entitled "Sustainable Tea Pests Management in Assam - An IPM Taskforce Initiative"*) For evaluating the efficiencies of three IPM Packages viz. TRA Package, Integrated Package (TRA, CABI and Rainforest Alliance), and Rythu Sadhikara Samstha (RySS) Package, experiments have been laid out in three Tea Estates namely Tezpore & Gogra TE, Nahortoli TE and Borsapori TE. Data is being collected from all experimental plots at regular interval.

5.1.3.4 (*Under project entitled "Development of bio-rational non-chemical based IPM Package for live-wood-eating Termite"*) To observe the efficacy of bio-control agents (*Metarrhizium anisoplae*, *Entomopathogenic nematode*, *Trichoderma*) and their combination with Thiamethoxam against termite, the multi-location field experiments have been conducted in termite infested sections of many tea estates located in different regions of North-East India namely Borbhetta TE (Assam), Golakpur TE (Tripura), Koomber TE (Silchar). To study the diversity and variation of fungi community in fungal comb located inside the termite nest and wood surface, the ITS-based Amplicon Sequencing was done. 159-168 Amplicon Sequence Variants (ASV) were found to be unique in the fungal comb. The Termitomyces species dominant in the fungal comb of

termite collected from Borbhetta TE (Assam) is identified as *Termitomyces umkowaan*. The morphological and molecular identification data of the fungi isolated from gallery soil of live-wood-eating termite *Microtermes obesi* revealed the presence of ten distinct strains of fungi (*Penicillium janthinellum*, *Aspergillus aculeatus*, *Trichoderma virens*, *Penicillium citrinum*, *Cunninghamella* sp., *Gongronella butler*, *Fusarium oxysporum*, *Scedosporium boydii*, *Trichoderma reesei* and *Purpureocillium platinum*). The presence of enzyme groups including cellulolytic, ligninolytic and xylanolytic enzymes was examined. Species like *Pseudopestalotiopsis camelliae-sinensis*, *Trichoderma harzianum*, and *Fusarium oxysporum* showed significant positive results for all three groups of enzymes.

5.1.3.5 (*Under project entitled "Exploration and utilization of EPN-based Biofighter formulation"*) The effectiveness of Biofighter formulation (Agel) containing two strains entomopathogenic nematodes (EPN) namely *Heterorhabditis indica* and *Steinernema carpocapsae*, was assessed in many tea gardens located in Assam and Terai region against Thrips (*Scirtothrips dorsalis*) and Greenfly (*Empoasca flavescens*). Under laboratory conditions, both the strains achieved 100% mortality for Thrips and Greenfly within 96 hours. Field trials, however, demonstrated a reduction of 60-70% in Assam and 50-60% in Terai region. Against Looper (*Hyposidra talca*), the Biofighter showed 30-50% reduction in Looper population. Another Neem-based botanical product (Mitlar Plus @ 2 ml/lit) also showed promising efficacy against Thrips and Greenfly.

5.1.3.6 (*Under project entitled "Evaluation of Mak Adjuvol as an adjuvant with recommended pesticides"*) To observe the efficacy of Mak Adjuvol as an adjuvant with recommended pesticides, both the laboratory and field trials have been performed. Combination of Etoxazole with Mak Adjuvol against Red Spider Mite (RSM) showed higher reduction in RSM infestation as compared to Etoxazole alone. Similarly, use of other pesticides (Deltamethrin, Emamectin Benzoate, Quinalphos, Thiamethoxam) in combination with Mak Adjuvol against Greenfly, Looper, Red Slug, Thrips and Tea Mosquito Bug (TMB) was more effective over the application of pesticides alone. Conjunctive use of fungicide/herbicides and Mak Adjuvol also proved superior.

5.1.3.7 (*Under project entitled "Camellia I-Drone an Intelligent Automatic System for Pest Infestation Assessment and Spraying Intervention"*) Drone designing has been completed for pest infestation assessment and spraying in tea plantations. Two patents have been filed.

5.1.4 Mycology & Microbiology:

5.1.4.1 The findings of a field trial to see the role of PGP microbes in young tea using half of the recommended dose of fertilizer along with different PGP microbes and their consortium, revealed that maximum crop gain was recorded with *Bacillus subtilis* (BST) followed by *Azotobacter chroococcum* (AZR) and *Azospirillumbrasilense* (AZM). The analysis of soil samples collected from the experimental site indicated that the content of Organic Carbon (OC), available Nitrogen (N), Phosphorus (P) and Potassium (K) was higher in the plots treated with AZM, BST, BST and AZR, respectively.

5.1.4.2 The results of an experiment conducted with a new fungicide formulation (Thiofluzamide 24% SC) for controlling the grey blight disease (cause by *Pestalotiopsis theae*) showed a reduction in the disease infestation to the tune of 36.28%. Similarly, the

use of another new fungicide formulation (Hexaconazole 5% + Validamycin 2.5% SC) against Fusarium die back disease resulted in up to 90% reduction in disease infestation.

5.1.4.3 Six strains of beneficial microbes have been isolated from the tea phylloplane samples collected from Hoolungoorie TE and Harmutty TE under stressed conditions. The screening for beneficial activities of the isolated strains is in progress.

5.1.4.4 An amount of Rs. 62,55,389/- and Rs. 2,47,524/- has been earned by selling of bioformulations and testing of various samples, respectively.

5.1.5 Soils:

5.1.5.1 (*Impact of Nano-urea*) The findings of an experiment showed that the application of Nano-urea alone decreased the tea yield to the tune of 5.73% to 14.10%. The content of available Nitrogen (N) in the soil of the sole Nano-urea treatment also decreased by 25% to 28%. The quality of made tea in respect of biochemical and organoleptic parameters were not affected by application of Nano-urea alone or in combination with urea. Based on the overall findings, it was concluded that to maintain the sustainable yield and adequate level N in soil, only 25% replacement of ground application of urea is possible by four splits of foliar sprays of Nano-urea.

5.1.5.2 (*Effect of Acadian GoldStar - a biostimulant*) Acadian GoldStar is an seaweed *(Ascophyllum nodosum*) extract-based soluble organic powder containing an exclusive mixture of beneficial compound including alginic acid, betaines, mannitol and fucose. An increase in crop yield to the tune of 5.7% was registered by applying the GoldStar @ 750 g/ha. An improvement in leaf chlorophyll content was also observed. However, the quality of made tea in respect of biochemical and organoleptic parameters was not affected.

5.1.5.3 (*Effectiveness of Biokad*) Biokad is extracted from botanical source containing biologically active L-amino acids. An increase in crop yield to the tune of 4.1% was registered by applying the GoldStar @ 350 ml/ha. An improvement in leaf chlorophyll content was also observed. In the green leaves plucked from the Biokad-treated plots, a decrease in the pesticide (Thiamethoxam) residue level by 59% was observed as compared to the control plot.

5.1.5.4 (*Effect of Polyhalite*) Polyhalite ($K_2Ca_2Mg\ (SO_4)_4.\ 2H_2O$) is a mineral fertilizer containing four important plant nutrients viz. Potassium (14% as K_2O), Calcium (17% as CaO), Magnesium (6% as MgO) and Sulphur (19%). Findings tell that the conjunctive use of MoP and Polyhalite in a ratio of 64:34 is beneficial. It was also observed that the soil content of available K & S and exchangeable Ca & Mg enhanced by applying Polyhalite.

5.1.6 Agronomy:

5.1.6.1 (*Effect of Double Dip Skiff*) The results showed that Double Dip Skiff (DDS) done at 3 cm above the previous DS mark and Tip over 2 leaf produced more yield as compared to control i.e. LP and Tip as per practice.

5.1.6.2 (*Evaluation of Aquafert*) Foliar application of treatments was done at monthly interval during active plucking season. Among the treatments, five rounds spray of 1%

Urea + 1% Zinc Sulphate Heptahydrate (21% Zn) + Aquafert 2.5 kg/ha were found effective.

5.1.6.3 (*Evaluation of Silagreen*) Foliar application of growth regulator Silagreen @ 150 ml/ha and Standard (1% Urea + 1% $ZnSO_4$) resulted in 11.83% increase in crop yield.

5.1.6.4 (*Evaluation of Rapigro*)Foliar application of Rapigro @ 500 ml/ha and Standard (1% Urea + 1% $ZnSO_4$) resulted in 13.48% increase in crop yield.

5.1.6.5 (*Evaluation of Siapton 10L*) The results of application of Siapton 10L @ 500 ml/ha were encouraging.

5.1.6.6 (*Evaluation of 2,4-D Amine Salt 22.5% SL*)Based on the trial results for two season it was concluded that application of 2,4-D Amine Salt 22.5% SL @ 5,330 ml/ha is optimum dose to manage the problem of weeds in tea plantations and safe to tea bushes.

5.1.6.7 (*Evaluation of Saflufinacil 70% WG*) Saflufinacil 70% WG was tested along with Glufisinate Ammonium 13.5% SL, Paraquat Dichloride 24% SL and Glyphosate 71% SG (standard check). Application of Saflufenacil 70% WG was found effective against *Ageratum conyzoides*, *Cynadon dactylon* and *Mimosa invisa* but less effective against *Borreria hispida* and *Axonopus compressus*.

5.1.7 Biochemistry:

5.1.7.1 (*Value Addition & Product Diversification*) Work on fractionation and purification of four individuals of theaflavins using solvent partition is continued. Encapsulation of theaflavins by liposome formation with lecithin followed by chitosan coating is carried out. Preliminary DLS and zeta potential study conform to the formation of particle size averaged around one micron. Extraction, separation, and purification of theaflavins from black tea is continue and the process will be applied for patent. 35 popular cultivars have been analyzed for important biochemicals mainly EGCG content. Effect of decaffeination on total catechin and polyphenol content of green leaf is studied. Decaffeinated samples showed better ROS activity and will be developed as nutraceuticals. Cytotoxicity and ROS study of theaflavin on HT 29 and A 549 cell line is evaluated and observed good efficacy. Process for development of black tea powder containing high theaflavin (>5%) is in progress.

5.1.7.2 (*Theaflavins Profile - formation during oxidation and correlation with Tasters' Quality in CTC Black Tea*) Separation and purification of four theaflavins and HPLC method for determination of individual theaflavins is standardized. Change in individual theaflavins with the progress of oxidation under controlled environment is studied. Tasters' correlation with theaflavins processed at different time of fermentation/ oxidation is also studied.

5.1.7.3 (*Development of theaflavin-based nutraceuticals*) Production of tea powder with high theaflavins and development of theaflavin capsules as a nutraceutical product is in progress.

5.1.7.4 (*Quality contributing biochemical profile of biclonal seed stocks*) Comparative statement on biochemical contents of biclonal seed stocks under identical environment and variations of quality components with harvesting seasons are being studied.

5.1.7.5 Work on standardization of methodology for estimation of vitamin B12 and Folate in fortified black tea samples is in progress. Work on Ayurvedic tea formulation and clinical trial of thiaflavins as combination therapy for HCV has been initiated in collaboration with Patanjali Research Institute and Jorhat Medical College.

5.1.8 Analytical Services:

Study on the source and occurrence of nicotine in tea is in progress. Existence of nicotine in different parts of tea plants of various cultivars, common weeds of tea gardens and different herbs reported with potential effect against tea pests & diseases has been determined. Occurrence pattern of nicotine in teas collected from different tea gardens and market places has also been determined.

5.1.9 Climate & GIS:

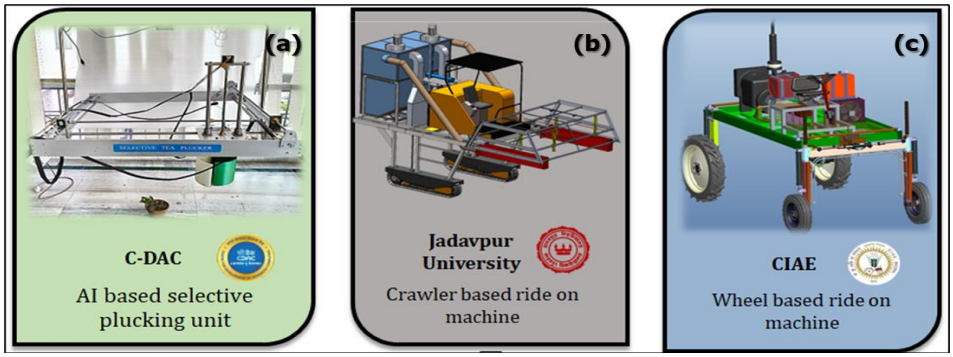
5.1.9.1 (*Under project entitled "National Mission for Sustaining Himalayan Ecosystems - Taskforce on Agriculture"*) Database development of climatic parameters and data sharing with lead centre for modeling purposes is continued. Study on the impact of rainwater harvesting on the microclimate of an area is initiated which is being considered to be an important adaptation measure. The study area chosen for this objective is the Borbhetta TE located in South Bank region of Assam. A rainwater harvesting pond measuring 400 m^3 (27x11x1.35) has been developed for harvesting and storing the rainwater along with the objective of improving the microclimate of the area. Month-wise climatic parameters viz.temperature,CO_2andhumidity data is being collected at various locations surrounding the pond.

5.1.9.2 (Under project entitled "Moving towards a Carbon Neutral Pathway for Tea Industry") Draft survey questionnaire has been prepared for data collection and sent to the funding agency for approval. Regarding the project's progress and future road map, a meeting was convened on March 19, 2024 with the officials of HUL, Trustea, UPASI-TRF and IIT, Madras. The key agenda of the meeting was to discuss the challenges and preparation of data inventory for the project. Soil carbon sequestration and biomass estimation methodologies for both tea bushes and shade trees are reviewed. For measuring the six important soil parameters namely Organic Carbon (OC) Nitrogen (N), Phosphorus (P), Potassium (K), Cation Exchange Capacity (CEC) and Clay Content (CC), a portable soil testing device ('Bhu Parikshak') has been purchased. Validation of the same with the laboratory tested results is being carried out.

5.1.10 Tea Processing & Manufacturing Advisory:

5.1.10.1 (*Study on shelf-life of branded tea packets*) The work has been initiated to study the shelf life of commercially available branded tea packets and evaluate the organoleptic, biochemical, microbiological and FSSAI quality parameters of stored tea. Ten sets each of dry-mouth (DM) and broken pekoe (BP) samples were collected and packed in poly pouches for long term study (over a period of 36 months). The analysis of targeted samples is in progress.

5.1.10.2 (*Under the project entitled "Tea Harvesting Unmanned Robotic Platform"*) AI-based selective tea plucking systems, mounted on ride-on platforms are under development. Teams from the collaborating institutions (C-DAC, CIAE, Jadavpur University) visited TTRI to capture tea bush-top images for development of the AI-based algorithm. Over 10,000 images under various have been captured. A ride-on mechanical harvesting machine was procured from Ochiai Cutlery Manufacturing Co. Ltd., Japan. For data generation on plucking output, cost calculations and agronomical & physiological parameters, field trials were carried out. Full scale comparative field trials with the systems have also been planned to be carried out from May, 2024.





5.1.10.3 (*Development of portable spectroscopic instruments for on-site estimation of quality compounds in tea*) The prototype spectrometer was designed and developed with a few imported internal optical and electronic components in collaboration with Jadavpur University and NIT, Patna. Two NIR chemometric models were developed for quality estimation. A Partial Least Square (PLS) model was optimized by considering three parameters (RMSECV, RPD and R^2). Results showed that the best values were obtained by pre-processing with Standard Normal Variate (SNV). A software model based on tea taster scores of brightness, briskness, strength and quality was developed. Comparative results for NIR predicted values with tea taster score attributes were promising.



5.1.11 Miscellaneous Activities:

Tocklai Tea Research Institute hosted the very first iteration of the D.N. Barua Memorial Tea Colloquium on July 05, 2023 in its premises at Jorhat. Held in the memory of Late D.N. Barua, one of the most decorated scientists of Tocklai and a stalwart of Tea Science, the Colloquium featured 18 scientific presentations from young scientists and researchers of the Tea Research Association. A major highlight of the event was the 6th D.N. Barua Memorial Lecture delivered by Prof. Parameswar Iyer, Director, Indian Institute of Technology, Guwahati. The event was conceptualized as a platform that fosters scientific temper amongst young researchers and those enthusiastic about technological innovation. It was conceived as an annual event to provide young scientists and researchers the opportunity to hone their presentation skills by being judged on certain key parameters such as expression, diction and the depth of knowledge on the chosen subject. While the Memorial Lecture was already an annual fixture for the better part of the past decade, it was brought under the umbrella of the Tea Colloquium to provide a more enriching experience to both the audience as well as the participants.

5.2 UPASI-Tea Research Foundation (UPASI-TRF):

5.2.1 Botany:

5.2.1.1 (*Germplasm characterization, genomic analysis and gene discovery for yield, metabolite and stress tolerance in tea*) As Tea Mosquito Bug (TMB) has emerged as a major pest of tea leading to significant crop loss, there is a need to screen the available Indian tea germplasm for their susceptibility/ resistance to identify suitable tea clones as parents to develop mapping populations in tea to segregate the resistant population against TMB. Genetic mapping of TMB resistance in tea and molecular basis of resistance against TMB through transcriptomics studies are expected to speed up the entire process of breeding. Objectives assigned to UPASI-TRF are evaluation of South Indian tea germplasm for resistance against TMB, establishing marker trait association for TMB using SNP marker and development of mapping population in tea segregating for resistance against TMB.

5.2.1.2 (*Agronomic practices on Japanese model to suit mechanization in south India*) Double nodal cuttings of UPASI-9, TRF-4 and TRI-2043 were planted in soil bed instead of polythene sleeves following the SoP for vegetative propagation. On an average, the plants raised in double nodal cuttings recorded higher plant height than the plants raised through single nodal cuttings. Number of leaves in the double nodal cuttings was also more than single nodal cuttings. Double nodal cuttings also produced more number of branches than the single nodal cuttings. Low centering at 10 cm from the ground was carried out in the young clonal plants as per the Japanese model for comparison the existing recommendation of centering leaving of 8-10 mature leaves from the ground. When low centering at 10 cm followed by multi stage tipping was carried out, the clonal plants of TRF-4 produced more number of primary, secondary, and tertiary branches as compared to the conventional method of centering. At low centering the canopy cover is also more.

5.2.1.3 (*Establishment of a DUS Test Centre for Tea*) All the 33 clones planted in the DUS Test Centre are maintained and used for control hybridization as well as to collect green leaf samples for various biochemical analysis.

5.2.1.4 (*Controlled Hybridization Programme*) A total of 5,009 flowers were pollinated involving the parental combinations of UPASI-2 x UPASI-26, UPASI-26 x UPASI-2, UPASI-9 x CR-6017, CR-6017 x UPASI-9, UPASI-3 x UPASI-2, UPASI-10 x UPASI-2, UPASI-9 x UPASI-2, UPASI-28 x UPASI-2.

5.2.1.5 (*Development of drought tolerant clones through controlled hybridization*) F-1 progenies developed through controlled hybridization between various parental clones were screened for drought tolerance using physiological and biochemical parameters. A total of 25 F-1 populations developed through a cross between UPASI-9 x Yabukita, UPASI-9 x SA-6 and UPASI-9 x TRI-2024 were identified to have drought tolerance.

5.2.1.6 (*Biochemical profile of F-1 progenies developed through a cross between CR-6017 x UPASI-8*) F-1 progenies developed through the proven quality clone CR-6017 was chosen as female parent and UPASI-8 as male parent. In order to study the range of the four important biochemical constituents, the F1 progenies were screened for polyphenols, catechins, amino acids and carotenoids along with caffeine and anthocyanins. The average value of total polyphe male parent (UPASI-8) is 26.53 g/100 g which is higher than the values recorded in female parent (CR-6017). The mean value for polyphenol content in F-1 progenies is 24.78 g/100 g, whereas, one of the F-1 progeny recorded the highest polyphenol content of 34.77 g/100 g. The average catechin value of 18.03 g/100 g was recorded in male parent (UPASI-8) which is higher than that observed in female parent (CR-6017). Though the mean of F-1 progenies is 15.74 g/100 g, one of the F-1 progeny recorded the highest catechin content of 20.20 g/100 g. Total amino acids in female parent (CR-6017) is 1.09 g/100 g which is slightly higher than that recorded in male parent (UPASI-8). However, one of the F-1 progeny recorded the highest value of 2.16 g/100 g. Carotenoids recorded in both male and female parents is almost equal with a value of 0.03 mg/g. Similarly the mean of all F-1 progenies for carotenoids is also 0.03 mg/g whereas, one of the progeny recorded the highest value of 0.07 mg/g. The biochemical profile of 190 number of F-1 progenies developed through the parental combinations CR-6017 x UPASI-8 for quality related traits will be used to establish the linkage group to identify the regions in the genome controlling traits.

5.2.1.7 (*Development of new tea clones suitable for purple tea*) To select the accessions suitable for purple tea, the clonal selection work was carried out in open pollinated seedling populations. Among the thirty accessions screened for anthocyanin content, four accessions recorded the highest anthocyanin content ranging from 0.336 to 0.396 mg/g which is higher than the standard clone TRI-2043.

5.2.1.8 (*Evaluation of fruit crops for their suitability as an inter crop in tea*) As per the MOU between Indian Institute of Horticultural Research (IIHR) and UPASI-TRF, a collaborative research programme has been implemented to evaluate different fruit crops for their suitability as an inter crop in tea. Saplings of fruit crops such as Mangosteen, Longan, Avacado, Rambutan, Seedless lime, Sweet orange, Lemon, Kumquat, Grapefruit, Blood orange, Clemantine and Mandarin were procured from different nurseries and planted in the UPASI-TRF Experimental Farm, Valparai. Various growth parameters such as plant height, stem girth, number of branches, number of leaves and canopy cover are being observed in the evaluation plot. Similar test plots

are also established in the UPASI-TRF Experimental Farm in Vandiperiyar and in a few member estates in Valparai and Munnar.

5.2.1.9 (*Identification of compatible graft partners for recommending new graft combinations*) The tea clones TRF-1, TRF-2 and UPASI-28 were grafted on the proven drought tolerant root stock clones UPASI-9, ATK-1 and UPASI-2 and planted in the field to study their field performance.

5.2.1.10 (*Evaluation of herbicides for weed management in tea*) A multi-location field experiment was carried out to evaluate the bio-efficacy of Saflufenacil 70% WG for control of broad leaved weeds in tea. The test herbicide Saflufenacil 70% WG @ 75 g/ha gave a maximum of 98 % control during three weeks after spray which was superior to that of Carfentrazone Ethyl 0.43% + Glyhosate 30.82% EW @ 3,000 ml/ha and comparable to Glyphosate 41 % @ 3,000 ml/ha. Visual assessment of phytotoxicity at 1, 3, 5, 7 and 10 days after application of herbicide for the specific parameters like chlorosis, necrosis, wilting, scorching, hyponasty and epinasty was observed and recorded. No phytotoxicity symptoms on tea plants were observed.

5.2.2 Plant Physiology and Biotechnology:

5.2.2.1 (*Impact of Rapigro*) A comprehensive PGR field trial has been initiated to document the impact of Rapigro on yield and quality constituents of tea. The active ingredient of the product is composed of protein hydrolysates and amino acids derived from plant source i.e. maize (*Zea mays*). The experiment is under progress.

5.2.2.2 (*Bioefficacy of Biozyme Tea+*) Active ingredients of this product are Seaweed (*Ascophyllum nodosum*) fermented biomass containing alginic acid and L-amino acids. The experiment is under progress.

5.2.2.3 (*Impact of repeated application of pesticides in tea physiology*) Physiological and biochemical activities regulate the growth and development of plants. Quality of tea depends on young leaves due to their high accumulation of secondary metabolites such as polyphenols, catechins and polysaccharides. Various pests and diseases affect these young shoots and application of pesticides is required to manage these biotic stresses. However, continuous application of pesticides impacts the plant metabolisms by affecting physiological (photosynthetic pigments and photosynthetic rate) and biochemical (polyphenols, catechins, amino acids etc.) activities in tea. Deterioration of plant health and defoliation followed by late recovery of crop are observed. In this study, two major pesticides (quinalphos and propargite) were selected. Findings showed that continuous application of pesticides adversely affected the physiological parameters (photosynthesis pigments and photosynthetic rate) and biochemical parameters (polyphenols, catechins and amino acids).

5.2.2.4 (*Bioefficacy of crop boosters and biofertilizers*) An experiment focused on evaluation of crop boosters and biofertilizers developed by TNAU, Coimbatore is in progress.

5.2.2.5 (*Impact of Nano urea*) An experiment focused on replacement of ground application of urea through foliar application of Nano urea is in progress.

5.2.2.6 (*Exploration of molecular mechanism of disease response*) Studies on genomics particularly transcriptomic analysis have been proposed that support the researchers to explore the physiological and biochemical response of a clone at genome levels. Therefore, in the present study, the response of tea genome has been examined for disease response and quality through transcriptome analysis. for disease response 80,150 upregulated and 75,006 downregulated transcripts were identified. For quality, 76,444 upregulated and 72,389 downregulated transcripts were identified. The analysis on DGE summary of the comparison based on P significant showed that 1,900 and 4,114 genes were indicated to be upregulated and downregulated, respectively for disease response. For quality, based on P significant showed that 2,128 and 5,010 genes were indicated to be upregulated and downregulated, respectively. Further, the Kyoto Encyclopaedia of Genes and Genomes (KEGG) enrichment and pathway analyses explored the key genes involved metabolic-related pathways related to disease response and quality.

5.2.3 Chemistry:

5.2.3.1 (*Effect of Gainexa*) Gainexa is an ortho silicic acid formulation (2.0% v/v) containing 0.6% silicon and is fortified with other nutrients like N, K, Zn, B and Mg. To study the efficacy of Gainexa in tea, a field trial has been initiated. Application of Gainexa @ 6 ml/lit alone or along with standard micronutrients significantly improved the yield when compared to the standard recommendation. It is concluded that application of Gainexa alone or combined with a micronutrient mixture can improve the productivity of tea.

5.2.3.2 (*Evaluation of K-Ash*) K-Ash containing 20% K (as water soluble K_2O) was evaluated as an alternative K source in tea. Results showed that soil pH was maintained at an ideal level by incorporating K-Ash. The available K content in also increased when compared with the control. However, as the cost of its application is three times, it was suggested that the replacement MoP up to 50 % with K-Ash can be recommended.

5.2.3.3 (*Stimulus of Green Label Zinc*) Application of Urea 4 kg + 400 ml of Green Label Zinc (GLZ) increased yield over the standard recommendation. It was established that addition of zinc through GLZ rather than zinc sulphate improved the yield.

5.2.3.4 (*Effect of Organic Biostimulants*) The objective of this study is to reduce the fertiliser consumption while preserving the quality and production of tea by using organic biostimulants made of humic and fulvic acid that are obtained from peat and sapropel. Analysis of soil and leaf nutrients revealed that there were no significant differences between the treatments. It is, however, evident from the findings that application of Asaava @ of 600 to 800 ml/ha along with 75% of recommended NPK led to 8% increase in yield over 100% NPK.

5.2.3.5 (*Impact of Water Retainer*) The findings of the soil moisture analysis indicate that the application of Water Retainer (WR) @ 20 lit/ha had a positive effect on the moisture percentage of the treated soils.

5.2.3.6 (*Study on Nano Urea*) In order to determine the efficacy of Nano Urea in tea, a field experiment was initiated. As per the recommendation of IFFCO, 500 ml of Nano Urea can replace one bag (45 kg) of traditional urea with a dosage of 4 ml per litre. Based

on one year experimentation, it is tentatively identified to skip up to two splits of ground urea treatment in favour of two rounds of Nano Urea foliar spray when urea is in severe short supply. Further observations are in progress.

5.2.4 Entomology:

5.2.4.1 (*Ovipositional behaviour of Tea Mosquito Bug*) To study ovipositional preference by Tea Mosquito Bug (TMB), a number of 175 tea shoots (three leaves and bud) of UPASI-9 were collected from UPASI-TRF Experimental Farm. It was observed that about 54% of eggs were laid on stalks of three leaves and a bud.

5.2.4.2 (*Sterile Insect Technology for Tea Mosquito Bug*) As a preliminary study, virgin males were gamma radiated at three different densities *viz.,* 70, 80 and 100 Gy. The radiated virgin males were allowed to pair with virgin female for life table studies. It was observed that mere gamma radiation is not sufficient to produce sterility in males. Further investigation is in progress.

5.2.4.3 (*Matting behaviour and fecundity of Tea Mosquito Bug*) From the matting experiments, about 50% of the eggs were viable in single-matted females. There is no difference in the incubation period and total developmental period. Virgin females also lay unfertilized eggs throughout their life span and none of them was hatched. The study revealed that even single matting was enough to produce reasonable offspring.

5.2.4.4 (*Ovicidal activity of certain insecticides on eggs of Tea Mosquito Bug*) The Tea Board's Plant Protection Code (PPC) approved insecticides are being evaluated on the eggs of Tea Mosquito Bug (TMB). Deltamethrin, Thiamethoxam and Quinalphos + Thiamethoxam achieved 85%, 55% and 45%, respectively. Thiacloprid and Emamectin Benzoate were failed to achieve notable ovicidal action on the eggs of TMB.

5.2.4.5 (*Evaluation of certain Nano Biopesticides against Tea Mosquito Bug*) Nano Biopesticides *viz.* Neem oil, Pungam oil, Artemisia leaf extract and Adathoda leaf extract were evaluated against Tea Mosquito Bug (TMB). None of the above produced any mortality on TMB. However, antifeedant activity was shown. Further observations are in progress.

5.2.4.6 (*Evaluation of Neem soap, Pungam soap and Neem pellet against Tea Mosquito Bug*) Neem soap, Pungam soap and Neem pellet formulations were evaluated individually and along with Quinalphos. The findings showed that Pungam soap with Quinalphos (10 g + 1 ml) controlled the Tea Mosquito Bug (TMB) population. Further study is in progress.

5.2.4.7 (*Evaluation of different AI-genix traps against Tea Mosquito Bug and Shot Hole Borer*) Two AI-genix insect traps (E-Bionic AllStar and E-Bionic WevStar) were evaluated against Tea Mosquito Bug (TMB). Both the traps failed to attract TMB. Similarly, the BraveHawk Monza trap was evaluated against the Shot Hole Borer (SHB) which also failed to attract SHB.

5.2.4.8 (*Predatory potential of Chrysoperla zastrowi sillemi on Red Spider Mite*) A recent predatory survey reported the presence of the green lacewing, *Chrysoperla zastrowi sillemi* in the Anamallais region. The collected predator was identified up to the species level using COI gene sequencing (NCBI Accession No.: OP740396). The predatory

potential of *Chrysoperla zastrowi sillemi*was evaluated against different life stages of Red Spider Mites. The third instar larvae of *Chrysoperla zastrowi sillemi* fed the maximum number of prey stages *viz.* eggs, larvae, nymph and adult than the second and first instar larvae per day. Further observations are in progress.

5.2.4.9 (*Study on vertical distribution and feeding behaviour of Oxyopes birmanicus on Tea Mosquito Bug*) The presence of *Oxyopes birmanicus* was relatively very high on the top level (76%), very low in the middle level (24%) and almost nil on the bottom level of the tea bushes. The feeding potential of female *O. birmanicus* was significantly high and fed an average of 11.2 adults and 11.4 nymphs per day. Male *O. birmanicus* feeding potential was high on nymphs with 9.6 individuals and slightly low on adults with 7.4 individuals per day. It was noted that *O. birmanicus* could reduce the smaller Tea Mosquito Bug (TMB) population through ambush predation.

5.2.4.10 (*Drone images for pest management*) Drone images were captured from both pest infested and healthy fields at different heights. The captured multi-spectral thermal images have been sent to IIT, Kharagpur and C-DAC, Kolkata for further analyses.

5.2.4.11 (*Under project entitled "Development, characterization and evaluation of microbial agents and their novel bioactive metabolites for management of pests & diseases in tea"*) Standardized a technique of mass production of native entomopathogens for the enhanced production of microbial biopesticides. A native proven strain of *B. bassiana* was isolated from the dead cadaver of Tea Mosquito Bug (TMB) collected from tea field of Anamalais. *B. subtilis* showed an antagonistic effect against *F. ambrosium* that resulted in the reduction of Shoot Hole Borer (SHB) population in *in-vivo* conditions. The entomopathogenic fungi *M. anisopliae* showed higher percentage of mortality against TMB under field conditions.

5.2.5 Pesticide Residue:

5.2.5.1 (*Monitoring of Pesticide Residue in South Indian Tea*) Under the survey and monitoring of pesticide residue status in south Indian tea, a number of 47 black tea samples collected from different regions of south India (Coonoor, Meppadi, Munnar, Gudalur, Koppa) were analysed for the residues of Propargite, Hexaconazole and Glyphosate. Overall, 136 estimations have been done.

5.2.5.2 (*Residue analysis and degradation study of Tebuconazole and Trifloxystrobin*) The study was carried out to determine the dissipation pattern of Tebuconazole and Trifloxystrobin in tea. When Nativo 75% WG was sprayed @ 125 g/ha, the initial deposit of Tebuconazole and Trifloxystrobin at zero (0) day was 15.6 and 10.6 ppm, respectively. The extent of dissipation on fifth day was 2.3 ppm (85%) for Tebuconazole and 1.7 ppm (84%) for Trifloxystrobin, respectively. The dissipation pattern on seventh day was found to be more than 94% for both the molecules. After fourteenth days, the residues were found to be below detectable level (<0.05 ppm) for the recommended dosage of 125 g/ha. The Post Harvest Interval (PHI) for Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG @ 125 g/ha was fixed as fourteen (14) days for south Indian tea plantations. The amount of Tebuconazole and Trifloxystrobin residues in black tea collected at various intervals of time was also noted. From the findings of the study, it can be concluded that the rate of application of combined fungicide at recommended dose is safe from the crop protection point of view.

5.2.5.3 (*Residue and persistence study of Vayego Care on tea plants as foliar spray*) Vayego Care (Tetraniliprole 120 and Spirotetramat 240 SC) was sprayed on tea plants @ 375 and 469 ml/ha of formulation. The fresh green leaves, black tea, green tea, soil and tea brew of black tea and green tea were analyzed for the residues of Tetraniliprole, Spirotetramat and their metabolites. The residues were analyzed at triplicate by a standardized LC-MS/MS method at the limit of quantification (LoQ) of 0.002 mg/kg. The residue level of Tetraniliprole and Spirotetramat showed that it is dissipated exponentially from 0 day to 28th day of the application of Vayego Care formulation @ 375 and 469 ml/ha for different matrixes like fresh green leaves, black tea, green tea, black tea brew and green tea brew. There is no residue in soil on 14th day sampling.

5.2.5.4 (*Residue study of Glyphosate*) Field trial was conducted Experimental Farm, Coonoor to determine the residue of Glyphosate in black tea, sundried green leaves and tea brew. Representative leaf and soil samples were collected from 0 day and sampling was continued up to 14th day. A portion leaf samples were processed into black tea using CTC miniature unit and the rest of the sample was dried under shade. The samples have been sent to Eurofins Analytical Service, Bangalore for analytical purpose as per the sponsor's request.

5.2.6 Plant Pathology:

5.2.6.1 (*Newly reported Fusarium wilt/die-back disease*) This fungal pathogen infects the tender shoots, young buds and leaf petioles and develops symptoms of necrosis termed as *Fusarium* wilt/die-back disease. Infected tea twig were collected from tea fields to identify the fungal pathogens. Die-back symptoms on the auxiliary buds and petioles with brown-greyish black spot and necrotic lesions were observed under stereo microscopic observation. The development of ascospores was noticed under the moisture technique. The isolated fungi were identified based on colony morphology and microscopic examination of spore structures with the help of staining techniques. Further confirmation will be fully explored through Koch's postulate technique.

5.2.6.2 (*Development of Plant and Microbial based Nanoparticles against Blister and Grey Blight diseases*) Botanical extracts were used as the reducing agents for the synthesis of nanoparticles. These nanoparticles were tested against grey blight pathogen under *in-vitro* condition through food poisoning technique. The developed treatment of nBWN07 showed a higher rate of inhibition even after the 9th day. The treatments of nCCL03 and nVET02 exerted an average control whereas other treatments failed to control the *P. theae* under *in-vitro* condition. The fermented cultures also used as reducing agents in nanoparticle synthesis with various oxidizing agents. The developed microbial nanoparticles will be studied against the grey blight and blister blight pathogens under *in-vitro* condition.

5.2.6.3 (*Recommendation of Tebuconazole & Trifloxystrobin for foliar disease*) Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG was tested against blister blight and grey blight diseases. The combination of Tebuconazole and Trifloxystrobin was sprayed in the micro plots to study the pre-harvest interval (PHI). The tea leaves collected from the experimental plots were processed at timely intervals for residue studies. The residues of Tebuconazole and Trifloxystrobin have been studied and the Safe Harvest Interval (SHI) was fixed as 14 days as per the dissipation pattern studies. With the data generated though multi-locational studies carried out, the recommendation draft of the

Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG was prepared and submitted to the Tea Committee for inclusion in the Handbook of Tea Culture.

5.2.6.4 (*Biological properties of Chitosan oligosaccharide for Integrated Plant Health Management*) Field experiment was conducted for evaluation of Chitosan Oligosaccharide (COS) 20% for management of blister blight and grey blight diseases. Superior control of grey blight/die-back disease was observed in the combined treatment of COS 20% @ 1 lit/ha. From the study it is confirmed that the COS 20% expresses the bio-stimulant effect as well as wound healing property in tea shoots by reducing the incidences of secondary wound pathogens (die-back). It is also confirmed that COS with the recommended fungicides helps in reducing the fungicide requirements and lowering the residues.

5.2.6.5 (*Experiment for alternative fungicides*) To deliver the alternate effective fungicide schedule against blister blight and grey blight diseases, an experiment was initiated at UPASI-TRF Experimental Farm in tea. The results indicated that all the selected BASF-coded products with respective dosages controlled the blister blight disease. Among the treatments, BAS 75002F provided the highest percentage of control (89%) followed by BAS 75101F and BAS 71700F.

5.2.6.6 (*Integrated Plant Health Management*) Under Integrated Plant Health Management (IPHM),the multi-location field experiments were conducted by incorporating the potential microorganisms for management of grey blight/die-back disease. The treatment of *P. fluorescens* exerted the greater bioefficacy of 38% against *P. theae* followed by *T. viride* and *B. amyloliquefaciens* with the control of 37% and 33%, respectively over control. Higher yield was recorded in the treatment of *P. fluorescens*. It was observed that the antifungal property as well as the growth promotion ability of *P. fluorescens* makes it a potential microorganism for tea cultivation.

5.2.6.7 (*Spraying by Drone Sprayer*) For phytotoxicity studies on application of Nativo 75% WG (Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG) through drone, an experimental was carried out with two dosages (125 g/ha and 250 g/ha with a water volume of 20 lit/ha). The results revealed that none of treatments showed any phytotoxic effects like yellowing, stunting, necrosis, epinasty and hyponasty. It was concluded that the application of Nativo 75% WG through drone sprayer may be recommended subject to the approval from the regulatory authorities.

5.2.6.8 (*Studies on agrochemical degrading microbes and bioremediation in tea ecosystem*) Microbial biodiversity of south Indian tea plantations has been documented and the impact of agrochemical usage was studied in order to improve the soil health in tea ecosystem. Bio-D formulation was developed with potential agrochemical degrading microbes isolated & identified from south Indian tea ecosystem through various qualitative & quantitative methods. During the study period, the biodegrading capability of Propargite exerted that the Bio-D incorporated with the tea soil delivers a degradation of 65% and 83% for the period of 7th and 14th day, respectively. Regarding the Glyphosate, 62% and 67% on 7th and 14th day were recorded through HPLC quantitative method. When compared between fungicide and herbicide, the degradation activity of Bio-D for fungicide is comparatively low with the rate of 44% of degradation. Based on the green house condition, a marginal increase in macro & micro-nutrients was observed and also improved the physio-chemical properties. Tea waste degraded with the selected agrochemical degrading microbes was used as an alternative cost-effective

nutrient medium for mass culturing of bio consortium (Bio-D). Under the Lab-to-Land program, about 5.000 kg of mother cultures including agrochemical degrading microbes were prepared and dispatched to the member estates for mass production and large-scale field applications. After completion of multi-location field experiments, the potential biodegrading microbes will be recommended to the industry.

5.2.7 Tea Technology:

5.2.7.1 (*Participation in ILC Programme*) For determination of metal filings in tea, an Inter Laboratory Comparison (ILC) Programme was conducted by FSSAI. Seven Tea Testing Laboratories (TTLs) including UPASI's TTL participated. A total of 48 estimations were carried out for four tea samples (CTC Leaf, CTC Dust, Orthodox and Green Tea) in a replicated manner.

5.2.7.2 (*Synthesis of silver nanoparticles*) Green tea is known for its high content of various phytochemical constituents that are involved in the reduction of metallic ions into nanoparticles. A study was carried out for the synthesis of silver nanoparticles using the green tea extract. Green tea extract added with silver nitrate was heated and stirred using magnetic stirrer. Crude silver nanoparticles were obtained as reddish-brown colour solution which was washed with ethanol and dried. The UV-VIS, XRD and SEM analysis of the dried samples confirmed the nanoparticle synthesis. This method is an eco-friendly, low cost and capable of producing silver nanoparticles at room temperature.

5.2.7.3 (*Study on addition of herbals in green tea*) Green tea has gain recognition for its health benefits due the presence of antioxidants and other biochemical constituents. People have gained knowledge about healthy living by consuming the medicinal herbs. Under this study, the medicinal herbs like *Senna articulata*, *Phyllanthus niruri* and *Tinospora cordifolia* were blended with green tea in different ratios. The results showed that the blending of *Senna articulata* and *Phyllanthus niruri* (3%) has increased the antioxidant and biochemical constituents. No changes were observed by adding *Tinospora cordifolia*.

5.2.7.4 (*Quality Profile of South Indian Tea*) Under a survey programme, tea samples from different agro-climatic regions of south India were collected at monthly interval and analyzed for their quality parameters such as TF, TR, HPS and TLC. A total of 17 samples (13 CTC and 4 Orthodox) were analyzed. In CTC samples, the contents of TF (0.36% to 0.81%) and TR (5.52% to 9.06%) were higher from Munnar region while the contents of HPS (6.18% to 10.19%) and TLC (1.94% to 3.30%) were higher from Gudalur region. In Orthodox samples, TF (0.34% to 0.53%), TR (5.11% to 8.57%), HPS (5.14% to 8.07%) and TLC (1.70% to 2.77%) were registered. All the quality constituents of Orthodox tea were higher in Nilgiris region except HPS and TLC which were higher in Wayanad region.

5.2.7.5 (*Impact of addition of dual flavours in orthodox black tea*) A study was carried out to assess the changes in biochemical and liquor parameters when added with the flavours like apple, lemon grass, strawberry and rose. Orthodox black tea was blended with different concentration of the above flavours. The results of biochemical and quality parameters showed that the addition of different concentration of flavours either single flavour or combined flavors enhanced the polyphenol by reducing the sugar contents. Other parameters like catechin and antioxidant properties were not affected.

5.2.7.6 (*Addition of herbals in orthodox black tea*) A study was conducted to see the changes in biochemical and liquor parameters when added the herbals like *Stevia rebaudiana*. Orthodox black tea was blended with different concentration of *Stevia rebaudiana* (1%, 2%, 3% and 5%) and analyzed for liquor and biochemical parameters. The results of biochemical and quality parameters showed that addition of *Stevia* in orthodox black tea enhanced some biochemical constituents (amino acids, reducing sugars, polyphenols) and improved the contents of TR and HPS.

5.2.7.7 (*Evaluation of Tea Leaf Reading Machine*) To estimate the quality of green leaf as fine leaf & coarse leaf percentage, an experiment was carried out on evaluation of the tea leaf reading machine (Ballatronix). The UPASI-released clones (UPASI-2, UPASI-9, UPASI-20, TRF-4) along with other clones (CR-6017, TRI-2024) were taken for data collection. A total of 400 readings (100 from each grade) were taken by marking the grades as A (2L&1B), B^+ (3L&1B), B (4L&1B) and C (>4L+1B). The results showed that the difference between machine and manual readings in the fine leaf category varied from 0.1% to 15%. Further fine-tuning of the machine is in progress.

5.2.7.8 (*Evaluation of string biostimulant product*) To assess the impact of application of protein hydrolysate biostimulant (Lush Tea) on yield and catechin content of tea under mechanical harvesting, a study was carried out. The leaf samples were taken after 15 days of treatment application for the analysis of catechin content and the results showed that catechin content increased by the foliar application of biostimulant.

5.2.7.9 (Evaluation of Chitosan Oligosaccharides) A field experiment was conducted to observe the changes in catechin content by the application of Chitosan Oligosaccharides (COS) as a fungicide to control the blister blight. Leaf samples were collected after 20 days from the treatment application for the analysis of catechin content. The highest polyphenol and catechin contents were registered in the plots treated with COS. Experiment is being continued.

5.2.8 Advisory:

Advisory Visits to the member estates were performed on regular basis (a number of 803 visits were performed). Monthly Advisory Notes containing cultural practices to be undertaken were circulated among the member estates by 1st or 2nd of every month. Similarly, Comparative Statements on Crop Production & Productivity were also circulated. Various in-house and field training programmes were conducted on various agri operations of tea culture (a number of 137 programmes were conducted).

5.2.9 Analytical Services: An account of the samples analyzed during the period under report is given below:-

No. of Samples	Material/Analyzed for
6,539	Pests/Disease identification
5,672	Soil
758	Made Tea
701	Fertilizers/Agrochemicals
278	Manures
132	Green Leaf

83	Dolomite
63	Eelworm
48	Metal filings
43	Lime Sulphur
24	Bioformulations

5.3 Darjeeling Tea Research & Development Centre (DTRDC), Kurseong and its Quality Control Laboratory (QCL), Siliguri:

5.3.1 (*Under the project entitled "Development of microbial inoculants to improve growth and productivity of Darjeeling and Assam Tea"*)The indigenous microbes were isolated from different tea estates and the prominent microbes were screened out. Field evaluation of the microbes is in progress.

5.3.2 (*Under the project entitled "The mystic flavour of Darjeeling Tea: Exploring the role of phytobiome in regulation of biosynthesis pathways using omics approach"*) The genetic fidelity of two clones viz. B-157 (high quality & average yield) and AV-2 (average quality & yield) sampled from Rohini TE (low elevation), DTRDC Experimental Farm (mid elevation) and Sungma TE (high elevation) has been assessed using SSR markers.

5.3.3 One R&D Project entitled "***Decryption of different accelerated decomposition methodology for pruning litter and its management to enhance the soil health and ecology under Darjeeling conditions***" was submitted to funding agency (NTRF).

5.3.4Twelve soil samples received from tea gardens were tested and analytical report were issued with the recommendations for rectifying the deficiencies.

5.3.5 A quantity of 11,946 kg of green leaf of tea was produced in the Experimental Farm of DTRDC.

5.3.6 QCL is a NABL-Accredited and FSSAI-Notified Tea Testing Laboratory. It is enlisted under APEDA-Authorized Laboratories for Organic Testing also.

5.3.7 A number of 528 samples (made tea) received for testing of FSSAI Parameters, PPC Compliance and added flavours were tested in accordance with the FSSAI norms and Tea Board regulations.

5.3.8 QCL successfully conducted ILC Programme with other food/tea testing labs for continuous improvement of its analytical capabilities. It also qualified in the annual assessment by NABL for continuation of its accreditation.

5.3.9 To review and discuss the issues related to application of pesticides and their residues, the meetings of the Technical Group on Plant Protection Code (PPC) wereconvened and the Sixteenth (16th) Version of PPC (February, 2024) was released.

CHAPTER-6

Tea Promotion

Introduction

One of the basic functions of the Tea Board is to undertake promotional activities with an aim to making India the leading supplier of quality teas in the world. Promotional efforts are geared towards increasing awareness of the many varieties and categories of Indian tea with an objective to increasing market share of Indian teas in the targeted markets and increasing domestic consumption. Indian exporters were provided with all possible support to encourage exports of Indian varieties in the overseas countries.

Overview of Tea exports from India during 2023-24

The following have been the achievement of tea exports during 2023-24 as compared to 2022-23:

2023-24					2022-23				
Volume (Million kg)	Value (Rs. Crores)	Value (USD Million)	Unit price (Rs./Kg)	Unit price (USD/ Kg)	Volume (Million kg)	Value (Rs. Crores)	Value (USD Million)	Unit price (Rs./Kg)	Unit price (USD/Kg)
250.73	6476.38	781.79	258.30	3.12	228.40	6385.81	793.78	279.59	3.48

Note: Around 10% and 1.4% Y-o-Y growth was observed on volume and value (INR) respectively during 2023-24. However, 1.5% Y-o-Y decline was noticed on account of USD realisation because of depressed economic conditions prevailing in key export destinations.

The major destination wise export performances during 2023-24 as compared to 2022-23 are placed at Annexure - 1.

Overview of Promotional activities during 2023 - 24

Tea Board undertook various promotional activities by organizing Buyer-Seller Meets with the tea importers of important export destinations at the prominent internationally-reputed trade fairs/exhibitions in India such as “World Food India”, “Indus Food”, “SIAL”. Further, in the course of participating at the G-20 sessions at different locations, Tea Board organized tea tasting and sampling zones (Tea Experience Zones) at the Tea Board India pavilion for all the delegates including the foreign delegates. The Board also maintained liaison work with the tea trade, attended to trade enquiries, addressed various issues related to quality and safety regulations for the key markets, and undertook various trade facilitation measures including the export competitiveness and logistics issues. The tea trade had been kept apprised about developments related to exports as well as dissemination of market information through its overseas office located in Moscow and the Head Office in Kolkata with an objective to enhancing demand for Indian tea and increasing market shares in the key markets. Trade facilitations and constant liaison with the Ministry and the Indian Missions were undertaken with a view to reducing/eliminating various trade-impacting barriers as well as increasing export competitiveness.

The DGFT has enhanced the RoDTEP Reward rates for different HS Codes of "Tea" through a Gazette Notification dated 09/01/23. Subsequently, the same have been extended from 01/10/23 till 30/06/24 by the DGFT. As a corollary to a meeting with the Empowered RoDTEP Committee Members on 26/09/23, the exporters submitted all the transactional data in two formats provided within the cut-off date of 30/11/23. This exercise was aimed at determining the new RoDTEP rates after June'24 for all the commodities.

Due to sustained efforts on behalf of Tea Board with support from the Ministry, the matter of bottled-up payments for the eight (8) exporters from the Russian buyers in respect of shipments to Russia prior to the Russia-Ukraine conflict has been addressed suitably.

Other activities included undertaking various publicity-related activities for maintaining the image of India Tea and in influencing public opinion in a positive manner toward Tea Board India. Sustained campaign through Social Media such as Facebook etc also proved to be very effective in increasing awareness about different varieties of Indian teas amongst the consumers (domestic as well as international).

Overseas Promotion

Promotional activities undertaken through the overseas office in Moscow

Countries under the jurisdiction of Moscow Office
The Tea Board Moscow office looks after the promotion of India tea in the CIS countries such as Russia, Kazakhstan, Ukraine, Uzbekistan, Azerbaijan, Turkmenistan, Belarus, Kyrgyzstan, Tajikistan, Georgia, Armenia, Moldova and the Baltic states of Latvia, Estonia & Lithuania

Brief market view for the major countries in the CIS Region

Country	Market size (Million kg)	PCC (Kgp.a.)
Russia	134	0.96
Kazakhstan	24	1.50
Ukraine	10	0.89
Uzbekistan	26	0.80

The total tea market size in the CIS region was 219 million kg in 2023 and the above countries mainly consuming black teas collectively account for 89% the import market for tea in that region.
The Russian Federation is the largest tea market in the CIS, followed by Kazakhstan. Russia imported 134 m. kg of tea from more than 20 countries in 2023. Indian tea commands around 33 million kg (25%) in comparison to the closest competitor Sri Lanka's 22 million kg in 2023 (16%). Russia and Kazakhstan have been targeted as one of the two strategically important markets for increased exports.

During the period under report, Tea Board of India's participation was organized for the following events through its Moscow Office:

No.	Date	Event	Description
1	May 25-27, 2023	Veg-Life Exhibition	The TBI, Moscow office took part in the VEG-LIFE, 14th Federal Exhibition of vegetarian and healthy lifestyle. VEG-LIFE is held 2 times a year, hosting more than 140 healthy lifestyle companies. Over 5000 people attended the event for 3 days.
2	June 24, 2023	India Summer Festival "Namaste Moscow-2023" (Indian Bazaar)	IWA Annual Summer Bazaar is one of the important events held by Embassy and it attracts around 8000-10000 audience. Tea Board India regularly participates in the event and sponsors some of the expenditures incurred on cultural programs organized during the day and in return Tea Board is allotted free space for holding India Tea Promotional Event. Tea Board organizes tea-tasting. This event provides an excellent opportunity to showcase and promote Indian Tea in Moscow.
3	September 19-22, 2023	World Food Moscow 2023	World Food Moscow is the leading annual exhibition in food sector. It is an effective tool for increasing sales, promoting and attracting new clients by making direct contact with a large number of representatives from retail chains and wholesale businesses interested in purchasing food products. Over 1000 manufacturers and suppliers from 39 countries took part in the exhibition. 17 national pavilions and 36 collective expositions of Russian regions were presented in the exhibition. *The event was attended by more than 20115 buyers from wholesale and retail trade enterprises and catering enterprises.* 62 companies from India were participating in the event representing specialized products like Tea, Coffee, Spices, seeds and other agro products. *Tea Board India took part in the exhibition along with other Indian companies and organized a tea tasting function at Tea Board India stall.* *The visitors tasted 5 varieties of Indian loose tea, namely Darjeeling, Sikkim, Nilgiri, Assam Orthodox and Assam CTC and highly praised the taste and fragrance of the tea.* *TBI Moscow poured about 5000 cups of Indian*

			tea for people visiting the stall during the event. A number of Russian retail and wholesale trading companies have visited the Tea Board stall during the event and asked for contacts of Indian tea suppliers.
4	March 19-21, 2024	MITT- tourism exhibition	A major tourism exhibition MITT was organized in Moscow, Russia, where the Government of India showcased Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Telangana, Chhattisgarh as attractive tourist destinations. The TBI Moscow office organized a tea tasting function at the main stall. The event was attended by more than 16000 visitors and more than 909 exhibitors. The stall was always full of visitors, eagerly waiting to taste the freshly brewed authentic Indian tea. It's refreshing taste was highly praised by the public.

Salient events which were organized from different offices of Tea Board during 2023-24 are delineated below:

April 2023

Tea Board's participation at the G20 2nd Sherpa's Meeting from 31.03.2023 to 01.04.2023 at Kumarakom, Kottayam, Kerala

Tea Board India participated at the G20 2nd Sherpa's Meeting held from 31.03.2023 to 01.04.2023 at Kumarakom, Kottayam, Kerala, by putting up a stall and displaying different varieties of Indian teas and publicity and promotional literatures on Indian teas and sampling the Indian teas for the G20 delegates. Around 300 International delegates from about 35 countries and 10 International organizations participated at the G20 2nd Sherpa's Meeting. Gift sets consisting of tea caddies of the different varieties of Indian teas were presented to the dignitaries.

Tea Board India's participation at G20 Empower meeting exhibition held on 5th-6th April, 2023 at Trivandrum, Kerala

Tea Board India participated at the G20 Empower meeting exhibition held on 5th and 6th April, 2023 at Trivandrum, Kerala, by displaying different varieties of Indian teas and publicity and promotional literatures on Indian teas. About 45 delegates from different countries attended the G20Empower meeting.

Tea Board India's participation at the G20 Research and Innovation Initiative Gathering (RIIG) Conference, organised by Ministry of Science and Technology, Government of India, at Dharamshala, Himachal Pradesh, 19-20 April, 2023

Tea Board India participated at the G20 Research and Innovation Initiative Gathering (RIIG) Conference, organised by Ministry of Science and Technology, Government of India, at Dharamshala, Himachal Pradesh, 19-20 April, 2023, by putting up a stall and displaying different

varieties of Indian teas and publicity and promotional literatures on Indian teas. A Tea Tasting Session was also organized during the event. Tea Board India's stall was appreciated by all the foreign delegates, scientific department invitees and technical experts who participated in the G20 event. G20 Delegates from Indonesia, Russia, Singapore, UAE, Netherlands, France, South Korea, Spain visited the Tea Board stall.

Sponsorship of 18th Edition of The Golden Leaf India Awards: Southern Tea Competition 2023 (TGLIA:STC-2023) held in Dubai during 25-27 April 2023

Tea Board India sponsored the 18th Edition of The Golden Leaf India Awards: Southern Tea Competition 2023 (TGLIA:STC-2023) organised by UPASI (United Planters Association of Southern India) in Dubai during 25-27 April 2023. The panel of expert jury members for the competition comprised of Dr. Sharon Hall, United Kingdom Tea & Infusions Association, Ms. Shabnam Weber, Tea and Herbal Association of Canada, Mr. Andrey Kraynev, James Finlay (ME) DMCC, Mr. Mike Jones, Carrier Jones Limited, Mr. Yahya Beyad, Britannia Tea Co. Ltd., Mr. Abdurrahman Kunnath, Intersun FZCO and Mr.Sanjiv Chatterji, Ekaterra Tea. The 18th edition of the annual event received 118 entries from 32 tea estates/companies in the Nilgiris, Wayanad, Anamalla is, Travancore, High Ranges, other tea-growing regions of South India and from Bought Leaf Factories. 62 tea samples, across grades, from various regions of South India had qualified to compete in the final tea-tasting competition. A 5-member panel comprising of Mr. Manoj Gangadharan of Tata Consumer, Mr. R. Poovandhran of J.Thomas & Co., Mr.K.K. Raghu of Paramount Tea Marketing, Mr. N.Sriram of Global Tea Auctioneers and Mr. Thomas Mathews of Forbes & Co. had evaluated the teas in the first level screening. The process of selecting the best teas from various agro-climatic regions was based on a multi-layer screening process using a scoring system.

May 2023

Activities undertaken during the 4th International Tea Day Celebrations on 21st May, 2023 by Tea Board India

Tea Board India, under the Ministry of Commerce & Industry, Government of India, undertook a series of promotional activities across its various zonal and regional offices including HO to commemorate the "4th International Tea Day" on 21st May, 2023 with the objective of highlighting and promoting the significance of "Tea" in everybody's lives, which is the second most consumed beverage in the world after water.

The following are the activities carried out during this significant occasion:

Tea Board Head Office, Kolkata

Print Media

Advertisements in print media were released across India on the occasion of International Tea Day on 21st May, 2023 to commemorate this day and promote Indian teas among the masses.

Social Media Promotion

The considerable reach of Tea Board's social media platforms such as Facebook and X (formerly Twitter), which have a substantial follower base, was leveraged by organizing interactive and engaging activities such as Quiz Contest on India Tea and 'Unscramble the Words' contest, aimed at enhancing user engagement and raising awareness about Indian teas amongst the social media users. The various activities organized on the occasion of International Tea Day were posted on the social media handles of Tea Board.

Mobile van promotional campaign

A mobile van branded with messages and promotional content about India Tea, along with the Tea Board team, moved through various places with good footfall in the city of Kolkata, and visited many tea shops and stalls. A message wishing everyone on the occasion of International Tea Day was played on loudspeakers in the mobile van. The promotional campaign had a great impact amongst the visitors thronging the tea stalls. Tea gift hampers, specially designed T-shirts as well as promotional literatures were presented to the tea stall owners. Special emphasis was given to the shopping malls where the footfalls of the younger generation is higher. Complimentary tea was provided from the premises of the Head Office to the general public on 21st and 22nd May, 2023. Tea gift hampers were also distributed amongst the local tea stall owners in the Central Business District.

North-East Zonal Office, Guwahati

The International Tea Day was celebrated at Guwahati on 21st May, 2023 by Tea Board India in collaboration with the Assam Government, where the specially-designed "200 years of Assam Tea Logo" was unveiled by the Hon'ble Minister, Industries, Commerce & Public Enterprise, Government of Assam –Shri Bimal Borah, Hon'ble MP of Lok Sabha–Shri Horen Sing Bey, Hon'ble MP of Rajya Sabha–Shri Kamakhya Prasad Tasa and Dy. Chairman of Tea Board –Shri Saurav Pahari. A promotional documentary film on "Crop to Cup – A Journey of Assam Tea" was also launched by the Hon'ble Minister, Industries, Commerce & Public Enterprise, Govt of Assam – Shri Bimal Borah in order to celebrate this momentous occasion.
Further, the video message of Shri Piyush Goyal, Hon'ble Minister of Commerce & Industry, Consumer Affairs & Food & Public Distribution and Textiles, Govt. of India, wishing the Tea industry on 200 years of Assam Tea was also played on the occasion.

There was a panel discussion on "200 Years of Assam Tea and its future" as well as ceremonial distribution of 75% subsidy to the STG sector towards purchase of green leaf carrying vehicles under the "Cess Utilisation Policy" of the State Government.

Overall, the function has been able to enhance awareness about Assam Tea Industry's growth& development, contribution by the stakeholders and its importance in the economy.

Tea Board Regional Office, Siliguri

Tea Board India, Zonal office Siliguri celebrated International Tea Day at Tea Park, Siliguri with the various stakeholders of the Tea Industry on 21st May 2023. On this occasion, an awareness and promotional programme was organised with the active participation of the Tea Research Association (TRA) and Department of Tea Science, University of North Bengal. It was underlined that tea industry should constantly innovate and explore new ways of doing things better in order to be viable in an increasingly competitive market. A tea stall was put up in Tea Board office premises to display various types of Indian Teas and to undertake tea tasting and tea sampling activities amongst the general public. Importance of health benefits and wellness aspects of Indian teas were also shared with the consumers.

A Tea Stall in the Jalpaiguri Town railwaystation was also set up by the Tea Board Regional office, Jalpaiguri for organising tea tasting and tea sampling activities for the general public on the occasion of International Tea Day.

Tea Board Regional Office, New Delhi

The "International Tea Day" was celebrated at the Tea Board's Regional Office, New Delhi, in an engaging manner through sampling various types of Indian teas amongst the visitors.

South India Zonal Office, Coonoor

A Tea Show was organised at Sim's Park, Coonoor, Tamil Nadu, during 20th and 21st May, 2023 in coordination with District Administration of the Nilgiris district and Tourism Department, Govt. of Tamil Nadu. Shri. K.Ramachandran, Hon'ble Minister for Tourism, Govt. of Tamil Nadu, graced the occasion as the Chief Guest and inaugurated the Tea Show 2023. The District Collector, Chief Executive Officer of INDCOSERVE, Managing Director of TANTEA, Joint Director of Horticulture, District Tourism Officer, officials of Tea Board and other high-level officials from the Centre and State graced the inaugural function.

During the Tea Show 2023, the following activities were carried out to promote Indian Tea in order to create awareness on various aspects of tea amongst the public:
1. Exhibition on the History of tea.
2. Model Tea Processing Unit.
3. Showcased different Varieties of Tea with Tea Tasting arrangement for the tourists.
4. Display of different types of grades of CTC and Orthodox teas.
5. The Estate and Bought Leaf Factories exhibited their products for sale.
6. Pamphlets were issued on health benefits of tea.
7. Live demo of handmade teas by Small Tea Growers.
8. Sale and display of Specialty Teas by Small Tea Growers.
9. Stalls of prominent Specialty Tea Boutiques of Nilgiris.
10. Complimentary tea sampling amongst the visitors.
11. Video Documentary on Tea was played throughout these days.
12. Publicity of the event through press note, displaying banners and posters at the prominent locations of the Nilgiris district.
13. Digital Display about the Tea Show 2023 was set up at the entry points of the district.
14. During the event, Caps and T-Shirts spreading awareness about International Tea Day were distributed amongst all the participants and press representatives.
15. Awards, appreciation and participation certificates were issued to the stall exhibitors.

Apart from the Tea Show 2023, the following activities were organised by the South India Zonal Office, Coonoor, to commemorate International Tea Day:

1. Human Chain Formation to create awareness on the importance of International Tea Day held at Tiger Hill Tea Division, Tan Tea Estate, Coonoor.

2. Live interview of Dr. M. Muthukumar, Executive Director, South India Zonal Office, Tea Board India, telecast on International Tea Day – 21st May, 2023, by regional FM Radio channel.

3. Competition on separation of green leaf and sorting conducted amongst Small Tea Growers at Kattabettu INDCO Tea Factory. Prizes were given to the participants.

4. A Tea Board India stall was set up at the Flower Show held at Government Botanical Garden, Ooty from 19.05.2023 to 23.05.2023 as part of International Tea Day celebrations.

Tea Board India's stall on the sidelines of the Third Development Working Group (DWG) Meeting of India's G20 Presidency at Goa, 9-10 May, 2023

Tea Board India displayed different varieties of Indian teas and conducted tea sampling and tea tasting activities on the sidelines of the Third Development Working Group (DWG) Meeting of

India's G20 Presidency at Goa, 9-10 May, 2023. Dr. Pramod P Sawant, Hon'ble Chief Minister of Goa, visited the Tea Board India stall on 9th May, 2023 and appreciated the different varieties of Indian teas displayed at the stall. Tea caddies containing Indian teas were presented to the Hon'ble Chief Minister. Several G20 Delegates visited the Tea Board India stall and enjoyed the Indian teas.

India Tea pavillion at the Experience Zone set up for G20 Delegates during the 2nd TIWG Meeting held at Bengaluru from 23-25 May, 2023

Tea Board India set up an India Tea pavillion at the Experience Zone set up for G20 Delegates during the 2nd Trade and Investment Working Group (TIWG) Meeting held at Bengaluru from 23-25 May, 2023 along with the pavillions of the other Commodity Boards such as Coffee Board, Spices Board and APEDA. Smt. Anupriya Patel, Hon'ble Union Minister of State for Commerce & Industry, Govt of India, and Shri Som Parkash, Hon'ble Union Minister of State for Commerce & Industry, Govt of India, visited the India Tea pavilion at the Experience Zone on 24th May, 2023, and interacted with the exporters displaying and sampling their teas at the India Tea pavillion. The Hon'ble Ministers were very interested to know about the nuances of Indian teas and appreciated the display of myriad varieties of Indian teas. A large number of G20 Delegates visited the India Tea pavillion and were very excited to taste the different varieties of Indian teas such as Darjeeling, Assam, Nilgiri, Masala Chai, green teas, white teas, iced tea etc. Attractive gift boxes containing tea caddies of the different varieties of Indian teas were presented to the G20 Delegates.

June 2023

Tea Board India's Participation at the Second Technical Official Language Conference on 6th June, 2023 at Ambedkar International Centre

The Second Technical Official Language Conference under Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, was organised on 6th June, 2023 at Ambedkar International Centre, New Delhi. It was chaired by Shri Ajay Kumar Mishra, Hon'ble Minister of State, Ministry of Home Affairs. Tea Board India participated at the Second Technical Official Language Conference and showcased varieties of Indian Teas. Ministries such as Tribal Cooperative Marketing Development Federation (*TRIFED*), Ministry of Agriculture, Noida SEZ etc. were among the other participants which exhibited their products. Shri Ajay Kumar Mishra, Hon'ble Minister of State, Ministry of Home Affairs, visited Tea Board's stall and appreciated the varieties of Indian Teas being displayed. Tea Board's sampling of teas was appreciated by the guests and participants. Other dignitaries from Department of Raj bhasha Hindi also visited the Tea Board Stall and appreciated the Indian Tea Sampling. Overall participation of Tea Board at the Second Technical Official Language Conference was successful in promoting Indian Teas.

Tea Board India's Participation at BIMSTEC Business Conclave, supported by Ministry of External Affairs, Government of India and organized by Indian Chamber of Commerce on 14th June, 2023

Tea Board India participated at the BIMSTEC Tea Forum, held on 14th June, 2023, at Kolkata as part of the BIMSTEC Business Conclave, supported by Ministry of External Affairs, Government of India and organized by Indian Chamber of Commerce. The BIMSTEC Business Conclave was organized to commemorate 25 years of BIMSTEC (Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation), comprising seven (7) nations adjacent to the Bay of Bengal region (Bangladesh, Bhutan, India, Myanmar, Nepal, Sri Lanka, and Thailand). BIMSTEC is a classic growth region, characterized by many economic complementarities, geographical proximity and close historical and cultural ties. The BIMSTEC has a vast potential for

development, given large amounts of land, abundant skilled labour, rich natural resources, access to sea, and a sizable internal market.

A panel discussion was held during the BIMSTEC Tea Forum held on 14th June, 2023, where stakeholders of the Tea Industry shared their views on the way forward for Indian Tea exports and the different promotional avenues that could be explored with the objective of increasing exports.

July 2023

India Tea Experience Zone organized by Tea Board India on the sidelines of the 3rd Trade & Investment Working Group (TIWG) Meeting held at Ekta Nagar (Kevadia), Gujarat, from 10-12 July, 2023

Tea Board India organized an India Tea Experience Zone on the sidelines of the 3rd Trade & Investment Working Group (TIWG) Meeting held at Ekta Nagar (Kevadia), Gujarat, from 10-12 July, 2023, in order to give the G20 Delegates a complete organoleptic experience of the myriad varieties of Indian teas with their varied liquors, aromas and diverse flavour profiles.

Along with Tea Board India, the other Commodity Boards under Ministry of Commerce & Industry, such as Spices Board, Coffee Board and APEDA also displayed their products and gave the G20 Delegates the opportunity to experience the amazing flavours of India.

Tea exporters also participated in the India Tea Experience Zone under the umbrella of Tea Board India and showcased and sampled their products.

Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry, visited the India Tea Experience Zone along with Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Ministry of Commerce & Industry, and Shri Rajesh Kumar Singh, Secretary, Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), Ministry of Commerce & Industry. Indian teas were served to the officials as per their preferences and the sampling of different varieties of Indian teas was appreciated by all the officials.

Tea Board India sampled Darjeeling black tea, Darjeeling green tea, Assam Orthodox tea, lemon tea with Nilgiri Orthodox tea as the base, Kangra Tea etc. as per the requests of the G20 Delegates visiting the India Tea Experience Zone. The participating tea exporters served Masala Chai, Darjeeling first flush, Darjeeling second flush, Assam Orthodox, rose tea, saffron tea, lemon iced tea, peach iced tea, cardamom tea etc. to the G20 Delegates.

The G20 Delegates highly appreciated the sampling of Indian teas and made repeat visits to savour the Indian teas. Gift boxes containing Darjeeling, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox and Masala Chai were presented to the G20 Delegates. Tea Board India also curated a consolidated gift hamper containing the gift items from Tea Board, Coffee Board and Spices Board for presentation to all the G20 Delegates.

Tea Board India's participation at the 2nd GI (Geographical Indications) Fair held at Greater Noida from 20-24 July, 2023

The 2nd edition of the GI (Geographical Indications) Fair India, organised by the Export Promotion Council for Handicrafts with support of Ministries of Commerce &Industry, Textiles and Cell for IPR Promotion and Management (CIPAM), was held from 20-24 July, 2023 at India Expo Centre & Mart, Greater Noida. The exhibition was inaugurated by Smt. Darshana V.

Jardosh, Hon'ble Union Minister of State for Railways and Textiles. The Hon'ble Minister encouraged all GI producers to register themselves on the GeM portal and avail better business opportunities. She stated that the theme of "Local for Global" was in sync with the vision of 'Atmanirbhar Bharat'. The exhibition was a grand showcase of unique, authentic and original products directly from the makers and manufacturers of GI products. The show witnessed cumulative footfall of over 10,000 visitors including over 110overseas buyers from 30 Countries and over 300 overseas buying representatives as well as domestic buyers.

Tea Board India participated in the event and displayed and promoted the four GI Teas of India namely Darjeeling, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox and Kangra. Posters and publicity literatures on the GI teas were showcased with sampling of GI teas which was highly appreciated by the visitors. Information regarding CTM registrations for permission to use the GI Tea logos was imparted to the visitors.

Tea Board India's participation at the Global Food Regulators Summit held at New Delhi on 20-21 July, 2023

Tea Board India participated at the Global Food Regulators Summit held at New Delhi on 20-21 July, 2023.The summit was inaugurated by Dr. Mansukh Mandaviya, Hon'ble Union Minister for Health and Family Welfare. The summit brought together food regulators from around the world to exchange perspectives and knowledge on crucial issues related to food safety systems. Various initiatives including 'Food-o-Copoeia', a collection of food category-wise monographs and a single point reference for all applicable standards for as specific product; Safe food for Nations: Global food Regulatory Authorities Handbook and a Common Digital Dashboard were launched during the inauguration ceremony.

Tea Board India showcased and displayed the different varieties of Indian teas and disseminated information about the various facets of Indian teas among the visitors through publicity brochures, literatures and pamphlets. Sampling of Indian teas for the visitors was also organized at the Tea Board stall.

The Hon'ble Union Minister said that "the Global Food Regulators Summit 2023 will serve as a timely intervention in addressing global food safety challenges and achieving the United Nations Sustainable Development Goals of zero hunger, good health and well-being".

The Summit marked a significant step forward in promoting international cooperation, knowledge sharing and cross-learning to create a safer and more sustainable global food system.

Tea Board India's participation at the Food and Technology Expo 2023 held from 21-23 July, 2023, at Pragati Maidan, New Delhi

Tea Board India participated at the Food and Technology Expo 2023 held from 21-23 July, 2023, at Pragati Maidan, New Delhi. Tea Board displayed different varieties of Indian Teas along with publicity material and posters. Tea sampling of the different varieties of Indian teas was also done for the visitors. Masala Chai was served in earthen kulhads which was in high demand among the visitors. The visitor profile comprised farmers from neighbouring states, school children and also general visitors. Darjeeling Tea and Masala Chai were most appreciated by the crowds thronging the Tea Board stall.

August 2023

Tea Board India pavilion at theG20 Experience Zone on the sidelines of 4th TIWG & TIMM Meeting, Jaipur, 23-25 August, 2023

Tea Board India organized a tea tasting and sampling zone at the Tea Board India pavilion at the G20Experience Zone along with other Commodity Boards such as APEDA, Coffee Board and Spices Board during the sidelines of 4th TIWG & TIMM Meeting held at Jaipur from 23-25 August, 2023. Shri Piyush Goyal, Hon'ble Minister of Commerce & Industry, Consumer Affairs & Food & Public Distribution and Textiles, Govt of India, inaugurated the Experience Zone along with Mr. Olivier Becht, Minister Delegate for Foreign Trade, Economic Attractiveness and French Nationals Abroad, Govt of France, on 23rd August, 2023. Shri Piyush Goyal visited the pavilions of all the Commodity Boards at the Experience Zone, including the Tea Board pavilion, and interacted with the exporters and G20 Delegates, enquired about the different products on display and also sampled some of the products. The Hon'ble Minister, along with Mr Olivier Becht, visited the Tea Board pavilion and invited Mr. Becht to try some of the teas displayed at the Tea Board pavilion. Mr Olivier Becht enjoyed a cup of Darjeeling first flush tea and interacted with Shri Piyush Goyal. The Hon'ble Minister also addressed media persons at the Tea Board pavilion.

Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry, Govt of India, visited the Experience Zone on 24th August, 2023, and interacted with the exporters and G20 Delegates at the pavilions of all the Commodity Boards. The Secretary, Ministry of Commerce & Industry, appreciated the wide range of Indian teas, coffees, spices and millet products on display at the pavilions. He also enjoyed a cup of white tea along with the officials of all the Commodity Boards.

Several important dignitaries such as Mr. Vladimir Ilichev, Deputy Minister, Ministry of Economic Development of Russia, Ms. Sabine Weyand, Director-General for Trade, European Commission and other senior officials visited the Tea Board pavilion and enjoyed Indian teas. There was an overwhelming demand for white tea, besides the other specialty teas, such as Darjeeling first and second flush, Assam Orthodox, Masala Chai, cardamom tea, iced teas, Nilgiri, Kangra, green teas etc. Delegates and other important officials were seen making a beeline at the Tea Board pavilion for the specialty white tea. Overall, Tea Board's display and tea sampling and tea tasting at the Experience Zone was successful.

Tea Board's participation at the 'India Organic & Horti Expo-2023' and concurrent show 'Empowering India-2023' held from 18-20 August, 2023 at Maniram Dewan Trade Centre, Guwahati, Assam

Tea Board India participated at the 'India Organic & Horti Expo-2023' and concurrent show 'Empowering India-2023' held from 18-20 August, 2023 at Maniram Dewan Trade Centre, Guwahati, Assam. The expo was inaugurated by Shri Atul Bora, Hon'ble Minister of Agriculture, Animal Husbandry & Veterinary, Implementation of Assam Accord, Border Protection &Development, Govt. of Assam. A large number of Small Tea Growers participated through the Tea Board India pavilion and displayed and sold different organic handmade teas, including Green Tea, White Tea, Chunga Tea, Dheki Tea, special types of handmade rolled teas etc. Tea tasting and tea sampling sessions were also organized by the Small Tea Growers for the visitors. The Tea Board India pavilion witnessed a large number of visitors and general public, who were eager to know about the different types of specialty and niche teas available for sale, and also appreciated the tea tasting and tea sampling sessions.

Tea Board's participation at the 26th National Exhibition held at Kolkata from 24-27 August, 2023

Tea Board India participated at the 26th National Exhibition held at Kolkata from 24-27 August, 2023, organised by the Central Calcutta Science & Culture Organisation for Youth. The Tea Board India stall was well-decorated with colourful posters and banners imparting information about the different varieties of Indian teas. Publicity brochures and literatures, such as leaflets, pamphlets, recipe booklets on Indian teas etc. were also displayed and distributed amongst the visitors of the exhibition. Tea sampling of the different varieties of Indian teas was also undertaken at the Tea Board India stall, which proved to be extremely popular, as a huge number of visitors thronged the stall at all times of the day to experience the genuine taste, flavour and aroma of the specialty Indian teas. Publicity materials such as tea caddies, tea promotional materials, standees on Indian teas etc. were displayed at the stall.

September 2023

Tea Board India's participation at the 5th World Coffee Conference and Expo, Bengaluru

Tea Board India participated at the 5th World Coffee Conference (WCC) and Expo at Bengaluru, organized by Coffee Board of India, from 25-28 September, 2023. Shri Piyush Goyal, Hon'ble Minister of Commerce & Industry, Consumer Affairs & Food & Public Distribution and Textiles, Govt. of India, inaugurated the 5th World Coffee Conference & Expo on 25th September, 2023. Commenting on the theme 'Embracing Sustainability through Circular Economy and Regenerative Agriculture,' the Hon'ble Minister said, it resonated well with everyone as the topic was extremely relevant today as sustainability issues have increasingly become a concern.

WCC has been held for the first time in Asia at Bengaluru, organized by International Coffee Organisation and Ministry of Commerce & Industry, Government of India and Coffee Board of India in association with Govt. of Karnataka. The exhibition was held on a grand and magnificent scale and saw participation from a huge number of stakeholders. Among the Commodity Boards, Tea Board India and Spices Board India, apart from Coffee Board of India, put up exclusive pavilions at the show.

Tea Board India participated at the 5th World Coffee Conference and Expo by putting up an India Tea pavilion, along with tea exporters, where the myriad varieties of Indian teas were showcased, exhibited and sampled for the Delegates, Dignitaries, Importers, business clientele visiting the expo as well as general visitors during all 4 days of the exhibition. Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, visited the India Tea pavilion and interacted with the tea companies participating at World Coffee Conference along with Tea Board India. He also sampled and enquired about the different varieties of teas on display and gathered feedback about the overall response at the event.

Dr. K.G. Jagadeesha, Secretary & CEO, Coffee Board of India, visited the India Tea pavilion and appreciated the display and the arrangements for tasting and sampling of Indian teas made at the India Tea pavilion. He enquired about the response received at the India Tea pavilion and was happy to know about the response and awareness generated about Indian teas among the visitors of the expo.

Shri D. Sathiyan, Secretary, Spices Board India, also visited the India Tea pavilion and had words of praise for the well-managed show, where the display of both tea and spices at this event, dedicated to coffee, was a novel and encouraging step.

Smt. Anjali Anand, Under Secretary, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, visited the India Tea pavilion, enjoyed Indian teas and appreciated the impressive India Tea pavilion as well as the magnificent manner in which the entire conference and expo was organized.

There were huge crowds at the India Tea pavilion throughout all the 4 days of the exhibition. The varied colours, liquors, flavour profiles, taste and aroma of all the Indian teas kept for display, sampling and tasting were highly appreciated by all the visitors. The visitors enthusiastically tasted and sampled all the varieties of Indian teas, including Darjeeling first flush, Darjeeling second flush, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox, Kangra, Dooars-Terai, Sikkim, Masala Chai, Darjeeling green tea etc. The tea exporters who participated along with Tea Board gave good feedback about the awareness generated at the expo. Overall, participation at the 5th World Coffee Conference and Expo was encouraging.

Virtual Meeting with stakeholders of the Tea Industry selling branded tea in domestic and foreign markets held on 31st August, 2023

A Virtual Meeting with stakeholders of the Tea Industry selling branded tea in domestic and foreign markets was held on 31st August, 2023. The Meeting was chaired by Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry. Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Ministry of Commerce & Industry, Shri Neeraj Gaba, Director, Plantation, Ministry of Commerce & Industry, Shri Saurav Pahari, Dy Chairman, Tea Board India, and Smt. Anjali Anand, Under Secretary, Plantations, Ministry of Commerce & Industry, were part of the meeting. Total 16 Tea stakeholders selling branded tea in domestic and foreign markets attended the meeting. The Commerce Secretary asserted that we should move higher in the value chain, give more employment through value addition, be more competitive in this sector and not be content with only being the producers of tea, but also be the manufacturers of quality value added tea. The Commerce Secretary further stated that there is a huge potential as we can move from bulk to retail, low value added to high value-added teas, become FMCG oriented and participate in tea exhibitions where there can be a lot of focus on Indian tea.

Virtual Meeting with the Tea Start-ups held under the Chairmanship of the Commerce Secretary on 1st September, 2023

Sri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry, chaired a Virtual Meeting with the Tea Start-ups on 1st September, 2023, to discuss about the challenges and the way forward both in the International and domestic markets and also how the start-ups can help in the branding exercise of Indian tea. Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Ministry of Commerce & Industry, Shri Neeraj Gaba, Director, Plantation, Ministry of Commerce & Industry, Shri Saurav Pahari, Dy Chairman, Tea Board India, and Smt. Anjali Anand, Under Secretary, Plantations, Ministry of Commerce & Industry, were part of the meeting. Total 11 Tea start-ups attended the meeting. During the meeting, the Commerce Secretary advised that tea producers may collaborate with the start-ups for marketing their teas and that the start-ups also would be assured of constant supplies of tea from the producers after which more value would emanate out of the total value chain.

Tea Board India's Participation at World Food Moscow-2023 held from September 19-22, 2023

Tea Board India participated at World FoodMoscow-2023 held from September 19-22, 2023, along with other Indian companies. H.E. Shri Pavan Kapoor, Ambassador of India to the Russian Federation, visited this event and each company represented in the Indian pavilion. A Tea Tasting programme was organized at the Tea Board India stall. The visitors tasted 5 varieties of Indian loose teas, namely Darjeeling, Sikkim, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox and Assam CTC and highly praised the taste and fragrance of the teas. Many were willing to buy tea and were asking to recommend authentic brands of India tea represented in Russia and reliable retail stores where authentic Indian tea can be bought. About 5000 cups of Indian tea were poured for people visiting the stall during the event.
World Food Moscow is the leading annual exhibition in food sector. Over 1000 manufacturers and suppliers from 39 countries took part in the exhibition. 17 national pavilions and 36 collective expositions of Russian regions were represented in the exhibition. The event was attended by more than 20,115 buyers from wholesale and retail trade enterprises and catering enterprises. This year, 62 companies from India, participated in the event representing specialized products like Tea, Coffee, Spices, and other agro products.

October 2023

Advertising (Digital and Static media) in connection with the celebration of 200 years of Assam Tea at Guwahati International Airport

Generic promotion of Assam Tea in connection with the celebration of 200 years of Assam tea was undertaken through digital media and static media as outdoor media campaign at Guwahati International Airport during the month of October 2023.

Promotional programme organized at Agartala, Tripura on 17th October, 2023

A promotional programme on "Tea as a Beverage" was organized by Tea Board India in collaboration with Indian Chamber of Commerce at Maharaja Bir Bikram College, Agartala, Tripura on 17th October, 2023 to create awareness about Indian teas amongst the different sections of the society, especially the youth. The programme was inaugurated by Smt. Santana Chakma, Hon'ble Minister of Industries & Commerce, Government of Tripura in presence of other dignitaries representing World Bank project, delegates from Bangladesh (International Business Network), College Authorities, Students, State Government Officials etc.

Sponsorship of Guts & Glory – Salute 71 Army

Tea Board India was one of the sponsors of Guts & Glory –Salute 71 Army organized by M/s. South Asia FM Ltd (Unit Red FM), Guwahati, Assam wherein awareness was created about the glory of Assam tea covering 200 years of its journey in terms of generic campaign, Newspaper advertisements, and display of standees and posters in a number of malls of Guwahati etc.

November 2023

Tea Board's participation at World Food India 2023 from 3-5 November, 2023

With a view to bringing the global food processing industry together, the Ministry of Food Processing Industries organized the second edition of World Food India 2023 during November 3-5, 2023 in New Delhi.
Shri Narendra Modi, Hon'ble Prime Minister, inaugurated the second edition of the Mega Food event "World Food India 2023" at Bharat Mandapam, Pragati Maidan in New Delhi on November 3, 2023. Shri Narendra Modi also took a walk-through of the exhibition showcasing diverse products. This event provided a network and a business platform for Government bodies,

Industry professionals, farmers, entrepreneurs, and other stakeholders to engage in discussion and establish partnerships. Various B-to-B meetings were also arranged focusing on investments and ease of doing business.

APEDA, Tea Board India, Coffee Board of India, Spices Board and MPEDA were advised by the Department of Commerce, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, to organize Reverse Buyer Seller Meet (RBSM) during the event.

Tea Board participated in the "World Food India 2023" held at the Pragati Maidan, Delhi during November 3-5, 2023 with thirteen (13) value-added exporters in an aggregate space of 195 sq. m comprising a "Tea Experience Zone" and a sprawling lounge-cum-meeting zone. The entire space had been fabricated aesthetically with attractive branding at the booths depicting the diverse aspects of Indian tea. Shri Saurav Pahari, Deputy Chairman, Tea Board India, inaugurated the pavilion.

A number of tea buyers from countries like UAE, Russia, Egypt, France, Japan, Qatar visited the stalls and effected business negotiations upon tasting of the Indian tea varieties and taking their samples for future business.

Around 150 one-on-one B2B meetings between the buyers and the sellers were arranged in a dedicated manner towards fruitful negotiations.

Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, visited the Tea Board India pavilion, interacted with the tea stakeholders and savoured the fine Indian teas. Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, and Shri Rajesh Agarwal, Additional Secretary, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, also visited the Tea Board India pavilion, interacted with the stakeholders and tasted exquisite varieties of Indian tea. Apart from the above-mentioned dignitaries, Shri Neeraj Gaba, Director (Plantations), Ministry of Commerce and Industry, Government of India, Dr. K.G. Jagadeesha, Secretary and CEO, Coffee Board of India, and Shri Abhishek Dev, Chairman, APEDA, as well as other APEDA, Coffee Board and Spices Board officials visited the Tea Board pavilion, and tasted and appreciated the wide varieties of Indian teas being sampled by Tea Board as well as the participating stakeholders.

Large number of B2B visitors as well as general visitors thronged the stalls.

Further, there was a Panel discussion on 5thNovermber, 2023 on the topic - "Unlocking Value-addition in India's agri-exports: Leveraging Innovation & the Start-up Ecosystem" where two speakers from the Tea Industry viz. Mr. Raj Barooah, Owner, Aideobarie Tea Estate, Assam and Mr. Shreedharan Chandran, President, UPASI and Director, Woodbriar Group participated in the discussions with a special focus on specialty tea, their innovation, supply chain aspects and the segment's promotion. There were seven distinguished speakers altogether throwing light on various aspects of value addition in the tea, coffee and spices sectors. Shri Saurav Pahari, Deputy Chairman, Tea Board India, felicitated the speakers of the Panel discussion.

Tea Board India's participation at "Guts and Glory - Salute 71" organised by Eastern Command (IA) of Indian Army at Kolkata, 18th November, 2023

Tea Board India participated at "Guts and Glory - Salute 71" organised by Eastern Command (IA) of Indian Army - an initiative to salute not only the braves who laid down their lives for the Motherland and humanity, but also to recognize the unsung heroes walking amongst us as common citizens working tirelessly to make the nation and the world a better place. The event

was held on November 18, 2023 at Fort William, the Headquarters of the Eastern Command of Indian Army, Kolkata. Tea Board India participated by putting up a stall to display and sample Indian teas and to spread awareness amongst the audience about the myriad flavours, aromas and specialties of Indian teas.

Three-day Training Programme on Packagingorganised by Tea Board India at Agartala, Tripura, from 21-23 November, 2023

A three-day Training Programme was organised by Tea Board India at Agartala, Tripura, from 21-23 November, 2023, in association with Indian Institute of Packaging (IIP), Kolkata for the Tea stakeholders of Tripura where in the tea manufacturers and Small Tea Growers (STGs)were imparted exposure/information, concepts etc. on various aspects of packaging to bring in value addition.

December 2023

Tea Board's participation at KretaSurakshaMela held from December 1-3, 2023, at Siliguri, West Bengal

Tea Board India participated at the Kreta Suraksha Mela, organized by Department of Consumer Affairs, Government of West Bengal, at Siliguri, West Bengal, from December 1-3, 2023, by displaying different varieties of Indian teas and organizing tea sampling and tea tasting activities. Shri Biplab Mitra, Honb'le Minister of Consumer Affairs, Government of West Bengal, visited the Tea Board stall and indulged in sampling the specialty teas. To engage the visitors, especially the younger generation, a selfie point was created and placed strategically in front of the stall. Over 1500 visitors, comprising tea enthusiasts, curious consumers, and industry stakeholders visited the Tea Board stall. Numerous visitors expressed curiosity about the availability of quality teas.

Tea Board's participation at "Food India SIAL" held at New Delhi from December 7-9, 2023

Tea Board India participated at Food India SIAL held at New Delhi from December 7-9, 2023. SIAL India was jointly inaugurated by Smt. Anita Praveen, Secretary, Ministry of Food Processing Industries, Mr. Janusz Wojcichowski, European Commissioner for Agriculture and Shri Abhishek Dev, Chairman, APEDA. This event convened importers, retailers, wholesalers, entrepreneurs, food manufacturers etc. The present edition witnessed over 500 plus exhibitors from 30 countries worldwide and around 20,000 visitors. This event provided an excellent platform to showcase the diverse and high-quality tea produce in India. Tea Board's stall was well-designed, that featured a wide range of tea varieties including the specialty/high-quality teas. Tea sampling was done for which keen interest was shown by visitors. During the expo, Tea Board officials were actively engaged with the visitors, including international buyers from Qatar, Russia, Tunisia, Belgium, Saudi Arabia, UAE etc. Tea Board's stall was also visited by domestic buyers, distributors and industry professionals. The officers provided detailed information about the various tea-growing regions in India, the cultivation and processing techniques used in tea manufacturing and the strict quality control measures that ensure production of the finest teas for the consumers. Additionally, tea tasting and demonstrations were continually conducted to showcase the exquisite taste, flavour, aroma and diverse character of Indian Tea. During the 3-day event Tea Board's pavilion witnessed a number of enquiries pertaining to the authentic sourcing of single-origin tea, specialty teas being

manufactured by the small tea growers, flavored tea and GI-denominated teas. Overall, Tea Board's participation in the Food India SIAL, 2023 Expo was successful.

Tea Board's participation at 8th Assam International Agri-Horti Show held at Guwahati during December 16-18, 2023

Tea Board India participated at the 8th Assam International Agri-Horti Show, organized by the Department of Agriculture, Government of Assam, and held at Guwahati from December 16-18, 2023. Dr. Himanta Biswa Sarma, Hon'ble Chief Minister of Assam, inaugurated the exhibition in presence of a host of dignitaries and more than 10,000 farmers at the College of Veterinary Sciences grounds in Khanapara, Guwahati. The Hon'ble Chief Minister also visited the Tea Board stall and appreciated the variety of Assam teas displayed at the event. The exhibition was organized with the theme "Marching Towards Self Sufficiency... Maximizing Farmers' Income" and was attended by representatives from 11 countries, policy makers, agricultural researchers, agricultural technologists, agricultural marketing experts and farmers.

Generic promotion of Assam Tea in connection with the celebration of 200 years of Assam Tea done through digital advertisements and display of promotional films on LED panels at Guwahati railway station

A Generic promotional campaign for Assam Tea in connection with celebration of 200 years of Assam Tea was launched on 21stDecemeber, 2023, at Guwahati railway station through digital advertisements and display of promotional films on LED panels.

January 2024

Tea Board India's participation at the 'Atmanirbhar Bharat Utsav 2024' held at New Delhi from 3-10 January, 2024

Tea Board India participated at the 'Atmanirbhar Bharat Utsav 2024' held at Bharat Mandapam, Pragati Maidan, New Delhi from 3-10 January,2024, by putting up a stall showcasing the different varieties of Indian teas and their specialties. The event was organised by the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), under the Ministry of Commerce and Industry. The event was inaugurated by Shri Piyush Goyal, Hon'ble Minister of Commerce & Industry, Consumer Affairs and Food and Public Distribution and Textiles, Govt. of India, and Dr. S.Jaishankar, Hon'ble Minister of External Affairs, Govt. of India. The event highlighted the vision and concept of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi regarding the One District One Product Scheme being run to promote Vocal for Local. Tea Board participated in this event showcasing varieties of Indian Teas such as Darjeeling, Assam Orthodox, Nilgiri Orthodox etc. The highlight of the event was participation by small tea growers of Assam and West Bengal who displayed their hand rolled green teas which were appreciated by the visitors. Tea sampling was also organised by Tea Board during the event.

Tea Board India's participation at Pooppoli 2024, the international flower festival, held from 1st to 15th January, 2024, at Kerala

Tea Board India participated at Pooppoli 2024, the international flower festival, held from 1st to 15th January, 2024, organized collaboratively by Kerala Agricultural University and the Department of Agriculture, Government of Kerala. The event took place at the Regional Agricultural Research Station, Ambalavayal, in the Wayanad District of Kerala. Tea Board India played a significant role in providing a platform for Small Tea Growers(STGs) from Gudalur and

Pandalur Taluks of Nilgiris District, Tamil Nadu, and Wayanad District, Kerala, to showcase their specialty teas. The Tea Board India Stall attracted distinguished visitors, includingShri. P. Prasad, Hon'ble Minister for Agriculture, Government of Kerala, who visited the stall on 5th January, 2024. Shri Misal Sagar Bharat, Sub Collector, Mananthavadi, visited the Tea Board Stall on 7thJanuary 2024. Board Members Shri. Manoj Kumar K and Shri. Sivadasan also visited the stall on 4th and 9thJanuary,2024, respectively.

Tea Board India's participation at Indus Food 2024, held at Greater Noida from January 8-10, 2024

Tea Board India participated in the Indus Food 2024 (7th Edition) held at India Exposition Mart, Greater Noida, from January 8-10, 2024. This event provided an excellent platform to showcase the diverse and high-quality teas produced in India. Tea Board's stall was well-designed, that featured a wide range of Indian tea varieties. Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India, and Shri Rajesh Agarwal, Additional Secretary, Ministry of Commerce & Industry, Govt. of India, visited the Tea Board India pavilion, and interacted with the stakeholders. During the expo, the exporters at the Tea Board pavilion were actively engaged with the domestic buyers as well as international buyers from countries like UAE, Egypt, Japan, Qatar, Malaysia, Iraq, Bahrain, Oman, Lebanon, Ethiopia, Germany, Canada, Australia, UK etc. Detailed information was provided about the various tea-growing regions in India, the cultivation and processing techniques used in tea manufacturing and the strict quality control measures that ensure the finest teas for the consumers. Additionally, tea tasting and demonstrations were conducted to showcase the exquisite taste and character of Indian Teas.

Tea Board India's Participation at Kerala Plantation Expo 2024, held at Kochi, Kerala from 20th to 22nd January, 2024

Tea Board India participated at the Kerala Plantation Expo 2024 held at Jawaharlal Nehru International Stadium Ground, Kaloor, Kochi, held from 20th to 22nd January, 2024. This plantation expo was organised by Directorate of Plantation, Government of Kerala, with the aim of promoting the marketing of plantation products and strengthening Kerala brand in plantation sector. The expo was inaugurated by Shri. P. Rajeev, Hon'ble Minister for Law, Industries and Coir, Government of Kerala. Small Tea Growers exhibited their teas at the Tea Board stall at the Kerala Plantation Expo 2024.

Tea Board India's participation at the 34th Tripura Industries and Commerce Fair 2024, held at Agartala from 25th January to 11th February, 2024

Tea Board India participated at the 34th Tripura Industries and Commerce Fair 2024, organized by the Department of Industries & Commerce, Govt. of Tripura from 25th January to 11th February, 2024, at Hapania International Fair Ground, Agartala, Tripura. Dr. Manik Saha, Hon'ble Chief Minister of Tripura, visited the Tea Board India stall and appreciated the varieties of teas on display at the 34th Tripura Industries and Commerce Fair.

Bi-Centenary Assam Tea International Conference (BATIC 2024) organized at Guwahati on 29-30 January, 2024

The Bi-Centenary Assam Tea International Conference (BATIC 2024) was organized on 29-30 January, 2024, at Guwahati. BATIC 2024 was inaugurated by Shri Bimal Borah, Hon'ble Minister, Industries, Commerce & PE Deptt, Government of Assam. BATIC 2024 was organized to commemorate 200 glorious years of the Assam Tea Industry with the aim to celebrate the rich

heritage of Assam tea, discuss industry trends, promote sustainability practices, and foster global collaborations in the tea sector. The conference was attended by esteemed dignitaries, including government officials, industry leaders, researchers, and representatives from various tea-producing regions worldwide. Over the course of two days, BATIC 2024 hosted a series of plenary sessions covering a wide array of topics pertinent to the global tea industry. Renowned experts delivered keynote addresses and presentations on themes such as sustainable cultivation practices, technological innovations, market dynamics, and the future of tea consumption. Engaging panel discussions provided a platform for stakeholders to deliberate on pressing issues facing the tea sector. Topics ranged from climate change resilience and biodiversity conservation to market diversification strategies and fair-trade practices. Concurrent with the conference, an exhibition and trade fair showcased a wide array of tea products, machinery, equipment, and services.

February 2024

Tea Board's Participation at Horti Food Festival held at Kolkata from 17-19 February, 2024

Tea Board India participated at the Horti Food Festival organized by the Department of Food Processing Industries & Horticulture, Government of West Bengal, from 17-19 February, 2024 at Netaji Indoor Stadium, Kolkata. The event is an investors' meet cum exhibition showcasing the progress in the sectors of horticulture, food processing and allied industries. The event attracted a diverse footfall including the business sector, Government officials and dignitaries, industry professionals as well as general visitors. The visitors visiting the Tea Board stall were treated to tea tasting and tea sampling of different varieties of Indian teas, such as Darjeeling, Assam, Niligiri, Masala Chai, green tea etc. The eye catching display of tea caddies and promotional and publicity literatures and informative posters of Assam, Darjeeling, Nilgiri, Kangra, Sikkim, Dooars-Terai and Tripura teas attracted visitors and they applauded the sampling and tea tasting initiatives of Tea Board India very much.

Tea Board's Participation at Bharat Tex 2024 held at New Delhi from 26-29 February, 2024

Tea Board India participated at Bharat Tex 2024, a global platform to showcase the iconic handloom and handicraft traditions of India, held at New Delhi from 26-29 February, 2024. The 4-day textile event, one of the largest-ever global textile events to be organised in India, had over 3000 exhibitors from 50 nations displaying a wide range of textile products. Tea Board India organized tea tasting and tea sampling initiatives for the visitors of this mega event. The visitors indulged in sampling of Darjeeling tea, Assam tea, Nilgiri tea, Sikkim tea, green tea, Masala Chai, lemon tea, ginger tea, cardamom tea etc. The Tea Board stall witnessed huge footfall and crowds thronged the stall at all hours of the day to experience the wide variety of liquors, colours, flavour profiles and blends of Indian teas.

March 2024

B2C Roadshow Campaign organized at Varanasi, Uttar Pradesh, during 1st March to 7th March, 2024 to generate awareness about "Assam Tea" in commemoration of completion of 200 years of the brand

In order to generate awareness and knowledge about "Assam Tea", which has completed 200 years of glorious journey during 2023, Tea Board India organized a B2C Roadshow-cum-mobile

van Campaign at 14 different locations at Varanasi, Uttar Pradesh, from 1st March to 7th March, 2024. The campaign included sampling of different types of teas such as Black Orthodox teas, CTC teas, Masala Tea, Green Tea, specialty teas, handmade teas etc. along with organizing a Buyer Seller Meet. The event was inaugurated by Shri Ravindra Jaiswal, Hon'ble Minister of Stamp, Court Fees and Registration (Independent Charge), Govt. of Uttar Pradesh at Assi Ghat, Varanasi on 1st March, 2024. The Hon'ble Minister said that both Assam and Varanasi have many similarities and tea is the most preferred beverage of all categories of people in Uttar Pradesh, intrinsically integrated with hospitality and social lives.A team of traditional Bihu artists from Assam enthralled the audience with their mesmerizing performances. The cultural performances included Borgeet, Bihu Dance and BhortalNritya. For the Mobile Van Campaigning, a specially decorated van was prepared with hoardings of the event, LED wall, backlit logo of Tea Board etc. Immediately after the inaugural function, the van was flagged off by the Hon'ble Minister and other dignitaries from Assi Ghat. The van moved around 14 locations in Varanasi and served the different types, varieties and blends of Assam Tea among the people of Varanasi. The event was conceived with an objective to increase awareness about Assam Tea and promote consumption of Assam Tea among the domestic and international visitors, wholesalers, Retail stores, Exporters, and general public including children and youth at Varanasi. Overwhelming responses were received from each of the targeted locations. Large amount of sales was generated and the stakeholders also got enquiries for establishing long-term business relationships. A large number of media attended and reported the event digitally as well as through print media.

Tea Board India's participation at AAHAR - The International Food & Hospitality Fair organised from March 7-11, 2024 at New Delhi

Tea Board India participated at AAHAR - The International Food & Hospitality Fair, a flagship B2Bevent organized by India Trade Promotion Organisation (ITPO), the premier trade promotion body of the Government of India, by putting up an India Tea pavilion along with 6 stakeholders. The 38th edition of the event was organised from March 7-11, 2024 at the iconic venue of Bharat Mandapam, Pragati Maidan, New Delhi. The exhibition showcased a diverse range of products across various categories, including confectionery, bakery items, spices, organic and processed foods, culinary arts, hospitality equipment attracting 1600participants, including companies from 12 countries. AAHAR 2024 attracted more than 25,000 trade visitors of India's hospitality, food service, and retail sectors. Tea Board India organized tea sampling and tea tasting activities for the different varieties of teas such as Darjeeling, Assam, Nilgiri, Kangra, Sikkim, green tea, Masala Chai etc. Information on regulatory issues was imparted to the interested visitors, highlighting the initiatives towards ease of doing business.

"Cross Country Race" and "Run For Tea" organized at Agartala, Tripura, on 11th and 12th March, 2024

Tea Board India, in collaboration with Tripura Tea Development Corporation, organized a successful Promotional Event – "Cross Country Race" and "Run For Tea" at Agartala, Tripura, on 11th and 12th March, 2024. The event was inaugurated by ShriTinku Roy, Hon'ble Minister of Sports and Youth Affairs, Govt. of Tripura and Smt. Santana Chakma, Hon'ble Minister of Industries and Commerce, Govt. of Tripura. The event witnessed a footfall of more than one thousand participants.

Annexure – 1

Countries	2023-24					2022-23				
	Qty (M. Kg)	Value (Rs. Cr)	Value (Mill US$)	Unit Price (Rs/Kg)	Unit Price ($/Kg)	Qty (M. Kg)	Value (Rs. Cr)	Value (Mill US$)	Unit Price (Rs/Kg)	Unit Price ($/Kg)
Russia	37.46	629.54	76.00	168.06	2.03	43.11	730.81	90.95	169.52	2.11
Ukraine	0.75	17.17	2.05	228.93	2.73	1.09	21.08	2.62	193.39	2.41
Kazakhstan	8.73	143.27	17.32	164.11	1.98	12.63	229.22	28.53	181.49	2.26
Other CIS	2.84	56.63	6.85	199.40	2.41	1.79	44.55	5.54	248.88	3.10
Total CIS	**49.78**	**846.61**	**102.22**	**170.07**	**2.05**	**58.62**	**1025.66**	**127.64**	**174.97**	**9.87**
United Kingdom	11.00	370.99	44.71	337.26	4.06	11.42	350.49	43.62	306.91	3.82
Netherlands	2.93	128.17	15.49	437.44	5.29	2.60	113.32	14.10	435.85	5.42
Germany	8.89	247.68	29.91	278.61	3.36	8.00	287.89	35.83	359.86	4.48
Ireland	2.02	133.13	16.07	659.06	7.96	2.29	168.93	21.02	737.69	9.18
Poland	4.82	99.94	12.07	207.34	2.50	5.74	128.78	16.03	224.36	2.79
U.S.A	13.83	568.87	68.67	411.33	4.97	12.56	556.68	69.28	443.22	5.52
Canada	2.71	115.80	13.99	427.31	5.16	2.14	96.61	12.02	451.45	5.62
U.A.E	39.75	1080.83	130.32	271.91	3.28	42.44	1307.87	162.76	308.17	3.84
Iran	7.15	208.48	25.17	291.58	3.52	16.51	492.89	61.34	298.54	3.72
Saudi Arabia	6.54	217.43	26.24	332.46	4.01	5.52	185.14	23.04	335.40	4.17
Egypt (A.R.E)	3.07	41.34	4.98	134.66	1.62	2.43	35.35	4.40	145.47	1.81
Afghanistan	2.05	40.28	4.87	196.49	2.38	1.10	21.72	2.70	197.45	2.46
Bangladesh	0.16	6.11	0.74	381.88	4.63	0.40	11.29	1.40	282.25	3.51
China	6.76	131.32	15.87	194.26	2.35	4.47	81.34	10.12	181.97	2.26
Singapore	1.18	26.54	3.22	224.92	2.73	1.54	53.72	6.69	351.11	4.37
Sri Lanka	3.09	47.29	5.70	153.04	1.84	3.12	63.38	7.89	203.79	2.54
Kenya	1.35	26.42	3.19	195.70	2.36	0.50	10.24	1.27	204.60	2.55
Japan	3.06	151.73	18.33	495.85	5.99	2.90	156.58	19.49	539.93	6.72
Iraq	41.80	725.66	87.63	173.60	2.10	14.90	272.45	33.90	182.85	2.28
Turkey	6.90	190.34	23.01	275.86	3.33	2.97	82.11	10.22	276.46	3.44
Tunisia	3.62	44.89	5.44	124.01	1.50	2.33	31.58	3.93	135.54	1.69
Australia	2.39	105.97	12.79	443.39	5.35	2.76	117.60	14.63	426.09	5.30
Other countries	25.88	920.56	111.16	355.70	4.30	21.14	734.19	90.46	347.30	4.28
Total	**250.73**	**6476.38**	**781.79**	**258.30**	**3.12**	**228.40**	**6385.81**	**793.78**	**279.59**	**3.48**

Photographs



G20 Delegates visiting the Tea Board India pavilion at the G20 Sherpa Meeting, Kumarakom, Kerala, 31 March-01 April, 2023



G20 Delegates visiting the Tea Board India pavilion at the G20 Sherpa Meeting, Kumarakom, Kerala, 31 March-01 April, 2023



G20 Delegates visiting the Tea Board India stall at G20 Empower Exhibition, Trivandrum, Kerala, 5-6 April, 2023



G20 Delegates visiting the Tea Board India stall at G20 Empower Exhibition, Trivandrum, Kerala, 5-6 April, 2023



Tea Board India at the G20 Research and Innovation Initiative Gathering (RIIG) Conference, organised by Ministry of Science and Technology, Government of India, at Dharamshala, Himachal Pradesh, 19-20 April, 2023



Dr. Pramod P Sawant, Hon'ble Chief Minister of Goa, at the Tea Board India stall on the sidelines of the Third Development Working Group (DWG) Meeting of India's G20 Presidency at Goa, 9th May, 2023



Dr. Pramod P Sawant, Hon'ble Chief Minister of Goa, at the Tea Board India stall on the sidelines of the Third Development Working Group (DWG) Meeting of India's G20 Presidency at Goa, 9th May, 2023



The specially-designed "200 years of Assam Tea Logo" unveiled by the Hon'ble Minister, Industries, Commerce & Public Enterprise, Government of Assam – Shri Bimal Borah, Hon'ble MP of Lok Sabha – Shri Horen Sing Bey, Hon'ble MP of Rajya Sabha – Shri Kamakhya Prasad Tasa and Dy. Chairman of Tea Board –Shri Saurav Pahari on the occasion of the 4th International Tea Day on 21st May, 2023



The specially-designed "200 years of Assam Tea Logo" unveiled by the Hon'ble Minister, Industries, Commerce & Public Enterprise, Government of Assam – Shri Bimal Borah, Hon'ble MP of Lok Sabha – Shri Horen Sing Bey, Hon'ble MP of Rajya Sabha – Shri Kamakhya Prasad Tasa and Dy. Chairman of Tea Board –Shri Saurav Pahari on the occasion of the 4th International Tea Day on 21st May, 2023



Mobile van promotional campaign organized at Kolkata on the occasion of International Tea Day, 21st May, 2023



Smt. Anupriya Patel, Hon'ble Union Minister of State for Commerce & Industry, Govt of India, and Shri Som Parkash, Hon'ble Union Minister of State for Commerce & Industry, Govt of India, at the Tea Board India pavilion at the Experience Zone during the G20 2nd TIWG Meeting, Bengaluru, 24th May, 2023



G20 Delegates at the Tea Board India pavilion at the Experience Zone during the G20 2nd TIWG Meeting, Bengaluru, 23-25 May, 2023



G20 Delegates at the Tea Board India pavilion at the Experience Zone during the G20 2nd TIWG Meeting, Bengaluru, 23-25 May, 2023



Tea Board India stall at the Valparai Summer Festival 2023, Valparai, Tamil Nadu, 26-28 May, 2023



Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry, and Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Ministry of Commerce & Industry, at the India Tea Experience Zone, 3rd TIWG Meet, Ekta Nagar (Kevadia), Gujarat, 10-12 July, 2023



Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry, at the India Tea Experience Zone, 3rd TIWG Meet, Ekta Nagar (Kevadia), Gujarat, 10-12 July, 2023



G20 Delegates at the India Tea Experience Zone, 3rd TIWG Meet, Ekta Nagar (Kevadia), Gujarat, 10-12 July, 2023



On-ground campaign on the occasion of Independence Day, 15th August, 2023



Generic promotional campaign commemorating 200 years of Assam Tea Industry at Guwahati Airport



Tea Board's participation in the 'India Organic &Horti Expo - 2023 and concurrent show 'Empowering India - 2023' held on 18th to 20th August'2023 at Maniram Dewan Trade centre, Guwahati, Assam



Shri Piyush Goyal, Hon'ble Minister of Commerce & Industry, Consumer Affairs & Food & Public Distribution and Textiles, Govt of India and Mr Olivier Becht, Minister Delegate for Foreign Trade, Economic Attractiveness and French Nationals Abroad, Govt of France, at the Tea Board India pavilion on the sidelines of the 4th TIWG Meeting, Jaipur, 23rd August, 2023



G20 Delegates at the Tea Board India pavilion on the sidelines of the 4th TIWG & TIMM, Jaipur, 23-25 August, 2023



Shri Sunil Barthwal, Secretary, Ministry of Commerce & Industry, Govt of India, at Tea Board India pavilion at the Experience Zone, 4th TIWG & TIMM, Jaipur, 24th August, 2023



The India Tea pavilion at World Coffee Conference and Expo, Bengaluru, 25-28 September, 2023



Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, at the India Tea pavilion, 5th World Coffee Conference and Expo, Bengaluru, 28th September, 2023



Japanese delegates at the India Tea pavilion at World Food India, New Delhi, 3rd November, 2023



Shri Amardeep Singh Bhatia, Additional Secretary, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, interacting with importers and exporters at the Tea Board India pavilion, World Food India, New Delhi, 4th November, 2023



Shri Rajesh Agrawal, Additional Secretary, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, interacting exporters at the Tea Board India pavilion, World Food India, New Delhi, 3rd November, 2023



Shri Saurav Pahari, Deputy Chairman, Tea Board India, interacting with importers and exporters at the Tea Board India pavilion, World Food India, New Delhi, 3rd November, 2023



Shri Neeraj Gaba, Director (Plantations), Ministry of Commerce and Industry, Government of India, interacting with exporters at the Tea Board India pavilion at World Food India, New Delhi, 5th November, 2023



Shri Biplab Mitra, Hon'ble Minister of Consumer Affairs, Government of West Bengal, at the Tea Board India stall, Kreta Suraksha Mela, Siliguri, 2nd December, 2023



The Tea Board India stall at SIAL India, New Delhi, 7-9 December, 2023



Dr. Himanta Biswa Sarma, Hon'ble Chief Minister of Assam at the Tea Board India stall at 8th Assam International Agri Horti Show, Guwahati, 16th December, 2023



Generic promotional campaign for Assam Tea in connection with celebration of 200 years of Assam Tea Industry conducted during December 2023, at Guwahati railway station through display banners and promotional films on LED panels



The Tea Board India Stall at Pooppoli 2024 on 5th January, 2024. Pooppoli 2024 is a flower festival organised at Regional Agricultural Research Station at Ambalavayal in Wayanad District of Kerala from 1-15 January, 2024



Shri. P. Prasad (extreme right), Hon'ble Minister for Agriculture, Government of Kerala, at Tea Board India Stall at Pooppoli 2024 on 5th January, 2024. Pooppoli 2024 is a flower festival organised at Regional Agricultural Research Station at Ambalavayal in Wayanad District of Kerala from 1-15 January, 2024



The Tea Board India pavilion at Indus Food 2024, Greater Noida, 8-10 January, 2024



Tea Board's participation at Kerala Plantation Expo 2024 held at Kochi, Kerala, from 20-22 January, 2024, organised by Directorate of Plantation, Govt of Kerala



Dr. Manik Saha, Hon'ble Chief Minister of Tripura, at the Tea Board India stall at 34th Tripura Industries and Commerce Fair, 28th January, 2024



Shri Bimal Borah, Hon'ble Minister, Industries, Commerce & PE Deptt, Govt of Assam, addressing the audience at Bi-Centenary Assam Tea International Conference (BATIC 2024), Guwahati, 29th January, 2024



Shri Saurav Pahari, Deputy Chairman, Tea Board India, addressing the audience at Bi-Centenary Assam Tea International Conference (BATIC 2024), Guwahati, 29th January, 2024



Shri Saurav Pahari, Deputy Chairman, Tea Board India, addressing the audience at Bi-Centenary Assam Tea International Conference (BATIC 2024), Guwahati, 29th January, 2024



The Bi-Centenary Assam Tea International Conference (BATIC 2024), Guwahati, 29-30 January, 2024



Tea Board India at Horti Food Festival organized by Department of Food Processing Industries and Horticulture, Government of West Bengal, Kolkata, 17-19 February, 2024



Tea Board India at Horti Food Festival organized by Department of Food Processing Industries and Horticulture, Government of West Bengal, Kolkata, 17-19 February, 2024



Shri Ravindra Jaiswal, Hon'ble Minister of State (Independent Charge), Stamp and Court Fee, Registration, Govt. of Uttar Pradesh, flagging off the Roadshow (B2C Campaign) on 200 Years of Assam Tea organized by Tea Board India at Varanasi, Uttar Pradesh, 01.03.2024



Cultural extravaganza at the Inaugural Ceremony of the Roadshow (B2C Campaign) on 200 Years of Assam Tea organized by Tea Board India at Varanasi, Uttar Pradesh, 01.03.2024



Cultural extravaganza at the Inaugural Ceremony of the Roadshow (B2C Campaign) on 200 Years of Assam Tea organized by Tea Board India at Varanasi, Uttar Pradesh, 01.03.2024



Cultural extravaganza at the Inaugural Ceremony of the Roadshow (B2C Campaign) on 200 Years of Assam Tea organized by Tea Board India at Varanasi, Uttar Pradesh, 01.03.2024



"Cross Country Race" & "Run For Tea" organised on 11th& 12th March, 2024, at Agartala, Tripura by Tea Board India in collaboration with Tripura Tea Development Corporation. The event was inaugurated by Shri Tinku Roy, Hon'ble Minister of Sports & Youth Affairs, Govt of Tripura & Smt Santana Chakma, Hon'ble Minister of Industries & Commerce, Govt of Tripura



"Cross Country Race" & "Run For Tea" organised on 11th& 12th March, 2024, at Agartala, Tripura by Tea Board India in collaboration with Tripura Tea Development Corporation

CHAPTER-7

Licensing

7.1 Introduction: -

The Licensing Branch is a vital wing of the Board, ensuring the implementation of statutory and regulatory directives issued by the Government of India. It oversees a range of licensing activities essential for the tea industry, including issuing licenses to stakeholders, formulating regulatory policies, amending Control Orders and framing guidelines for issuance of various licenses. Additionally, the branch monitors and regulates stakeholder activities to ensure compliance with the directives of Central Government and Tea Board. It also oversees the auction system, monitors export and import quality and manages other aspects vital to the tea trade.

7.2 Regulatory Provisions: -

In accordance with the powers conferred by Sub-Sections (3) and (5) of Section 30 of the Tea Act, the following statutory provisions notified by the Central Government govern the entire spectrum of licensing and regulatory activities: -

1. The Tea (Marketing) Control Order, 2003
2. The Tea (Distribution & Export) Control Order, 2005
3. The Tea Waste (Control) Order, 1959
4. The Tea Warehouse (Licensing) Order, 1989

7.2.1 Introduction of online licensing system:

Since April 2018, the Board has implemented an online licensing system for the issuance and renewal of all types of licensing applications governed by various Control Orders. This system replaces the previous manual process of submitting hard copies of licensing applications with an enhanced and transparent online procedure. Benefits include timely processing of applications, online status tracking, and improved efficiency in handling licensing matters.

7.2.2 Details of licenses issued: -

The number of licenses issued across the country for the financial period 2023-24 along with the quantum of revenue generated is tabulated below:

Sl No	Control Orders	Nature of License/ Registration	No. of licenses/ registration/certificates issued
1	The Tea Marketing (Control) Order, 2003	NOC to manufacturing units	151 (90 fresh and 61 Modification)
		Registration to manufacturing units	127 (70 Fresh and 57 Modification)
		Buyer Registration	230 (208Fresh and 22 Modification)
		Broker License	22 (1 Fresh and 21renewal)

Sl No	Control Orders	Nature of License/ Registration	No. of licenses/ registration/ certificates issued
	The Tea Marketing (Control) Order, 2003	Auction Organizer License	8 (1 Fresh and 7 renewal)
		Certificate to Mini Tea Factory	13 (Fresh)
2	Tea Distribution (Control) Order, 2005	Exporter License	783 (644 Fresh and 124 renewal, 1 Permanent and 14 modification)
		Distributor License	18 (16 Fresh and 2 Modification)
3	Tea Waste (Control) Order, 1959	Tea Waste License	447 (209 Fresh and 190 renewal and 48 Modification)
4	Tea Warehousing Control Order, 1989	Tea Warehouse License	122 (54 Fresh and 59 renewal and 9 modification)
5	GSR 694 (E) dated 11.10.99 issued by Ministry of Health and Family Welfare, Government of India	Registration of flavour tea manufacturer	84 (61 Fresh and 23 modification)
6	Foreign Trade policy, Government of India	Registration cum Membership Certificate (RCMC)	240 (170 Fresh and 67 renewal and 3 modification)
7	Tea Act	Recording of change of ownership of registered estates	37
		Recording of change of ownership of registered factories	55
		Garden Registration	48
		Total	2385

Total Rs.3,52,06,700/- (exclusive of GST) revenue has been collected in terms of license fee and registration fee during the financial year 2023-24.

7.3 Sampling Activity: -

In order to improve quality of tea, the Tea Board at regular intervals, conducts visits and inspections to various manufacturing units/ warehouses and collect tea samples to check the quality of tea. Sub-standard teas, if detected, are not permitted by Tea Board to be marketed, thereby maintaining stringent quality control measures in the industry.Details of samples drawn during the financial year 2023-24 from teas produced in India and imported from foreign countries are furnished below: -

7.3.1. Samples drawn from domestic production: -

No. of samples drawn	No. of samples sent to NABL accredited laboratory	No. of test reports received	No. of sample failed to adhere to FSSAI parameters	Volume of tea destructed (in kg.)
391	391	322	221	55198

7.3.2. Samples drawn from import consignments: -

Apart from drawing samples from domestic production, the Tea Board also inspects imported teas by collecting samples for testing. Upon testing, if any sample is found to be non-compliant to FSSAI parameters, the corresponding teas are destructed by the Board as per the provisions contained in the Tea (Marketing) Control Order, 2003. This ensures that only FSSAI-compliant teas enter the Indian market, upholding quality and safety standards.In financial year 2023-24, Board had collected mainly Nepal tea samples in respect of imported tea and the details thereof are as follows: -

Name exporting country	No. of samples drawn from imported tea	No. of samples sent to NABL accredited laboratory	No. of test reports received	No. of sample failed to adhere to FSSAI parameters	Volume of tea destructed (in kg.)
Nepal	15	15	14	8	25631
Sri Lanka	1	1	1	0	NA

7.4 E-Auction: -

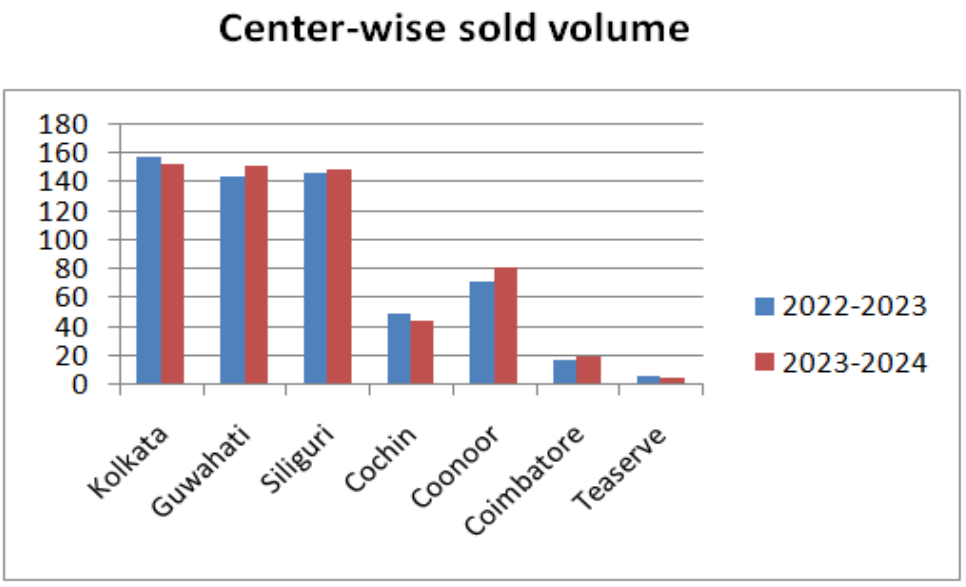
Tea Auction is a means of disposing the teas produced to a wide range of buyers in a competitive manner for fair discovery of price. Public tea auctions have always played a key role as the main vehicle for primary marketing of tea in India for more than a century ever since the first tea auction centre set up in Calcutta in 1861. Public tea auctions exclusively handle bulk, loose tea packages, involving registered stakeholders, includingAuction organizers, Tea producers (sellers), Auctioneers/brokers, Buyers and Warehouses. All stakeholders are registered with the Tea Board, ensuring a transparent and regulated process.

There are seven (07) registered auction centres in the country viz., Kolkata, Siliguri, Guwahati, Coonoor, Cochin, Coimbatore & Tea Serve where auctions are presently being conducted through electronic platform provided by Tea Board under Pan India e-action model. Additionally, the Jorhat e-Marketplace, a pioneering auction platform, was launched in June 2020, governed by the Jorhat Auction Rules (revised in 2023).

The quantum of tea sold and purchased through e-auction under Pan India Module as well as Jorhat e-Marketplace during last two financial years are as follows:

Auction Centre	April 2022 to March 2023		April 2023 to March 2024	
	Qty (MKgs)	Price (Rs/kg)	Qty (MKgs)	Price (Rs/kg)

Kolkata Leaf	123.33	236.65	117.12	207.70
Kolkata Dust	32.89	217.31	34.17	198.50
Total Kolkata	156.22	232.58	**151.28**	**205.62**
Guwahati Leaf	104.60	190.77	109.02	186.87
Guwahati Dust	38.46	192.03	41.96	179.16
Total Guwahati	143.07	191.11	**150.98**	**184.73**
Siliguri Leaf	130.35	176.62	131.76	161.41
Siliguri Dust	15.88	175.84	16.30	156.67
Total Siliguri	146.23	176.53	**148.06**	**160.89**
Cochin Leaf	13.03	164.63	10.96	143.22
Cochin Dust	35.42	137.33	33.67	133.97
Total Cochin	48.44	144.67	**44.62**	**136.24**
Coonoor Leaf	53.18	97.28	60.92	95.17
Coonoor Dust	18.33	103.62	19.55	99.37
Total Coonoor	71.52	98.91	**80.48**	**96.19**
Coimbatore Leaf	7.33	102.45	8.21	97.23
Coimbatore Dust	9.75	117.93	11.89	114.91
Total Coimbatore	17.08	111.29	**20.10**	**107.68**
TesServe Leaf	2.93	83.61	2.97	85.67
TeaServe Dust	3.08	92.39	2.52	89.28
Total TeaServe	6.01	88.11	**5.49**	**87.33**
Jorhat e-Marketplace Leaf	0.22	172.44	0.27	165.82
Jorhat e-Marketplace Dust	0.07	150.60	0.09	147.23
Total Jorhat e-Marketplace	0.29	166.81	0.36	161.28
Grand Total	588.85	180.09	**601.72**	**165.08**



As on 31st March, 2024 (FY 2023-24), an amount of Rs. 4.79 crores (including taxes) has been collected by Tea Board from the post-sale transactions.

Special Tea Auction:- On the occasion of International Tea Day 2023, the Tea Board organized a special plucking of high-quality tea leaves, which were subsequently auctioned on June 19, 2023. A total of 21,568.40 kg of tea was sold during this special auction session, achieving an average price of Rs. 317.32 per kg. The highest price reached during this session was Rs. 40,002.00 per kg. All the seven auction centres of the country, viz. Kolkata, Guwahati, Siliguri, Coonoor, Coimbatore, Cochin and Teaserve-Coonoor centre as well as Jorhat auction centre participated in the special auction. This event marked a significant celebration of tea quality and trade, showcasing the diversity and excellence of Indian tea production.

7.5 New Initiatives:-

- Review of auction system:- The Tea Board has commissioned an expert auction committee to review the e-auction system in order to assess the relevance of various aspects of the e-auction system in light of current market prospects. The committee has conducted stakeholder consultations in various tea-growing regions across India, gathering valuable inputs. The report is expected to be submitted by May 2024, providing recommendations for potential improvements to the auction system.

- Study on Price Sharing Formula (PSF):- In order to ensure fair price realization to the Small Growers, Tea Board in the year 2004 introduced Price Sharing Formula (PSF) under the provisions of the Tea (Marketing) Control Order, 2003. The PSF has since been revised periodically to align with changing agro-climatic conditions and socio-economic factors. Recognizing the current dynamics, the Board has engaged M/s. BDO India LLP to conduct a fresh study on determination of price sharing formula (PSF) focusing on key aspects such as the cost of tea leaf production in the small tea growers sector and the manufacturing costs of made tea in tea factories. M/s. BDO India LLP submitted their report in March 2024.

- Collaborative efforts have been undertaken with FSSAI, Customs, and the Tea Board to ensure the availability of FSSAI-compliant teas in the market: -

    - Joint inspection and drawing of sample by Tea Board along with FSSAI to scale up sample testing,

    - Advisory issued to tea planters to discontinue the use of banned chemicals in tea production,

    - To put in place a mechanism for sharing data pertaining to sample testing by Customs with Tea Board and FSSAI,

- An Initiative has been taken to conduct auctions of 100% dust grade of tea in North India over a three-month period. The Government of India has issued Gazette Notification No.S.O.854(E) dated 23.02.2024 regarding this initiative, aimed at ensuring fair price discovery through transparent means.

- Upgradation of electronic auction system, for which a web-based application is being put in place. The same is under mock/testing stage at present. After successful mock, the web-based application would be launched shortly.

CHAPTER-8

STATISTICS

Introduction:

Primary functions of Statistics Branch of Tea Board is to collect, collate and dissemination of statistical information relating to all aspects of tea industry and trade covering area under cultivation, production, productivity, types of tea produced in the country, primary market prices, export and destination of exports on tea and workers employed in tea plantations etc. Such information forms a crucial input for the policy matters of the Board, the Government and the Industry.

Dissemination of Statistical Information:

Information on weekly auction prices, monthly production and export data are disseminated in the website of the Board - www.teaboard.gov.in in the public domain for the trade, industry, research scholars etc.,

Monitoring of Tea Prices:

The Statistics Branch has been monitoring and providing required information on auction prices to Ministry of Commerce, Ministry of Consumer Affairs, Food& Public Distribution in connection with the construction of Wholesale Price Indices (WPI) of Plantation Crops and Index of Industrial Production (IIP) respectively. The retail price of tea at different cities/towns is also being compiled by the Statistics Branch.

Taxes & Duties:

Excise Duty :12.5% ad-valorem on Instant Tea falling under heading 2101.2010

Export Duty: Nil

Import Duty: Nil on teas imported by Export Oriented Units (EOU) and Special Economic Zone (SEZ) units for the purpose of re-export. However, teas imported for domestic markets would attract basic import duty of 100% plus 10% surcharge plus special additional duty of 4% on basic duty and surcharge (w. e. f. 1st March, 2002). Concessionary rate of 7.5% basic duty plus other normal surcharges apply to imports from Sri Lanka up to a volume of 15 M Kgs per calendar year.

Customs Duty of Tea from ASEAN Countries such as Vietnam, Indonesia etc., is covered under ASEAN agreement and presently is 45%. No import duty is levied on Tea imported into India from Nepal, only 5% IGST is charged on such import.

Goods and Service Tax:

The present rate of GST on Tea is 5% i.e. 2.5% CGST + 2.5% SGST. In case of inter-state supply, the rate of IGST on Tea is 5%.

STATUS OF TEA INDUSTRY AND TRADE DURING THE YEAR 2023-24

PRODUCTION:

India tea production during 2023-24 is1382.03 M. Kgs increased by 7.06 M. Kgs over 2022-23.

The major tea growing States Assam, West Bengal, Tamil Nadu and Kerala contribute 97.09% of the total tea production while the remaining production is in other States. Out of the total tea production, CTC contributes 90% while the Orthodox and Green Tea contributes around 10%..

ORGANISED SECTOR:

There were 1567 tea estates. This sector has an established 931 manufacturing Units. During 2023-24, the Organized Sector share of production is seen at 47%.

SMALL TEA GROWERS:

Small Growers enumeration are a continuous process. As on 31.03.2024, the number of Small Tea Growers enumerated are 247887. The Small Growers contribution to total tea production is increasing year to year. During the year 2023-24 small growers' share of production is seen at 53%.

EXPORTS:

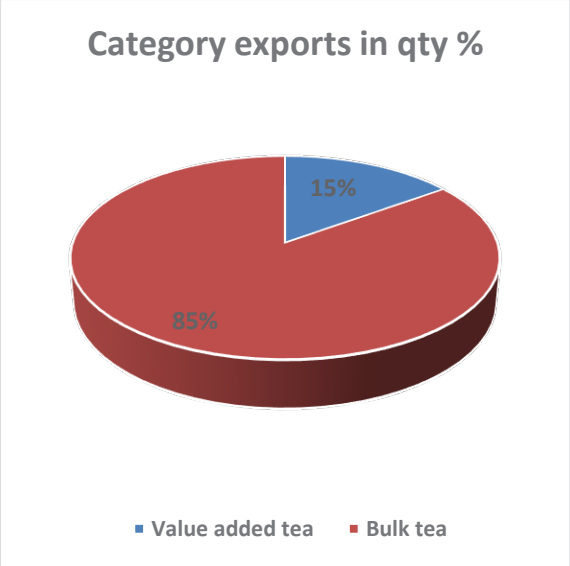
Tea Exports during 2023-24 were250.73 M. Kgs in quantity with value realization of Rs. 6476.38 Crs. It was higher by 22.33M. Kg in quantity and Rs.90.57Crsin value but the unit price realization was decreased by Rs.21.29 per Kg.

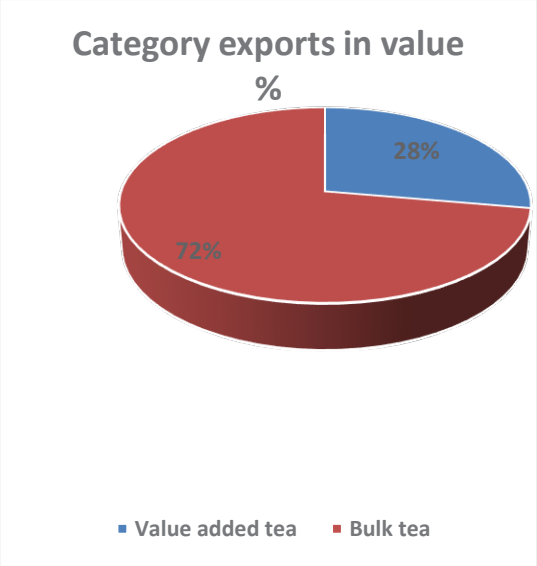
.

Exports of Tea from India

Year	Quantity (M Kgs)	Value (RsCrs)	Unit Price (Rs/kg)	Bulk Tea		Value added tea	
				Qty (M.Kgs)	Value (Rs.Crs.)	Qty (M.Kgs)	Value (Rs.Crs.)
2022-23	228.40	6385.81	279.59	197.66	4707.91	30.74	1677.90
2023-24	250.73	6476.38	258.30	213.02	4679.79	37.71	1796.59

It is observed that during 2023-24 about 15 % of total exports are in the value-added form (packet tea, tea bags and instant tea) while rest is exported in the bulk form.





IMPORT OF TEA INTO INDIA

During the year 2023-24 tea import stands at 22.97 M.kgs with CIF value of Rs 336.71 Crores as against 29.12M.kgs with CIF value of Rs 427.99 Crores.

TEA PRICE AT AUCTION

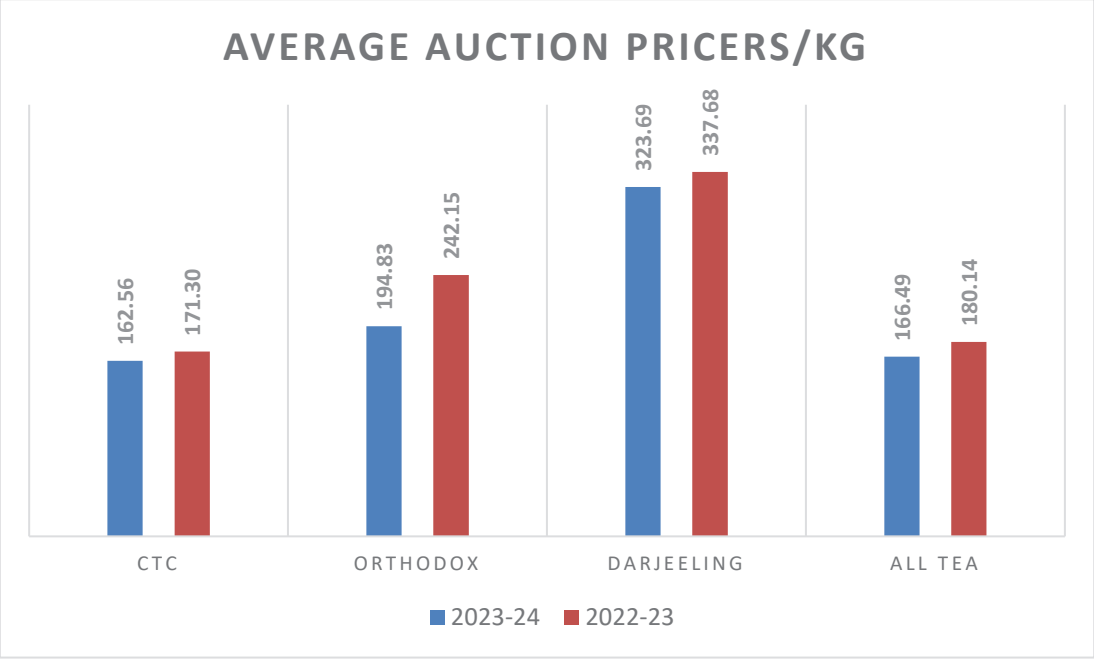
During the year under report about 42% of total tea produced in the country was sold through public auctions remaining through other modes.

Year	North India		South India		All India	
	Qty. (M. Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)	Qty. (M. Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)	Qty. (M.Kgs)	Avg. Price (Rs/Kg)
2022-23	445.81	200.91	143.05	115.43	588.86	180.14
2023-24	428.36	186.82	152.85	109.51	581.21	166.49

During 2023-24 the quantity sold in public auctions was declined in North India but improved in South India auction Centers. The North India auction average price decreased by Rs.14.09 per kg (7.01%) and the South India auction average price decreased by Rs.5.92 per kg (5.13%) as compared to last year. The All India auction average price during 2023-24 declined by Rs. 13.65 per Kg. (7.58%) as compared to 2022-23.

The category wise price during 2023-24 as compared to 2022-23 are given hereunder which shows that average auction prices of all categories decreased.

Category	2023-24 Price Rs/Kg)	2022-23 Price Rs/Kg)	Incr/decr Price Rs/Kg)
CTC	162.56	171.30	-8.74
Orthodox	194.83	242.15	-47.32
Darjeeling	323.69	337.68	-13.99
All Tea	166.49	180.14	-13.65



Domestic Retention:

The apparent domestic retention of tea for the year 2023-24 wasaround 1154M. Kgs. as against 1176 M. Kgs in 2022-23.

CHAPTER: 9

Human Resource Development

(Welfare of Workers-wards of the small tea growers)

1. Introduction

Supporting welfare measures for securing better working conditions and improvement of amenities and incentives for workers and their dependants is one of the objectives and functions of the Tea Board, as mandated in the Tea Act, 1953. Since the working conditions of tea garden workers in the country are governed by the Plantation Labour Act (PLA), 1951 and the same is being implemented by the concerned State Governments, the welfare activities undertaken by the Board are supplementary in nature and cover general welfare measures.

2. Labour Welfare Committee

The Labour Welfare Committee of the Board guides in its capacity as an Advisory Body of the Board. The Board is assisted towards implementation of various labour welfare activities by the Labour Welfare Committee which comprised of the following members during the year under report:

1. Shri D. David
2. Shri E. P. Sivadasan
3. Shri K. K. Manojkumar
4. Shri Mrigendra Jalan
5. Shri Prafull Ranjan Verma
6. Shri Rajib K. Gohain
7. Shri Sushil K. Berlia
8. Shri T. K. Thullaseedharan Pillai

During the year under report the Board/Labour Welfare Committee met on 17th November 2023 at Guwahati for 249th Meeting of the Board. Meetings of Labour Welfare Committee were also so held on 28-12-2023 and 23-01-2024 at HO Kolkata.

3. Welfare measures under the Tea Development & Promotion Scheme for 15th Finance Commission (2021-22 to 2025-26)

The Tea Development & Promotion Scheme for 15th Finance Commission (2021-22 to 2025-26) provides for the welfare measures of the wards of the small tea growers.

There are more than 2.47 lakh small tea growers throughout India with tea area approx. 2.13 lakh ha. sharing almost 52% of the total tea production. Unlike, the workers of the tea garden who are protected under various statutory Acts and Laws viz., Plantation Labour Act, the small tea growers generally work on their own plantation together with their family members and are devoid of such facility provided to the tea garden workers.

For securing better education facilities for the wards of small tea growers and welfare of tea garden workers, the following welfare measures are provided under the scheme:

i. Education to the wards of the Small Tea Growers area up to 2.00 ha

Scale of assistance	Criteria
Reimbursement of tuition fees and 2/3rd of the hostel charges (including boarding and lodging on the basis of actual subject to ceiling limit up to Rs.20000.00	i. Stipends will be paid to the wards of the small tea growers from elementary/primary stage in tea growing states of North and South India. Stipends will be provided for Elementary, Middle, Secondary education, General and Technical Degrees including Post Graduate courses and Technical and Vocational Education including Nursing course ii. Children of small tea growers holding tea area up to 2.00 ha. area under tea plantation, are eligible for stipend provided the concerned small tea growers are enrolled with Tea Board and possess QR code embedded Identity Card issued by Tea Board iii. Not more than 2 children including legally adopted ones can be granted. An orphan adopted by a grower and dependent on him or her can also be granted stipend iv. An orphan adopted by a grower and dependent on him or her can also be granted stipend v. Children in receipt of free tuition or any other scholarship/stipend from either State or Central Government are not entitled for stipend under the scheme. But in cases where such scholarship/stipend does not provide for Hostel Charges, a grant representing the balance may be sanctioned under the scheme or 2/3rd of hostel charge whichever is lower vi. Students who wish to pursue their studies through correspondence course will not be eligible vii. The applicant should have Aadhaar Card/valid Identity proof

Conditions:

a. All stipend awarded under the scheme are tenable only for one academic session for pursuing regular fulltime courses in Government recognized institutions in India only. At the end of each academic session, a candidate has to make a fresh application with the photo copy of annual progress report certified by the Head of the Institution where the student was studying in the previous academic session.

b. A stipend is tenable on the usual conditions of good conduct and satisfactory progress. No stipend is granted to a student detained in a class. However, in case when a student subsequently passes the examination by appearing in the supplementary examination for the failed subject the educational stipend may be allowed.

c. The amount of stipend under the scheme is limited to all types of school fees and 1/3 of hostel charges will be borne by the growers. Hostel charges will be payable for the period of study (excluding summer, Puja and winter vacation) as certified by the Head of the Institution.

d. The children who are interested to complete Diploma courses in Computer Science may apply for stipend scheme on the existing scheme on the existing terms and conditions provided that the Diploma Course should not be less than 2 years course and be conducted by recognized Institutions.

ii. Award for meritorious students Class X and Class XII

Scale of assistance	Criteria
Class X: Onetime lump sum grant @ Rs. 8,000/- to the eligible wards of the growers. Class XII: Onetime lump sum grant @ Rs. 10,000/- to the eligible wards of the growers.	I. At least 60% marks in the last Secondary or equivalent examination and then undergoing studies in Higher Secondary / Higher Education from recognised Institution II. Children of small tea growers holding tea area up to 2.00 ha. area under tea plantation, are also eligible for the Award III. Not more than 2 children including legally adopted ones can be granted IV. An orphan adopted by a grower and dependent on him or her can also be granted a stipend V. Students who wish to pursue their studies through correspondence course will not be eligible VI. The applicant should have Aadhaar Card/valid Identity proof

iii. Studies on Tea Industry

Tea Industry is a labour-intensive Industry giving direct employment to more than 1.16 million of tea workers and a considerable number of dependents on the tea plantation worker, most of whom are the female workers. There are more than 2.37 lakhs of small tea growers who are contributing more than 52% of the total India production. The socioeconomic condition of the work force largely depends on the Tea Industry and the Industry being located in the remote areas is the only source of employment to those work forces. The tea industry also plays an important role in the State economy and National economy. It is very important to create an equilibrium between the industry, the workforce, production, productivity, consumption and export. The imbalance in any of the stakeholder/activity will adversely affect the development and promotion of the Tea Industry. It is therefore necessary to undertake study on the Tea Industry by an independent expert agency that will help the Government to frame policies for the overall development of tea industry.

4. For wards of small growers belonging to Scheduled Caste and Scheduled Tribe Community

Education Stipend: Children/dependent ward of SC/ST small tea growers holding up to 4.00 ha. area under tea plantation, are eligible for the Award. Stipend is granted to a student even if he/she is detained in a class.

Award for meritorious students Class X and Class XII: The percentage of marks to be eligible shall be 50% for consideration of award. Children/dependent ward of SC/ST small tea growers holding up to 4.00 ha. area under tea plantation, are eligible for the Award.

5. Physical and Financial Progress

5.1. Tea Development & Promotion Scheme: Physical & Financial achievement under welfare of wards of small tea growers for FY 2023-24

Physical & financial achievement under welfare of workers for the F Y 2023-24											
		North East		West Bengal including Bihar		South India		Himachal Pradesh & Uttrakhand		Total	
Major Head	Major Activity/ Sub Component	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries
WELFARE OF WORKERS	Educational Stipend (no)	136.98	1381	37.78	225	92.88	516	8.16	42	275.81	2164
	Award for meritorious students Class X	39.14	488	7.68	96	0.56	7	0.16	2	47.54	593
	Award for meritorious students Class XII	24.50	245	8.80	88	4.50	45	0.30	3	38.10	381
	Studies on Tea Industry			19.84	0					19.84	0
	Sub total	**200.62**	**2114**	**74.10**	**409**	**97.94**	**568**	**8.62**	**47**	**381.29**	**3138**

5.2 Tea Development & Promotion Scheme: Physical & Financial achievement under welfare of wards of small tea growers for FY 2023-24 State wise

State wise Physical & financial achievement for the welfare of workers for the FY 2023-24											
	Assam	Tripura	Nagaland	Meghalaya	West Bengal	Bihar	Tamil Nadu	Kerala	Himachal Pradesh	Uttrakhand	Total
Financial (Rs. In Lakh)	196.59	2.86	1.17	0.00	72.44	1.66	96.28	1.67	8.14	0.48	**381.29**
No. of beneficiaries	2079	24	11	0	399	10	554	14	44	3	**3138**

5.3 Tea Development & Promotion Scheme: Physical & Financial achievement under welfare of wards of small tea growers under Schedule Caste Sub Plan(SCSP)for FY 2023-24

		North East		West Bengal including Bihar		South India		Himachal Pradesh & Uttrakhand		Total	
Major Head	Major Activity /Sub Component	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries
WELFARE OF WORKERS	Educational Stipend	1.99	20	8.15	46	0.2	2	0.72	4	11.06	72
	Award for meritorious students Class X	1.06	12	1.2	15	---	---	---	---	2.26	27
	Award for meritorious students Class XII	0.5	5	3.7	37	0.1	1	---	---	4.3	43
	Sub Total	**3.56**	**37**	**13.05**	**98**	**0.3**	**3**	**0.72**	**4**	**17.62**	**142**

5.4Tea Development & Promotion Scheme: Physical & Financial achievement under welfare of wards of small tea growers under Tribal Area Sub Plan(TASP) for FY 2023-24

All India Physical & Financial achievement for the F Y 2023-24 under TASP											
		North East		West Bengal including Bihar		South India		Himachal Pradesh &Uttrakhand		Total	
Major Head	Major Activity /Sub Component	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries	financial (Rs. In Lakh)	No. of beneficiaries
WELFARE OF WORKERS	Educational Stipend (no)	17.05	199	1.28	7	---	---	1.85	12	20.18	218
	Award for meritorious students Class X	5.44	68	0.16	2	---	---	---	---	5.6	70
	Award for meritorious students Class XII	4	40	0.1	1	---	---	---	---	4.1	41
	Sub Total	**26.49**	**307**	**1.54**	**10**	**---**	**---**	**1.85**	**12**	**29.88**	**329**

CHAPTER - 10

HINDI CELL

Introduction

With the enforcement of the constitution on 26 January, 1950, Hindi became the Official Language of the Union of India according to Article 343(1) of the constitution of India. Government of India was entrusted with the duty to promote the propagation and development of the Official Language Hindi, so that it may serve as a medium of expression of all the elements of the composite culture of India.

The Hindi Cell of the Board has the nodal responsibility for effective implementation of Official Language Policy of the Government of India, the Official Language Act 1963 and rules 1976 made there under. The work related to Official Language Policy and translation of important documents of the Board, is being performed under the supervision of Deputy Director (Official Language)

Compliance of Sec.3 (3) of O.L .ACT 1963:

During the period 2023-2024 provisions/sections including section 3(3) of the Official Language Act, 1963 which is the main regulatory Act guiding Official Language Policy of the Government of India, were fully complied with.

Correspondence in Hindi:

All letters received in Hindi were invariably replied to in Hindi itself during the year under review. Vigorous efforts were made for achievement of Programme2023-24 and target laid therein.

Reports in Hindi:

Various reports like Annual Administrative Report, Annual Accounts, and Annual Audit Report of the Board were prepared in Hindi for submission to the parliament.

All regional/Sub-regional offices controlled by Tea Board, Head office, submitted quarterly progress reports regarding progressive use of Hindi in the prescribed proforma. Apart from this, Quarterly Progress Report and Annual Assessment Report regarding progressive use of Hindi, were prepared in Hindi and sent regularly to Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, New Delhi as well as Regional Implementation Office, Ministry of Home Affairs, Deptt. Of OL, Kolkata. All reports were reviewed and actions were taken to remove the deficiencies.

Purchase of Hindi Books:

During the year Hindi books worth Rs. 25,000/- (Rupees twenty-five thousand only) were bought for the Head Office as well as its Regional Offices for implementation of Official Language and to provide reference literature. Among these reference materials, Glossaries/Dictionaries are included.

Hindi Training:

With a view to achieve the prescribed target for imparting training to the untrained staff of the Board, some of the employees were nominated for PRAVEEN & PRAGYA course. Also some employees were nominated for Hindi typing Course under Hindi Teaching Scheme.

Organising Hindi Workshop:

During the year under review three Hindi Workshops were organized from time to time in which Assistants/Senior Assistants/Assistant Administrative Officers and other officers of the Board were trained in doing official work in Hindi. Faculties from different Government offices conducted the classes. This resulted in a favourable orientation and inclination amongst officials towards functional Hindi.

.Organising Hindi Week:

With a view to create awareness regarding official Language and accelerate its use in Official work, Hindi week was organized from 7-14th September, 2023. During the course of the week, several competitions were held and there was active participation of the employees. Similar programme were organized in regional offices of the Board in India.

Annual Programme for transacting the Official work in Hindi

In pursuance of Official Language Resolution 1967, department of OL issues programme every year to speed up propagation and development of OL Hindi and also to accelerate its progressive use for official purpose. The Annual programme of the year 2023-24 is a continuation of this, whereby considerable progress has been made in the use of Hindi in the Official transaction. The prescribed target has been achieved to some extent. However, English continues to be in use in the Board.

Incentive Scheme for Use of Hindi in Official Work:

Tea Board promoted and propagated the incentive scheme in Head Office as well as its regional offices in India in order to accelerate the use of Hindi. The officials and employees were benefited by these Schemes. Some employees participated and were awarded with cash prize.

Participation in TOLIC activities:

Board actively participated in the various promotional activities pertaining to usage of Official Languages, coordinated by Town Official Language Implementation Committee (TOLIC), Kolkata.

Meeting of OLIC of the Board:

The meetings of Official Language Implementation Committee (OLIC) were held in each quarter wherein useful decisions were taken.

Provision for Bilingual Computer:

During the year bilingual software were made available to all the computers of the Board's office.

Hindi website:

In the era of e-governance when internet has become a powerful medium, Tea Board is running its website in Hindi also on www.teaboard.gov.in because even today Hindi is the language of the most of the Indian populace. Vigorous efforts were taken to update the Hindi website of the Board and make it match with English version, which is a continuous process.

Inspection of Regional Offices :

During the year 2023-24 some of the departments of Tea Board's Head Office and its Regional office were inspected.

CHAPTER-11

VIGILANCE CELL

The Secretary of Tea Board acts as Chief Vigilance Officer of the Board. The overall activities of the Vigilance Cell are being done under the supervision of Chief Vigilance Officer. The Controller of Licensing has been assigned the duty of Vigilance Officer.

The main function of the Vigilance Cell is to implement the directives of the Government / the Central Vigilance Commission, all of which is done on a regular basis. The Vigilance Cell also attends various queries and submits reports to the Government. As per the advice of Chief Vigilance Officer, the directives of CVC in respect of tender and preventive vigilance etc. are being followed in the Board in every respect.

Vigilance Cell also observes Vigilance Awareness Week every year as per directive of the Central Vigilance Commission during which all the employees of Tea Board takes oath on efficiency and transparency while highlighting the basics mission of the awareness.

Total no. of complaints received by Vigilance Cell during the year 2023-24 under review is 06 on which necessary action has been initiated as per CVC manual.

RTI

The total no. of RTI application received during 2023-24 along with the latest status is furnished below:-

Category of application	No. of received	Present status
Fresh RTI application	104	83 nos. Disposed off
First appeal	9	Disposed off

CHAPTER-12:

Legal Cell

Tea Board's Legal Cell is working under the Law Officer. The Legal Cell of Tea Board is attending all legal matters of the Board as and when referred to by the officers of Tea Board in Head Office/Regional Offices. The cell also liaisons with the Law Firms, legal consultants and Central Government Counsels on behalf of the Board. The number of cases pending as on 31.03.2023 was 123. During the year under review, 33 new cases arose and11cases were disposed of. As on31.03.2024 the total number of pending cases was 145.

CHAPTER-13

Information Technology Cell

Information and Communications Technology (ICT) has led the transformation of processes resolving a number of challenges and the journey towards achieving ease of doing business and ease of living. The activities of Tea Board have transformed significantly leveraging the use of information technology. Use of Information Technology has become part of the Board's processes. A number of manual operations have been replaced with online systems which have helped in delivering the services to the stakeholders effectively and in a time-bound manner. Information Technology Cell facilitates the use of information technology across all the departments of the Board facilitating e-Governance centric services being delivered to the internal and external stakeholders. In effect, this makes the processes more user friendly and productive enabling the Board perform its functions more efficiently.

The hosting of web-based e-Governance applications in GI Cloud (Meghraj), operation and maintenance of various web-based e-Governance applications including technological upgradation were carried out by the Information Technology Cell. Regular updating, upgrading and maintenance of the official website of the Board, https://teaboard.gov.in, have been part of the activities of this Cell. Maintaining the Local Area Network connectivity and ensuring seamless access to the Internet has been a priority area.

The Information Technology Cell has played an important role in ensuring the delivery of digital services to the stakeholders maintaining cyber security measures for a secure cyber space. The Board has initiated necessary action for compliance to Cyber Security Guidelines issued by Ministry of Electronics & Information Technology (MeitY), Government of India.

The Board has successfully implemented e-Office (eFile) application developed by NIC as an end-to-end Office Workflow Automation System in Board's Head Office during the year 2023-2024. Organization-wide roll out of the same e-Office instance has been planned. The Information Technology Cell is actively involved in the Operation and Maintenance of the e-Office application.

The Board has successfully on boarded different components and sub-components under Tea Development and Promotion Scheme during the 15th Finance Commission period 2021-22 to 2025-26 to Service Plus framework.

Project planning, design and implementation of new digital initiatives and technological intervention have been the thrust area for the Information Technology Cell.

© Copyright, Tea Board India, 2024

14 बी टी एम सरणी कोलकाता 700001

14 B T M Sarani Kolkata 700001

Website : www.teaboard.gov.in